THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 329 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) माघ शु.7 2080 शुक्रवार, 16 फरवरी-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

सुप्रीम कोर्ट ने इलेक्टोरल बॉन्ड पर रोक लगाई

13 मार्च को पता चलेगा किस पार्टी को किसने, कितना चंदा दिया

नई दिल्ली, 15 फरवरी (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव से कुछ महीने पहले सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को 6 साल पुरानी इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, ये स्कीम असंवैधानिक है। बॉन्ड की गोपनीयता बनाए रखना असंवैधानिक है। यह स्कीम सूचना के अधिकार का उल्लंघन है।

5 जजों ने सर्वसम्मति से इस पर फैसला सुनाया। चीफ जस्टिस ने कहा, पॉलिटिकल प्रोसेस में राजनीतिक दल अहम यूनिट होते हैं। वोटर्स को चुनावी फंडिंग के बारे में जानने का अधिकार है, जिससे मतदान के लिए सही चयन होता है। 2018 से अब तक इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिए सबसे ज्यादा चंदा भाजपा को मिला है। 6 साल में चुनावी बॉन्ड से भाजपा को 6337 करोड़ की चुनावी फंडिंग हुई। कांग्रेस को 1108 करोड़ चुनावी चंदा मिला।

अब आगे क्या :

सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद अब यह पता चलेगा कि किस कंपनी, किन लोगों से या विदेश से कितना पैसा मिला है। 2017 में अरुण जेटली ने इसे पेश करते वक्त दावा किया था कि इससे राजनीतिक पार्टियों को मिलने वाली फंडिंग और चुनाव व्यवस्था में पारदर्शिता आएगी। ब्लैक मनी पर अंकुश लगेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने स्कीम को असंवैधानिक क्यों करार दिया :

इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम को असंवैधानिक करार दिया जाता है, क्योंकि इससे लोगों के सूचना के अधिकार का उल्लंघन होता है और इसमें देने के बदले कुछ लेने की गलत प्रक्रिया पनप सकती है। चुनावी चंदा देने में लेने वाला राजनीतिक दल और फंडिंग करने वाला, दो पार्टियां शामिल होती हैं। ये राजनीतिक दल को सपोर्ट करने के लिए होता है या फिर कंट्रीब्यूशन के बदले कुछ पाने की चाहत हो सकती है। राजनीतिक चंदे की गोपनीयता के पीछे ब्लैक मनी पर नकेल कसने का तर्क सही नहीं। यह सूचना के अधिकार का उल्लंघन है। निजता के मौलिक अधिकार में नागरिकों के राजनीतिक जुड़ाव को भी गोपनीय रखना शामिल है।

कंपनियों के डोनेशन प्रोसेस में कब और क्या बदलाव किया गया

कंपनी एक्ट 2013 के तहत कोई कंपनी किसी पॉलिटिकल पार्टी को चंदा दे सकती है। इसमें बदलाव से पहले कुछ शर्तें थीं। डोनेशन को बोर्ड की मंजूरी मिली हो, डोनेशन कैश में नहीं दिया जा सकता है, चंदे का जिक्र कंपनी के प्रॉफिट एंड लॉस अकाउंट में होना चाहिए, कंपनी 3 साल तक मिलने वाले औसत मुनाफे के 7.5 प्रतिशत से ज्यादा चंदा नहीं दे सकता है और जिस पार्टी को कंपनी चंदा दे रही है, उसका नाम बताना जरूरी था। 2017 में कंपनियों की ओर से दिए जाने वाले चंदे पर लगी लिमिट को हटा दिया गया। इसके साथ ही पार्टी का नाम बताने की बाध्यता भी खत्म कर दी गई।

कंपनी एक्ट में बदलाव पर सरकार ने क्या तर्क दिया था :

सरकार ने तर्क दिया था कि नाम जाहिर ना करने से कंपनी किसी तरह के बदले की भावना और अत्याचार से बच जाएगी। चंदा देने वाला सिर्फ यही चाहता है कि दूसरी पार्टियां इसके बारे में ना जान पाएं। जैसे एक कॉन्ट्रेक्टर के तौर पर मैं कांग्रेस को चंदा दूंगा पर यह नहीं चाहूंगा कि भाजपा को इसका पता चले, क्योंकि कल वो सरकार भी बना सकती है। डोनेशन की लिमिट हटाने पर सरकार ने कहा था कि यह लिमिट काम नहीं कर रही है, क्योंकि फंडिंग के लिए शेल कंपनियों का इस्तेमाल हो रहा है। 7.5 प्रतिशत की लिमिट हटाने से शेल कंपनियां बनाने की प्रोसेस को बढ़ावा नहीं मिलेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने 2 नवंबर को फैसला सुरक्षित रखा था :

सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच जजों की बेंच ने तीन दिन की सुनवाई के बाद 2 नवंबर 2023 को इस मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच में सुनवाई हुई। इसे लेकर चार याचिकाएं दाखिल की गई थीं।

याचिकाकर्ताओं में एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर), कांग्रेस नेता जया ठाकुर और सीपीएम शामिल है। केंद्र सरकार की ओर से अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए थे। सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने याचिकाकर्ताओं की तरफ से पैरवी की थी।

2 नवंबर को फैसला सुरक्षित रखने के ठीक 4 दिन बाद 6 नवंबर को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने अपनी 29 ब्रांचों के जरिए इलेक्टोरल बॉन्ड इश्यू किए थे। 6 नवंबर से 20 नवंबर तक इश्यू किए गए बॉन्ड्स में 1000 करोड़ रुपये का चुनावी चंदा दिया गया।

इलेक्टोरल बॉन्ड जारी करने वाले बैंक एसबीआई के लिए क्या कहा

एसबीआई राजनीतिक दलों का ब्योरा दे, जिन्होंने 2019 से अब तक इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिए चंदा हासिल किया है। एसबीआई राजनीतिक दल की ओर से कैश किए गए हर इलेक्टोरल बॉन्ड की डिटेल दे, कैश करने की तारीख का भी ब्योरा दे। एसबीआई सारी जानकारी 6 मार्च 2024 तक इलेक्शन कमीशन को दे। एसबीआई से मिलने वाली जानकारी को इलेक्शन कमीशन 13 मार्च तक अपनी ऑफिशियल वेबसाइट पर पब्लिश करे। ताकि जनता भी इनके बारे में जान सके।

मतदाता के अधिकारों को लेकर क्या कहा

पॉलिटिकल फंडिंग की जानकारी के चलते मतदाता अपने वोट के लिए सही चुनाव कर सकता है। सारी राजनीतिक फंडिंग पब्लिक पॉलिसी में बदलाव के मकसद से नहीं होती है। छात्र, दिहाड़ी मजदूर आदि भी चंदा देते हैं। ऐसे में सिर्फ इसलिए चुनावी चंदे को गोपनीयता के दायरे में रखना, क्योंकि कुछ कंट्रीब्यूशन किसी और मकसद से किए गए हैं, यह अनुचित है।

भाजपा को 720 करोड़ का डोनेशन

> 4 नेशनल पार्टियों को मिले चंदे का 5 गुना

> 850 करोड़ में कांग्रेस को सिर्फ 80 करोड़ मिले

नई दिल्ली, 15 फरवरी (एजेंसियां)। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने बुधवार को राजनीतिक दलों को मिलने वाले डोनेशन की रिपोर्ट जारी की है। इसके मुताबिक, फाइनेंशियल ईयर 2022-23 में भाजपा को लगभग 720 करोड़ रुपसे डोनेशन मिले हैं।

भाजपा को मिली रकम कांग्रेस, आम आदमी पार्टी (आप), कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी) (सीपीआई-एम) और नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) को मिले डोनेशन से पांच गुना अधिक है। फाइनेंशियल ईयर में 20 हजार से अधिक का डोनेशन मिलने पर रजिस्टर्ड पॉलिटिकल पार्टियों को खुलासा करना होता है। 2022-23 में नेशनल पार्टियों को कुल 850.43 करोड़ रुपये डोनेशन में मिले हैं। एडीआर के मुताबिक, कुल डोनेशन में कांग्रेस ने सिर्फ 79.92 करोड़ रुपये मिलने की घोषणा की है। कुल 12 हजार 167 डोनेशन में भाजपा को 7,945 और कांग्रेस को 894 डोनेशन से ये रकम हासिल हुई है। देश की छठी राष्ट्रीय पार्टी बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) ने घोषणा की है कि उसे 2022-23 के दौरान 20 हजार रुपये से अधिक का कोई चंदा नहीं मिला। बीते 17 साल से बीएसपी यही घोषणा करती आ रही है। एडीआर ने बताया है कि दिल्ली से नेशनल पार्टियों को कुल 276.20 करोड़ रुपये का डोनेशन मिला।

इसके बाद गुजरात से 160.50 करोड़ रुपये और महाराष्ट्र से 96.273 करोड़ रुपये का चंदा मिला। एडीआर ने कहा कि फाइनेंशियल ईयर 2022-23 के दौरान नेशनल पार्टियों का कुल डोनेशन 91.701 करोड़ रुपये बढ़ा, जो पिछले 2021-22 की तुलना में 12.09 प्रतिशत अधिक है।

संभाजीनगर आईएसआईएस मॉड्यूल मामले में एनआईए की छापेमारी

नई दिल्ली, 15 फरवरी (एजेंसियां)। छत्रपति संभाजीनगर आईएसआईएस मॉड्यूल मामले को लेकर राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने कई स्थानों पर छापेमारी की, जिसके बाद मामले में एनआईए ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गौरतलब है कि आरोपी आईएसआईएस मॉड्यूल के जरिए कई बड़े प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने की साजिश रच रहा था।

एनआईए की टीमों द्वारा महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजी नगर में नौ स्थानों पर कई संदिग्धों के घरों पर छापेमारी की गई। इस दौरान एनआईए की टीम ने कई इलेक्ट्रॉनिक गैजेट, आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए। एनआईए ने आरोपी मोहम्मद जोहेब खान को गिरफ्तार किया। आरोप है कि मोहम्मद आईएसआईएस मॉड्यूल का सदस्य होने के साथ-साथ कई प्रतिष्ठानों को धहलाने की साजिश में शामिल था। एनआईए की जांच के मुताबिक, आरोपी और अन्य संदिग्ध भारत समेत अन्य देशों में आतंकी नेटवर्क की गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए अपने आकाओं के साथ लगातार संपर्क में थे। उन्होंने सदस्यों को हिंसक जिहाद, सीरिया में हिजरत से संबंधित सामग्रियों के साथ-साथ आपत्तिजनक वीडियो साझा कर रहे थे।

अजित पवार गुट के विधायक अयोग्य नहीं

स्पीकर ने सभी याचिकाओं को खारिज किया, बोले-अजित गुट ही असली एनसीपी

मुंबई, 15 फरवरी (एजेंसियां)। नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के विधायकों की अयोग्यता के मामले में महाराष्ट्र के स्पीकर राहुल नार्वेकर फैसला सुना दिया है। उन्होंने विधायकों को योग्य बताते हुए उनके खिलाफ सभी याचिकाओं को रद्द कर दिया है। उन्होंने अजित गुट को असली एनसीपी भी बताया। अजित पवार के पास 41 विधायकों का समर्थन है।

दरअसल, जुलाई 2023 में शरद पवार की एनसीपी तोड़कर अजित पवार भाजपा सरकार के गठबंधन में शामिल हो गए थे। इसके बाद शरद गुट ने स्पीकर से पार्टी तोड़ने वाले विधायकों को अयोग्य घोषित करने की मांग की थी। इसे लेकर अजित गुट ने दावा किया था कि उनके पास 41 विधायकों का समर्थन है। उन्होंने अपने गुट को असली एनसीपी बताया था। 5 फरवरी 2023 को चुनाव आयोग ने भी अजित के गुट को ही असली एनसीपी बताया और शरद पवार गुट की पार्टी का नाम एनसीपी शरद चंद्र पवार फाइनल किया।

स्पीकर के आदेश की प्रमुख बातें :

शरद पवार के हिसाब से नहीं चलने का मतलब यह नहीं है कि विधायकों ने पार्टी विरोधी काम किया है। पार्टी के अंदर की नाराजगी का मतलब विधान मंडल की नाराजगी नहीं होती।

पार्टी में मतभेद हुआ, लेकिन विधायकों ने पार्टी नहीं छोड़ी। पार्टी संविधान के अनुसार एनसीपी वर्किंग कमेटी सर्वोच्च संस्था है। इसमें 16 स्थायी सदस्य हैं। पार्टी का संविधान स्थायी सदस्यों को इजाजत नहीं देता। हमें नेतृत्व संरचना, पार्टी संविधान और विधायकी की ताकत को देखकर तय करना होगा कि पार्टी किसकी है। पार्टी संविधान और नेतृत्व संरचना में कोई स्पष्टता नहीं है।

शरद पवार गुट ने दावा किया कि उनके पास बहुमत है, लेकिन 29 जून तक शरद पवार के अध्यक्ष पद पर कोई चैलेंज नहीं था। 30 जून को दो लोगों का अध्यक्ष पद पर दावा हुआ। 30 जून 2023 को एनसीपी में दो गुट बने।

शिवसेना को लेकर मैंने जो फैसला लिया था, उसका आधार यहां लेना होगा। दोनों गुट पार्टी में अध्यक्ष पद को लेकर दावा कर रहे हैं। दोनों गुट दावा कर रहे हैं कि अध्यक्ष का चुनाव पार्टी के संविधान के मुताबिक नहीं हुआ है। यहां दो समानांतर नेतृत्व खड़े हो गए हैं। दोनों समूहों द्वारा अयोग्यता याचिकाएं भी दायर की गई हैं। अपना अध्यक्ष कैसे सही है इसलिए दोनों गुटों ने दस्तावेज दिए है। अध्यक्ष कौन है यह मैं तय नहीं कर सकता। प्रतिनिधि सभा के दस्तावेज शरद पवार गुट ने नहीं दिए है। अध्यक्ष पद का चयन पार्टी में संविधान के तहत नहीं हुआ। ऐसे में विधायकों के संख्या बल के आधार पर निर्णय लिया गया।

तृणमूल सांसद मिमी चक्रवर्ती ने किया सांसदी छोड़ने का एलान

कोलकाता, 15 फरवरी (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस नेता मिमी चक्रवर्ती ने संसद की सदस्यता से इस्तीफा देने का एलान कर दिया है। वे लोकसभा में पश्चिम बंगाल की जादवपुर सीट का प्रतिनिधित्व करती हैं। हालांकि, मिमी ने अब तक लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को अपना इस्तीफा नहीं सौंपा है। उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी को अपना त्याग पत्र सौंपा है। बताया जा रहा है कि मिमी स्थनीय स्तर पर पार्टी नेतृत्व से खुश नहीं थीं। इस वजह से उन्होंने यह कदम उठाया है।

मिमी चक्रवर्ती ने इस्तीफा देने को लेकर कहा कि राजनीति मेरे लिए नहीं है, यहां अगर आप किसी की मदद कर रहे हैं तो आपको उसका प्रचार करना होता है। राजनीति के साथ-साथ मैं एक अभिनेत्री के रूप में भी कार्य करती हूं, मेरा दायित्व दोनों तरफ एक समान बनता है, अगर कोई राजनीति में आता है तो आप काम करें या न करें आपको भला-बुरा कहा जाता है। उन्होंने कहा कि मुझे जो परेशानी है उसे लेकर मैंने ममता बनर्जी से बात की है। जिस पार्टी ने मुझे आगे आने का मौका दिया, मैं अपने इस्तीफे की जानकारी उन्हें पहले देना चाहती हूं। 2022 में भी मैंने एक बार अपने सांसद पद से इस्तीफे को लेकर दीदी से बात की थी, तब उन्होंने इसे नामंजूर कर दिया था। दीदी जो कहेंगी उसके बाद मैं आगे की प्रक्रिया को पूरा करूंगी।

नेशनल कॉन्फ्रेंस जम्मू-कश्मीर में अकेले चुनाव लड़ेगी

फारूक अब्दुल्ला ने किया ऐलान, टीएमसी-आप भी अकेले लड़ने की घोषणा कर चुकी हैं

श्रीनगर, 15 फरवरी (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 से पहले इंडिया से एक और पार्टी दूरी बना रही है। जम्मू-कश्मीर की पार्टी नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने गुरुवार को कहा है कि पार्टी अपने बलबूते पर चुनाव लड़ेगी। इससे पहले दिल्ली-पंजाब में आप और पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी अकेले चुनाव लड़ने का ऐलान कर चुकी हैं। श्रीनगर से सांसद फारूक अब्दुल्ला के मुताबिक राज्य में विधानसभा चुनाव भी लोकसभा चुनाव के साथ हो सकते हैं। किसानों के आंदोलन पर उन्होंने कहा, पिछली बार के किसान आंदोलन में करीब 750 किसानों की जान गई थीं। इसके बाद यूपी के चुनाव से पहले केंद्र ने तीनों किसान बिल वापस ले लिए थे। 2019 में आर्टिकल 370 हटाने के बाद सरकार ने जम्मू-कश्मीर को दो केंद्र शासित प्रदेशों में बांट दिया था। बंटवारे से पहले जम्मू-कश्मीर में 6 लोकसभा सीटें थीं। बंटवारे के बाद जम्मू कश्मीर में 5 लोकसभा सीटें हो गई है और लद्दाख में 2 सीटें हैं।

आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और सीएम अरविंद केजरीवाल ने 11 फरवरी को सोशल मीडिया मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें वे कह रहे थे कि दिल्ली के लोगों ने 7 की 7 सीटें आप को देने की ठान ली है। सूत्रों की माने तो दिल्ली के लिए ईंडिया का हिस्सा कांग्रेस और आप सीट-बंटवारे के लिए 4:3 फॉर्मूले पर चर्चा कर रही थी। इसमें कांग्रेस 4 और आप के तीन सीटों पर चुनाव लड़ने की अटकलें थीं। 2019 में भाजपा ने सातों लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज की थी। केजरीवाल ने पंजाब और चंडीगढ़ में भी कांग्रेस के साथ सीट शेयरिंग से इनकार कर दिया था।

महुआ को ईडी का समन 19 फरवरी को पूछताछ के लिए बुलाया गया

नई दिल्ली, 15 फरवरी (एजेंसियां)। विदेशी मुद्रा लेनदेन के मामले में तृणमूल कांग्रेस की नेता और पूर्व सांसद महुआ मोइत्रा को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने समन किया है। ईडी ने महुआ को 19 फरवरी को पूछताछ के लिए बुलाया है। गौरतलब है कि महुआ मोइत्रा पर पैसे लेकर संसद में सवाल पूछने के आरोप लगे हैं। इन्हीं की जांच कर रही संसद की आचार समिति ने लोकसभा में महुआ की सांसदी खत्म करने की सिफारिश की थी। बाद में रिपोर्ट के आधार पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने महुआ को निष्कासित कर दिया। तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा पर कारोबारी दर्शन हीरानंदानी के कहने पर संसद में सवाल पूछने का आरोप है। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने दावा किया था कि ये सबूत वकील जय अनंत देहादराई द्वारा प्रदान किए गए थे।

संदेशखाली मामले में भाजपा के हंगामे पर बिफरीं ममता

अपने जीवन में कभी अन्याय नहीं होने दिया

कोलकाता, 15 फरवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में महिलाओं के साथ कथित तौर पर हुए अत्याचार के आरोपों को लेकर भाजपा ने विधानसभा में जमकर हंगामा काटा। इसके बाद उसके विधायकों को सदन से निलंबित कर दिया गया। इस पूरे घटनाक्रम के बाद पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विधानसभा को संबोधित किया। ममता ने कहा कि उन्होंने अपने जीवन में कभी किसी के साथ अन्याय नहीं होने दिया है और न ही कभी होने दूंगी। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विधानसभा में कहा कि संदेशखाली में राज्य महिला आयोग को भेजा, पुलिस दल बनाकर 17 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा, हम संदेशखालि में स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं, गलत काम में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

गौरतलब है कि संदेशखाली में स्थानीय लोगों की तरफ से टीएमसी के कुछ नेताओं पर अत्याचार के आरोप लगाए गए हैं। इस पर बनर्जी ने विधानसभा में कहा कि उन्होंने कभी किसी के साथ अन्याय नहीं होने दिया और आगे भी नहीं होने देंगी। उन्होंने कहा, मैंने राज्य के महिला आयोग को वहां भेजा है और पुलिस की एक टीम का भी गठन किया है। ममता ने कहा कि राज्य सरकार ने स्थिति को संभालने के लिए हरसंभव कदम उठाया है। हालांकि, उन्होंने इस पूरे घटनाक्रम में 'बुरी ताकतों का खेल' जारी होने की बात कही।

भाजपा ने 7 मंत्रियों को दोबारा राज्यसभा नहीं भेजा

नई दिल्ली/मुंबई, 15 फरवरी (एजेंसियां)। राज्यसभा चुनावों के लिए कैंडिडेट्स के नामांकन भरने का आज आखिरी दिन है। राज्यसभा की 56 सीटों पर 27 फरवरी को वोटिंग होनी है। इससे पहले भाजपा ने हैरान करने वाले ऐलान किए हैं।

भाजपा ने उत्तर प्रदेश में नामांकन के आखिरी दिन 8वां कैंडिडेट उतारा, वहीं 7 केंद्रीय मंत्रियों को राज्यसभा के लिए दोबारा नॉमिनेट नहीं किया है। भाजपा ने राजस्थान में भी तीसरा कैंडिडेट नहीं उतारा है। राज्यसभा में सबसे ज्यादा 10 सीटें उत्तर प्रदेश में खाली हैं। इसके बाद महाराष्ट्र और बिहार में 6-6, मध्य प्रदेश और पश्चिम बंगाल में 5-5, कर्नाटक और गुजरात में 4-4, ओडिशा, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, राजस्थान में 3-3, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और छत्तीसगढ़ में 1-1 सीट खाली है। राज्यसभा की 56 सीटों पर 27 फरवरी को सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक वोटिंग होगी। चुनाव आयोग इसके लिए 8 फरवरी को नोटिफिकेशन जारी किया था।

आम चुनाव के लिए ईसी की गृह मंत्रालय से विशेष मांग, 3.40 लाख सीएपीएफ कर्मियों की तैनाती का भेजा प्रस्ताव

नई दिल्ली, 15 फरवरी (एजेंसियां)। आगामी लोकसभा और विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए कुल 3.40 लाख केंद्रीय सशस्त्र पुलिसबल (सीएपीएफ) कर्मियों की तैनाती करने की संभावना है। चुनाव आयोग ने गृह मंत्रालय से अतिरिक्त पुलिस कर्मियों की मांग की थी। बता दें कि इस लोकसभा चुनाव के साथ आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा और सिक्किम में विधानसभा चुनाव भी होगा। चुनाव आयोग द्वारा कुल 3.40 लाख केंद्रीय सशस्त्र पुलिसबलों की तैनाती की मांग करने वाले प्रस्ताव पर विचार करने के बाद ही गृह मंत्रालय कोई निर्णय लेगा। सभी राज्यों, केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्य चुनाव अधिकारियों की तरफ से अनुरोध किए जाने के बाद चुनाव आयोग ने गृह मंत्रालय के पास अतिरिक्त सशस्त्र पुलिस बलों की तैनाती का प्रस्ताव भेजा था। इस प्रस्ताव के अनुसार, चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल के लिए 920 सीएपीएफ कर्मियों की मांग की है। वहीं, धारा 370 हटने के बाद पहली बार जम्मू कश्मीर में चुनाव होने जा रहा है। इस राज्य के लिए चुनाव आयोग ने 635 अतिरिक्त सीएपीएफ कर्मियों की तैनानी की मांग की है। इन राज्यों के अलावा छत्तीसगढ़ के लिए 360, बिहार में 295, उत्तर प्रदेश के लिए 252, आंध्र प्रदेश, झारखंड और पंजाब के लिए 250, गुजरात, मणिपुर, राजस्थान और तमिलनाडु में 200, ओडिशा में 175, असम और तेलंगाना में 160, महाराष्ट्र में 150, मध्य प्रदेश में 113, त्रिपुरा में 100, हरियाणा में 95, अरुणाचल प्रदेश में 75, कर्नाटक, दिल्ली और उत्तराखंड में 70, केरल में 66, लद्दाख में 57, हिमाचल प्रदेश में 55, नागालैंड में 48, मेघालय में 45, सिक्किम में 17, मिजोरम में 15, दादरा और नगर हवेली में 14, गोवा में 12, चंडीगढ़ में 11, पुडुचेरी में 10, अंडामान-निकोबार में पांच और लक्षद्वीप में तीन सीएपीएफ कंपनियों की तैनाती की मांग की गई है।

त्रिपुरा के कॉलेज में देवी सरस्वती की प्रतिमा पर विवाद

अगरतला, 15 फरवरी (एजेंसियां)। त्रिपुरा के अगरतला में वसंत पंचमी के मौके पर बिना साड़ी वाली देवी सरस्वती की प्रतिमा को लेकर काफी विवाद हुआ। मामला त्रिपुरा गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ आर्ट एंड क्राफ्ट का है।

दरअसल, छात्रों ने देवी सरस्वती की एक मूर्ति बनाई थी, जिसमें उन्हें साड़ी नहीं पहनाई गई थी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) मूर्ति को अश्लील बताकर विरोध-प्रदर्शन किया। एबीवीपी ने दावा किया कि देवी की ऐसी प्रतिमा भारतीय संस्कृति और धार्मिक भावनाओं के खिलाफ है। इसके बाद बजरंग दल के नेता भी प्रदर्शन में शामिल हो गए। विवाद बढ़ता कॉलेज अथॉरिटी ने मूर्ति को साड़ी पहनाई।

एबीवीपी का आरोप- अश्लील तरीके से बनाई मूर्ति :

त्रिपुरा के एबीवीपी यूनिट के जॉइंट सेक्रेटरी दिबाकर अचार्जी ने बताया कि हमें सुबह-सुबह खबर मिली कि गवर्नमेंट कॉलेज आर्ट एंड क्राफ्ट में देवी सरस्वती की मूर्ति बहुत ही गलत और अश्लील ढंग से बनाई गई है। दिबाकर ने कहा, हममे कॉलेज पहुंचकर इसका विरोध किया। इसके बाद छात्रों ने मूर्ति पर साड़ी लपेटी। एबीवीपी के सदस्यों ने मुख्यमंत्री माणिक साहा से कॉलेज अथॉरिटी के खिलाफ सख्त कार्रवाई और प्रिंसिपल को बर्खास्त करने की मांग की है।

कॉलेज प्रशासन ने दी सफाई :

घटना को लेकर कॉलेज प्रशासन ने सफाई दी। कॉलेज अथॉरिटी ने कहा कि देवी सरस्वती की मूर्ति हिंदू मंदिरों में स्थापित होने वाली मूर्तियों जैसी ही थी। हमारा मकसद किसी की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं था। कॉलेज ने कहा कि विरोध के बाद देवी सरस्वती की मूर्ति को बदल दिया गया। विवादित प्रतिमा को पूजा पंडाल के पीछे प्लास्टिक से ढक कर रखा गया है। पुलिस ने भी कॉलेज पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। हालांकि, किसी की ओर से अब तक कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है।

किसान आंदोलन के बीच ममता बनर्जी करेंगी पंजाब का दौरा

कोलकाता, 15 फरवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी 21 फरवरी को पंजाब का दौरा कर सकती हैं और दिल्ली और पंजाब के अपने समकक्ष अरविंद केजरीवाल और भगवंत मान से मुलाकात कर सकती हैं। एक आधिकारिक सूत्र ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। वरिष्ठ अधिकारी ने बताया मुख्यमंत्री बनर्जी के 21 फरवरी को पंजाब आने की संभावना है। अपने दौरे के दौरान वह अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगी। इस दौरान उनकी दिल्ली के मुख्यमंत्री और पंजाब के मुख्यमंत्री से मुलाकात की प्रबल संभावना है। आम आदमी पार्टी (आप) के शीर्ष नेताओं के साथ बनर्जी की बैठक को आगामी लोकसभा चुनाव और विपक्षी गठबंधन बनाने की पृष्ठभूमि में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री की पंजाब की संभावित यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब किसान अपनी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी के वास्ते कानून बनाने की मांग कर रहे हैं। बनर्जी पहले ही किसानों को अपना समर्थन दे चुकी हैं और उन्होंने नई दिल्ली तक मार्च करने की कोशिश कर रहे प्रदर्शनकारी किसानों पर हुए हमले की निंदा भी की है।

जम्मू: पूर्व मंत्री के पूर्व पीआरओ समेत तीन के आवास पर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो का छापा, जांच जारी

जम्मू, 15 फरवरी (एजेंसियां)। जम्मू में गुरुवार को तीन अलग-अलग जगहों पर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टीमों ने छापा मारा है। बताया जा रहा है कि पूर्व मंत्री के पीआरओ सहित तीन लोगों के आवास पर एसीबी की टीम दल-बल के साथ पहुंची। तीनों जगहों पर कार्रवाई चल रही है। जानकारी के अनुसार, एसीबी की एक टीम फलोरा नागबनी क्षेत्र में पूर्व मंत्री सुखनंदन चौधरी के पूर्व पीआरओ राजिंद्र शर्मा के आवास पर पहुंची। इसके साथ ही छिन्नौरे सेक्टर में इंस्पेक्टर अमित रैना के घर एसीबी की एक अन्य टीम पड़ताल के लिए पहुंची। अमित रैना खुद भी एसीबी में ही तैनात है। वहीं, दोमाना सेक्टर में झिड़ी मार्ग पर मिश्रीवाला स्थित राजिंदर शर्मा के पिता की बीज और उर्वरक की दुकान पर भी छापा मारा गया है। तीनों जगहों पर कार्रवाई चल रही है।

अखिलेश यादव से नाराज पल्लवी

पटेल ने लिया बड़ा फैसला राहुल गांधी के साथ आएंगी नजर

लखनऊ, 15 फरवरी (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी और अखिलेश यादव से नाराज अपना दल कमेरावादी की नेता एवं सपा विधायक पल्लवी पटेल ने बड़ा फैसला किया है। वह भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेता और वायनाड सांसद राहुल गांधी की अगुवाई वाली भारत जोड़ो न्याय यात्रा में उनके साथ नजर आएंगी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष की अगुवाई वाली यह यात्रा 17 फरवरी को उत्तर प्रदेश में प्रवेश करेगी। जानकारी के मुताबिक वाराणसी और चंदौली लोकसभा क्षेत्र में राहुल गांधी के साथ पल्लवी पटेल यात्रा में रहेंगी। बताया गया कि वाराणसी के गोदौलिया से पल्लवी पटेल यात्रा में शामिल होंगी। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन पूजन के बाद राहुल गांधी की यात्रा आगे बढ़ेगी। यात्रा के दौरान राहुल गांधी गोदौलिया पर आम जनता को संबोधित भी करेंगे।

रायबरेली से इस बार कौन होगा कांग्रेस उम्मीदवार

सोनिया गांधी ने भावुक चिट्ठी में खुद दिया जवाब

सोनिया गांधी का भावुक संदेश

रायबरेली के लिए मेरे स्नेही परिवारीजन। मेरा परिवार दिल्ली में अधूरा है। वह रायबरेली आकर-आप लोगों से मिलकर पूरा होता है। यह स्नेह नाता बहुत पुराना है और अपनी ससुराल से मुझे सौभाग्य की तरह मिला है। रायबरेली के साथ हमारे परिवपार के रश्तिों की जड़ें बहुत गहरी हैं। आजादी के बाद हुए पहले लोकसभा चुनाव में आपने मेरे ससुर फीरोज गांधी जी को यहां से जिताकर दिल्ली भेजा। उनके बाद मेरी सास इंदिरा गांधी जी को आपने अपना बना लिया। तब से अब तक, यह सिलसिला जिंदगी के उतार-चढ़ाव और मुश्किल भरी राह पर प्यार और जोश के साथ आगे बढ़ता गया और इस पर हमारी आस्था मजबूत होती चली गई।

नई दिल्ली, 15 फरवरी (एजेंसियां)। सोनिया गांधी ने राज्यसभा चुनाव के लिए राजस्थान से अपना नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद रायबरेली की जनता के नाम संदेश देते हुए एक बड़ा एलान किया है। सोनिया गांधी ने अगला लोकसभा चुनाव न लड़ने का फैसला लिया है। इसके पीछे का कारण उन्होंने स्वास्थ्य और बढ़ती उम्र बताया है।

'अगला लोकसभा चुनाव नहीं लड़ूंगी'

अब स्वास्थ्य और बढ़ती उम्र के चलते मैं अगला लोकसभा चुनाव नहीं लड़ूंगी। इस निर्णय के बाद मुझे आपकी सीधी सेवा का अवसर नहीं मिलेगा, लेकिन यह तय है कि मेरा मन-प्राण हमेशा आपके पास रहेगा। मुझे पता है कि आप भी हर मुश्किल में मुझे और मेरे परिवार को वैसे ही संभाल लेंगे जैसे अब संभालते आए हैं। बड़ों को प्रणाम! छोटों को स्नेह! जल्द मिलने का वादा! आपकी सोनिया गांधी।

'आप एक चट्टान की तरह मेरे साथ खड़े रहे'

इसी रौशन रास्ते पर आपने मुझे भी चलने की जगह दी। सास और जीवनसाथी को हमेशा के लिए खोकर मैं आपके पास आई और आपने अपना आंचल मेरे लिए फैला दिया। पिछले दो चुनावों में विषम परिस्थितियों में भी आप एक चट्टान की तरह मेरे साथ खड़े रहे, मैं यह कभी भूल नहीं सकती। यह कहते हुए मुझे गर्व है कि आज मैं जो कुछ भी हूं, आपकी बदौलत हूं और मैंने इस भरोसे को निभाने की हरदम कोशिश की है।

कुपवाड़ा में आतंकी मददगार गिरफ्तार

दो हैंड ग्रेनेड, एक पिस्टल और गोलियां बरामद

श्रीनगर, 15 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा में गुरुवार को पुलिस और सुरक्षाबलों को एक आतंकी मददगार को पकड़ने में सफलता मिली है। उसके पास से हथियार भी बरामद किए गए हैं। जानकारी के अनुसार, पुलिस, सेना और सीआरपीएफ ने संयुक्त अभियान में आतंकवादी मददगार को गिरफ्तार किया है। जिले के गुंडमाचेर ब्रिज पर कुपवाड़ा पुलिस, सेना की 28 आरआर और सीआरपीएफ की 162बीएन ने संयुक्त नाका लगाया हुआ था। चेकिंग के दौरान, लालपोरा से गुंडमाचेर की ओर आ रहे एक व्यक्ति की संदिग्ध गतिविधि देखी गई, जिसके पास सफेद रंग का बैग था। जैसे ही उक्त व्यक्ति ने मौके से भागने की कोशिश की। सुरक्षा बलों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उसे पकड़ लिया। प्रारंभिक पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपना नाम रफीक अहमद गनई पुत्र गुलाम अहमद गनई निवासी लालपोरा शेखपोरा बताया। बैग की तलाशी के दौरान उसमें से हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया।

आतंकी मददगार से एक पिस्टल, एक पिस्टल मैगजीन, 10 गोलियां, दो हैंड ग्रेनेड, एक मोबाइल फोन बरामद किया गया है। इस संबंध में पुलिस स्टेशन लालपोरा में एफआईआर संख्या 03/2024 यू/एस 7/25 ए अधिनियम, 13,18, 23, 39 यूएलए (पी) के तहत मामला दर्ज कर आगामी जांच शुरू कर दी है।

दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ

सुप्रीम कोर्ट पहुंचे आप नेता संजय सिंह, चार अक्टूबर को ईडी ने किया था गिरफ्तार

नई दिल्ली, 15 फरवरी (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी नेता संजय सिंह ने दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। गत सात जनवरी को दिल्ली हाई कोर्ट ने दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आप नेता की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। इसके साथ ही ट्रायल कोर्ट को सुनवाई शुरू होने पर तेजी लाने का निर्देश दिया था। आप नेता संजय सिंह ने हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ याचिका अधिवक्ता विवेक जैन और अधिवक्ता रजत भारद्वाज के माध्यम से दाखिल की।

ईडी ने संजय सिंह को लेकर किया ये दावा

संजय सिंह को गत चार अक्टूबर को ईडी ने गिरफ्तार किया था। उन्होंने हाई कोर्ट से इस आधार पर जमानत मांगी थी कि वह तीन माह से अधिक समय से हिरासत में हैं और दिल्ली सरकार की अब समाप्त हो चुकी उत्पाद शुल्क नीति के निर्माण और क्रियान्वयन में भ्रष्टाचार से जुड़े अपराध में उनकी कोई भूमिका नहीं बताई गई है। जांच एजेंसी ने हाई कोर्ट में उनकी जमानत याचिका का विरोध किया था। ईडी ने हाई कोर्ट में दावा किया था कि सिंह घोटाले में प्रमुख साजिशकर्ता है और उन्होंने अपराध से दो करोड़ रुपये की आय प्राप्त हुई।

कोझिकोड में बवाल

स्कूल में चल रहे गणपति हवन को सीपीएम समर्थकों ने रुकवाया

कोझिकोड, 15 फरवरी (एजेंसियां)। केरल के कोझिकोड जिले के एक स्कूल में चल रहे गणपति हवन को सीपीएम समर्थकों ने बीच में ही रोक दिया। दरअसल, एक निजी स्कूल की बिल्डिंग की मरम्मत की गई थी और स्कूल प्रबंधन की ओर से शाम को गणपति हवन का आयोजन किया जा रहा था। उसी वक्त सीपीएम के स्टूडेंट विंग एसएफआई के सदस्य वहां पर पहुंच गए और इस कार्यक्रम का विरोध करने लगे। एसएफआई के सदस्यों ने कार्यक्रम का विरोध करते हुए हवन कर रहे पुजारी को वहां से बाहर निकाल दिया। प्रदर्शनकारियों ने एक टीचर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की समर्थक होने का आरोप लगाते हुए इस स्कूल को आरएसएस की गतिविधियों के लिए दिए जाने की बात कही और विरोध प्रदर्शन किया।

लोकसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने कसी कमर

कई जिला और शहरों में अध्यक्षों की नियुक्ति को मंजूरी

अहमदाबाद, 15 फरवरी (एजेंसियां)। गुजरात में आगामी लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारियों के मद्देनजर कांग्रेस ने कमर कस ली है। संगठन को मजबूत करने के लिए कांग्रेस आलाकमान ने प्रदेश में कई जिला या शहरों में कांग्रेस समितियों के अध्यक्षों की नियुक्ति के प्रस्ताव को तत्काल प्रभाव से मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही गुजरात कांग्रेस के ओबीसी विभाग के अध्यक्ष की भी नियुक्ति के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी गई है। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल की ओर से जारी पत्र में गुजरात के जामनगर जिला, जूनागढ़, सुरेंद्रनगर, मोरबी समेत कई शहरों के प्रमुख या जिलाध्यक्षों के नाम की घोषणा की है। जामनगर जिला कांग्रेस की जिम्मेदारी मनोज गोरधनभाई को दी गई है। वही जूनागढ़ शहर की जिम्मेदारी मनोज भीखाभाई जोशी को मिली है। साबरकांठा में पार्टी की जिम्मेदारी अशोक नाथाभाई को दी गई है। इसके साथ ही कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के ओबीसी विभाग के अध्यक्ष की नियुक्ति के प्रस्ताव को को भी तत्काल प्रभाव से मंजूरी दे दी है।

ज्ञानवापी: व्यासजी के तलघर में पूजा के मामले पर सुनवाई पूरी

हाई कोर्ट ने फैसला रखा सुरक्षित

वाराणसी, 15 फरवरी (एजेंसियां)। ज्ञानवापी स्थित व्यास जी के तलगृह में पूजा-अर्चना कराने के जिला जज के आदेश के क्रियान्वयन पर रोक लगाने के लिए अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद (मस्जिद) की ओर से दी गई अपील पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गुरुवार को सुनवाई की। हाई कोर्ट ने व्यास तहखाना में पूजा के अधिकार को चुनौती देने वाली याचिका पर फैसला सुरक्षित कर लिया है। इसके पहले न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल की पीठ ने दोनों पक्षों को सुना।

सोमवार को हुई थी सुनवाई

वाराणसी स्थित ज्ञानवापी तलगृह में काशी विश्वनाथ मंदिर ट्रस्ट को पूजा की अनुमति देने संबंधी जिला जज के आदेश की वैधता को चुनौती देने वाली अपीलों पर गुरुवार को भी सुनवाई हुई। इससे पहले सोमवार को करीब एक घंटे से ज्यादा समय तक चली सुनवाई में मस्जिद पक्ष ने कहा था कि पूजा संबंधी आदेश सही नहीं है।

न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल ने की सुनवाई

न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद कमेटी की तरफ से चुनौती देने अपीलों की सुनवाई कर रहे हैं। मंदिर पक्ष का कहना है कि जिला जज के आदेश में कुछ भी गलत नहीं है। पांच मई की सुनवाई में पीठ ने कहा था कि 1993 तक किसका कब्जा था, यह तय हो जाए तो फैसला हो जाएगा।

18 या 19 फरवरी को मुंबई जाएंगे मनोज जरांगे

मुंबई, 15 फरवरी (एजेंसियां)। आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने बृहस्पतिवार को कहा कि महाराष्ट्र सरकार की 'कुनबी मराठाओं के रक्त संबंधियों' संबंधी मसौदा अधिसूचना को कानून में बदलने की मांग पर दबाव बनाने के लिए वह 18 या 19 फरवरी को मुंबई जाएंगे। एक दिन पहले महाराष्ट्र सरकार ने कहा था कि मराठा समुदाय की आरक्षण और अन्य मांगों पर चर्चा के लिए 20 फरवरी को राज्य विधानसभा का एक विशेष सत्र आयोजित किया जाएगा, जिसके बाद जरांगे की यह टिप्पणी आई है। मराठा समुदाय को अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) श्रेणी में शामिल करने की मांग को लेकर जरांगे ने जालना जिले के अपने पैतृक गांव अंतरवाली सरती गांव में छठे दिन अनिश्चितकालीन अनशन जारी रखा। जरांगे के एक करीबी सहयोगी ने बताया कि उनकी (जरांगे) स्वास्थ्य स्थिति बिगड़ गई है। जरांगे ने लड़खड़ाती हुई आवाज में संवाददाताओं से कहा, "कुनबी मराठाओं की रक्त संबंधी मसौदा अधिसूचना को लागू करने को लेकर दबाव बनाने के लिए मैं 18 या 19 फरवरी को मुंबई जाऊंगा।" जरांगे के स्वास्थ्य की निगरानी कर रहे मराठा कार्यकर्ता किशोर मरकड ने कहा कि सरकार के प्रतिनिधियों को उनसे (जरांगे) बात करनी चाहिए और अधिसूचना को लागू करने का आश्वासन देना चाहिए।

पुलिस ने लोगों के चेहरे पर लौटाई मुस्कान, 21 लाख रुपये के 111 मोबाइल वापस किए

राजगढ़, 15 फरवरी (एजेंसियां)। राजगढ़ जिले में पुलिस विभाग की साइबर टीम ने लोगों के गुम हुए 111 मोबाइल फोन वापस लौटाए तो फोन मालिकों की खुशी का ठिकाना नही रहा। फोन वापस मिलने पर लोगों के चेहरे पर मुस्कान लौट आई। लौटाए गए मोबाइल फोन की कीमत 21 लाख रूपये बताई गई है, जिसमे अलग अलग कंपनी के मोबाइल शामिल है। दरअसल, राजगढ़ पुलिस अधीक्षक धर्मराज मीणा के निर्देशन में कार्य कर रही साइबर सेल की टीम ने राजगढ़ जिले की सीमा में आमजन के चोरी और गुम हुए मोबाइल फोन को सर्विलांस पर डालकर उनकी खोजबीन करने में सफलता हासिल की है।

दिल्ली हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

पुलिस ने बढ़ाई सुरक्षा व्यवस्था

नई दिल्ली, 15 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद परिसर की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ दी गई है। जानकारी के अनुसार, दिल्ली उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल को एक ईमेल के जरिए बम की धमकी मिली थी। इस मामले की जानकारी मिलते ही दिल्ली पुलिस ने अदालत के पूरे परिसर की जांच की और गेट पर अतिरिक्त सुरक्षा बल लगा दिया।

दिल्ली पुलिस को भी लिखा गया पत्र

इस ईमेल को गंभीरता से लेते हुए प्राधिकारियों ने सुरक्षा बढ़ा दी है। ईमेल के बाद उच्च न्यायालय के प्राधिकारियों ने दिल्ली पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा को एक पत्र लिखा है। पत्र में कहा गया है कि उच्च न्यायालय के सक्षम प्राधिकरण ने मामले को गंभीरता से लिया है और आयुक्त से उच्च न्यायालय परिसर में और उसके आसपास सुरक्षा बढ़ाने का अनुरोध किया है। उच्च न्यायालय के प्राधिकारियों ने मामले की विस्तृत जांच कराने और जल्द से जल्द एक रिपोर्ट सौंपने की मांग की है।

ईमेल के जरिए मिली धमकी

इस मामले को लेकर दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि दिल्ली उच्च न्यायालय के महापंजीयक को बुधवार को उनके आधिकारिक अकाउंट में ईमेल मिला। बलवंत देसाई नामक व्यक्ति द्वारा दिल्ली उच्च न्यायालय के महापंजीयक को 12 फरवरी को भेजे गए ईमेल में आगाह किया गया है कि बृहस्पतिवार को एक बम धमाका होगा और यह दिल्ली में सबसे बड़ा धमाका होगा। ईमेल में लिखा है, ''यह दिल्ली में सबसे बड़ा विस्फोट होगा। मंत्री को भी फोन करो, सबको उड़ा दिया जाएगा।''

गेट समेत हर जगह बढ़ाई गई सुरक्षा

दिल्ली उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन के अध्यक्ष और वरिष्ठ अधिवक्ता मोहित माथुर ने कहा कि उच्च न्यायालय के बाहर पहले हुए बम विस्फोट को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी कोई जोखिम नहीं लेना चाहते और सुरक्षा कड़ी कर दी गयी है। उन्होंने बताया कि अदालत के कामकाज में कोई बाधा नहीं है और बार के सदस्य सहयोग कर रहे हैं। माथुर ने बताया कि अदालत परिसर में आ रहे लोगों के पहचान पत्रों की जांच की जा रही है। बार सदस्यों की पहचान करने के लिए बार एसोसिएशन के कर्मचारी भी प्रवेश द्वार पर खड़े हैं।

महाराष्ट्र में 11 साल की मेड का टॉर्चर

महिला टीचर पाइप से पीटती थी कई दिनों तक भूखा रखा; बाहर निकलने पर पांबदी लगाई थी

मुंबई, 15 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे में 33 साल की एक महिला टीचर के खिलाफ 11 साल की नाबालिग मेड पर प्रताड़ना का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि कपूरबावड़ी इलाके की रहने वाली आरोपी टीचर मेड को पाइप से पीटती थी। उसे कई दिनों तक भूखा रखती थी। पीड़ित ने बताया कि वह दिल्ली की रहने वाली है। महिला टीचर उसे अपने बच्चे की देखभाल करने के लिए लेकर आई थी। बच्चे की देखभाल न करने का आरोप लगाकर महिला टीचर दिसंबर 2023 से उसे टॉर्चर करने लगी। नाबालिग ने पुलिस को बताया कि आरोपी टीचर उसे कमरे में बंद कर देती थी

संदेशखाली हिंसा को लेकर सिलीगुड़ी में भाजपा का प्रदर्शन

शुभेंदु ने डीएसपी पर लगाया बूट से मारने का आरोप

कोलकाता, 15 फरवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में संदेशखाली हिंसा को लेकर सिलीगुड़ी में भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस के साथ उनकी झड़प हो गई। बता दें कि हिंसा को देखते हुए संदेशखाली में धारा 144 लागू की गई है। पश्चिम बंगाल में भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने संदेशखाली हिंसा को लेकर मीडिया से बात की। उन्होंने कहा, 'हमारा मिशन संदेशखाली पहुंचना और गिरफ्तार हुए लोगों के परिजनों से मिलना है। हम उनके व्यवहार के अनुसार जवाब देंगे, लेकिन हम कानून का पालन करने वाले लोग है।' शुभेंदु अधिकारी ने पुलिस पर आरोप लगाते हुए कहा, 'पुलिस अधिकारी अमीन-उल-हक ने मुझे अपने बूट से मारा। उन्होंने ऐसा एक विपक्ष के नेता के साथ किया। मैं कुछ देर विरोध करूंगा और अगर वे अपने निर्णय पर फिर से विचार नहीं करते हैं तो मैं हाई कोर्ट में जाऊंगा। एक मामूली डीएसपी ने चार बार के विपक्ष के नेता को मारा। यह किस तरह का व्यवहार है।' उन्होंने आगे कहा, 'धारा 144 का उल्लंघन केवल शुभेंदु अधिकारी के मामले में हुआ, क्योंकि उसने नंदीग्राम में ममता बनर्जी को हराया था। क्योंकि वह भाजपा और विपक्ष का नेता है। कल हम कलकत्ता हाई कोर्ट में जाएंगे। कोई मुझे नहीं रोक सकता। मैं अदालत जाऊंगा और पूरे कानूनी अधिकार के साथ वापस आऊंगा।' राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग की टीम पश्चिम बंगाल के संदेशखाली क्षेत्र की समीक्षा करने पहुंची। आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरुण हलदर और सदस्य अंजू बाला ने पीड़ितों से मुलाकात की। उन्होंने संदेशखाली हिंसा को शर्मनाक बताया है। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग की सदस्य अंजू बाला ने इस मामले पर राज्य सरकार पर जमकर निशाना भी साधा। उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर मामले काखुलासा न करने का आरोप लगाया है। वहीं आयोग के अध्यक्ष अरुण हलदर ने बताया कि वह पहले संदेशखाली के लोगों से बात करेंगे और फिर रिपोर्ट बनाएंगे और कल 11 बजे राष्ट्रपति को अपना रिपोर्ट भेजेंगे।

क्या है पूरा मामला : संदेशखाली में स्थानीय महिलाएं लगातार प्रदर्शन कर रहीं है। उन्होंने टीएमसी नेता शेख शाहजहां और उनके सहयोगियों पर जबरन उनके जमीनों पर कब्जा करने और उत्पीड़न करने का आरोप लगाया है। महिलाओं ने शेख शाहजहां की गिरफ्तारी की भी मांग की है। बता दें कि पिछले महीने टीएमसी नेता शेख शाहजहां के आवास पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छापेमारी की थी। इस छापेमारी के दौरान शाहजहां के समर्थकों ने ईडी के अधिकारियों पर हमला कर दिया था, जिसमें तीन अधिकारी घायल हो गए थे। इस हादसे के बाद से ही शाहजहां फरार है। क्षेत्र में हिंसा को देखते हुए सात ग्राम पंचायतों और उसके आसपास 500 मीटर क्षेत्र में 19 फरवरी तक सीआरपीसी की धारा 144 लागू कर दी गई है।

गुलाम नबी आजाद बोले-कांग्रेस पार्टी खत्म हो रही

इसकी वजह कुछ लोगों की कमजोरियां और अहंकार, और भी लोग पार्टी छोड़ेंगे

पुंछ, 15 फरवरी (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पूर्व सीएम और डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) चेयरमैन गुलाम नबी आजाद ने कांग्रेस में चल रही उथल-पुथल को लेकर बयान दिया है। उन्होंने बुधवार (14 फरवरी) को जम्मू-कश्मीर के पुंछ में कहा कि कुछ लोगों की कमजोरियों और अहंकार के कारण सबसे पुरानी पार्टी खत्म हो रही है। उन्होंने आगे कहा- महाराष्ट्र के पूर्व सीएम अशोक चव्हाण का कांग्रेस से बाहर जाना पार्टी के लिए बड़ा झटका है। उनका कांग्रेस में महत्वपूर्ण योगदान है। उनके पिता भी कांग्रेस के बड़े नेता थे और केंद्रीय मंत्री भी थे। मेरे पास जो जानकारी है, उसके मुताबिक आने वाले समय में और भी लोग पार्टी छोड़ेंगे।

आजाद ने कहा- मेरा राजनीतिक करियर कांग्रेस के साथ शुरू हुआ। मैं वहीं से लोकसभा सदस्य था। मैं पहली बार महाराष्ट्र से ही राज्यसभा भी गया। भारत में केवल एक ही राज्य यानी महाराष्ट्र है, जहां कांग्रेस को पुनर्जीवित किया जा सकता है। यूपी और बंगाल जैसे बड़े राज्यों में कांग्रेस खत्म हो गई है।

सुविचार
दुःखों से भरी इस दुनिया में वास्तविक सम्पत्ति धन नहीं, सन्तुष्टता है

70 दिन में 25 हजार नियुक्तियां निकालीं : सीएम रेवंत

हैदराबाद, 15 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद उन्होंने नौकरी प्लेसमेंट पर ध्यान केंद्रित किया है। उन्होंने एलबी स्टेडियम में नवचयनित सरकारी गुरुकुल शिक्षकों को नियुक्ति पत्र सौंपा। आपको नौकरियाँ केवल इसलिए मिल रही हैं क्योंकि बीआऱएस परिवार ने नौकरियाँ समाप्त कर दीं। पिछली सरकार के अन्यायों को पहचाना गया और बीआरएस को गद्दी से उतार दिया गया। 3650 दिनों तक सत्ता में रहने वाले केसीआर को नौकरी पर नियुक्तियाँ करने का समय नहीं मिला। सिंचाई परियोजनाओं पर 1.81 लाख करोड़ रुपये खर्च किये गये हैं. यहाँ तक कि 100,000 एकड़ भूमि भी सिंचित नहीं थी। हमने कैग रिपोर्ट सदन में रखी। परियोजनाओं पर चर्चा हुई तो बीआरएस नेता विधानसभा से भाग गये।

रेवंत रेड्डीने कहा कि ग्रुप-1 की परीक्षा जल्द ही आयोजित की जाएगी। सत्ता में आने के 70 दिनों के भीतर हमने लगभग 25 हजार नौकरियां दी हैं। पिछली सरकार ने शिक्षा पर केवल 67 खर्च किया। हम इसे बढ़ाकर 10 से 12 प्रतिशत करेंगे और गुरुकुल स्कूलों को मजबूत करेंगे । कार्यक्रम में राज्य के मंत्री कोमाती रेड्डी वेंकट रेड्डी, पोन्नम प्रभाकर, सीएस शांति कुमारी, सरकारी सलाहकार शब्बीर अली और अन्य ने भाग लिया।

चेरलापल्ली रेलवे टर्मिनल जल्द हो जाएगा तैयार

हैदराबाद, 15 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के बाहरी इलाके में चेरलापल्ली रेलवे टर्मिनल पर काम जल्द ही पूरा होने और नागरिकों के लिए चालू होने की उम्मीद है। यह स्टेशन जुड़वां शहरों के लिए नया वैकल्पिक कोचिंग टर्मिनल बनने वाला है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, एक बार स्टेशन तैयार हो जाने के बाद, कई ट्रेनें चेरलापल्ली से शुरू होने की संभावना है।

इन टर्मिनलों पर भीड़ को कम करने के लिए, पश्चिम में लिंगमपल्ली स्टेशन को एक टर्मिनल स्टेशन के रूप में विकसित किया गया है। मौजूदा टर्मिनलों पर भीड़ कम करने के लिए, रेलवे 220 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से पूर्व में चेरलापल्ली स्टेशन को सैटेलाइट रेलवे टर्मिनल के रूप में अपग्रेड कर रहा है। चेरलापल्ली में बुनियादी ढांचे के कार्यों में शामिल हैं, नए उच्च स्तरीय प्लेटफार्म, 8 लाख लीटर क्षमता वाला ओवर हेड वॉटर टैंक, नया स्टेशन भवन, सर्कुलेटिंग एरिया में सुधार, एप्रोच रोड का प्रावधान, विद्युत सबस्टेशन की स्थापना, रखरखाव शेड, दो एफओबी, 5 एस्केलेटर, 9 लिफ्ट, बायो टॉयलेट और एक स्वचालित कोच वाशिंग प्लांट।

दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) के अधिकारियों ने कहा कि उपनगरीय नेटवर्क को चेरलापल्ली स्टेशन से आगे सनथनगर से जोड़कर घटकेसर तक और भविष्य में यदाद्री तक विस्तारित करने के लिए भी तेजी से काम चल रहा है। चेरलापल्ली रेलवे स्टेशन जुड़वां शहरों में चौथा प्रमुख यात्री टर्मिनल बन जाएगा। नए टर्मिनल को हवाई अड्डों के समान आधुनिक सुविधाओं और प्रौद्योगिकी के साथ विकसित किया जा रहा है, एससीआर के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने कहा यह स्टेशन न केवल सिकंदराबाद, नामपल्ली और काचीगुडा स्टेशनों पर बोझ कम करेगा बल्कि शहर की आबादी की बढ़ती आवश्यकताओं को भी पूरा करेगा। टर्मिनल की ओआरआर से निकटता और आगामी क्षेत्रीय रिंग रोड (आरआरआर) से निश्चित रूप से सभी मोर्चों पर यात्रियों को मदद मिलेगी।

ब्याज चुकाने के लिए कर्ज की जरूरत नहीं : भट्टी विक्रमार्क

हैदराबाद, 15 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। डिप्टी सीएम भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि बजट में छह गारंटी के लिए 53 हजार करोड़ रुपये आवंटित किये गये हैं। उन्होंने बजट पर बहस के दौरान विधानसभा में जवाब दिया। उन्होंने कहा कि राज्य पर कुल 7.11 लाख करोड़ रुपये का कर्ज का बोझ है। पहले से लिए गए कर्ज पर ब्याज चुकाने के लिए दोबारा कर्ज लेने की जरूरत नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे एफआरबीएम के दायरे में ही कर्ज लेंगे।

हमने बजट में किसान कल्याण के लिए 15,075 करोड़ रुपये और इंदिराम्मा घरों के लिए 7,740 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। हम प्रति निर्वाचन क्षेत्र 3,500 की दर से घर बनाएंगे। 'गृह ज्योति' के तहत हमने मुफ्त बिजली के लिए 2418 करोड़ रुपये, 500 रुपये वाले गैस सिलेंडर के लिए 723 करोड़ रुपये, सामाजिक कल्याण के लिए 5,815 करोड़ रुपये, आदिवासी कल्याण के लिए 2,800 करोड़ रुपये और पंचायत के लिए 40 हजार करोड़ रुपये आवंटित किए हैं।

भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि केंद्र ने कहा कि एफआरबीएम के तहत बजट और गैर-बजटीय ऋणों पर गौर किया जाएगा। हमने सामाजिक समानता के तहत बजट में आवंटन किया है। तेलंगाना में आर्थिक और सामाजिक असमानताएं हैं। हमने असमानताओं को खत्म करने के लिए कड़ी मेहनत की है। ऐसी स्थिति जहां पूर्व में आवंटन के लिए राशि नहीं मिली थी। हमने योजनाओं और वादों के अनुरूप वास्तविक बजट तैयार किया है।' पहले इनमें सालाना 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी हो रही थी। पिछली सरकार ने तथ्यों से कोसों दूर बजट पेश किया। दस साल से युवा ग्रुप-1 की नौकरियों का इंतजार कर रहे हैं। टीएसपीएससी को शुद्ध कर दिया गया और अतिरिक्त कर्मचारी दिए गए। हम पहले ही 40 करोड़ रुपये मंजूर कर चुके हैं। हमने ग्रुप-1 में 503 पदों के अलावा 64 पद स्वीकृत किये हैं। हमने पुलिस भर्ती एजेंसी के माध्यम से 13,444 पदों को भरने का काम पूरा कर लिया है। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि सरकार युवाओं के सपनों को साकार करने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है।

बंडी ने केसीआर और केटीआर की आलोचना की

सिरसिला, 15 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद बंडी संजय कुमार ने पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव और उनके बेटे पूर्व मंत्री केटी रामा राव पर सनसनीखेज आरोप लगाए हैं।

सिरसिला जिले के थंगल्लापल्ली में आयोजित प्रजाहिता यात्रा की सार्वजनिक बैठक में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, बंडी ने कहा कि जिन लोगों ने अयोध्या में राम मंदिर का विरोध किया और जिन्होंने अयोध्या पर राजनीति की, उनका बहिष्कार किया जाना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि केंद्र ने तेलंगाना राज्य को भारी धनराशि दी है।

उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस चुनाव के दौरान किए गए वादों को लागू करने की स्थिति में नहीं है। चुनाव संहिता के बहाने वादों को दरकिनार करने की साजिश चल रही थी। कांग्रेस और बीआरएस पतन के कगार पर हैं। कृष्णा और कालेश्वरम परियोजनाओं की जांच होनी चाहिए, दोषियों को जेल भेजा जाना चाहिए।

बंडी ने दावा किया कि केवल सात योजनाओं के लिए सिरसिला जिले को 1,408 करोड़ रुपये से अधिक आवंटित किए गए थे और कहा कि जिले में वृक्षारोपण के लिए 266 करोड़ रुपये से अधिक आवंटित किए गए थे। उन सभी फंडों का क्या हुआ? एक भी पौधा नजर नहीं आता। पैसा तो मोदी ही देते हैं, बीजेपी आपके लिए लड़ रही है लेकिन कांग्रेस को वोट देना कितना उचित है, उन्होंने पूछा।

बीआरएस ने कहा : जीएचएमसी संकट में 1000 करोड़ रुपये जारी करें

हैदराबाद, 15 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस विधायक कालेरु वेंकटेश ने गुरुवार को सरकार से ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) को 1,000 करोड़ रुपये की तत्काल राशि जारी करने की मांग की। उन्होंने कहा कि यह वित्तीय संकट में फंसने के कगार पर है। विकास कार्यों के धीमे कार्यान्वयन पर चिंता व्यक्त करते हुए, उन्होंने कहा कि कुछ स्थानों पर विकास लगभग ठप हो गया है।

वेंकटेश ने कहा कि विभिन्न मदों के तहत 1200 करोड़ रुपये का भुगतान लंबित है और निगम द्वारा भुगतान नहीं किया जा रहा है। ठेके के कामों को लेने वाला लगभग कोई नहीं था। कुछ कार्यों के लिए 20 से अधिक बार निविदाएं वापस मंगाई गईं, लेकिन प्रतिक्रिया उदासीन रही।

राज्य के एकमात्र यूनानी कॉलेज की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए चारमीनार विधायक (एआईएमआईएम) मीर जुल्फेकार अली खान ने कहा कि सरकारी निज़ामिया जनरल अस्पताल, जिसे सरकारी यूनानी अस्पताल के रूप में जाना जाता है, को खराब स्थिति में छोड़ दिया गया था। उन्होंने मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री से अस्पताल जाकर खुद चीजें जानने का अनुरोध किया। राज्य में संचालित एकमात्र यूनानी कॉलेज को बुनियादी सुविधाएं मुहैया नहीं करायी जा सकी हैं। गर्ल्स हॉस्टल की हालत काफी खराब थी। इसमें शौचालय की आवश्यक सुविधाएं नहीं थीं और पेयजल आपूर्ति की आवश्यकताएं बढ़ी हुई थीं। उन्होंने कहा कि कॉलेज की विरासत इमारत के रखरखाव पर उचित ध्यान नहीं दिया गया।

भद्राचलम के विधायक तेलम वेंकट राव ने कहा कि बाढ़ के समय पोलावरम बैकवाटर प्रभाव मंदिर शहर के सामने आने वाली एक बड़ी समस्या थी। 2022 में गोदावरी में भारी बाढ़ के दौरान शहर के लगभग 40 प्रतिशत परिवेश ने प्रभाव का अनुभव किया। पूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मंदिर शहर के चारों ओर बनाया गया बाढ़ तट अधूरा था। इसे अविलंब आधा किलोमीटर और बढ़ाने की जरूरत थी। उन्होंने सरकार से आसपास के आदिवासी समूहों के मरीजों की जरूरतों को पूरा करने के लिए भद्राचलम के क्षेत्रीय अस्पताल में सभी डॉक्टर पद की रिक्तियों को भरने की भी अपील की।

सत्तुपल्ली विधायक एम रागमयी चाहते थे कि सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड सथुपल्ली में एक सुपर स्पेशलिटी अस्पताल स्थापित करे। कोयला खनन और लोडिंग के कारण होने वाली प्रदूषण की समस्या के कारण किस्टाराम के आसपास रहने वाले कई परिवार प्रभावित हुए थे।

कंपनी को गंभीर रूप से प्रभावित क्षेत्रों के परिवारों के पुनर्वास के लिए कदम उठाने चाहिए। कंपनी को क्षेत्र में एक सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल स्थापित करना चाहिए ताकि स्थानीय लोगों को नियमित स्वास्थ्य देखभाल प्रदान की जा सके। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि कंपनी में 80 प्रतिशत नौकरियां स्थानीय युवाओं को दी जाएं।

सीपीआई ने की केसीआर की आलोचना

हैदराबाद, 15 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सीपीआई के राष्ट्रीय सचिव डॉ. के. नारायण ने आज विधानसभा के लिए निर्वाचित होने के बाद विधानसभा सत्रों में भाग नहीं लेने के लिए विपक्षी नेता के.चंद्रशेखर राव की आलोचना की। उन्होंने कहा, केसीआर जयललिता, जगन और चंद्रबाबू की नकल कर रहे हैं, जिन्होंने अतीत में विपक्ष में रहते हुए विधानसभा सत्र का बहिष्कार किया था। उन्होंने मांग की कि जो लोग चुनाव जीते हैं और विधानसभा में शामिल नहीं हुए, उन्हें चुनाव आयोग द्वारा निष्कासित कर दिया जाना चाहिए।

नारायण गुरुवार को हैदराबाद के मकदूम भवन में सीपीआई की राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य चाडा वेंकट रेड्डी और राष्ट्रीय समिति के सदस्य पल्ला वेंकट रेड्डी के साथ आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे। इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने कहा कि उन्हें संदेह है कि केसीआर विधानसभा सत्र में भाग नहीं ले रहे हैं क्योंकि वह इस तथ्य को पचा नहीं पा रहे हैं कि उनके कट्टर प्रतिद्वंद्वी रेवंत रेड्डी, जिन्हें केसीआर ने पिछले दिनों विधानसभा से निष्कासित कर दिया था, अब सीएम बन गए हैं।

नारायण ने कहा कि केसीआर का अहंकार काम नहीं आया और अतीत में अहंकार का परिणाम अब केसीआर को जलाना है। केसीआर के लिए यह कहना सही नहीं है कि अगर कालेश्वरम में कुछ खंभे गिर गए तो क्या होगा।

केसीआर को उन विधायकों के समूह के साथ जाना चाहिए था जो मेडिगड्डा गए थे और उन्हें अपनी गलतियों के लिए माफी मांगनी चाहिए थी। यह उनके लिए अच्छा नहीं है। रेवंत रेड्डी के मुख्यमंत्री बनने के दो महीने बाद भी बीआरएस नेता गाली-गलौज कर रहे हैं और भड़काऊ भाषण दे रहे हैं। मुख्यमंत्री को भी उनके बारे में बुरा नहीं बोलना चाहिए।

वरिष्ठ वकील एवं मलकपेट विधायक के खिलाफ मामला दर्ज

हैदराबाद, 15 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हाई कोर्ट के वरिष्ठ वकील वेदुला वेंकटरमण और मलकपेट विधायक बाला के खिलाफ सीसीएस में मामला दर्ज किया गया है। मल्काजीगिरी के चिंतला यादगिरी ने शिकायत की कि जमीन के मामले में उनके पक्ष में फैसला दिलाने के नाम पर उनसे 7 करोड़ रुपये लेकर धोखाधड़ी की गई।

दावा किया गया कि 10 करोड़ रुपये की मांग की गई, लेकिन 7 करोड़ रुपये पर समझौता हुआ। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि उसने किस्तों में 4 करोड़ और 3 करोड़ रुपये चुकाए. लेकिन अदालत में कोई अनुकूल फैसला नहीं आने के कारण यादगिरी ने वकील वेंकटरमण से पैसे वापस करने को कहा। पीड़ित ने दावा किया कि मलकपेट विधायक ने एक अन्य व्यक्ति के साथ मिलकर उन्हें शेष रुपये दिए बिना धमकी दी। इस पर उसने पुलिस से संपर्क किया तीनों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कराया है।

सिटी बसों में मेट्रो शैली की सीटें

हैदराबाद, 15 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। महालक्ष्मी योजना से आरटीसी बसों में यात्रियों की संख्या में काफी वृद्धि हुई है। कभी 11 लाख लोग रोजाना सफर करते थे,अब ये बढ़कर 18-20 लाख हो गया है। सोमवार और बुधवार को अधिक भीड़ हो जाती है। आरटीसी ग्रेटर हैदराबाद ज़ोन का मानना है कि इन परिस्थितियों में, बस पूरी सीटों से अधिक को समायोजित नहीं कर सकती है।

अगर कुछ सीटें हटा दी जाएं तो ज्यादा लोगों के लिए जगह बन जाएगी। आरटीसी ने योजना बनाई है कि अगर बस के बीच की छह सीटों को हटा दिया जाए और उसी स्थान पर दोनों तरफ मेट्रो ट्रेन की शैली में बैठने की व्यवस्था लगा दी जाए, तो बीच में अधिक लोगों के लिए यात्रा करना आसान हो जाएगा। प्रायोगिक तौर पर कुछ रूटों पर बसों की सीटिंग में बदलाव किया गया है। इस समस्या को कम करने के लिए सिटी बसों में फिलहाल 44 सीटें हैं।

यदि 63 लोग यात्रा करते हैं तो आरटीसी को 100 प्रतिशत अधिभोग की उम्मीद है। महालक्ष्मी लागू होने के बाद से महिला यात्रियों की संख्या दोगुनी हो गई है।

कालेश्वरम व्यय में भारी वृद्धि, कोई अतिरिक्त लाभ नहीं : सीएजी रिपोर्ट

हैदराबाद, 15 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने विधानसभा में कैग रिपोर्ट पेश कर दी है। सीएजी ने मार्च 2022 तक राज्य की वित्तीय स्थिति का जिक्र किया है। इससे पता चला कि तत्कालीन बजट आवंटन की तुलना में कल्याणकारी योजनाओं पर खर्च कम था। इसमें शिक्षा, चिकित्सा, सिंचाई आदि से जुड़े मुद्दों का जिक्र किया गया। कैग ने कहा कि कालेश्वरम की लागत में भारी बढ़ोतरी के बावजूद कोई अतिरिक्त फायदा नहीं हुआ। इसमें कहा गया है कि री-इंजीनियरिंग और बदलाव के कारण पहले से किए गए कुछ काम बेकार हो गए हैं, जिससे 765 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। राजस्व अधिक और घाटा कम दिखाया गया है।

शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा पर खर्च करने में राज्य पीछे है। कुल व्यय का 8 प्रतिशत शिक्षा पर और केवल 4 प्रतिशत स्वास्थ्य पर खर्च किया गया। एपी और तेलंगाना के बीच संपत्तियों और ऋणों के हस्तांतरण पर कोई प्रगति नहीं हुई है। पृथक्करण परिसंपत्तियों के हस्तांतरण पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जाता है। बजट में 1.18 लाख करोड़ रुपये के कर्ज का जिक्र नहीं किया गया है।

राजस्व की कमी को उधार के माध्यम से पूरा किया जाना है। 2032-33 तक कर्ज पर 2.52 लाख करोड़ रुपये का ब्याज देना होगा। सिंचाई विभाग ने कालेश्वरम कार्यों को सौंपने में अनुचित जल्दबाजी दिखाई है। डीपीआर की मंजूरी से पहले 25 हजार करोड़ रुपए के 17 काम सौंपे गए। हालाँकि यह आवश्यक नहीं था, तीसरे टीएमसी का काम शुरू किया गया था। इससे 25 हजार करोड़ रुपये की अतिरिक्त लागत आई है। सिंचाई पर पूंजीगत व्यय 6.42 लाख रुपये प्रति एकड़ होगा। परियोजना का लाभ-लागत अनुपात 1.51 प्रतिशत अनुमानित था, लेकिन यह 0.75 प्रतिशत पर चल रहा है। इसमें और कमी आने की संभावना है. सीएजी ने रिपोर्ट में कहा, मल्लान्ना सागर का निर्माण व्यापक भूकंपीय अध्ययन के बिना किया गया था।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

पियुष कुमार
माता : गुड़िया देवी
पिता : दीपक सिंह

बसपा नेता के आवास पर पहुंचे विवेचक, कहा

भाजपा नेता होते तो दर्ज नहीं होता केस, इंस्पेक्टर को बताया अखिलेश यादव का आदमी

बरेली, 15 फरवरी (एजेंसियां)। बिजली चोरी के केस की विवेचना करने पहुंचे पावर कॉरपोरेशन की विजिलेंस के विवेचक का वीडियो वायरल हो गया। उन्होंने बसपा नेता से कहा कि अगर वह भाजपा नेता होते तो केस दर्ज नहीं होता। इंस्पेक्टर को सपा प्रमुख अखिलेश यादव का आदमी बताया डाला। पशुपतिनाथ विहार में बसपा नेता तौफीक प्रधान बसपा के टिकट पर बिथरी चैनपुर क्षेत्र से विधानसभा का चुनाव भी लड़ चुके हैं। करीब साल भर पहले उनके आवास पर पावर कॉरपोरेशन की विजिलेंस टीम के इंस्पेक्टर शुजात हुसैन ने टीम के साथ चेकिंग की थी।

'सीएम नीतीश को कहिए बीजेपी से अलग हो जाएं

वर्ना बम से उड़ा देंगे', डीजीपी आरएस भट्टी को धमकी देने वाला अरेस्ट

डीजीपी ने ईओयू को सौंपी थी जांच की जिम्मेदारी

आरोपी युवक का किसी राजनीतिक दल से संबंध नहीं

दो यूट्यूबरों से भी पुलिस कर रही है पूछताछ

पटना, 15 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को बम से उड़ाने की धमकी देने वाले एक शख्स को बिहार पुलिस ने कर्नाटक से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने बिहार के डीजीपी आरएस भट्टी को पिछले महीने एक ऑडियो क्लिप भेजी थी। इसमें धमकी दी थी। धमकी में कहा गया था- 'नीतीश कुमार से कहो बीजेपी से अलग हो जाएं, नहीं तो उन्हें बम से उड़ा देंगे।' आरोपी ने विधायकों को भी मारने की धमकी दी थी। गिरफ्तार आरोपी समस्तीपुर जिले का निवासी बताया जा रहा है। पुलिस उसे कर्नाटक से अरेस्ट कर पटना लेकर आई है, उससे पूछताछ की जा रही है।

डीजीपी ने ईओयू को सौंपी थी जांच की जिम्मेदारी

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक डीजीपी आरएस भट्टी के फोन पर 31 जनवरी को एक ऑडियो क्लिप भेजा गया था। ऑडियो क्लिप भेजने वाले ने नीतीश कुमार को बम से उड़ाने की धमकी दी थी। इसके बाद मामले की छानबीन की जिम्मेदारी ईओयू को सौंपी गई। नंबर के आधार पर आरोपी का लगाया गया। आरोपी का लोकेशन कर्नाटक मिला, जिसके बाद बिहार पुलिस की टीम ने कर्नाटक पहुंचकर आरोपी से पूछताछ की। उसने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है।

आरोपी युवक का किसी राजनीतिक दल से संबंध नहीं

गिरफ्तार आरोपी सोनू पासवान मूलरूप से समस्तीपुर जिले का रहने वाला है। सोनू कर्नाटक के दावनगिरी जिले में एक फैक्ट्री में काम कर रहा था। रिपोर्ट्स के अनुसार वो बिहार में गरीबी और बेरोजगारी से परेशान था। इस बीच जब नीतीश कुमार महागठबंधन छोड़कर वापस एनडीए में शामिल हुए, तो वह आवेश में आ गया। जिसके बाद उसने धमकी भरा ऑडियो डीजीपी को भेज दिया। जांच में यह बात सामने आई कि उसका किसी राजनैतिक दल से संबंध नहीं है। उसके खिलाफ ईओयू में प्राथमिकी भी दर्ज कर ली गई है।

संजय सेठ होंगे बीजेपी के आठवें राज्यसभा उम्मीदवार

एनडीए के आगे सपा का गणित हो सकता है फेल?

लखनऊ, 15 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी ने राज्यसभा के लिए अपने आठवें उम्मीदवार का ऐलान कर दिया है। भाजपा ने संजय सेठ को अपना राज्यसभा उम्मीदवार बनाया है। बता दें कि संजय सेठ कभी सपा के काफी करीबी माने जाते थे। अब भाजपा ने उन्हें ही अपना राज्यसभा उम्मीदवार बनाया है। संजय सेठ भाजपा के आठवें राज्यसभा उम्मीदवार हैं।

अब राज्यसभा का गणित भी समझ लीजिए

उत्तर प्रदेश विधानसभा में 403 विधानसभा सीट हैं। अभी 399 विधायक हैं। विधानसभा की 4 सीटें खाली हैं। बता दें कि राज्यसभा की एक सीट जीतने के लिए प्रथम वरीयता के 37 विधायकों का वोट चाहिए होता है। विधानसभा में समाजवादी पार्टी के पास अभी 108 सीट हैं तो वहीं भाजपा के पास 252 सीट हैं। विधानसभा में अपना दल (एस) के पास 13 सीट हैं, रालोद के पास 9 सीट हैं और निषाद पार्टी के पास भी 6 सीटें है। विधानसभा में ओम प्रकाश राजभर की पार्टी के पास भी 6 विधानसभा सीटें हैं। विधानसभा में बीएसपी के पास 1 सीट, राजा भैया की पार्टी जनसत्ता दल के पास 2 सीट और कांग्रेस के पास भी 1 सीट है। दरअसल एनडीए के वोट अभी 277 हैं।

अगर इसमें राष्ट्रीय लोकदल यानी रालोद के भी 9 वोट मिल जाते हैं और राजा भैया की पार्टी के भी 2 वोट भाजपा को मिल जाते हैं, तो एनडीए के पास 288 वोट हो जाएंगे। बता दें कि एनडीए के पास 7 राज्यसभा भेजने के बाद भी 28-29 प्रथम वरीयता के सरप्लस वोट है। अगर बीजेपी 34-35 वोट तक पहुंच जाती है तो वह अपना आठवां उम्मीदवार जीत ले जाएगी। रालोद और राजा भैया की पार्टी के वोट मिल जाएंगे तो भाजपा का 8वां राज्यसभा उम्मीदवार राज्यसभा पहुंच सकता है। समाजवादी पार्टी के पास 108 विधायक हैं। सपा विधायक इरफान सोलंकी जेल में हैं, ऐसे में वह वोट नहीं दे पाएंगे।

जया प्रदा पर लटकी गिरफ्तारी की तलवार

रामपुर, 15 फरवरी (एजेंसियां)। दिग्गज अभिनेत्री और राजनेता जया प्रदा जल्द ही गिरफ्तार हो सकती हैं। रामपुर पुलिस उनकी तलाश में है। जया प्रदा की गिरफ्तारी का आदेश दिया है रामपुर की एमपी/एमएलए अदालत ने पुलिस अधीक्षक को। पुलिस अधीक्षक को एक स्पेशल टीम बनाने और पूर्व सांसद को गिरफ्तार कर कोर्ट में 27 फरवरी को पेश करने का आदेश दिया गया है। सीनियर प्रोसेक्यूशन ऑफिसर अमरनाथ तिवारी ने बताया कि जया प्रदा के खिलाफ सातवीं बार गैर जमानती वारंट जारी कियी गया। बावजूद इसके सोमवार को सुनवाई के लिए कोर्ट नहीं पहुंचीं। तब जाकर कोर्ट ने सख्त रूख अख्तियार कर यह आदेश दिया है।

जया प्रदा पर आरोप क्या है?

जया प्रदा आचार संहिता उल्लंघन से जुड़े दो मामलों में 'फरार' बताई जा रही हैं। दरअसल जया प्रदा ने साल 2019 में रामपुर से बीजेपी के टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ा था। चुनाव के दौरान एक्ट्रेस पर चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप लगा। और दो अलग-अलग मामले दर्ज किए गए थे। यह मामले रामपुर की एमपी एमएलए कोर्ट में चल रहे हैं। लेकिन जया प्रदा तय तारीखों पर सुनवाई के लिए कोर्ट में पेश नहीं हो रही थी। नतीजन उनके खिलाफ एक के बाद एक गैर जमानती वारंट जारी होते रहे।

विवादों से है पुराना नाता

यह पहली बार नहीं है जब जया प्रदा किसी विवाद में फंसी हैं। अभिनेत्री को पिछले साल चेन्नई की एक अदालत ने पुराने मामले में दोषी पाया था। खबरों के मुताबिक, जया प्रदा पर अपने थिएटर के कर्मचारियों को ईएसआई का पैसा नहीं देने का आरोप लगा था। कथित तौर पर, जया प्रदा ने अपने उपर लगे आरोपों को स्वीकार कर लिया। मामले को खारिज करने की मांग करते हुए लंबे बकाया का भुगतान करने का वादा भी किया। हालाँकि, अदालत उनकी इस अपील को खारिज कर दिया और उन्हें छह महीने जेल की सजा के साथ 5 हज़ार रुपये का जुर्माना लगाया।

'सरकार गिराने में भले बीमा भारती का हाथ हो'

जेडीयू विधायक गोपाल मंडल ने किया फोन कॉल वाला खुलासा

भागलपुर, 15 फरवरी (एजेंसियां)। आर्म्स एक्ट के मामले में जेडीयू विधायक बीमा भारती के पति और बेटे को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई के बाद बीमा भारती ने एक तरफ नाराजगी जताई तो वहीं दूसरी ओर पार्टी के विधायक गोपाल मंडल ने अब बड़ा बयान दिया है। विधायक गोपाल मंडल ने कहा कि बीमा भारती को लगता है कि उनके बेटे और पति की गिरफ्तारी नीतीश कुमार ने करवाई है, लेकिन ये बात नहीं है। उनके पति और बेटा एक गाड़ी पर थे।

बीमा भारती और उनकी बेटी एक गाड़ी पर थीं। पुलिस चेकिंग के दौरान बीमा भारती और बेटी तो निकल गईं। हथियार का लाइसेंस बेटे के नाम पर नहीं था, पति के नाम पर नहीं था, इस पर पुलिस ने गिरफ्तार किया। हमलोग भी हथियार लेकर चलते हैं। हम तो विधायक हैं, गैर आदमी भी चलता है। पुलिस को देखते हैं तो खुद के हाथ में हथियार ले लेते हैं। लाइसेंसी हथियार दूसरे को अपने हाथ में रखने का हक नहीं है। वहीं दूसरी ओर बीमा भारती को फोन पर मिली जान से मारने की धमकी के मामले पर गोपाल मंडल ने कहा कि मेरा और बीमा भारती का क्वार्टर बगल में है। उनको किसी ने फोन कर धमकी दी।

तेलंगाना के उत्तर भारतीयों की आवाज बनेंगे यूपी के सांसद श्याम सिंह यादव

नई ट्रेन चलाने के संबंध में करेंगे रेल मंत्री से बात, जिम्मेदार अधिकारियों को लिखेंगे पत्र

जौनपुर,15 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जौनपुर से बसपा सांसद श्याम सिंह यादव तेलंगाना के उत्तर भारतीयों की आवाज बनेंगे। उत्तर प्रदेश और बिहार के पहले सांसद हैं जिन्होंने नई ट्रेन चलाने के मामले पर रेल मंत्री से बात करने और जिम्मेदार अधिकारियों को पत्र लिखने का आश्वासन नॉर्थ पीपुल्स एसोसिएशन तेलंगाना को दिया है। ट्रेन में सीट न उपलब्ध रहने के कारण तेलंगाना में रहने वाले उत्तर भारतीयों के लिए शादी, विवाह गर्मियों की छुट्टी और अन्य आवश्यक कार्य में घर पहुंचना बेहद मुश्किल हो जाता है। महंगी फ्लाइट से यात्रा करना बस की बात नहीं है। उत्तर भारतीय लोग कई सालों से नई ट्रेन चलाने की मांग करते आ रहे हैं।

तेलंगाना प्रवास के दौरान यूपी-बिहार के नेताओं से हमेशा नए ट्रेन चलवाने की मांग की जाती है।

कई केंद्रीय मंत्री उत्तर प्रदेश और बिहार से ताल्लुक रखते हैं। वे वोट के लिए तेलंगाना में रहने वाले उत्तर भारतीयों का इस्तेमाल यूपी बिहार और तेलंगाना दोनों में ही करने से नहीं चूकते हैं। तेलंगाना से ट्रेनों का अभाव लाइलाज समस्या बन चुकी है।

इसी मुद्दे को लेकर सांसद श्याम सिंह यादव ने बड़ी बेबाकी से कहा कि बड़ी देरी से यह मामला मेरे संज्ञान में आया है। अभी लोकसभा चुनाव नजदीक आ गया है। लेकिन वे इस मामले पर रेल मंत्री से बातचीत करेंगे। जिम्मेदार अधिकारियों को पत्र लिखेंगे। सिकंदराबाद से वाराणसी, पटना के लिए नई ट्रेन चलाने की दिशा में जो भी संभव हो सकेगा वह प्रयास किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक से भी इस मामले में बातचीत कर समस्या का समाधान निकाला जाएगा। श्री यादव ने कहा कि इस संबंध में नार्थ पीपुल्स एसोसिएशन तेलंगाना के अध्यक्ष राजनरायन सिंह, बिहार सहयोग समिति के अध्यक्ष विनय कुमार यादव द्वारा भेजा गया पत्र मिला है।बता दें कि कई सालों से एकमात्र सीधी ट्रेन सिकंदराबाद -दानापुर एक्सप्रेस (12791) चल रही है। इसके अलावा लखनऊ और दूसरे जगह जाने वाली साप्ताहिक ट्रेन है।

वाराणसी , प्रयागराज, अयोध्या तीर्थ स्थल होने के कारण भारी संख्या में आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक के लोग भी इसी ट्रेन को अपनी सफर का जरिया बनाते हैं। दक्षिण मध्य रेलवे द्वारा समय-समय पर विशेष ट्रेनों का संचालन किया जाता है। लेकिन भीड़ के सामने ट्रेनें नाकाफी है। कई सालों से नॉर्थ पीपुल्स एसोसिएशन, तेलंगाना , बिहार सहयोग समिति, तेलंगाना आदि संस्थाएं और संगठन नई ट्रेनों को चलवाने की मांग कर रहे हैं। सीजन में टिकट न मिलने के कारण लोग बसों से यात्रा करने के लिए मजबूर हो रहे हैं। बस में यात्रा के दौरान कई बार दुर्घटना हुई है और कुछ लोगों की जान भी चली गई है।

बीमा भारती को धमकी देने वाला राजस्थान का निकला

पुलिस ने बताया मंदबुद्धि, ऐसे मामलों में कई बार गया है जेल

पटना, 15 फरवरी (एजेंसियां)। जेडीयू विधायक बीमा भारती को जान से मारने की धमकी देने वाले की पहचान राजस्थान के रावत भाटा थाना क्षेत्र के रहने वाले एक मंदबुद्धि आदमी के रूप में की गई है। राजस्थान के रावत भाटा थाने की पुलिस ने उस आदमी की पहचान की है। वहां की पुलिस ने बताया कि आरोपी मंदबुद्धि है। कई बार इसने अलग-अलग लोगों को फोन करके जान से मारने की धमकी दे चुका है। कई बार जेल भी जा चुका है। कोर्ट भी इसे मंदबुद्धि होने के चलते छोड़ देती है।

क्या था पूरा मामला

जेडीयू विधायक बीमा भारती को जान से मारने की धमकी मिली है। यह धमकी 13 फरवरी 2024 की रात एक अज्ञात व्यक्ति ने फोन पर दी। अज्ञात व्यक्ति ने विधायक को जान से मारने की धमकी दी। गालियां दीं और गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। आरोपी ने कहा कि तुम्हारे पति और बेटा को जेल भेजवा दिए है, अब तुमको मार देंगे। धमकी मिलने के बाद विधायक ने पटना के सचिवालय पुलिस थाना में प्राथमिकी दर्ज कराया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और धमकी देने वाले व्यक्ति की तलाश करने में जुट गई।

पटना पुलिस ने क्या कहा

सचिवालय थाना प्रभारी विनोद राम ने बताया कि पटना पुलिस ने विधायक बीमा भारती के द्वारा दिए गए नंबर का लोकेशन ट्रेस किया तो राजस्थान के रावत भाटा थाना क्षेत्र का निकला। पटना पुलिस ने रावत भाटा थाने को इसकी सूचना दी। दिए गए नंबर को ट्रैक करके उस व्यक्ति तक पुलिस पहुंची। नंबर एक मंदबुद्धि व्यक्ति का निकला। वह कई बार इस तरह के मामलों में जेल गया है।

लोकसभा चुनाव से पहले बसपा को बड़ा झटका

इस नेता ने थामा सपा का दामन; अखिलेश यादव ने खुद दिलाई सदस्यता

फिरोजाबाद, 15 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद में बसपा जिलाध्यक्ष मुकेश कुमार टीटू सैफई में सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के समक्ष समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए। इसकी भनक जब बसपा नेताओं को हुई तो उन्होंने मुकेश कुमार टीटू को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाया है। जिलाध्यक्ष की कमान ब्रजेश कुमार वरुण को सौंपी है। बसपा ने जिले की सभी पांच विधानसभा क्षेत्र के प्रभारियों की भी घोषणा कर दी है। लोकसभा चुनाव करीब आते देख राजनीतिक हलचल काफी तेज हो गई है। प्रदेश में सत्ताधारी भाजपा द्वारा सपा, बसपा नेताओं को पार्टी में शामिल किए जाने का अभियान चलाया जा रहा है। सपा भी विरोधी खेमे पर नजर रखकर पार्टी के कुनबे को बढ़ाने में जुटी है। बसपा जिलाध्यक्ष मुकेश कुमार टीटू ने सपा में शामिल हो गए। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मुकेश कुमार टीटू को सपा की सदस्यता दिलाई। इस दौरान सपा के मुख्य राष्ट्रीय महासचिव प्रो। रामगोपाल यादव भी मौजूद थे। मुकेश यादव टीटू ने कहा कि बसपा में सही ढंग से काम नहीं हो रहा था। मैंने सपा की नीतियों से प्रभावित होकर शामिल होने का फैसला लिया है। इधर बसपा के आगरा मंडल प्रभारी डॉ। ज्ञान सिंह ने मुकेश कुमार टीटू को बाहर का रास्ता दिखा दिया है।

पांच विधानसभा क्षेत्र के प्रभारियों की घोषणा

पार्टी में अनुशासनहीनता का काम करने की शिकायतें मिल रही थीं। निर्देश के बाद सुधार नहीं करने के कारण पार्टी ने फैसला लिया है। इधर बसपा ने जिलाध्यक्ष की कमान एक बार फिर ब्रजेश कुमार वरुण को सौंपी है। पार्टी ने बबलू सिंह उर्फ गोल्डी राठौर एडवोकेट एवं चौधरी सालिग सिंह को जिला प्रभारी बनाया है। बसपा ने सभी पांच विधानसभा क्षेत्र के प्रभारियों की घोषणा कर दी है।

ये हैं बसपा के विधानसभा क्षेत्र प्रभारी

टूंडला में डॉ। बारेलाल आनंद, जयवीर सिंह जाटव, राजू कुशवाह, जसराना विधानसभा क्षेत्र के प्रभारी यादुवेंद्र सिंह, विजय पाल सिंह व विजय पाल कुशवाह एवं फिरोजाबाद विधानसभा क्षेत्र प्रभारी सुनील जाटव, मनीष राही, हादी हसन अंसारी, शिकोहाबाद विधानसभा क्षेत्र प्रभारी सुशील कुमार उर्फ सोनू भारती, स्वामी प्रसाद, इंद्रजीत यादव, सिरसागंज विधानसभा क्षेत्र प्रभारी मानिकचंद्र सत्यार्थी, अनिल गौतम व हेमंत लोधी को बनाया है।

नोएडा में शराब की रिकॉर्ड तोड़ बिक्री, 10 महीने में हुई 1600 करोड़ की कमाई

नोएडा, 15 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में नोएडा ने शराब बिक्री के मामले में सभी जिलों को पीछे छोड़ते हुए पहला स्थान प्राप्त किया है। 10 महीने के अंदर ही पूरे गौतम बुद्ध नगर में 1,600 करोड़ की शराब बिक्री हुई है। इसके लिए आबकारी आयुक्त ने आबकारी विभाग को प्रशस्ति पत्र भी दिया है।इस वित्तीय वर्ष में प्रदेश में राजस्व बढ़ाने में गौतम बुद्ध नगर पहले स्थान पर रहा।

गौतम बुद्ध नगर के जिला आबकारी अधिकारी सुबोध कुमार ने बताया कि इस साल 2023-24 में 2,324 करोड़ रुपए का टारगेट दिया गया था। अभी 10 महीने में हमने करीब 1,600 करोड़ रुपए के राजस्व को प्राप्त कर लिया है। अगर पिछले साल के मुकाबले हम बात करें तो इस समय तक हम 25 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि मार्च के अंत तक हम दिए गए टारगेट तक पहुंच जाएंगे। जिले में पिछले 10 माह में 1 करोड़ 78 लाख 16 हजार 53 लीटर देसी शराब बेची गई है, जिससे करीब 500 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ है।

रात बिताओ-पैसे कमाओ पत्नी को कॉल गर्ल बनाना चाहता था पति; सास-ससुर पर लगाए आरोप

लखनऊ, 15 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में महिला को प्रताड़ित करने का मामला सामने आया है। शहर के ठाकुरगंज थाने इलाके की एक पत्नी ने अपने पति और सास-ससुर पर गंभीर आरोप लगाए है। पत्नी का आरोप है पति और ससुर कॉल गर्ल बनने को लेकर उसके संग जबरदस्ती करते हैं। पत्नी का कहना है कि पति दहेज के लिए दोस्तों के साथ सोने को मजबूर करता है। पीड़िता ने पुलिस थाने में पहुंच कर पति और सास-ससुर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। मामला थाना ठाकुरगंज क्षेत्र के दौलतगंज का है। पीड़ित महिला कानपुर की रहने वाली है। उसकी शादी 11 नवंबर 2021 को हुई थी। पीड़िता के मुताबिक माता-पिता भाइयों ने अपनी हैसियत से ज्यादा उपहार देकर विदा किया था। जब वह अपने मायके से ससुराल गई तो उसको मालूम पड़ा कि उसके पति का संबंध पति-पत्नी जैसा पड़ोस की रहने वाली महिला से बने हुए है। दूसरी महिला को घर में देखकर पीड़िता बौखला उठी। पीड़िता के सास-ससुर कम दहेज लाने का ताना देते हुए प्रताड़ित करते रहते हैं।

शौहर 3 तलाक के बाद करता था हलाला के लिए परेशान, शाहना बन गई शारदा और ओमप्रकाश से की शादी

बुलंदशहर, 15 फरवरी (एजेंसियां)। बुलंदशहर की रहने वाली शाहना, शारदा बन गई। शाहना ने इस्लाम त्याग कर हिंदू धर्म अपनाया और फिर अपना नाम शाहना से शारदा कर ओमप्रकाश के साथ शादी रचा ली। शाहना से शारदा बनी युवती का कहना है कि वह हलाला और तीन तलाक जैसे कुरीतियों से परेशान हो गई थी। इसलिए उसने इस्लाम त्याग दिया और सनातन धर्म अपना कर अपने प्रेमी से शादी कर ली। युवती का कहना है कि उसे पहले तीन तलाक दिया गया था। फिर उसे हलाला के लिए परेशान किया जा रहा था। इस दौरान उसकी मुलाकात बरेली के रहने वाले ओमप्रकाश से हो गई थी। ओमप्रकाश ने उसका साथ दिया और उसे ओमप्रकाश से प्यार हो गया, जिसके बाद उसने ये कदम उठाया है। शाहना ने बताया कि उसने अब सनातन धर्म में वापसी कर ली है। अब उसका नाम शारदा हो गया है। वह इस्लाम में तीन तलाक और हलाला से काफी परेशान थी। उसने अपने मन से अपने प्रेमी ओमप्रकाश के साथ शादी की है और सनातन धर्म अपना लिया है।

पति ने दिया था तीन तलाक

शारदा बनी युवती का कहना है कि उसका पहला पति उसे बहुत परेशान करता था। उसने तीन तलाक ले लिया था। फिर वह हलाला के लिए परेशान कर रहा था। इस बीच उसकी मुलाकात बरेली के ओमप्रकाश से हुई थी। ओमप्रकाश और उसके बीच दोस्ती हुई। फिर ये दोस्ती प्यार में बदल गई। अब उसने हिंदू धर्म अपनाकर ओमप्रकाश के साथ शादी कर ली है। शारदा का कहना है कि अब उसे उसकी पहली जिंदगी से कोई मतलब नहीं है और ना ही कोई खतरा है। अब उसकी जिंदगी की ओमप्रकाश के साथ शुरू हुई है। उसने अपनी मर्जी से सनातन

बेहमई कांड में 43 साल बाद फैसला, एक अभियुक्त को उम्रकैद

फूलन देवी ने दिया था सामूहिक नरसंहार की घटना को अंजाम

कानपुर देहात, 15 फरवरी (एजेंसियां)। 43 वर्ष पूर्व 14 फरवरी 1981 को बेहमई गांव में दस्यु फूलन देवी ने सामूहिक नरसंहार की घटना को अंजाम दिया था। इसमें 20 लोगों की मौत हो गई थी। इसके साथ ही छह लोग घायल हुए थे। न्याय की आस में वादी मुकदमा राजाराम व मुख्य गवाह जंटर की भी करीब दो साल पूर्व मौत हो चुकी है, लेकिन संयोग ऐसा रहा कि 43 वर्ष बाद 14 फरवरी को ही एंटी डकैती कोर्ट ने अंतिम फैसला सुनाते हुए एक अभियुक्त को आजीवन कारावास दिया है। 14 फरवरी 1981 शनिवार का वह दिन बेहमई गांव पर कहर बनकर

टूटा था। गांव में किसान, मजदूर सहित अन्य लोग अपने कार्यों में व्यस्त थे। कोई खेत पर गया था तो कुछ मवेशी की देखरेख में लगा था, लेकिन डकैत आ गए। डकैत आ गए गांव वाले चिल्लाने लगे। कानों में डकैतों के आने की आवाज सुनकर सभी तितर-बितर होकर भाग रहे थे, लेकिन डकैतों ने घेराबंदी कर उन्हें पकड़ लिया। बच्चे, बुजुर्गों व महिलाओं को छोड़कर डकैत 26 युवाओं को गांव में एक कुए के पास एकत्र कर दस्यु फूलन देवी ने अंधाधुंध फायरिंग कर दी थी। इसमें तुलसीराम सिंह, राजेंद्र सिंह, जगन्नाथ सिंह, वीरेंद्र सिंह, रामाधार सिंह, शिवराम सिंह, रामचंद्र सिंह, शिव बालक सिंह, बनवारी सिंह, लाल सिंह, नरेश सिंह, दशरथ सिंह, बनवारी, हिम्मत सिंह, राजेंद्र, हुकुम सिंह, हरीओम सिंह, नजीर खां, तुलसीराम, रामऔतार की मौत हो गई थी। वहीं जंटर सिंह, रघुवीर सिंह, वकील सिंह, देव प्रयाग सिंह, कृष्ण स्वरूप सिंह गुरुमुख सिंह सहित छह लोग घायल हुए थे। शाम करीब पांच बजे हुई घटना के प्रत्यक्षदर्शी गांव के राजाराम सिंह थे, जिन्होंने मुकदमा दर्ज कराया था। न्याय की आस में 13 दिसंबर 2020 को राजाराम की मौत हो गई थी।

43 साल बाद एक अभियुक्त को आजीवन कारावास की सजा

घटना के 43 वर्ष बाद बरसी के दिन ही एंटी डकैती कोर्ट ने मुकदमे में अंतिम फैसला सुनाते हुए एक अभियुक्त को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

यह थे मुख्य आरोपी

विश्वनाथ उर्फ अशोक, विश्वनाथ उर्फ पुतानी, भीखा, रामरतन, बाबूराम, श्यामबाबू, पोसा, रामकेश, बालादीन, शिवपाल, राम सिंह, बृजलाल, रतीराम, रामचरन, लालाराम, माता प्रसाद, मान सिंह, मुस्तकीम, लल्लू, बलवान, मोती, बलराम सिंह, श्याम, छोटे मल्लाह, फूलन देवी, राम प्रकाश, लल्लू सहित 35-36 लोग।

शर्मसार! अब जानवर भी सुरक्षित नहीं गोवंश के साथ कुकर्म, बजरंग दल का फूटा गुस्सा

बरेली, 15 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बरेली से इंसानियत को शर्मसार कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक अधेड़ उम्र के व्यक्ति ने एक गोवंश के साथ अप्राकृतिक यौनाचार की घटना को अंजाम दिया है। किसी शख्स ने आरोपी की इस शर्मनाक करतूत का वीडियो बनाकर वायरल कर दिया। वीडियो का संज्ञान लेते हुए हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने पुलिस से शिकायत की है। उन्होंने गुस्सा जताते हुए आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पशु क्रूरता की धारा के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद से आरोपी फरार है। घटना बरेली जिले के थाना फतेहगंज पश्चिमी क्षेत्र की है। पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी हुई है। आरोपी की उम्र 65 साल बताई जा रही है। घटना से लोगों में काफी गुस्सा है। इससे पहले भी जिले में ऐसी शर्मनाक घटनाओं को अंजाम दिया गया है। कुछ माह पहले भी बरेली शहर क्षेत्र में गोवंश के साथ ऐसी ही घटना का वीडियो वायरल हुआ था।

खुशियां मातम में बदलीं: भाई की शादी में शामिल होने आ रही बहन की सड़क हादसे में मौत, गर्भवती थी मृतका

दादरी चरखी, 15 फरवरी (एजेंसियां)। दादरी में झज्जर-चरखी दादरी राजमार्ग पर बुधवार रात करीब 11 बजे गांव अचीना ताल के पास सड़क हादसे में गर्भवती महिला की मौत हो गई। वहीं, हादसे में मृतका का भाई और कार चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों को उपचार के लिए नागरिक अस्पताल में लाया गया। जहां से मृतका के भाई को बेहतर उपचार के लिए रोहतक पीजीआई रेफर कर दिया गया। पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

'एससी का फैसला वोट की शक्ति को मजबूत करेगा'

चुनावी बॉन्ड को लेकर केंद्र पर भड़की कांग्रेस

नई दिल्ली, 15 फरवरी (एजेंसियां)। चुनावी साल में केंद्र सरकार को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। अदालत ने चुनावी बॉन्ड स्कीम को रद्द कर दिया है। अदालत ने गुरुवार को अहम फैसला सुनाते हुए भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को इसकी जानकारी देने का आदेश दिया है। वहीं, इस फैसले के बाद विरोधी दलों को केंद्र पर निशाना साधने का मौका मिल गया है। मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने बीजेपी को आड़े हाथ लिया है।

कांग्रेस को मिला केंद्र पर हमला बोलने का मौका

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने इसको लेकर एक ट्वीट किया है। जयराम ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने मोदी सरकार की बहुप्रचारित चुनावी बॉन्ड योजना को संसद द्वारा पारित कानूनों के साथ-साथ भारत के संविधान दोनों का उल्लंघन माना है। हम इस फैसले का स्वागत करते हैं। कांग्रेस नेता ने ये भी कहा कि अदालत का फैसला नोटों पर वोट की शक्ति को मजबूत करेगा। मोदी सरकार चंदादाताओं को विशेषाधिकार देते हुए अन्नदाताओं पर अत्याचार कर रही है।

बीजेपी को समृद्ध करने के लिए लाई गई थी योजना: कपिल सिब्बल

राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने कहा कि ये लोकतंत्र के लिए आशा की बड़ी किरण है। ये स्कीम बीजेपी को मजबूत करने के लिए लाई गई थी। हर किसी को पता है कि बीजेपी सत्ता में है और चुनावी बॉन्ड के जरिए चंदा बीजेपी के पास ही आएगा। दिलचस्प बात है कि इसका चुनाव से कोई लेना-देना नहीं है। ये बीजेपी और कॉर्पोरेट सेक्टर के बीच का बंधन था।

क्या है सुप्रीम कोर्ट का फैसला?

मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ सर्वसम्मति से फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि चुनावी बॉन्ड संविधान के तहत सूचना के अधिकार और भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उल्लंघन करता है। अदालत ने जन प्रतिनिधित्व अधिनियम और आयकर कानूनों सहित विभिन्न कानूनों में किए गए संशोधनों को भी अमान्य ठहराया है। कोर्ट ने कहा कि एसबीआई बॉन्ड जारी करना बंद कर देगा। साथ ही एसबीआई को 12 अप्रैल 2019 से अब तक खरीदे गए चुनावी बॉन्ड का ब्योरा चुनाव आयोग को देना होगा।

महाभारत धारावाहिक के कृष्ण नीतीश भारद्वाज ने आईएएस पत्नी के खिलाफ की शिकायत

जुड़वा बेटियों के लिए मांगी सुरक्षा

भोपाल, 15 फरवरी (एजेंसियां)। महाभारत में भगवान कृष्ण का पात्र निभाने वाले अभिनेता और राजनेता नीतीश भारद्वाज ने अपनी जुड़वा बेटियों की सुरक्षा के लिए भोपाल पुलिस कमिश्नर हरिनारायणाचारी मिश्र से सहायता मांगी है। नीतीश भारद्वाज ने भोपाल पुलिस कमिश्नर को मेल से पत्र भेजकर अपनी पत्नी मध्य प्रदेश कैडर की आइएएस अधिकारी के खिलाफ शिकायत की है।

नीतीश भारद्वाज ने आईएएस पत्नी के खिलाफ की शिकायत

पुलिस कमिश्नर ने शिकायत मिलने की पुष्टि करते हुए बताया कि नीतीश भारद्वाज और उनकी पत्नी के बीच कुटुंब न्यायालय में मामला लंबित है। पुलिस कमिश्नर ने महिला एडिशनल डीसीपी को मामले की जांच सौंप दी है। शिकायती आवेदन में बताया गया है कि 2009 में मध्य प्रदेश कैडर की आइएएस अधिकारी स्मिता भारद्वाज के साथ उनका विवाह हुआ था। इसके बाद उनकी दो जुड़वा बेटियां हुईं थीं, जो अभी साढ़े ग्यारह साल की हो चुकी हैं।

दोनों की शादी भी टूटने की कगार पर

पत्नी के अप्रिय व्यवहार और आचरण के कारण उनके समस्त प्रयासों के बावजूद वैवाहिक जीवन टूटने की कगार पर है। जिसकी कानूनी कार्रवाई योग्य न्यायालय में चल रही है। पत्नी वर्तमान में भोपाल में पदस्थ हैं और पिता को उनकी बेटियों से मिलने नहीं दिया जा रहा है। नीतीश भारद्वाज ने अपने पत्र में भोपाल पुलिस कमिश्नर से बेटियों को सुरक्षा उपलब्ध करवाने और अन्य कानूनी सहायता मांगी है। इस मामले में नीतीश भारद्वाज से बात करने की कोशिश की गई, लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया।

विधायकों पर एफआईआर से भड़की भाजपा, पूछा- क्या जय श्री राम का नारा लगाना अलोकतांत्रिक है?

बेंगलूरू, 15 फरवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक में दो भाजपा विधायकों समेत पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज होने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। भाजपा ने इस मुद्दे पर सरकार को घेरा है और पूछा है कि क्या जय श्री राम का नारा लगाना अलोकतांत्रिक है? वहीं कांग्रेस ने भी भाजपा पर पलटवार किया है और आरोप लगाया है कि भाजपा नेता राज्य में सांप्रदायिक माहौल को बिगाड़ना चाहते हैं। कर्नाटक भाजपा के अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने कहा कि 'क्या जय श्री राम के नारे लगाना लोकतंत्र विरोधी है? सिद्धारमैया के नेतृत्व में भगवान राम का नाम सुनते ही वे (कांग्रेस) परेशान हो जाते हैं।वे आगामी लोकसभा चुनाव के लिए उम्मीद छोड़ चुके हैं और यही वजह है कि वे जल्दबाजी दिखा रहे हैं और भाजपा नेताओं के खिलाफ मुकदमे दर्ज कर रहे हैं।' कांग्रेस विधायक रिजवान अरशद ने इस पूरे विवाद पर भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि 'यह हर दिन का किस्सा हो गया है। भाजपा नेता सांप्रदायिक माहौल बिगाड़ने की कोशिश कर रहे हैं और ऐसा माहौल बनाने की कोशिश कर रहे हैं, जहां लोग शांतिपूर्ण तरीके से न रह पाएं। लेकिन कांग्रेस सरकार हर उस व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई करेगी, जो समाज में परेशानी खड़ी करने की कोशिश करेगा।' मंगलुरू के सेंट गेरोसा इंग्लिश हायर प्राइमरी स्कूल में भाजपा विधायकों वेदव्यास कामथ और वाई भरत शेट्टी पर छात्रों को जबरन जय श्री राम का नारा लगवाने का आरोप है।

जेल में नहीं तो कहां प्रेग्नेंट हुई 196 महिला कैदी

सुप्रीम कोर्ट के सवाल पर मिला ये जवाब

कोलकाता, 15 फरवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की जेलों में पैदा हो रहे बच्चों के सवाल पर न्याय मित्र ने सुप्रीम कोर्ट में अपना जवाब दाखिल कर दिया है। इस मामले में न्याय मित्र के रूप में काम कर रहे सीनियर वकील गौरव अग्रवाल ने साफ तौर पर कहा कि जेल के अंदर कोई महिला कैदी प्रेग्नेंट नहीं हो रहीं। बल्कि इनकी प्रेग्नेंसी या तो जेल जाने से पहले की है या फिर पैरोल के दौरान ये प्रेग्नेंट हुई हैं। पांच पन्नों की रिपोर्ट पेश करते हुए एडवोकेट अग्रवाल ने कहा कि प्रेग्नेंट कैदियों को जेलों में पर्याप्त चिकित्सा सुविधा के साथ उनकी डाइट का इंतजाम किया गया है। बता दें कि पश्चिम बंगाल की जेलों में बंद महिला कैदियों की डिलीवरी के मामले लगातार मीडिया के जरिए सामने आने के बाद बीते नौ फरवरी को सुप्रीम कोर्ट ने संज्ञान लिया था। सुप्रीम कोर्ट में न्यायमूर्ति संजय कुमार

और अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने वकील गौरव अग्रवाल से रिपोर्ट पेश करने को कहा था। उन्होंने अब अपनी रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में पेश कर दी है। इसमें बताया है कि जेल के अंदर महिला और पुरूष कैदियों के संबंध बनाने की कोई संभावना नहीं है। ऐसे में जेल के अंदर प्रेग्नेंट होने का कोई चांस नहीं है।

पांच पन्नों की रिपोर्ट पेश

उन्होंने पांच पन्नों की रिपोर्ट में बताया है कि कई बार गिरफ्तारी के दौरान महिला कैदी पहले से प्रेग्नेंट होती हैं। इसके अलावा जेल में रहने के दौरान महिला कैदियों को पैरोल पर भी छोड़ा जाता है। ज्यादातर महिला कैदियों के प्रेग्नेंट होने के मामले पैरोल के दौरान के ही सामने आए हैं। एडवोकेट अग्रवाल ने बताया कि उन्होंने राज्य के सभी जेलों से फोन और इमेल के जरिए डेटा एकत्र किया है। इस डेटा के मुताबिक 2018 में बंगाल की जेलों में बंद 196 महिला कैदियों ने बच्चों को जन्म दिया था।

2018 में सामने आया था मामला

इस मामले को संज्ञान में लेते हुए शीर्ष अदालत ने इन महिला कैदियों को अलग केयर होम में रखने का सुझाव दिया था। बता दें कि कलकत्ता हाईकोर्ट के वकील तापस कुमार भांजा को 2018 के स्वतः संज्ञान प्रस्ताव में शीर्ष अदालत ने न्याय मित्र नियुक्त किया था। इसके बाद वकील तापस कुमार ने कोलकाता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश टीएस शिवगणनम की अध्यक्षता वाली खंडपीठ के समक्ष एक सुझाव नोट पेश किया था। उन्होंने दावा किया था कि बंगाल की कई जेलों में बंद महिला कैदी प्रेग्नेंट हुई हैं। इसके बाद मामला अपराधिक खंडपीठ में ट्रांसफर कर दिया गया है।

जयंत चौधरी के इस फैसले के खिलाफ नरेश टिकैत, आरएलडी प्रमुख को दी ये चेतावनी

नई दिल्ली, 15 फरवरी (एजेंसियां)। बॉर्डर पर चल रहे किसान आंदोलन के बीच जयंत चौधरी को लेकर भारतीय किसान यूनियन के अध्यक्ष चौधरी नरेश टिकैत का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने रालोद के एनडीए में शामिल होने पर आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि किसान आंदोलन को देखते हुए रालोद को एनडीए से अलग हो जाना चाहिए। अगर उन्होंने ऐसा नहीं किया तो इससे उनकी पार्टी को नुकसान उठाना पड़ सकता है। किसान आंदोलन को लेकर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए भाकियू अध्यक्ष नरेश टिकैत ने रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि जयंत चौधरी ने एनडीए में जाने का जो फ़ैसला लिया वो ग़लत नहीं था लेकिन, जिस तरह से किसानों का आंदोलन चल रहे हैं उसे देखते हुए उन्हें इस गठबंधन से अपने हाथ पीछे खींच लेने चाहिए।

नरेश टिकैत ने जताई नाराजगी

नरेश टिकैत ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, जयंत चौधरी ने जो कदम उठाया वो तो सही था लेकिन, जिस तरह पंजाब वाला मामला हुआ है। अगर उसमें जयंत चौधरी की बीजेपी वाले कुछ माने तो उन्हें इसका फैसला करवा देना चाहिए, और अगर उनकी कोई बात नहीं मानता हैं तो फिर उन्हें अपना हाथ वहां से निकाल लेना चाहिए, नहीं तो फ़ायदे की जगह उन्हें इससे नुकसान ज्यादा हो जाएगा।

सियासी 'तलाक' के बाद पहली बार मिले लालू-नीतीश, तेजस्वी के सामने हाथ जोड़कर नमस्कार

पटना, 15 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार में जदयू और राजद के महागठबंधन की सरकार में टूट और जदयू-भाजपा की नई सरकार बनने के बाद बृहस्पतिवार को पहली बार लालू यादव और नीतीश कुमार का एक-दूसरे से सामना हुआ। इस दौरान लालू के साथ तेजस्वी यादव भी मौजूद थे। समर्थकों की नारेबाजी के बीच दोनों नेता एक-दूसरे से मुस्कुराकर मिले। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है।

इसमें देखा जा सकता है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार विधानसभा से बाहर आ रहे हैं और लालू यादव अपने बेटे और पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के साथ अंदर जा रहे हैं। उनके पीछे पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और पूर्व मंत्री तेजप्रताप यादव भी मौजूद हैं। वहीं, वीडियो में

देखा-सुना जा सकता है कि राजद समर्थक लालू-राबड़ी जिंदाबाद, तेजस्वी यादव जिंदाबाद के नारे लगा रहे हैं। इस बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सीढ़ियां उतरते हुए ठीक लालू यादव के सामने आते हैं। वह मुस्कुराकर लालू यादव से मिलते हैं। सीएम नीतीश अपने दोनों हाथों से लालू की दोनों बाहों को पकड़ते हैं और कुछ कहते हैं। हालांकि, समर्थकों की नारेबाजी के बीच यह समझ नहीं आता है कि सीएम क्या कह रहे हैं।

चेहरे पर मुस्कुराहट और हाथ जोड़कर नमस्कार

इसके बाद सीएम तेजस्वी की ओर मुड़ जाते हैं और दोनों नेता एक-दूसरे से कुछ कहते हैं। इसके बाद तेजस्वी के सामने खड़े मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपने दोनों हाथ जोड़कर लालू की तरफ देखते हैं और नमस्कार करते हुए अपनी गाड़ी के दरवाजे तक पहुंच जाते हैं। मुख्यमंत्री अपनी कार के पास पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी से मुखातिब होते हैं।

आदिवासी युवक को उल्टा करके पिटाई के मामले में बैतूल के एसपी पर गिरी गाज

बैतूल, 15 फरवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के बैतूल में आदिवासी युवक को उल्टा करके पिटाई के मामले में पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ चौधरी को पद से हटा दिया गया है। अभी उनकी जगह किसी नए एसपी की नियुक्ति नहीं हुई है। सिद्धार्थ चौधरी का तबादला छिंदवाड़ा आठवीं सेनानी बटालियन में कर दिया गया है। बीते दिनों आदिवासियों की पिटाई के मामले से सरकार की नाराजगी के चलते ये कार्रवाई की गई। जिले के पांचो विधायकों ने मुख्यमंत्री से एसपी की शिकायत की थी। देर रात शासन की तरफ से जारी आदेश के अनुसार, बैतूल पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ चौधरी का तबादला कर दिया है। उन्हें छिंदवाड़ा में आठवीं बटालियन का सेनानी बनाया गया है।

पति का मां को समय और पैसा देना पत्नी के खिलाफ घरेलू हिंसा नहीं, मुंबई कोर्ट का फैसला

मुंबई, 15 फरवरी (एजेंसियां)। मुंबई की एक अदालत ने घरेलू हिंसा से महिलाओं की सुरक्षा अधिनियम (डीवी अधिनियम) के एक आरोपी को बरी कर दिया। इस दौरान कोर्ट ने अहम टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि एक पति द्वारा अपनी मां को समय और पसा देना पत्नी के खिलाफ घरेलू हिंसा नहीं मानी जा सकती। रिपोर्ट के मुताबिक, मुंबई के दिंडोशी में एडिशनल सेशन जज आशीष अयाचित ने डीवी अधिनियम के तहत अपने पति के खिलाफ अपराध का आरोप लगाने वाली पत्नी की शिकायत को खारिज करने वाले एक मजिस्ट्रेट के फैसले को बरकरार रखा। शिकायत पर फैसला सुनाते हुए सेशन कोर्ट ने कहा, पूरे सबूतों से पता चला कि महिला की शिकायत यह है कि उसका पति अपनी मां को समय और पैसा दे रहा है, जिसे घरेलू हिंसा नहीं माना जा सकता। दरअसल, महिला की शादी मई 1992 में हुई थी। उसका जनवरी 2014 में उसके पति के साथ तलाक हो गया था। महिला ने पति और ससुराल वालों पर मानसिक और शारीरिक क्रूरता का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई थी। महिला ने दावा किया था कि 1996 से 2004 तक जब उसका पति विदेश में नौकरी कर रहा था, तब वह अपनी मां को पैसा भेजता था। महिला ने सुरक्षा, निवास और आर्थिक राहत की मांग करते हुए मजिस्ट्रेट कोर्ट में याचिका दायर की थी। महिला ने मजिस्ट्रेट के पास दर्ज शिकायत में कहा था कि वह अपने पति के साथ अलग रहती है। इसके बावजूद उसका पति अक्सर अपनी मां से मिलने जाता था और उसकी मां उससे पैसे की मांग करती है। इसे मजिस्ट्रेट ने खारिज कर दिया और इसके बाद उसने सेशन कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। सेशन कोर्ट ने कहा कि महिला ने शिकायत तब दर्ज कराई, जब उसके पति ने तलाक की मांग करने वाला नोटिस भेजा। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि महिला ने एनआरई खाते से पैसे निकाले और अपने नाम पर फ्लैट खरीदा। उसने बहुत अस्पष्ट आरोप लगाए जो विश्वास या सच्चाई से प्रेरित नहीं हैं। महिला ने आरोप लगाया कि उसका पति उसे कोई वित्तीय मदद नहीं दे रहा था, जबकि उसने खुद स्वीकार किया है कि उसने खाते से राशि निकाली है। कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार करते हुए कहा कि महिला अपने ऊपर हुई कथित घरेलू हिंसा को साबित करने में विफल रही है।

23 वर्षीय आदिवासी महिला तमिलनाडु में बनीं सिविल जज

चेन्नई, 15 फरवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु के आदिवासी समुदाय से आने वाली महिला वी श्रीपति का सिविल जज पद पर चयन हुआ है। वह अपने राज्य की पहली महिला आदिवासी हैं। जिनका सिविल जज के लिए चयन हुआ है। तमिलनाडु के तिरुवन्नामलाई जिले में जवाधु पहाड़ियों के पास पुलियूर गांव की रहने वाली श्रीपति नवंबर 2023 में अपनी परीक्षा देने के लिए 200 किमी से अधिक की यात्रा करके चेन्नई पहुंचीं। जिस दिन श्रीपति का एग्जाम होना था। उसी दिन उनके बच्चे की डिलीवरी की तारीख थी।

लेकिन उन्होंने परीक्षा के दो दिन पहले बच्चे को जन्म दिया। बच्चे के जन्म के बावजूद श्रीपति अपने पति, रिश्तेदारों और दोस्तों की मदद से प्रसव के दो दिन बाद कार से 250 किमी दूर चेन्नई गई और सिविल जज की परीक्षा दी। तिरुवन्नामलाई जिले के जवाधु हिल्स की आदिवासी महिला वी

श्रीपति की शिक्षा येलागिरी हिल में हुई है। वी श्रीपति मलयाली जनजाति से ताल्लुक रखती हैं। वी श्रीपति कलियाप्पन और मल्लिगा की सबसे बड़ी बेटी हैं। श्रीपति ने बीए और बैचलर ऑफ लॉ करने से पहले येलागिरी हिल्स में अपनी शिक्षा प्राप्त की। फिर कम उम्र में ही उनकी शादी कर दी गई। कुछ दिन पहले बच्चे को जन्म देने के बावजूद वह नवंबर 2023 में अपनी परीक्षा देने के लिए लगभग 200 किलोमीटर की यात्रा करके चेन्नई पहुंचीं। परीक्षा में सफल होने के बाद उन्हें इंटरव्यू के लिए बुलाया गया था, जिसे पास करने में वह सफल रही।

श्रीपति के बारे में बताया जा रहा है कि उन्होंने अपने पति और मां के सहयोग से एलएलबी की पढ़ाई पूरी की और तमिलनाडु लोक सेवा आयोग परीक्षा के लिए आवेदन किया। नवंबर 2023 में वह गर्भवती थी और परीक्षा की तारीख से ठीक दो दिन पहले उसने एक बच्चे को जन्म दिया। हालांकि, श्रीपति ने अपनी जान जोखिम में डालकर परीक्षा में शामिल होने के लिए चेन्नई जाने का फैसला किया। उन्होंने सफलतापूर्वक परीक्षा उत्तीर्ण की और अपने समुदाय से पहली आदिवासी महिला सिविल जज बनीं। उनके गांव ने भी उनकी इस सफलता के लिए स्वागत समारोह आयोजित किया। उनकी इस उपलब्धि ने मुख्यमंत्री एमके स्टालिन समेत कई लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा है।

हैरान करने वाला मामला: डीआरआई ने न्हावा शेवा बंदरगाह पर जब्त किए 28 लाख मोर के पंख

मुंबई, 15 फरवरी (एजेंसियां)। आर्थिक राजधानी मुंबई से हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। एक तस्करी विरोधी अभियान में डीआरआई ने न्हावा शेवा बंदरगाह से 28 लाख मोर पूंछ पंख जब्त किया है। इन मोर के पखों को कॉयर से बने डोर मैट के रूप में घोषित निर्यात कार्गो में छिपाकर और गलत घोषणा के माध्यम से भारत से चीन में तस्करी किया जा रहा था। इनी बड़ी संख्या में मोर के पंख पकड़े जाने के मामले ने सभी को हैरान कर के रख दिया है। अब तक मिली जानकारी के मुताबिक, तस्करी विरोधी अभियान में डीआरआई की ओर से पकड़े गए खेप की विस्तृत जांच की गई है। इस अभियान में लगभग 28 लाख मोर पूंछ पंख और 16000 मोर पंख तने बरामद किये गये हैं। मोर की पूँछ के पंखों की कीमत लगभग 2.01 करोड़ रुपये आंकी गई है। जब्ती की ये कार्रवाई सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 110 के तहत की गई है।

राज्यसभा चुनाव में दिग्विजय ने किया 'खेला' इस चाल से बढ़ाई सिंधिया की परेशानी!

भोपाल, 15 फरवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश से राज्यसभा उम्मीदवार को लेकर कांग्रेस ने सस्पेंस खत्म कर दिया है। पार्टी ने अशोक सिंह यादव को अपना उम्मीदवार बनाया। अशोक सिंह मुख्य रूप से दिग्विजय सिंह खेमे के नेता माने जाते हैं। वह ओबीसी हैं और खास बात ये है कि अशोक सिंह, सिंधिया विरोधी रहे हैं। दिग्गी के फैसले पर राहुल गांधी ने भी मुहर लगाई और कमलनाथ भी मान गए। बता दें, राज्यसभा चुनाव के लिए राहुल की पहली पसंद मीनाक्षी नटराजन थीं, जो कि ब्राह्मण समाज से आती हैं। लेकिन आखिरकार उनका टिकट कट गया।

कांग्रेस के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरुण यादव भी अशोक सिंह को बहुत मानते हैं। इसलिए उनके समर्थन में ट्वीट भी किया है। राहुल की सबसे करीबी ब्राह्मण मीनाक्षी के अलावा पहले ओबीसी प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी और पूर्व अध्यक्ष अरुण यादव भी लाइन में थे। लेकिन अशोक सिंह यादव ने बाजी मार ली। कांग्रेस के इस फैसले ने सभी को चौंका दिया है।

बता दें, अशोक सिंह ग्वालियर से आते हैं। वह ग्वालियर लोकसभा सीट पर लगातार तीन बार चुनाव लड़ चुके हैं। ग्वालियर-चंबल क्षेत्र में उनका मजबूत राजनीतिक आधार है। अशोक सिंह कांग्रेस के धनी नेता हैं। उन्होंने हमेशा चुनावों के दौरान पार्टी और अन्य उम्मीदवारों को फंड दिया है। कांग्रेस को भले ही पिछले साल नवंबर में हुए विधानसभा चुनाव में करारी हार का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने अन्य क्षेत्रों की तुलना में ग्वालियर-चंबल क्षेत्र में काफी बेहतर प्रदर्शन किया। ज्योतिरादित्य सिंधिया के भाजपा में शामिल होने और पार्टी के वरिष्ठ नेता गोविंद सिंह के भिंड निर्वाचन क्षेत्र से विधानसभा चुनाव हारने के बाद, कांग्रेस ने इस क्षेत्र से एक वरिष्ठ नेता को आगे बढ़ाया। पार्टी के एक नेता ने कहा कि अशोक सिंह ने कांग्रेस को कई साल दिए हैं, यही वजह हो सकती है कि पार्टी ने उनकी सेवा को स्वीकार किया। दूसरा, वह ऐसे नेता हैं जिन्हें सभी गुटों-कमलनाथ और दिग्विजय सिंह-का समर्थन हासिल है।

जाने कौन हैं बीजेपी के उम्मीदवार

उधर, राज्यसभा चुनाव के लिए बीजेपी उम्मीदवारों के नाम चौंकाने वाले हैं। एक ओर जहां नरोत्तम मिश्रा, रंजना बघेल , जयभान सिंह पवैया, लाल सिंह आर्या जैसे नामों की चर्चा थी, लेकिन इनमें से किसी को भी टिकट नहीं दिया गया है। बीजेपी ने उमेश नाथ महाराज, उज्जैन, माया नारोलिया, बीजेपी महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष, बंसीलाल गुर्जर, किसान मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, डॉ. एल मुरुगन, केंद्रीय मंत्री को अपना उम्मीदवार बनाया है।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 16 फरवरी - 2024

महामारी के खिलाफ कानून की जरूरत

एक तरफ जब दुनिया भर में कोरोना विषाणु से उपजी महामारी से निपटने के लिए चुनौती पेश आ रही थी, तब देश में इसका सामना करने के लिए सरकार ने वह हर संभव प्रयास किया जिससे इसका उन्मूलन किया जा सके। लेकिन उस महामारी के दौरान कानूनी तौर पर कुछ खामियां भी उजागर हुईं, जिसकी वजह से हालात का सामना करने में काफी अड़चनें भी पेश आईं। हालात की गंभीरता को समझते हुए सरकार ने जरूरत के मुताबिक कुछ नए कानूनी उपाय किए, लेकिन भविष्य में यदि फिर वैसी स्थिति उत्पन्न हो जाए तो उससे निपटने के लिए और बेहतर तरीके से उससे कैसे निपटा जाए इसकी भी जरूरत महसूस की जाने लगी है। यही वजह है कि विधि आयोग ने महामारी रोग अधिनियम में कुछ 'अहम खामियों' को चिह्नित करते हुए सरकार से सिफारिश की है कि या तो मौजूदा कमियों को दूर करने के लिए कानून में संशोधन किया जाए या फिर भविष्य की महामारियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए एक व्यापक कानून लाया जाए। आयोग का यह भी मानना है कि महामारी के दौरान सरकार तेजी से बदलते हालात में तुरंत काम करने का जज्बा भी दिखाया था, इसके बावजूद यह महसूस किया गया कि कुछ नए कानून और बना दिए जाएं तो उसके बाद ऐसे संकट से बेहतर तरीके से निपटने में आसानी होगी। देखा जाए तो जब वैश्विक स्तर पर कोरोना को महामारी घोषित किया गया था, तब उसके विषाणु के संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए समूचे देश में 'सामाजिक दूरी' बनाए रखने से लेकर मास्क लगाने तक के सख्त नियम लागू किए गए थे। संक्रमण का जोर ज्यादा होने पर आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत पूरे देश में लाकडाउन भी लगाया गया था। मगर उस दौरान अपनाए गए उपायों और शब्दावली की परिभाषा स्पष्ट नहीं की जा सकी थी। उसी उथल-पुथल भरे दौर में खासतौर पर स्वास्थ्यकर्मियों के सामने आने वाली चुनौतियों के मद्देनजर सन 2020 में महामारी रोग अधिनियम, 1897 में संशोधन किया गया था। मगर महामारी को देखते हुए वे संशोधन कम पड़ गए और कई खामियां अपनी जगह खडी रहीं। पिछले कुछ समय से दुनिया भर में भविष्य में आने वाली महामारियों को लेकर जिस स्तर की चिंता जाहिर की जा रही है, उसमें वैसे हालात से निपटने के लिए पूर्व तैयारी किया जाना वक्त का तकाजा है। इस संदर्भ में वैश्विक स्तर पर होने वाले सुधारों में सहभागिता करते हुए देश और आम नागरिकों के अधिकारों का भी ध्यान रखने की जरूरत है। इसके लिए बेहतर यही होगा कि महामारी से बचने के लिए वे सारे नियम कानून लागू किया जाए तो लोगों के स्वास्थ्य के लिए लाभदायक हो।

चुनावी बॉन्ड पर रोक से फायदा या नुकसान ?

अशोक भाटिया

सुप्रीम कोर्ट ने चुनावी बॉन्ड पर ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए इसे रद्द कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में साफ़ कहा है कि चुनावी बॉन्ड असंवैधानिक हैं और इस पूरे सिस्टम में पारदर्शिता नहीं है। इसके साथ ही कोर्ट ने आदेश दिया है कि चुनावी बॉन्ड बेचने वाला बैंक स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया तीन हफ्ते में चुनाव आयोग के साथ सभी जानकारियां साझा करे। इसके लिए कोर्ट ने बैंक को तीन हफ्ते का समय दिया है। चुनावी बॉन्ड के क़ानूनी रूप में आने के बाद से इसका विरोध शुरू हो गया था। कांग्रेस पार्टी समेत कई अन्य गैर सरकारी संगठनों ने इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। इस मामले में सुनवाई 31 अक्टूबर को शुरू हुई थी। तीन दिन तक चली लगातार सुनवाई के बाद 2 नवंबर 2023 को अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। अब आज फैसला सुनाते हुए चुनावी बॉन्ड स्कीम को ही गैरकानूनी करार दिया है।

इसके साथ ही कोर्ट ने बॉन्ड के बेचने पर भी रोक लगा दी है। वहीं कोर्ट ने चुनाव आयोग को भी निर्देश देते हुए कहा कि आयोग बैंक से जानकारी लेकर 31 मार्च तक सभी जानकारियां वेबसाइट पर साझा करे। बता दें कि चुनावी बॉन्ड को लेकर आयोग भी इसके खिलाफ था। वहीं केंद्रीय बैंक आरबीआई इसकी खिलाफत करती आई है लेकिन केंद्र सरकार का मानना था कि राजनीतिक दलों को चंदा देने का यह सही माध्यम था। योजना को सरकार ने दो जनवरी 2018 को अधिसूचित किया था। इसके मुताबिक चुनावी बॉण्ड को भारत का कोई भी नागरिक या देश में स्थापित इकाई खरीद सकती थी। कोई भी व्यक्ति अकेले या अन्य व्यक्तियों के साथ संयुक्त रूप से चुनावी बॉण्ड खरीद सकता था। जन प्रतिनिधित्व कानून 1951 की धारा 29ए के तहत पंजीकृत राजनीतिक दल चुनावी बॉण्ड स्वीकार करने के पात्र थे। शर्त बस यही थी कि उन्हें लोकसभा या विधानसभा के पिछले चुनाव में कम से कम एक प्रतिशत वोट मिले हों। चुनावी बॉण्ड को किसी पात्र राजनीतिक दल द्वारा केवल अधिकृत बैंक के खाते के माध्यम से भुनाया जाता था। बॉन्ड खरीदने के पखवाड़े भर के भीतर संबंधित पार्टी को उसे अपने रजिस्टर्ड बैंक खाते में जमा करने की अनिवार्यता होती थी। अगर पार्टी इसमें विफल रहती है तो बॉन्ड निरर्थक और निष्प्रभावी यानी रद्द हो जाता था। चुनावी बॉन्ड पर कोर्ट के द्वारा रोक लगाने के बाद अब सवाल उठता है कि आगे क्या होगा? कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि SBI को अब तक बेचे गए सभी बॉन्ड की जानकारी चुनाव आयोग के साथ साझा करनी होगी। इसके लिए कोर्ट ने बैंक को तीन हफ्ते का समय दिया है। वहीं सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को भी इस मामले में दिशानिर्देश दिए हैं। कोर्ट ने आदेशानुसार, बैंक से जानकारी मिलने के बाद चुनाव आयोग को भी 31 मार्च तक सभी जानकारियां अपनी वेबसाइट पर साझा करनी होंगी। एसबीआई इन बॉन्ड को 1,000, 10,000, 1 लाख, 10 लाख और 1 करोड़ रुपए के समान बेचता है। इसके साथ ही दानकर्ता दान की राशि पर 100% आयकर की छूट पाता था। इसके साथ ही इस नियम में राजनीतिक दलों को इस बात से छूट दी गई थी कि वे दानकर्ता के नाम और पहचान को गुप्त रख सकते हैं। इसके साथ ही जिस भी दल को यह बॉन्ड मिले होते हैं, उन्हें एक तय समय के अंदर कैश कराना होता है। साल 2018 में इस बॉन्ड की शुरुआत हुई। इसे लागू करने के पीछे मत था कि इससे राजनीतिक फंडिंग में पारदर्शिता बढ़ेगी और साफ-सुथरा धन आएगा। इसमें व्यक्ति, कॉरपोरेट और संस्थाएं बॉन्ड खरीदकर राजनीतिक दलों को चंदे के रूप में देती थीं और राजनीतिक दल इस बॉन्ड को बैंक में भुनाकर रकम हासिल करते थे। भारतीय स्टेट बैंक की 29 शाखाओं को इलेक्टोरल बॉन्ड जारी करने और उसे भुनाने के लिए अधिकृत किया गया था। ये शाखाएं नई दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, गांधीनगर, चंडीगढ़, पटना, रांची, गुवाहाटी, भोपाल, जयपुर और बेंगलुरु की थीं।

इलेक्टोरल बॉन्ड की खूबी यह थी कि कोई भी डोनर अपनी पहचान छुपाते हुए स्टेट बैंक ऑफ इंडिया से एक करोड़ रुपए तक मूल्य के इलेक्टोरल बॉन्ड्स खरीद कर अपनी पसंद के राजनीतिक दल को चंदे के रूप में दे सकता था। ये व्यवस्था दानकर्ताओं की पहचान नहीं खोलती और इसे टैक्स से भी छूट प्राप्त थी । आम चुनाव में कम से कम 1 फीसदी वोट हासिल करने वाले राजनीतिक दल को ही इस बॉन्ड से चंदा हासिल हो सकता था। केंद्र सरकार ने इस दावे के साथ इस बॉन्ड की शुरुआत की थी कि इससे राजनीतिक फंडिंग में पारदर्शिता बढ़ेगी और साफ-सुथरा धन आएगा। वित्त मंत्री अरुण जेटली ने जनवरी 2018 में लिखा था, 'इलेक्टोरल बॉन्ड की योजना राजनीतिक फंडिंग की व्यवस्था में 'साफ-सुथरा' धन लाने और 'पारदर्शिता' बढ़ाने के लिए लाई गई थी जो नाकाम रही थी ।एक व्यक्ति, लोगों का समूह या एक कॉर्पोरेट बॉन्ड जारी करने वाले महीने के 10 दिनों के भीतर एसबीआई की निर्धारित शाखाओं से चुनावी बॉन्ड खरीद सकता था। जारी होने की तिथि से 15 दिनों की वैधता वाले बॉन्ड 1000 रुपए, 10000 रुपए, एक लाख रुपए, 10 लाख रुपए और 1 करोड़ रुपए के गुणकों में जारी किए जाते थे। ये बॉन्ड नकद में नहीं खरीदे जा सकते और खरीदार को बैंक में केवाईसी (अपने ग्राहक को जानो) फॉर्म जमा करना होता था।सियासी दल एसबीआई में अपने खातों के जरिए बॉन्ड को भुना सकते थे , यानी ग्राहक जिस पार्टी को यह बॉन्ड चंदे के रूप में देता था वह इसे अपने एसबीआई के अपने निर्धारित एकाउंट में जमा कर भुना सकता था। पार्टी को नकद भुगतान किसी भी दशा में नहीं किया जाता और पैसा उसके निर्धारित खाते में ही जाता था। इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिए राजनीतिक पार्टियों को चंदा देने वाले व्यक्तियों की पैसे देने वालों के आधार और एकाउंट की डिटेल मिलती थी। इलेक्टोरल बॉन्ड में योगदान 'किसी बैंक के अकाउंट पेई चेक या बैंक खाते से इलेक्ट्रॉनिक क्लीयरिंग सिस्टम' के द्वारा ही किया जाता था। सरकार ने जनवरी 2018 में इलेक्टोरल बॉन्ड के नोटिफिकेशन जारी करते समय यह भी साफ किया था कि इसे खरीदने वाले को पूरी तरह से नो योर कस्टमर्स (केवाईसी) नॉर्म पूरा करना होगा और बैंक खाते के द्वारा भुगतान करना होगा।

गौरतलब है कि चुनावों को लोकतंत्र का महापर्व कहा जाता है और प्रत्येक देश के जीवंत लोकतंत्र की नीव वहाँ होने वाले स्वतंत्र तथा निष्पक्ष चुनावों पर टिकी होती है। चुनावी प्रक्रियाओं में भाग लेना एक नागरिक का विशेषाधिकार है, हालाँकि इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि देश में यह प्रक्रिया भ्रष्टाचार से पूरी तरह प्रभावित है। देश में होने वाले चुनावों का भरी-भरकम खर्च भारतीय चुनाव प्रणाली की सबसे बड़ी समस्या है। संविधान के कामकाज की समीक्षा हेतु गठित राष्ट्रीय आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, चुनावों की उच्च लागत सार्वजनिक क्षेत्र में भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने हेतु काफी हद तक ज़िम्मेदार है। चुनाओं में खर्च होने वाले अनगिनत पैसे या चुनावी फंडिंग के स्रोत को कुछ विशेषज्ञ अपराधीकरण से भी जोड़कर देखते हैं, जिससे देश में कानून तोड़ने वाले ही कानून निर्माता बन जाते हैं। कई बार यह धन सुरक्षा के बदले दिया जाता है जबकि कई स्थिति में यह बड़े व्यावसायिक समूहों से भी प्राप्त होता है जो इस प्रकार के निवेश से लाभ कमाना चाहते हैं।

भारतीय चुनावों में काले धन के उपयोग की बात भी समय-समय पर सामने आती रही है।

गौरतलब है कि यह न केवल मनी लांड्रिंग को बढ़ावा देता था बल्कि यह इसके गंभीर आर्थिक और सामाजिक परिणाम भी देखने को मिल सकते हैं। यह भ्रष्टाचार और क्रोनी कैपिटलिज्म को भी बढ़ावा देता था ।

सनातनी, वैदिक ज्ञान विश्व को देता ज्ञानालोक

संजीव ठाकुर

भारतवर्ष सदैव आध्यात्मिक और वैदिक भारत के रूप में संपूर्ण विश्व में जाना जाता रहा है। अध्यात्म से जुड़े हुए हमारे ऐतिहासिक महापुरुषों के कारण भारत सदैव आदर की दृष्टि से देखा जाता है। अध्यात्म और नैतिक शिक्षा भारत के लिए एक बहुत बड़ी पूंजी तथा संपत्ति है, जो हमें विरासत में प्राप्त हुई है। आध्यात्मिकता के दम पर ही भारत ने विश्व में वैदिक शास्त्र, अध्यात्म का परचम लहराया है। वैदिक दर्शन और अध्यात्म दर्शन भारतीयता का ऐतिहासिक परिचायक है। आध्यात्मिक शक्ति एवं वैदिक ऊर्जा के कारण भारत के महापुरुष सदैव सच्चरित्र और ब्रह्मचर्य का पालन करते आए हैं। हमारे ऋषि-मुनियों ने भी सत चरित्र को अपने जीवन का अंग बना कर अनेक वैदिक ग्रंथों की रचना भी की है जो प्रत्येक भारतीय जनमानस के लिए मार्गदर्शक ग्रंथ बन गए हैं। रामकृष्ण परमहंस, मां शारदा, विवेकानंद, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं अनेक ऐसे विद्वान हैं जिन्होंने सत्चरित्र और अध्यात्म के दम पर भारत को विश्व में सर्वोच्च मुकाम भी दिलाया है। आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी ने कहा है की सच्चरित्र केवल एक व्यक्ति का ना होकर संपूर्ण राष्ट्र का होना चाहिए। अनेक यूरोपीय विद्वानों ने और भारतीय अध्यात्म के मनीषियों ने सत और चरित्र को अपने जीवन में आत्मसात करने के अनेक उदाहरण प्रस्तुत किए और दोनों को मिलाकर सत्चरित्र शब्द को बड़े विस्तार से समझाया है।

अध्यात्म और योग शक्ति ही मनुष्य को सच्चरित्र बनाने में हमेशा मददगार रही है क्योंकि अध्यात्म से व्यक्ति की एकाग्रता तथा ज्ञान में वृद्धि होकर मन ईश्वर के प्रति श्रद्धानवत होता है और ईश्वर के प्रति जो व्यक्ति अगाध श्रद्धा रखता है वह सदैव अपने चरित्र के प्रति विशेष सावधान रहकर सच्चरित्र व्यक्तित्व ही बनाता है।

यह कहावत एकदम सत्य प्रतीत होती है की सद्गुण है सच्ची संपत्ति दुर्गुण बड़ी विपत्तिर यह तो निश्चित है की सदाचारी परोपकारी संयमशील, इमानदार ,निष्ठावान नागरिक सच्चरित्र होकर एक महान राष्ट्र को जन्म देता है ।वहीं दुष्ट चरित्र व्यक्ति काम, क्रोध, कामना और लालच में पड़कर अपनी जिंदगी को नर्क बना कर दिया सदैव अशांत रहता है, अशांत नागरिक किसी भी कार्य में स्थिरता अथवा प्रगति प्रदान नहीं कर सकता है, वह अपने समाज तथा देश को कमजोर करने का ही कार्य करता है। धन और संपत्ति से ज्यादा महत्वपूर्ण चरित्र को बलवान बनाने वाली आध्यात्मिक शिक्षा ही है। धन-संपत्ति नष्ट होने पर किसी भी व्यक्ति का बड़ा नुकसान नहीं होता पर यदि चरित्र चला जाए तो उसका सम्मान यश तथा सामाजिक स्थिति एकदम निकृष्ट बन जाती है उसका समाज में अपमान होने लगता है, ऐसे में कोई भी व्यक्ति या नागरिक समाज में सिर उठाकर नहीं चल सकता ।ऐसा व्यक्ति समाज के उत्थान में कोई योगदान देने के काबिल नहीं रह जाता। इसलिए मनुष्य के जीवन में सबसे बड़ी एवं महत्वपूर्ण आवश्यकता आध्यात्मिक शिक्षा एवं चरित्रवान जीवन है। सुभाष चंद्र बोस,महात्मा गांधी, सरदार वल्लभभाई पटेल, सरोजनी नायडू और अन्य स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों में सच्चरित्र जीवन और मानसिक आध्यात्मिक शक्ति एवं ऊर्जा के कारण ही स्वतंत्रता संग्राम में पराधीन भारत को स्वतंत्रता दिलवाई थी। किसी भी देश के नागरिक को एक दिन में सच्चरित्र नहीं बनाया जा सकता बल्कि बालकों को बाल्यकाल से ही नैतिक शिक्षा से शिक्षित किया जाकर सदाचार का पाठ पढ़ाया जाना चाहिए।

यह सर्वविदित है कि मनुष्य के चरित्र और व्यक्तित्व पर देश परिस्थितियां शिक्षा और समाजिक व्यवहार का बहुत बड़ा प्रभाव पड़ता है और नैतिकता सदाचार का पाठ किसी भी व्यक्ति को एक दिन में नहीं पढ़ाया जा सकता है। दुष्ट चरित्र पुरुष समाज में कभी भी प्रसिद्धि प्राप्त नहीं कर सकता सदैव अपनी बदनामी के कारण सिर झुका कर छुप कर घूमता है, इसीलिए भारतीय चिंतकों, मनीषियों ने लिखा और कहा है की चरित्र सदाचार की रक्षा मनुष्य को संपूर्ण प्रयास कर निरंतर करते रहना चाहिए। क्योंकि नागरिकों का नैतिक और सदाचारी स्वभाव और व्यवहार राष्ट्रीय संपत्ति होता है और यही संपत्ति राष्ट्र को एक सशक्त राष्ट्र और उत्कृष्ट देश बनाने में सदैव सहायक होता है।

राहुल-कांग्रेस की यारी, बिछड़े सब बारी-बारी

राजेश कुमार पासी

राहुल गांधी जिस दिन अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा शुरू कर रहे थे, उसी दिन उनके पुराने सहयोगी महाराष्ट्र कांग्रेस के नेता मिलिंद देवड़ा ने कांग्रेस छोड़कर शिवसेना(शिंदे गुट) की सदस्यता ग्रहण कर ली । ये एक विडंबना ही कही जाएगी कि वो भारत जोड़ने निकले हैं और उनकी कांग्रेस टूट रही है । वो जनता को न्याय देने के लिए यात्रा कर रहे हैं और उनकी ही पार्टी का नेता कांग्रेस में न्याय न मिलने के कारण पार्टी का त्याग कर देता है । अब ये राहुल को सोचना है कि वो देश को न्याय कैसे देंगे, जब वो अपनी ही पार्टी के नेताओं को न्याय नहीं दे पा रहे हैं । वो देश की जनता से कैसे संवाद करेंगे, जब वो अपने ही नेताओं से संवाद नहीं कर पा रहे हैं । ये बात इसलिए भी गंभीर हो जाती है कि पार्टी छोड़ने वाले उन नेताओं की लिस्ट लम्बी होती जा रही है जो कभी राहुल की टीम का हिस्सा रहे हैं ।

कांग्रेस यह विचार करने को क्यों तैयार नहीं है कि कांग्रेस के युवा नेता की युवा टीम के सदस्य एक-एक करके पार्टी को छोड़ते जा रहे हैं । एक तरफ पार्टी लोकसभा के चुनावों की तैयारी कर रही है और दूसरी तरफ उनके नेता पार्टी छोड़कर जा रहे हैं । मिलिंद देवड़ा जैसे बड़े नेता का पार्टी छोड़कर जाना एक बड़ा नुकसान माना जा रहा है । अब महाराष्ट्र कांग्रेस के बड़े नेता बाबा सिद्दीकी पार्टी छोड़ गये हैं और उन्होंने कहा है कि कई चीजों को बिना कहे छोड़ देना अच्छा होता है । इसका मतलब वो ये भी बताना नहीं चाहते कि उन्हें क्या परेशानी थी । कांग्रेस अभी इस झटके से उबर भी नहीं पाई थी कि चार दिन बाद महाराष्ट्र कांग्रेस के सबसे बड़े नेता अशोक चव्हाण पार्टी से इस्तीफा देकर भाजपा में शामिल हो गये । अब लाल बहादुर शास्त्री के वंशज विभाकर शास्त्री भी कांग्रेस को छोड़कर भाजपा में चले गए हैं । देखा जाये तो लोकसभा चुनावों की तैयारी कर रही पार्टी के लिए उसके इन नेताओं का पार्टी छोड़ जाना उसकी चुनावी संभावनाओं के लिए बड़ा खतरा है । अब भाजपा की तरफ से कहा जा रहा है कि महाराष्ट्र के कई और नेता उनके सम्पर्क में है और जल्दी ही कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आने वाले हैं । कांग्रेस की चुनावी संभावनाओं के लिए महाराष्ट्र एक अच्छा राज्य है लेकिन इस तरह से वरिष्ठ नेताओं द्वारा पार्टी छोड़ जाना गलत संदेश दे रहा है । सवाल यह है कि कांग्रेस को लगातार उसके नेता छोड़कर क्यों जा रहे हैं ? सवाल यह भी है कि उनको मनाने की कोशिश क्यों नहीं की जा रही है ?

एक तरफ कांग्रेस के नेता पार्टी छोड़कर जा रहे हैं तो दूसरी तरफ कांग्रेस द्वारा बनाये गये इंडी गठबन्धन को भी सहयोगी दल छोड़कर जा रहे हैं । नीतीश कुमार के नेतृत्व वाला जेडीयू और जयंत चौधरी के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय लोकदल गठबंधन छोड़कर एनडीए में शामिल हो चुका है । केजरीवाल ने पंजाब और दिल्ली की सभी सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया है । उनका कहना है कि वो दिल्ली में सिर्फ एक सीट कांग्रेस को दे सकते हैं, इसका मतलब है कि वो भी गठबन्धन छोड़ चुके हैं । ममता बनर्जी ने भी गठबन्धन से दूरी बना ली है और अखिलेश यादव भी अलग ताल ठोक रहे हैं । इस तरह से देखा जाये तो जहां कांग्रेस के नेता उससे बिछड़ते जा रहे हैं तो वहीं दूसरी तरफ उसके सहयोगी दल भी उसको छोड़कर जा रहे हैं । लोकसभा चुनावों में दो महीनों से भी कम समय बचा है और कांग्रेस से न तो पार्टी संभल रही है और न ही वो गठबन्धन को संभाल पा रही है । पार्टी छोड़ने वाले नेताओं और गठबंधन छोड़ने वाले घटक दलों की एक ही शिकायत है कि कांग्रेस में उनकी बात नहीं सुनी जा रही है ।

राहुल गांधी की टीम के सदस्यों की बात करें तो उनमें पार्टी छोड़ने वाले प्रमुख नेताओं में ज्योतिरादित्य सिंधिया, आरपीएन सिंह, जितिन प्रसाद, हार्दिक पटेल, अल्पेश ठाकोर और मिलिंद देवड़ा हैं । इसके अलावा अन्य प्रमुख नेताओं की बात करें तो उनमें कपिल सिब्बल, गुलाम नबी आजाद, सुनील जाखड़, अमरेन्द्र सिंह, अश्विनी कुमार, अनिल एंटोनी, जयवीर शेरगिल, सुष्मिता देव का नाम लिया जा सकता है । देखा जाये तो ये पार्टी की ऐसी संपत्ति थी, जो अब दूसरे दलों की ताकत बढ़ा रही है । इनमें से ज्यादातर ने भाजपा का दामन थाम लिया है ।

दस साल से सत्ता से बाहर रहने के कारण पार्टी पहले ही कमजोर होती जा रही है लेकिन महत्वपूर्ण नेताओं द्वारा पार्टी को छोड़ना कांग्रेस के पतन की ओर ले जा रहा है । इनमें से ज्यादातर नेता कांग्रेस में ही पैदा हुए थे लेकिन उन्हें पार्टी छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा । कांग्रेस के ज्यादातर नेता उन्हें सत्ता का लालची बता देते हैं और कहते हैं कि वो सत्ता पाने के लिये दूसरे दलों में चले गये हैं । उनकी वफादारी पर सवाल खड़े किये जाते हैं जबकि उनमें से ज्यादातर ने पार्टी पर यह आरोप लगाया है कि पार्टी को सही ढंग से नहीं चलाया जा रहा है।

पार्टी छोड़ने वाले नेताओं ने अपनी अलग-अलग शिकायतें भी दी हैं । कपिल सिब्बल ने गांधी परिवार से पार्टी का नेतृत्व छोड़ने की मांग करते हुए पार्टी छोड़ दी । गुलाम नबी आजाद का कहना है कि अब पार्टी की वापसी नहीं हो सकती, इसलिए पार्टी में कोई भविष्य नहीं बचा है । हार्दिक पटेल ने कहा है कि पार्टी के ज्यादातर नेता काम करने की जगह अपने फोन पर व्यस्त रहते हैं । पंजाब के नेता अश्विनी कुमार और सुनील जाखड़ ने सोनिया गांधी पर आरोप लगाया कि वो पार्टी को सही तरीके से नहीं चला रही हैं । आरपीएन सिंह यूपी के पिछड़ी जाति के नेता हैं, उनका कहना है कि पार्टी पहले जैसी नहीं रही और पार्टी में सही सोच नहीं है । ज्योतिरादित्य सिंधिया ने पार्टी छोड़ने की वजह काम करने का मौका न मिलना बताया था ।

यही वजह यूपी के ब्राह्मण नेता जितिन प्रसाद और पिछड़ी जाति के नेता अल्पेश ठाकोर ने बताई थी । कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एके एंटनी के सुपुत्र अनिल एंटनी ने देश को विकास के रास्ते पर ले जाने को लेकर मोदी की प्रशंसा की तो पार्टी छोड़नी पड़ी । अभी कुछ दिनों पहले पी.चिदंबरम के सुपुत्र कार्ति चिदंबरम ने भी मोदी की तारीफ कर दी है और उन्हें भी पार्टी ने नोटिस थमा दिया है । पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ नेता अमरेन्द्र सिंह का पार्टी में इतना अपमान किया गया कि उन्हें पार्टी छोड़नी पड़ी । राजस्थान के नेता सचिन पायलट का भी पार्टी में बहुत अपमान किया गया है लेकिन वो अभी पार्टी में बने हुए हैं । पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता रहे जयवीर शेरगिल ने योग्यता पर चाटुकारिता को प्राथमिकता देने का आरोप लगाकर कांग्रेस से किनारा कर लिया ।

मासूमों को बदनामी से बचाने का तरीका खोजा

कीर्ति राणा

अपने खिलाफ यौन उत्पीड़न जैसी शिकायत पर कोई भी रसूखदार हताश हो सकता था, लेकिन आयएएस अधिकारी-इंदौर के पूर्व कलेक्टर पी. नरहरि अपने खिलाफ इस तरह की चैट वॉयरल होने पर हताश नहीं हुए, बल्कि खुद ही सायबर पुलिस और क्राइम ब्रांच को जांच के लिए भी लिख दिया।

इस बदनामी वाले फर्जी मामले में भी उन्होंने जो अच्छा खोजा, वह यह कि जिस तरह उन्हें फंसाने के लिए सेडमेप के ठेके लेने वाले इंदौर के कारोबारी रमनजीत सिंह अरोरा ने फर्जी चेट तैयार कराने के लिए जो तरीका अपनाया, उसका पूरा वीडियो तैयार करा लिया है। हिन्दुस्तान मेल से चर्चा में पी. नरहरि ने कहा- मैंने इस पूरे मामले को केस स्टडी के रूप में लिया है। जो वीडियो तैयार किया है, वो मासूम लड़कियों को इस तरह की बदनामी से सतर्क करने में और उन्हें आत्महत्या से बचाने में मदद करेगा। उनका कहना था- मैं नेट, साइबर क्राइम को समझता हूं, जिस ओहदे पर हूं तो इस मामले में राज्य पुलिस ने भी सहयोग किया, लेकिन बेवजह बदनाम करने, दबाव बनाने की घटना किसी सामान्य व्यक्ति या किसी लड़की के साथ हो जाए तो जरूरी नहीं कि उसे सब जगह से मदद मिल ही जाए। उन सबको भी ऐसे फर्जी मामलों से बचने में यह वीडियो मदद करेगा। संबंधित व्यापारी अरोरा ने किस तरह एप के जरिये मेरे और संबंधित महिला के बीच वीडियो चैट तैयार की, वह सारी केस स्टडी इस वीडियो में शामिल है। गौरतलब है कि क्राइम पुलिस की जांच में वरिष्ठ आईएएस अफसर पी. नरहरि को बदनाम करने की साजिश नाकाम हो गई है। उन्हें बदनाम करने की साजिश रचने वाले जिस आरोपी जावेद मोहम्मद को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया है, वह इसी साजिशकर्ता रमनसिंह अरोरा का नौकर है।

पी. नरहरि की जीत उन ईमानदार आयएएस-आयपीएस अफसरों की जीत है, जिन्हें इस प्रकार की साजिशों में फंसाया जाता है। फर्जी चैट स्क्रीनशॉट वायरल किए जाने के मामले में सेडमैप की कार्यकारी निदेशक अनुराधा सिंघई ने क्राइम ब्रांच में शिकायत की कि उनके और उनके वरिष्ठ पी. नरहरि के मनगढ़ंत और काल्पनिक आपत्तिजनक चैट का स्क्रीनशॉट सोशल मीडिया पर वायरल किया जा रहा है। अज्ञात व्यक्ति दुर्भावना और रंजिश की वजह से सोशल मीडिया पर इसे वायरल कर रहे हैं, जिससे मानहानि और मानसिक वेदना हो रही है। ऐसे असामाजिक तत्वों का पता लगाकर उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए। बंद की थी अरोरा की धांधली सेडमैप का कांट्रेक्टर रमनवीर सिंह अरोरा सेडमैप में आउटसोर्सिंग का काम करने के साथ ही विभागीय अधिकारियों पर अनावश्यक दबाव बनाता था। शिकायतों की जांच की तो यह भी पता चला कि आउटसोर्स वाले कर्मचारियों को पूरा वेतन भी नहीं देने के साथ कई फर्जीवाड़े सामने आने के बाद आयएएस अफसर पी. नरहरि ने कार्रवाई की थी। इसका बदला लेने के लिए रमनवीर ने फर्जी व्हाट्सएप चैट वायरल की थी।

पाकिस्तान: आसान नहीं होगी राह

अमेरिकी लेखक मार्क ट्वेन के प्रसिद्ध उद्धरण के संशोधित संस्करण के मुताबिक, इतिहास खुद को दोहराता है, लेकिन तुकबंदी के इस जमाने में पाकिस्तानी चुनावों के नतीजों के लिए यह रूढ़िवादी तरीके से सच होता है, जो शहबाज शरीफ को पाकिस्तान का प्रधानमंत्री बनाने के लिए साफ किए गए रास्ते से स्पष्ट है। सेना ने 'चयन' की प्रक्रिया के माध्यम से चाक-चौबंद रणनीति को अंजाम दिया है।

पाकिस्तान में आम चुनाव, 2024 के नतीजे नवाज शरीफ की पार्टी पीएमएल (एन) की सफलता सुनिश्चित करने के लिए सर्वशक्तिशाली सेना द्वारा लिखी गई पटकथा है, जो 2018 के चुनाव में इमरान खान को प्रधानमंत्री के पद पर बैठाने के लिए की गई कवायद जैसी ही है। सेना की सर्वोच्चता और लोगों की मानसिकता के कारण उस मुल्क में कोई भी शहबाज के चयन पर सवाल नहीं उठाएगा, जहां परोक्ष रूप से दशकों तक और सीधे तौर पर 33 वर्षों तक सेना द्वारा शासन का इतिहास रहा है।

यह भी एक भ्रम ही था कि शेष अवधि में मुल्क में लोकतंत्र बहाल हो गया था, क्योंकि घरेलू और विदेशी मामलों में पूरी तरह से सेना का वर्चस्व था। चयनित प्रधानमंत्रियों ने हमेशा सेना के इशारे पर कठपुतलियों की तरह काम किया। अब स्थिति स्पष्ट हो गई है और पाकिस्तान के चुनावी नतीजे संकटग्रस्त मुल्क के लोगों के अलावा पूरी दुनिया की अपेक्षाओं और अनुमानों के अनुरूप हैं।

तीन बार प्रधानमंत्री रहे नवाज शरीफ ने अनिश्चित और अस्थिर राजनीतिक परिदृश्य के बीच आश्चर्यजनक ढंग से अपने छोटे भाई शहबाज शरीफ को प्रधानमंत्री, जो उन्हें छद्म रूप से शासन चलाने में सक्षम बनाएगा और अपनी बेटी मरियम नवाज को पंजाब की मुख्यमंत्री पद के लिए नामित किया है। विशेषज्ञों का मानना है कि नवाज शरीफ ने एक तीर से दो शिकार करने की कोशिश की है, जिससे पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के सरकार में शामिल होने की संभावना बनी रहेगी, क्योंकि पीपीपी अध्यक्ष बिलावल भुट्टो ने पीएमएल (एन) सरकार को बाहर से समर्थन देने की घोषणा की है।बिलावल अपने पिता आसिफ अली जरदारी को राष्ट्रपति बनवाने के लिए सौदेबाजी कर सकते हैं, जिससे समीकरण बदल सकते हैं। दूसरा, इससे उनकी बेटी और पीएमएल (एन) की सूचना सचिव मरियम नवाज के लिए सबसे महत्वपूर्ण प्रांत पंजाब का मुख्यमंत्री बनने की राह प्रशस्त होगी। गठबंधन सरकार में पीएमएल (एन), पीपीपी, एमक्यूएम, पीएमएल-क्यू, बीएपी इत्यादि दल शामिल होंगे, जिससे 265 सदस्यों वाले सदन में गठबंधन का संख्याबल 152 हो जाएगा, जो 133 के बहुमत के आंकड़े से ज्यादा है। मनोनीत सदस्यों को जोड़ने के बाद गठबंधन का संख्याबल 169 हो जाएगा। लेकिन शहबाज शरीफ के लिए सरकार चलाना एक बड़ी चुनौती होगी। सबसे पहले उन्हें मुल्क के बदहाल आर्थिक संकट से निपटना होगा, जो भविष्य में कभी भी ध्वस्त हो सकता है और उसका हश्र श्रीलंका जैसा होने की आशंका है। कई वर्षों से राजनीतिक उथल-पुथल से गुजरते पाकिस्तान के लोगों को स्थिर सरकार की उम्मीद है, जो सेना के समर्थन के चलते कुछ हद को वास्तविकता बन सकती है, जिन्होंने मुल्क का नेतृत्व करने के लिए नवाज शरीफ के माध्यम से शहबाज को चुना है। तीसरा, अफगानिस्तान से होने वाली आतंकी कार्रवाइयों पर नियंत्रण पाना शहबाज सरकार के लिए मुश्किल होगा, जो प्रतिबंधित तहरीक-ए तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को समर्थन देता है। अब लोग नई सरकार से उम्मीद करेंगे कि वह बढ़ते आतंकी हमलों पर लगाम लगाएगी, जिसके चलते 2023 में कथित तौर पर 1,500 से अधिक लोग मारे गए हैं।चूंकि पर्दे के पीछे से नवाज शरीफ ही सरकार चलाएंगे, इसलिए उम्मीद की जा सकती है कि वह भारत सहित अन्य पड़ोसियों के साथ संबंधों को बेहतर बनाने के लिए ठोस प्रयास कर सकते हैं, जिसका उल्लेख उन्होंने अपने विजय भाषण में किया था। प्रधानमंत्री मोदी के नवाज शरीफ के साथ अच्छे संबंध रहे हैं, जिन्होंने वर्ष 2015 में अचानक लाहौर का दौरा करके उन्हें जन्मदिन की बधाई दी थी। उससे पहले पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने भी पाकिस्तान का दौरा किया था, जिन्हें इस्लामाबाद के साथ संबंधों में नरमी लाने का श्रेय दिया जाता है। कूटनीतिक सिद्धांतों के अनुसार, भले ही दोनों देशों के बीच शत्रुता की भावना प्रबल हो, पर बातचीत जारी रहनी चाहिए। अगर पाकिस्तान ईमानदारी दिखाए और कश्मीर की जिद छोड़ दे, तो भारत फिर से बातचीत शुरू कर सकता है। हालांकि मोदी की पाकिस्तान यात्रा से वहां की सेना खुश नहीं थी। लेकिन अब स्थिति अलग है। अब सेना और नवाज एक साथ हैं। लेकिन सेना की खुफिया एजेंसी आईएसआई को कश्मीर में हिंसा में शामिल आतंकवादियों का समर्थन करने की अपनी नीति छोड़नी होगी। नवाज से उम्मीद रहेगी कि वह कश्मीर को छोड़कर आर्थिक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करें, जो उनके भाई शहबाज के लिए मार्गदर्शक सिद्धांतों के रूप में कार्य कर सकता है। इसके अलावा, नए प्रधानमंत्री को पाकिस्तान की शरणार्थी नीति की धज्जियां उड़ाने वाले तालिबान से भी रिश्ते सुधारने होंगे। पाकिस्तान ने जबरन 3,75,000 अफगानियों को निष्कासित कर दिया है और उनमें से 20,000 को निर्वासित कर दिया है, जिससे तालिबान शासन नाराज हो गया और उसने पाकिस्तान पर हमला कर दिया।

माघ शुक्ल सप्तमी अर्थात रथ सप्तमी

रथ सप्तमी 16 फरवरी को मनाई जाएगी। यह दिन पूरी श्रद्धा से सूर्यनारायण की पूजा करने और उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का दिन है। हर साल मकर संक्रांति पर आयोजित होने वाला हल्दी-कुमकुम समारोह रथ सप्तमी के दिन संपन्न होता है। इस लेख श्रृंखला के माध्यम से हम इस दिन का महत्व और इसे मनाने की विधि जानेंगे।

क्यों मनाई जाती है रथ सप्तमी

रथ सप्तमी वह दिन है जब सूर्य देव हीरों से जड़ित सुनहरे रथ पर विराजमान थे। सूर्यदेव के लिए स्थिर रहकर साधना करते हुए अपनी गति पर नियंत्रण रखना संभव नहीं था। उनके पैर दुखने लगे और इस वजह से उनका ध्यान ठीक से नहीं हो पा रहा था। तब उसने भगवान से इसके बारे में पूछा और बैठने की व्यवस्था करने को कहा। मेरे बैठने के बाद मेरी गति कौन संभालेगा? ₹तो उन्होंने भगवान से पूछा₹। तब भगवान ने सूर्यदेव को बैठने के लिए सात घोड़ों वाला हीरों से जड़ित एक स्वर्ण रथ दिया। जिस दिन सूर्यदेव उस रथ पर विराजमान हुए उस दिन को रथसप्तमी कहा जाता है। इसका मतलब है 'सात घोड़ों का रथ'।

'रथसप्तमी' सूर्य देव का जन्म दिवस

'माघ शुक्ल पक्ष सप्तमी' को 'रथ सप्तमी' कहा जाता है। इसी दिन महर्षि कश्यप और देवी अदिति के गर्भ से सूर्य देव का जन्म हुआ था। श्री सूर्यनारायण भगवान श्री विष्णु का ही एक रूप हैं। सूर्य के कारण ही पृथ्वी पर जीवन है, जो अपने तेजोमय रूप से समस्त संसार को प्रकाशित करता है।

रथ सप्तमी शुभ मुहूर्त

माघ मास के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि 15 फरवरी को सुबह 10 बजकर 12 मिनट पर शुरू हो चुकी है। यह तिथि 16 फरवरी को सुबह 08 बजकर 54 मिनट पर समाप्त होगी। ऐसे में उदया तिथि के अनुसार 16 फरवरी, शुक्रवार को रथ सप्तमी मनाई जाएगी। इस दौरान शुभ मुहूर्त इस प्रकार रहेगा-

रथ सप्तमी के दिन अरुणोदय - सुबह 06 बजकर 35 मिनट पर

रथ सप्तमी के दिन सूर्योदय - सुबह 06 बजकर 59 मिनट पर

रथ सप्तमी के दिन स्नान मुहूर्त - प्रातः 05 बजकर 17 मिनट से सुबह 06 बजकर 59 मिनट तक

भीष्माष्टमी -पौराणिक महत्व

हिंदू धर्म में भीष्म अष्टमी का विशेष महत्व है। इस दिन को हिंदू धर्म में एक त्योहार के रूप में मनाया जाता है। माघ मास के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को 'भीष्म अष्टमी' कहा जाता है। पौराणिक मान्यता है कि माघ शुक्ल पक्ष की अष्टमी के दिन भीष्म पितामह ने अपना शरीर त्यागा था। भीष्म पितामह ने अपने शरीर का त्याग उत्तरायण के शुभ दिन पर किया था, इस दिन से भगवान सूर्य ने दक्षिणायन की 6 महीने की अवधि पूरी करने के बाद उत्तर की ओर बढ़ना शुरू किया था। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस तिथि को भीष्म पितामह तर्पण दिवस के रूप में भी जाना जाता है।

जानें कब है भीष्माष्टमी

हिंदू पंचांग के मुताबिक, साल 2024 में भीष्म अष्टमी पर्व 16 फरवरी, शुक्रवार को मनाई जाएगी। अष्टमी तिथि की शुरुआत 16 फरवरी को ही दिन सुबह 8.54 मिनट पर होगी और इस तिथि की समाप्ति 17 फरवरी को सुबह 8.15 मिनट पर होगी।

भीष्माष्टमी पर्व का महत्व- पौराणिक मान्यताओं है कि भीष्म अष्टमी तिथि का व्रत करने से संतान प्राप्ति का सुख मिलता है। इस दिन महिलाएं विशेषकर विधि-विधान से व्रत रखती है। ऐसा करने से संतान सुख प्राप्त होता है। वहीं संतान को जीवन में सुख प्राप्त होता है।

तेरापंथ का शक्तिश्रोत मर्यादा -महोत्सव

निर्मला बैद

जिंदगी के अनमोल क्षण आज हमारे बीच उपस्थित है। भिक्षु शासन का शक्तिश्रोत मर्यादा महोत्सव आज परमपूज्य आचार्य महाश्रमण की सन्निधि में मनाया जा रहा है पूरे भारत में अन्य अनेक स्थानों पर मनाया जा रहा है। कितना उल्लास कितनी उमंग। तेरापंथ जो एक बूंद से समुद्र बना। एक राई से मेरु बना है। सचमुच मर्यादाएं ही इस निर्माण का मौलिक आधार रही है। मर्यादा पुरुषोत्तम आचार्य भिक्षु का हम कितना आभार व्यक्त करें कि जिनके कर कमलों से लिखा एक पत्र आज जैन शासन का छत्र बन रहा है। श्रीमद् जयाचार्य को हम कैसी कुसुमांजलि अर्पित करें कि जिनके प्रताप से यह उत्सव आज हजारों-लाखों आंखे देख रही है। इस पुण्य अवसर से प्रेरणा ले हमारी भी भावनाएं जागे। ऋषिराय के युग की सादगी, सच्चाई और संगठन फिर हमारे बीच आये। पुण्यात्माओं के स्पर्श से हमारा भी हर घर मंदिर बन जाये।

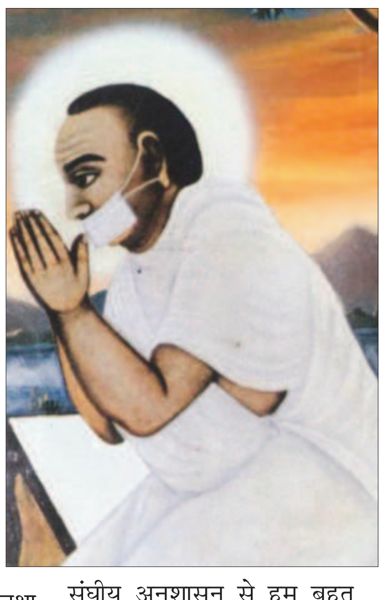

मर्यादा महोत्सव का प्रमुख उद्देश्य मर्यादाओ की स्मृति तथा उसमें निष्ठाशील बनना है। इस संघीय अनुशासन से हम बहुत कुछ सीख सकते हैं। अनुशासन समाज को संगठित रखता है। अधर्म और अन्याय से बचाता है। तेरापंथ के हर पात में भावना की भेंट ली।

वर्तमान की उच्छृखंलता से विघटित संत्रस्त समाज को जयाचार्य की अनुशासन व्यवस्था एक विशिष्ट अनुदान कहा जा सकता है। इसके स्वच्छ आदर्श में वह अपनी मंजिल खोज सकता है। अनुशासन की दिशा में मार्ग दर्शन पा सकता है।

मार्मिक पंक्तियां-

मर्यादा में रहने वाले चांद सितारो की पूजा होती है। मर्यादा में रहने वाले कूल किनारों की पूजा होती है। संयम ही जीवन है सृष्टि का प्राण है। मित्रो मर्यादा में बंधकर ही विश्वास विचारों की पूजा होती है।

आज भी बस्तर के गांव में वेश्या खोजनी मुश्किल है

जितना वह यह सोचने लगा कि भोजन करना पाप है, उतना ही भूख को दबाने लगा; जितना भूख को दबाने लगा, उतनी भूख असर्ट करने लगी, जोर से प्रकट होने लगी। तो वह दो-चार दिन उपवास करता था और एक दिन पागल की तरह कुछ भी खा जाता था। जब कुछ भी खा लेता था तो बहुत दुखी होता था, क्योंकि फिर खाने की तकलीफ झेलनी पड़ती थी। फिर पश्चात्ताप में दो-चार दिन उपवास करता था और फिर कुछ भी खा लेता था। आखिर उसने तय किया कि यह घर रहते हुए नहीं हो सकेगा ठीक, मुझे जंगल चले जाना चाहिए।

वह पहाड़ पर गया। एक हिल स्टेशन पर जाकर एक कमरे में रहा। घर के लोग भी परेशान हो गए थे। उसकी पत्नी ने यह सोच कर कि शायद वह पहाड़ पर अब जाकर भोजन की बीमारी से मुक्त हो जाएगा, उसने खुशी में बहुत से फूल उसे पहाड़ पर भिजवाए—कि मैं बहुत खुश हूं कि तुम शायद पहाड़ से अब स्वस्थ होकर वापस लौटोगे; मैं शुभकामना के रूप में ये फूल तुम्हें भेज रही हूं।

उस आदमी का वापस तार आया। उसने तार में लिखा—मेनी थैंक्स फॉर दि फ्लावर्स, दे आर सो डिलीशियस। उसने तार किया कि बहुत धन्यवाद फूलों के लिए, बड़े स्वादिष्ट हैं।

वह फूलों को खा गया, वहां पहाड़ पर जो फूल उसको भेजे गए थे! अब कोई आदमी फूलों को खाएगा, इसका हम खयाल नहीं कर सकते। लेकिन जो आदमी भोजन से लड़ाई शुरू कर देगा, वह फूलों को खा सकता है। आदमी सेक्स से लड़ाई शुरू किया, और उसने क्या-क्या सेक्स के नाम पर खाया, इसका आपने कभी हिसाब लगाया? आदमी को छोड़ कर, सभ्य आदमी को छोड़ कर, होमोसेक्सुअलिटी कहीं है? जंगल में आदिवासी रहते हैं, उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की है कि होमोसेक्सुअलिटी जैसी चीज भी हो सकती है—कि पुरुष और पुरुष के साथ संभोग कर सकते हैं, यह भी हो सकता है! यह कल्पना के बाहर है। मैं आदिवासियों के पास रहा हूं और उनसे मैंने कहा कि सभ्य लोग इस तरह भी करते हैं। वे कहने लगे, हमारे विश्वास के बाहर है। यह कैसे हो सकता है?

लेकिन अमेरिका में उन्होंने आंकड़े निकाले हैं—पैंतीस प्रतिशत लोग होमोसेक्सुअल हैं! और बेल्जियम और स्वीडन और हालैंड में होमोसेक्सुअल्स के क्लब हैं, सोसाइटीज हैं, अखबार निकलते हैं। और वे सरकार से यह दावा करते हैं कि होमोसेक्सुअलिटी के ऊपर से कानून उठा दिया जाना चाहिए, क्योंकि चालीस प्रतिशत लोग जिसको मानते हैं, तो इतनी बड़ी माइनारिटी के ऊपर हमला है यह आपका। हम तो मानते हैं कि होमोसेक्सुअलिटी ठीक है, इसलिए हमको हक होना चाहिए। कोई कल्पना नहीं कर सकता कि यह होमोसेक्सुअलिटी कैसे पैदा हो गई? सेक्स के बाबत लड़ाई का यह परिणाम है। जितना सभ्य समाज है, उतनी वेश्याएं हैं! कभी आपने यह सोचा कि ये वेश्याएं कैसे पैदा हो गईं? किसी आदिवासी गांव में जाकर वेश्या खोज सकते हैं आप? आज भी बस्तर के गांव में वेश्या खोजनी मुश्किल है। और कोई कल्पना में भी मानने को राजी नहीं होता कि ऐसी स्त्रियां हो सकती हैं जो कि अपनी इज्जत बेचती हों, अपना संभोग बेचती हों। लेकिन सभ्य आदमी जितना सभ्य होता चला गया, उतनी वेश्याएं बढ़ती चली गईं। क्यों? यह फूलों को खाने की कोशिश शुरू हुई है। और आदमी की जिंदगी में कितने विकृत रूप से सेक्स ने जगह बनाई है, इसका अगर हम हिसाब लगाने चलेंगे तो हम हैरान रह जाएंगे कि यह आदमी को क्या हुआ है? इसका जिम्मा किस पर है, किन लोगों पर है? **(क्रमशः)**

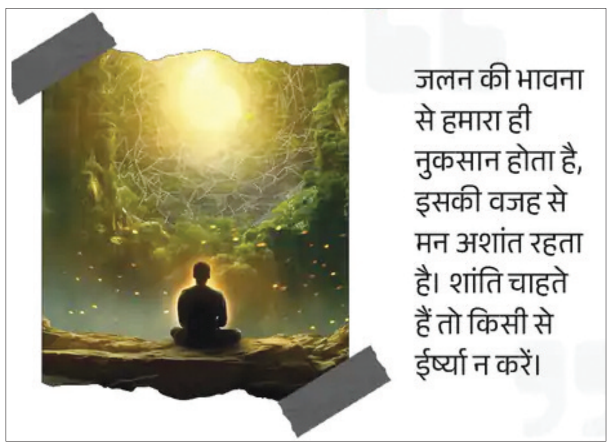

भूलकर भी इस दिशा में न रखें सोने-चांदी के आभूषण

सनातन धर्म में वास्तु शास्त्र का खास महत्व है। वास्तु शास्त्र में घर के निर्माण से लेकर घर की वस्तुओं को किस दिशा में रखना चाहिए तक का वर्णन किया गया है। यदि हम वास्तु शास्त्र के बताए गए मार्गदर्शन पर चलते हैं, वास्तु शास्त्र के नियमों का पालन करते हैं तो किसी भी तरह का दोष हमारे जीवन में प्रभाव नहीं डालता है। वही अक्सर लोग सोने और चांदी के आभूषणों को बिना सोचे घर के किसी भी सुरक्षित कोने में रख देते हैं। हालांकि, ऐसा करना बिल्कुल भी ठीक नहीं है। सोने और चांदी के आभूषणों को ठीक दिशा में रखना चाहिए।

वास्तु के मुताबिक, यदि आप इन्हें ठीक दिशा में नहीं रखते हैं तो आपको बड़ा नुकसान हो सकता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर की उत्तर-पश्चिम दिशा में कभी भी सोने या चांदी के आभूषण नहीं रखने चाहिए।

वास्तु को जानकर भी आप ऐसा कर रहे हैं तो आपको इस दिशा में आभूषण रखना भारी पड़ सकता है। वास्तु शास्त्र के मुताबिक, इस दिशा में जेवरों को रखने से आपको समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

वही यदि मां लक्ष्मी को प्रसन्न करना चाहते हैं तो हमेशा सोने और चांदी के आभूषणों को दक्षिण-पश्चिम दिशा में रखें। घर का यह कोना नैऋत्य कोण होता है, जिसका अर्थ हमेशा स्थिरता बनाए रखना कहा जाता है। यदि आप इस कोने में अपने आभूषण रखते हैं तो वह हमेशा आपके पास बने रहेंगे। साथ ही और खरीदने का योग बनेगा।

धर्मराज चित्रगुप्त मंदिर जहां मृत्यु के लिए दीपक जलाने आते हैं लोग

भगवान महादेव की नगरी के रूप में जाना जाने वाला उज्जैन कई मंदिरों का घर है जो अपने अद्वितीय इतिहास के लिए जाने जाते हैं। अक्सर लोग बेहतर जीवन, वित्तीय कठिनाइयों से राहत और अच्छे स्वास्थ्य के आशीर्वाद की तलाश में मंदिरों में जाते हैं। हालाँकि, क्या आपने उज्जैन के किसी ऐसे मंदिर के बारे में सुना है जहाँ लोग विशेष रूप से मोक्ष की तलाश में आते हैं? इतना ही नहीं कहा जाता है कि इस मंदिर में मांगी गई प्रार्थना कुछ ही घंटों में पूरी हो जाती है। आइये इस मंदिर के पौराणिक इतिहास के बारे में जानते हैं।

उज्जैन का अनोखा मंदिर

रामघाट पर शिप्रा नदी के तट पर स्थित यह मंदिर दुनिया का एकमात्र मंदिर माना जाता है जहां भगवान यमराज, धर्मराज और चित्रगुप्त के साथ निवास करते हैं। ऐसा माना जाता है कि इस मंदिर में उनके दर्शन मात्र से कष्टों, पापों और कालसर्प दोष के प्रभाव से मुक्ति मिल जाती है। उज्जैन में धर्मराज चित्रगुप्त मंदिर का उल्लेख स्कंद पुराण और अग्नि पुराण में मिलता है। मंदिर के पुजारी पंडित राकेश जोशी के अनुसार यहां यमराज के साथ-साथ धर्मराज, चित्रगुप्त और यमराज की बहन यमुना की भी पूजा की जाती है। जो लोग इस मंदिर में आते हैं उन्हें अपनी परेशानियों, पापों और दोषों से राहत मिलती है। इसके अतिरिक्त, यह मंदिर कालसर्प दोष को दूर करने में भी विशेष महत्व रखता है।

मंदिर का ऐतिहासिक महत्व

पंडित जोशी ने बताया कि मंदिर के ऊपर से कर्क रेखा गुजरती है, जो इसके महत्व को बढ़ाती है। पिछले 400 वर्षों से उनके पूर्वज इस मंदिर में अनुष्ठान करते आ रहे हैं। हर साल देश भर से श्रद्धालु यहां बीमारियों से राहत पाने के लिए आते हैं। धर्मराज मंदिर हजारों लोगों के लिए आस्था का केंद्र बन गया है। प्रतिदिन हजारों की संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। मंदिर में दीपक जलाने का भी विशेष महत्व है। कहा जाता है कि इस मंदिर के दर्शन करने से अकाल मृत्यु से मुक्ति मिल जाती है।

48 घंटे में मोक्ष

पंडित जोशी के अनुसार, वे उन लोगों की सुरक्षा या मोक्ष के लिए विशेष प्रार्थना करते हैं जो शारीरिक बीमारियों के कारण जीवन और मृत्यु के बीच संघर्ष करते हैं। इस मंदिर में पूजा करने के 48 घंटे के अंदर ही परिणाम देखने को मिल जाता है। इस मंदिर में पूजा करने से स्वास्थ्य लाभ भी होता है।

मोक्ष के लिए दीपक जलाएं

धर्मराज और चित्रगुप्त का यह अनोखा मंदिर अपनी मान्यताओं के कारण काफी लोकप्रिय है। ऐसा कहा जाता है कि जो लोग शारीरिक बीमारियों से जूझते हैं और जीवन और मृत्यु की स्थितियों का सामना करते हैं वे सुरक्षा या मोक्ष के लिए प्रार्थना करने के लिए इस मंदिर में आते हैं। ऐसा माना जाता है कि इस मंदिर में पूजा करने से कुछ ही घंटों में परिणाम दिखने लगते हैं। अगर किसी व्यक्ति को कोई लाइलाज बीमारी है तो वह इस मंदिर में आकर अपनी मुक्ति के लिए घी का दीपक जला सकता है। कुछ ही समय में उन्हें मोक्ष की प्राप्ति हो जाती है और सभी कष्टों से मुक्ति मिल जाती है।

शुकदेव और राजा परीक्षित की कथा की सीख

मन अशांत और विचार नकारात्मक हैं तो अपने इष्टदेव के मंत्रों का जप करें, मन शांत हो जाएगा

जब इच्छाएं पूरी नहीं होती हैं, जब हम असफल हो जाते हैं तो मन अशांत हो जाता है। अशांत मन के साथ किए गए काम, पूजा-पाठ का पूरा फल नहीं मिलता है। अशांति के बारे में राजा परीक्षित ने शुकदेव से पूछा था कि कलियुग में लोग इतने बेचैन क्यों रहते हैं, लोगों का मन शांत क्यों नहीं रहता है? सभी अपनी इच्छाएं पूरी करना चाहते हैं।

शुकदेव जी ने परीक्षित से कहा कि पुराने समय में ये बात भूमि देवी ने भी भगवान से कही थी। देवी भूमि ने कहा था कि बड़े-बड़े राजा मुझे जीतना चाहते हैं, जबकि ये खुद मौत के खिलौने हैं। कोई भी व्यक्ति मरने के बाद मुझे अपने साथ नहीं ले जा सकता, फिर भी मुझे पाने के लिए इतने बेचैन रहते हैं।

शुकदेव जी ने परीक्षित को समझाया कि हम जो धन-संपत्ति कमाते हैं या जो पाना चाहते हैं, सारे झगड़े उसके लिए हैं। सभी चाहते हैं कि मेरे पास सब कुछ हो, दूसरों से ज्यादा हो। जबकि ये सारी चीजें यहीं रह जाएंगी, ये बात इंसान समझ नहीं पा रहे हैं।

परीक्षित ने शुकदेव जी की पूरी बात सुनी और फिर पूछा कि अशांति कैसे दूर करें, शांति पाने के लिए हमें क्या करना चाहिए?

शुकदेव जी ने कहा कि जो लोग अपने इष्टदेव के नाम और उनके मंत्र जपते हैं, भजन, पूजा-पाठ और ध्यान करते हैं, उन्हें शांति जरूर मिलती है। शांति चाहते हैं तो इच्छाएं छोड़कर अपने इष्टदेव के नामों का जप करना चाहिए। मंत्र जप करने से हमारे मन में जो परिवर्तन होंगे, वे हमें शांत करेंगे।

शुकदेव जी की सीख

अशांति दूर करना चाहते हैं तो सबसे पहले में इच्छाओं का त्याग करना चाहिए। जो बातें हमारे नियंत्रण में नहीं हैं, उन पर ध्यान न दें और जो चीजें हमारे पास हैं, उनका आनंद लें। इसके साथ ही अपने इष्टदेव के मंत्रों का जप करना चाहिए और जप करने से नकारात्मक विचार दूर होते हैं, मन शांत हो जाता है।

शिवालय से दर्शन कर लौटते समय न बजाएं घंटी

घर-परिवार पर पड़ेगा बुरा असर

यदि आप भी मंदिर में दर्शन करने के लिए जाते हैं तो यह खबर आपके लिए है। मंदिर में प्रवेश करते समय आप घंटी बजा सकते हैं, लेकिन आप जब दर्शन कर घर लौट रहे हैं तो आपको घंटी नहीं बजानी चाहिए। ज्योतिष का कहना है कि यदि आप भी इस बात का ध्यान रखते हैं तो आप कई दोषों से बच जाएंगे।

यदि आप मंदिर में दर्शन करने के लिए जाते हैं तो आपको विशेष रूप से इस बात का ध्यान रखना चाहिए। आप जब दर्शन करने जा रहे हैं तो मंदिर में लगी हुई घंटी बजा सकते हैं। लौटते समय आपको घंटी नहीं बजानी चाहिए। यदि आप मंदिर से लौटते समय घंटी बजाते हैं तो आपको दोष लगता है। घंटे को भगवान गरुड़ का स्वरूप माना जाता है। ऐसे में भगवान गरुड़ नाराज होते हैं। इससे परिवार में परेशानी बनना शुरू हो जाती है, इसलिए इस बात का विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए।

घंटे को गरुड़ महाराज का माना जाता है प्रतीक

मंदिरों में लगे घंटे को गरुड़ महाराज का प्रतीक माना जाता है। इसलिए इस बात का विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए, ताकि आपको किसी प्रकार की परेशानी ना हो। विशेष रूप से आपको शिवालय में और श्री कृष्ण मंदिर में यह ध्यान देना चाहिए।

किआरा आडवाणी ने अपने 'योद्धा' पर लुटाया प्यार

बॉलीवुड अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा अपनी आगामी थ्रिलर फिल्म 'योद्धा' को लेकर सुर्खियों में छाए हैं। दर्शकों को इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। हाल ही में, फिल्म का एक नया पोस्टर रिलीज किया गया है। फिल्म का नया पोस्टर हवा में लॉन्च किया गया है, जिसका वीडियो करण जौहर ने साझा किया है। इसके साथ ही 'योद्धा' के टीजर रिलीज डेट का भी खुलासा कर दिया गया है। अब पत्नी कियारा ने योद्धा के पोस्टर पर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

15 फरवरी को बहुप्रतीक्षित फिल्म योद्धा के निर्माताओं ने अनोखे तरीके से एक नया पोस्टर जारी किया, जो ऊपर हवा में लॉन्च किया गया था। अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा की पत्नी कियारा आडवाणी ने पोस्टर को लेकर अपना उत्साह और प्रशंसा व्यक्त की है। कियारा ने सिद्धार्थ की पोस्ट पर ढेर सारे इमोजी भेजें। अभिनेत्री ने अपने कमेंट के जरिए जाहिर किया कि उन्हें फिल्म का पोस्टर काफी पसंद आया है।

बेहतरीन अंदाज में लॉन्च किया पोस्टर

फिल्म 'योद्धा' का टीजर 19 फरवरी को रिलीज किया जाएगा। करण ने खुलासा किया कि 'योद्धा' ने 13,000 फीट की ऊंचाई पर पहली हिंदी फिल्म का पोस्टर लॉन्च करके इतिहास रच दिया है। सामने आए वीडियो में टीम पोस्टर लॉन्च करने के लिए दुबई में स्काइडाइविंग करते नजर आ रही है।

करण जौहर ने साझा किया वीडियो

करण जौहर द्वारा साझा किए गए वीडियो में टीम हाथ में पोस्टर लेकर फ्लाइट से कूदते हुए दिखाई दे रही हैं। फिल्ममेकर ने अपनी टीम की मदद से 'योद्धा' के पोस्टर को लॉन्च किया।

करण ने वीडियो साझा कर लिखा, 'एड्रेनालाईन से भरी सवारी को आपकी स्क्रीन पर 'एयर ड्रॉपिंग' करने जैसा पहले कभी नहीं हुआ।

योद्धा का टीजर 19 फरवरी को रिलीज होगा।' बता दें कि 'योद्धा' में सिद्धार्थ मल्होत्रा और राशि खन्ना के साथ दिशा पटानी भी नजर आएंगी। यह फिल्म 15 मार्च, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

पहले महाठग सुकेश चंद्रशेखर के खिलाफ की शिकायत, फिर जैकलीन ने लिया यू-टर्न

200 करोड़ की मनी लॉन्ड्रिंग के केस में जेल में बंद महाठग सुकेश चंद्रशेखर आए दिन किसी ना किसी वजह से चर्चा में रहता है। इसमें वो अक्सर एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडीस के जेल से लव लेटर लिखे जाने की वजह से हैडलाइन्स में रहता है। इसी बीच अभिनेत्री की ओर से सुकेश के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई थी कि वो उन्हें परेशान करता है और धमकी देता है। एक्ट्रेस की ओर से इसकी शिकायत दिल्ली पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा के पास कराई गई थी। ऐसे में पुलिस कोई एक्शन ले पाती, इससे पहले ही खबर सामने आ रही है कि अभिनेत्री ने दिल्ली की एक अदालत से अपनी याचिका वापस ले ली है।

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो कहा जा रहा है कि जैकलीन फर्नांडीस की याचिका को लेकर एडीशनल सेशन जज चंदर जीत सिंह की ओर से कहा गया कि एक्ट्रेस की तरफ से, जो आवेदन किया गया था, उसे वापस ले लिया गया है। उन्होंने इस मामले को लेकर निपटारे की बात भी कही है। इससे पहले रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा था कि सुकेश चंद्रशेखर मीडिया को पत्र लिख रहा था। इसे देखकर जैकलीन को लगा कि उनके सम्मान को ठेस पहुंचाने के लिए कुछ अनुचित बयान दिए गए हैं।

जैकलीन फर्नांडीस ने की थी ये मांग

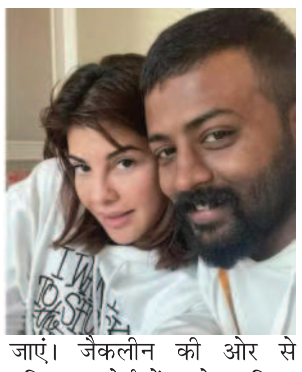

बताया जा रहा है कि जैकलीन ने दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट से अपनी याचिका वापस ले ली है। इसके साथ ही एक्ट्रेस की ओर से मांग की गई थी कि महाठग सुकेश से जुड़ा कोई भी पत्र को मीडिया में जारी करने से रोक दिए जाने के निर्देश दिए जाएं। जैकलीन की ओर से पटियाला कोर्ट में आवेदन किया गया था कि इसे वापस ले लिया गया है, जिसके बाद कोर्ट की ओर से मामला खत्म कर दिया गया है।

एक्ट्रेस ने क्या लगाए थे आरोप?

बहरहाल, अगर मामले की बात की जाए तो सुकेश 200 करोड़ की रंगदारी के मामले में मुख्य आरोपी है। जैकलीन ने अपनी शिकायत में कहा था कि सुकेश के द्वारा मीडिया को उनके नाम पर पत्र लिखना एक्ट्रेस को डराने और धमकाने की साजिश है। इसकी वजह को लेकर जैकलीन ने कहा कि ऐसा इसलिए कर रहा है ताकि अभियोजन पक्ष के गवाह के रूप में अदालत में सच्चाई का खुलासा ना कर सके। इस पर एक्ट्रेस की ओर से दिल्ली की अदालत में अनुरोध किया गया था कि सुकेश के पत्र पर रोक लगाई जाए। ऐसे में अब उनका इस केस को वापस ले लेना जरा लोगों को पच नहीं रहा है। एक्ट्रेस का ये यू-टर्न हैरान करने वाला है।

ईशा-भरत के तलाक पर मां हेमा मालिनी ने क्यों नहीं दिया रिएक्शन!

ईशा देओल और भरत तख्तानी के बीच क्या हुआ. दोनों ली लव मैरिज थी, फिर 11 साल में क्यों ये रिश्ता टूट गया? क्यों इस रिश्ते पर अब तक हेमा मालिनी और धर्मेंद्र का रिएक्शन नहीं आया है? इन सवालों के जवाब फैंस खोज रहे हैं. लेकिन देओल परिवार की चुप्पी क्यों है, इसकी वजह आपको भी हैरान कर देगी.

हेमा मालिनी और धर्मेंद्र ने अपनी बड़ी बेटी ईशा देओल को बड़े नाजो से पाला और फिर धूमधाम से बिटिया को विदा किया. भरत तख्तानी के साथ 11 साल पहले देओल परिवार ने अपनी बेटी की शादी की, लेकिन अब ईशा की शादीशुदा जिंदगी बिखर चुकी है. पिछले साल से भरत और ईशा के बीच में रिश्ते में दरार की खबरें आने लगी थी. दोनों ने अपने टूटे रिश्ते को ऑफिशियल किया, लेकिन इस मामले पर न तो पापा धर्मेंद्र और न ही मां हेमा मालिनी की रिएक्शन सामने आया है.

ईशा देओल और भरत तख्तानी के बीच क्या हुआ. दोनों ली लव मैरिज थी, फिर 11 साल में क्यों ये रिश्ता टूट गया? क्यों इस रिश्ते पर अब तक हेमा मालिनी और धर्मेंद्र का रिएक्शन नहीं आया है? इन सवालों के जवाब फैंस खोज रहे हैं. लेकिन देओल परिवार की चुप्पी क्यों है, इसकी वजह आपको भी हैरान कर देगी.

ईशा और भरत के तलाक की खबरें सबसे पहले तब उठनी शुरू हुईं, जब हेमा मालिनी के 75वें जन्मदिन की पार्टी में भरत तख्तानी नदारत दिखे. इसके बाद ईशा के बर्थडे हो या आमिर खान की बेटी का रिसेप्शन, हर जगह ईशा अपनी मां के साथ नजर आईं. जूम की एक रिपोर्ट के मुताबिक, ईशा और भरत ने काफी वक्त पहले ही अपने-अपने अलग रास्ते चुनने का फैसला कर लिया था और ये बात देओल परिवार को अच्छे से पता थी.

रिपोर्ट्स के मुताबिक, इतना ही नहीं हेमा अभी बेटी के फैसले पर कुछ कॉमेंट नहीं करना चाहती हैं. यह ईशा की लाइफ और उनका फैसला है और वह बीच में नहीं आना चाहती हैं. वह बेटी के साथ हैं.

लोग कहते हैं, ये देख कैसी दिखती है, वो देख इसके शरीर का ये हिस्सा कैसा है?

पांच साल हो गए अभिनेत्री भूमि पेडनेकर को अपनी पिछली हिट फिल्म 'पति, पत्नी और वो' दिए। तब से उनकी 11 फिल्में रिलीज हो चुकी हैं, लेकिन जिस तरह की फिल्में भूमि की शख्सियत पर फबती हैं, उनकी नई फिल्म 'भक्षक' ठीक वैसी ही है। ये फिल्म सिनेमाघरों की बजाय सीधे ओटीटी नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो रही है। बिहार के मुजफ्फरपुर शेल्टरहोम कांड पर बनी इस फिल्म में भूमि ने एक पत्रकार की भूमिका निभाई है।

परिपूर्ण होने में आपको कितना यकीन है?

जीवन में किसी कौशल में परिपूर्ण होना क्या होता है, मुझे नहीं पता क्योंकि मैंने अभी तक ये पाया नहीं है। मुझे लगता है कि जीवन में अपूर्ण होना भी बहुत ही सुंदर होता है। मैं जानती हूं कि ये कुछ कुछ कविता कहने जैसा है लेकिन सच में मेरा यकीन है इसमें।

मैं ये भी जानती हूं कि मेरे शरीर सौष्ठव को लेकर सोशल मीडिया पर खूब मीम्स बनते हैं। लोग कहते हैं, कि ये देख कैसी दिखती है, वो देख, इसके शरीर का ये हिस्सा कैसा है? मैं कोशिश करती हूं कि इन सब बातों से मेरे मानसिक स्वास्थ्य पर असर न पड़े लेकिन फिर सच ये भी है कि मिनट, दो मिनट के लिए ही सही पर असर तो होता ही है।

कैमरा मेरा सबसे सच्चा साथी है। जब मैं कैमरे के आगे होती हूं न, तो मुझे लगता है कि सबसे सुरक्षित स्थान मेरे जीवन में यही है। ये मेरे लिए मुक्ति का माध्यम है। ये इसलिए भी हो सकता है कि जो किरदार मैं कर रही हूं, वह मैं हूं नहीं। लेकिन, मेरी अभिनय यात्रा ने मुझे खुद को स्वीकारने में बहुत मदद की है।

मेरी तो सबको यही सलाह रहती है कि खुद को खुश रखना बहुत जरूरी है। खुद को खुश नहीं रखोगे तो आसपास कोई खुश नहीं होगा। और, ये जो काम का दबाव है ये तो हमेशा बढ़ता ही रहेगा। छोटी छोटी जीत ही हमारी खुशियां बनती हैं और हमारी खुशियां ही हमारे चेहरे की आभा बन जाती हैं।

साई पल्लवी के साथ जापान में शूटिंग कर रहे आमिर खान के बेटे जुनैद

आमिर खान के बेटे जुनैद इसी साल बॉलीवुड में डेब्यू करने वाले हैं, साथ ही वह अपनी दूसरी फिल्म की शूटिंग भी कर रहे हैं, जिसमें उनके साथ साई पल्लवी हैं। इस फिल्म की शूटिंग जापान में चल रही है, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। आमिर खान के बड़े बेटे जुनैद खान जल्द ही बॉलीवुड में डेब्यू करने वाले हैं। वह आदित्य चोपड़ा की फिल्म 'महाराज' के साथ एक्टिंग की दुनिया में कदम रख रहे हैं। ये फिल्म 2024 में बड़े पर्दे पर रिलीज होगी। पहली फिल्म के साथ-साथ वह अपनी दूसरी फिल्म की शूटिंग में भी व्यस्त हैं, जिसमें उनके साथ साउथ एक्ट्रेस साई पल्लवी नजर आने वाली हैं। फिल्म के सेट की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं, जिसमें दोनों साथ नजर आ रहे हैं।

फिल्म की शूटिंग की तस्वीरें जापान के साप्पोरो स्नो फेस्टिवल के दौरान की है। तस्वीरों में जुनैद डार्क ब्राउन वुलेन कोट, ईयरमफ्स और चश्मा लगाए नजर आ रहे हैं। वहीं साई ने ब्लैक चेक्स प्रिंट का वुलन कोट पहना है। तस्वीरों में दोनों को व्यस्त देखा जा सकता है।

फिल्म का प्रोडक्शन आमिर खान ने किया है।इसका निर्देशन सिद्धार्थ पी मल्होत्रा ने किया है, जो रानी मुखर्जी अभिनीत फिल्म 'हिचकी' के निर्देशन के लिए जाने जाते हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो ये एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म है, जिसमें आमिर के बेटे साउथ एक्ट्रेस साई पल्लवी के साथ प्यार फरमाते नजर आएंगे।

जुनैद की डेब्यू फिल्म 'महाराज' की बात करें तो वो फिल्म 1862 के कुख्यात महाराजा लिबेल केस की कहानी पर आधारित है। रिपोर्ट्स के मुताबिक जुनैद इस फिल्म में एक पत्रकार का किरदार निभा रहे हैं, जो कोर्ट रूम ड्रामा के विरोधी पक्ष में है। फिल्म की टीम ने अक्टूबर 2023 में अपना शूटिंग शेड्यूल पूरा कर लिया था, इसकी पुष्टि शालिनी पांडे ने की, जो इस फिल्म में अहम भूमिका निभा रही हैं।

उन्होंने अपने इंटरव्यू में जुनैद के साथ काम करने के अनुभव को भी साझा किया था।

उन्होंने कहा था,"जुनैद बहुत ही सहज और जिंदादिल इंसान हैं। वह साथ काम करने के लिए एक अच्छे को-एक्टर हैं। मुझे उनके साथ काम करके बहुत मजा आया। हम एक ही उम्र के हैं, इसलिए शूटिंग के दौरान हमने खूब मस्ती की। महाराज उनकी पहले कुछ प्रोजेक्ट्स में से एक है और मेरी भी। इसीलिए सेट पर हमारी एनर्जी बिल्कुल एक जैसी थी।"

दीप्ति नवल की बेटी क्यों बोलीं- 'अभी भी बच्चे हैं नाना पाटेकर'

फिल्म निर्माता प्रकाश झा और एक्ट्रेस दीप्ति नवल की बेटी दिशा झा ने दिग्गज एक्टर नाना पाटेकर के साथ काम करने का अपना एक्सपीरियंस शेयर किया है. उन्होंने बताया कि नाना ने टीम के लिए बहुत शौक से मटन बनाया. बता दें कि दिशा वेब सीरीज 'संकल्प' सीरीज के साथ प्रोड्यूसर के तौर पर ओटीटी प्लेटफॉर्म पर अपनी शुरुआत कर रही हैं. दिशा ने फिल्मों में अपने करियर की शुरुआत 'राजनीति' से की थी. इस फिल्म में उन्होंने कॉस्ट्यूम असिस्टेंट के तौर पर काम किया था. उन्होंने इससे पहले 'फ्रॉड सैंया' को प्रोड्यूस किया था.

दिशा झा ने कहा कि नाना पाटेकर उनके गार्जियन की तरह हैं. जब वह पैदा हुई थीं तो नाना उन्हें देखने वाले पहले लोगों में से एक थे. पुरानी यादों के बारे में बात करते हुए दिशा ने कहा, "'राजनीति' में उनके साथ काम करना एक अलग एक्सपीरियंस था, क्योंकि मैं तब एक कॉस्ट्यूम असिस्टेंट थी. उस वक्त मेरा काम कॉस्ट्यूम को कैरी करने का स्टाइल, चश्मे को पकड़ने के तरीके, अंगरखा किस तरह था जैसी चीजों को लेकर सावधान रहना था."

वेब सीरीज 'संकल्प' में नाना पाटेकर

दिशा झा ने एक फिल्ममेकर के तौर पर 'संकल्प' में नाना पाटेकर के साथ दोबारा काम करने के अपने एक्सपीरियंस के बारे में बात की. उन्होंने कहा, "वह दिल से अभी भी बच्चे है, उन्हें लोगों के बीच रहना पसंद है. मैं शायद ही उन्हें अपनी वैनिटी में वापस जाते देखती हूं. वह सेट पर सबके साथ खाना खाते थे और हमेशा चेक करते थे कि स्पॉट बॉय सहित सभी ने खाना खा लिया है या नहीं."

टीम और को-एक्टर्स को लाकर खिलाते थे मटन

दिशा झा ने आगे कहा, "उन्हें एडी के साथ बैठना और हंसी-मजाक करना पसंद था. उन्हें अपना खाना बहुत पसंद था. उन्हें खाना पकाने में भी मजा आता था. वह मटन को बहुत शौक से पकाते थे और वह इसे अक्सर पूरी टीम, एडी, टेक्निशियन और को-स्टार्स के लिए बनाते थे."

दिशा झा ने आगे कहा, "मेरे लिए, उन एक्टर्स के साथ काम करना हमेशा खुशी की बात है जिनके आसपास मैं बड़ी हुई हूं. यह बिल्कुल भी काम जैसा नहीं लगता. हमने नाना सर के साथ लगभग 30 दिनों तक शूटिंग की, हमने इतना आनंद लिया कि समय बीतता गया और इससे पहले कि हमें पता चलता, वह शेड्यूल खत्म होने पर सेट छोड़ रहे थे."

ऋतिक रोशन की मांसपेशियों में आया खिंचाव : बैसाखी के सहारे खड़े होकर शेयर की तस्वीर, सेलेब्स और फैंस हुए हैरान

ऋतिक रोशन ने अपने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर की है। शेयर की गई फोटो में ऋतिक बैसाखी के सहारे खड़े नजर आ रहे हैं। ऋतिक की ये तस्वीर देखकर उनके फैंस हैरान हो गए हैं। पोस्ट शेयर करते हुए उन्होंने लिखा- गुड आफ्टरनूनआप लोगों में कितने लोगों को कभी बैसाखी या व्हीलचेयर की जरुरत पड़ी है। इसके सहारे रहने में कैसा महसूस हुआ? ऋतिक ने आगे लिखा- एक बार उनके दादा जी ने एयरपोर्ट पर व्हीलचेयर लेने से मना कर दिया था। क्योंकि वो लोगों के सामने खुद को कमजोर नहीं दिखाना चाहते थे।

मुझे याद है मैंने उनसे कहा था, दादा जी, ये सिर्फ एक चोट है और इसका आपकी उम्र से कोई लेना-देना नहीं है! ये चोट को ठीक करने में आपकी मदद करेगा। ये देखकर मुझे बहुत दुख हुआ कि अंदर के डर और शर्मिंदगी को छिपाने के लिए उन्हें कितना मजबूत होना पड़ा था। मैं इसका मतलब नहीं समझ पाया। इससे दादा जी का दर्द बढ़ गया और इलाज में देरी भी हुई।

एक्टर ने बताया कि उनके पिता राकेश रोशन ने भी दादा जी से यही सीखा है। लेकिन पिता राकेश का मानना है कि जरुरत पड़ने पर भी मदद ना लेना बेवकूफी है। एक्टर ने लिखा- अगर आप कहते हैं कि सैनिकों को बैसाखियों की कभी जरूरत नहीं होती और जब मेडिकल रूप से पड़ती भी है, तो उन्हें मना कर देना चाहिए, सिर्फ मजबूत होने का दिखावा करने के लिए। मेरे हिसाब से ये केवल एक मुर्खता है। मेरा मानना है कि सच्ची ताकत आराम, संयम और पूरी तरह से जागरूक होने में है। सभी समस्याओं के बावजूद हमेशा मशीन गन के साथ 'भाड़ में जाओ!' कहने वाला रेम्बो होना ही ताकत नहीं है।

इसके आगे ऋतिक ने बताया कि उन्हें क्या हुआ है।

दरअसल, मंगलवार को उनकी मसल्स में खिंचाव आ गया था। खिंचाव के चलते उन्हें काफी तकलीफ हो रही है और ठीक से खड़े भी नहीं हो पा रहे हैं। सुबह उठने के बाद उन्हें अपने दादा जी की ये बात याद आई, जिसे उन्होंने अपने फैंस के साथ शेयर की। ऋतिक के फैंस उनके लिए अपनी चिंता जाहिर कर रहे हैं। कई सेलेब्स भी उनके जल्दी ठीक होने की कामना कर रहे हैं। एक्टर के पोस्ट शेयर करने के बाद उनके फैंस काफी परेशान हो गए हैं। उनके चाहने वालों उनके जल्दी ठीक होने की कामना कर रहे हैं। ऋतिक रोशन की फिल्म फाइटर अभी भी सिनेमाघरों में चल रही है। दुनियाभर में 300 करोड़ से ज्यादा का कारोबार करने वाली एक्टर की इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर करीब 200 करोड़ का शानदार कलेक्शन कर लिया है।

कोलकाता में हिना खान के साथ नजर आए मुनव्वर फारूकी, तस्वीरें हो रहीं वायरल

'बिग बॉस 17' खत्म होते ही कंटेस्टेंट्स को एक से बढ़कर एक प्रोजेक्ट मिल रहे हैं। मन्नारा चोपड़ा और अभिषेक कुमार को साथ में म्यूजिक वीडियो में काम करने का मौका मिला। अंकिता लोखंडे को रणदीप हुड्डा के साथ फिल्म में काम करने का मौका मिला और अब शो के विनर मुनव्वर फारूकी भी हिना खान के साथ अपकमिंग प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं।

मुनव्वर फारूकी और हिना खान साथ में एक म्यूजिक वीडियो में नजर आने वाले हैं, जिसकी शूटिंग कोलकाता में चल रही है। दोनों की साथ में कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। जिसमें हिना बंगाली लुक में दिख रही हैं और मुनव्वर कैजुअल आउटफिट में हैं।

फैंस उन्हें एक साथ देखकर काफी एक्साइटेड हैं और उनके इस गाने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर उनका हैशटैग भी बन गया है जो है #MuHin और उनकी जोड़ी को भी काफी पसंद किया जा रहा है। हालांकि इस गाने के बारे में अभी तक किसी को पता नहीं चल पाया है।

मुनव्वर फारूकी और हिना खान दोनों ही 'बिग बॉस' के शो का हिस्सा रह चुके हैं। हिना खान 'बिग बॉस 11' का हिस्सा थीं और रनरअप भी रहीं। जबकि मुनव्वर फारूकी शो के 17 वें सीजन के विजेता हैं। दोनों ने ही अपने-अपने सीजन में खूब सुर्खियां बटोरी हैं। मुनव्वर ने 'बिग बॉस' से पहले एकता कपूर का शो 'लॉकअप' जीता था, जिसे कंगना रनौत होस्ट किया करती थी। दोनों शो में मुनव्वर की पर्सनल लाइफ काफी चर्चा में रही। लेकिन 'बिग बॉस 17' में उन्हें वुमनाइजर का टैग तक मिल गया।

इंडियन एक्सप्रेस के साथ बात करते हुए मुनव्वर ने कहा था कि BB की ट्रॉफी की उन्हें बड़ी कीमत चुकानी पड़ी है। शो में उन्हें धोखेबाज घोषित कर दिया गया, उन्हें कहा गया कि वह लड़कियों की भावनाओं के साथ खेलते हैं। शो में वाइल्ड कार्ड एंट्री बनकर आईं आयशा ने उनपर कई गंभीर आरोप लगाये थे।

बॉबी देओल ने डायरेक्टर विधु विनोद चोपड़ा फिल्म 'करीब' का हैरान कर देने वाला किस्सा शेयर किया

बॉबी देओल ने एक इंटरव्यू में बताया कि डायरेक्टर विधु विनोद चोपड़ा ने फिल्म 'करीब' के एक सीन को शूट करते वक्त असल में एक्ट्रेस नेहा का हाथ काट लिया था। नेहा ये देखकर बहुत घबरा गईं और कांपने लगी थीं। डायरेक्टर विधु विनोद चोपड़ा की पिछले साल रिलीज हुई फिल्म '12th फेल' अभी भी सुर्खियों में बनी हुई है। ऐसे में बॉबी देओल ने डायरेक्टर के बारे में एक किस्सा शेयर किया। फिल्मफेयर को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा था- विधु विनोद चोपड़ा ने नेहा को दिल्ली में देखा था। वो उस दौरान एक्टिंग में बहुत कच्ची थीं क्योंकि 'करीब' उनकी पहली फीचर फिल्म थी। डायरेक्टर हमेशा उन पर चिल्लाते थे, जिसकी वजह से नेहा परेशान भी हो जाती थीं। यकीनन नेहा को डायरेक्टर ने 'कठिन समय' दिया था।

हां, जहां तक मेरी बात है, 'करीब' मेरी तीसरी फिल्म थी। इस वजह से मैं फिल्म करते वक्त थोड़ा सेटल महसूस करने लगा था। लेकिन नेहा के साथ ऐसा नहीं था। मैं मानता हूं कि शायद मेरे पिता धर्मेंद्र की वजह से कभी किसी ने मेरे ऊपर चिल्लाया नहीं।

घबराहट की वजह से नेहा कांपने लगी थीं

बॉबी ने आगे बताया कि कैसे डायरेक्टर ने एक सीन में नेहा का हाथ काट लिया था, ताकि उन्हें याद रहे कि उन्हें किस सीन में कौन सा हाथ आगे बढ़ाना है। एक

सीन में नेहा को पहाड़ से नीचे आना था और मुझे अपना बायां हाथ उनकी ओर बढ़ाना था। लेकिन नेहा उलझती रहीं। जब बार-बार कोशिश करने के बाद भी वो इसे ठीक नहीं कर पाई, तो डायरेक्टर ने नेहा को उनका दाहिना हाथ काटने के लिए कहा। हालांकि नेहा ने ऐसा किया लेकिन अगले टेक में वो फिर भी गलती कर बैठीं।

20 टेक के बाद डायरेक्टर विधु ने अपना आपा खो दिया। आप जानते हैं कि उन्होंने तब क्या किया? डायरेक्टर ने नेहा के दाहिने हाथ पर काट लिया। ये देखकर मैं काफी हैरान हो गया। बॉबी ने कहा कि जब ये सब हुआ तो नेहा शॉक में चली गई थीं। वास्तव में वो डर के मारे कांपने लगी थीं।

नेहा का असल नाम शबाना है

नेहा ने इस किस्से के बारे में कभी बात नहीं की। एक पुराने इंटरव्यू में उन्होंने ये बताया था कि कैसे उनका नाम जबरन शबाना से बदलकर नेहा कर दिया गया था। 2008 में रेडिफ से बात करते हुए उन्होंने कहा था- मैं कभी नेहा नहीं थी। मैं हमेशा शबाना थी। मुझे अपना नाम बदलने के लिए मजबूर किया गया था। मेरे माता-पिता ने गर्व से मेरा नाम शबाना रखा है। इसे बदलने की कोई जरूरत नहीं थी, लेकिन किसी ने मेरी बात नहीं सुनी थी। उन्होंने ये भी बताया कि वे फिल्मों में एक्टिंग करने के लिए एक्साइटेड नहीं थीं। लेकिन, चूंकि 'करीब' के मेकर्स उन्हें कास्ट करना चाहते थे, इसलिए नेहा ने एक्टिंग में अपना हाथ आजमाया।

मनोज बाजपेयी ने पहली बार नेहा को 1998 में एक बॉलीवुड पार्टी में देखा था। उन्हें नेहा को देखते ही प्यार हो गया था। नेहा की सादगी ने पहली नजर में ही मनोज बाजपेयी का दिल जीत लिया था। फिर दोनों ने कुछ सालों तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद 2006 में शादी की। कपल की एक बेटी भी है।

थियेटर में मचेगा बवाल, हड़कंप मचाने आ रही है 'लव सेक्स और धोखा 2', एकता कपूर ने बताई रिलीज डेट

वैलेंटाइन डे के मौके फिल्म मेकर एकता कपूर ने अपने फैंस को जबरदस्त तोहफा दिया है. उन्होंन अपनी अपकमिंग वेब सीरीज 'लव सेक्स और धोखा 2' की रिलीज डेट का खुलासा कर अपने चाहने वालों को खुश कर दिया है. एकता के पोस्ट के अनुसार यह सिरीज इसी साल अप्रैल में रिलीज होगी. यह बालाजी मोशन पिक्चर्स के बैनर तले बन रही है.'लव सेक्स और धोखा -2' मोशन पोस्टर शेयर करते हुए एकता ने लिखा, ये वैलेंटाइन डे नहीं आसान बस इतना समझ लीजिए, लव, सेक्स और धोखा का दरिया और डूब के जाना है. इसके साथ ही उन्होंने बताया है कि यह 19 अप्रैल को रिलीज होने वाली है. मोशन पोस्टर की बात करें तो, एक धड़क रहे एक बड़े से दिल में कई सारे छोटे-छोटे दिल, व्हाट्सऐप आइकन, लाइक आइकन को दिखाया गया है.

बता दें कि 'लव, सेक्स और धोखा' का पहला पार्ट साल 2010 में रिलीज हुई थी. इस मूवी में राजकुमार राव ने एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था. अब 14 साल बाद यह फिर दर्शकों का मनोरंजन करने आ रही हैं. 'लव, सेक्स और धोखा 2' रिश्तों में आने वाली मुश्किलों को दिखाती है. और इंटरनेट के जमाने में मॉडर्न लव के छिपे पहलुओं को उजागर करती है.

बेटी श्वेता को नहीं पसंद मां जया बच्चन की ये आदत, बोलीं- मम्मा की सबसे बुरी बात

जया बच्चन और श्वेता बच्चन हाल ही में नव्या नवेली नंदा के पॉडकास्ट दूसरे सीजन के दूसरे एपिसोड का हिस्सा बनने वाले हैं। इसका प्रोमो आ चुका है, जिसमें देखा तीनों को हेयर और स्किन केयर रूटीन के बारे में बात करते देखा दिखाया गया।

नए प्रोमो में श्वेता ने अपनी मां जया को उनकी सबसे खराब आदत के बारे में याद दिलाया। उन्होंने याद दिलाया कि उनकी मां बालों की देखभाल के लिए क्या किया करती थीं। श्वेता ने कहा,"ममा सबसे खराब चीज थी जब आप प्याज का जूस इस्तेमाल किया करती थीं।"

श्वेता की बात सुनकर जया ने सिर हिलाते हुए सहमति जताई।

फिर श्वेता ने आगे कहा, "मैं सामने के दरवाजे से इसकी गंध महसूस कर सकती थी।" श्वेता ने ये भी कहा कि वह एक बच्चे की तरह सोती है। इसपर नव्या ने बताया कि वह कभी भी अच्छी नींद नहीं ले पाती हैं, जिस पर जया बताती है कि ऐसा केवल इसलिए होता है क्योंकि वह हमेशा अगले दिन के बारे में चिंतित रहती हैं।

इस एपिसोड का टाइटल है ब्यूटी सिक्रेट्स फॉर द एजेज। नव्या ने प्रोमो अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर किया है, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा है,"ढेर सारी हंसी प्यार और कल के खास एपिसोड में आप सभी के लिए सेहत का पाठ। इसे मिस मत करना।"

इस सीजन के पहले एपिसोड में जया बच्चन ने नव्या के साथ बातचीत में रिश्तों के बारे में अपनी राय दी थी। उन्होंने कहा था कि रिश्ते में तू तुम करके बात नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा था,"बुरा व्यवहार एक बड़ा रेड फ्लैग होता है। एक चीज जो मुझे वास्तव में नापसंद है वह यह है कि जब लोग 'तू' और 'तुम' कहते हैं, चाहे वह किसी के भी साथ क्यों न हो। क्या आपने कभी मुझे अपने नानाजी से 'तुम' का इस्तेमाल करते हुए बात करते हुए सुना है? मुझे लगता है कि इन चीजों के लिए एफर्ट्स की जरूरत होती है, जो आपकी पीढ़ी नहीं करती है। जब तक आप किसी का सम्मान नहीं करेंगे, तब तक प्यार नहीं होगा। सीमाएं बहुत महत्वपूर्ण हैं।"

दो शादियों के बाद भी तन्हा गुजारी जिंदगी, अब 72 साल की उम्र में किसे डेट कर रहीं जीनत अमान?

बॉलीवुड एक्ट्रेस जीनत अमान अपनी बेहतरीन अदायगी के लिए जानी जाती हैं। 70-80 के दशक में जीनत अमान स्क्रीन पर राज करती थीं। ना केवल एक्टिंग बल्कि अपनी खूबसूरती और बोल्डनेस को लेकर भी खूब सुर्खियों में रही हैं। प्रोफेशनल लाइफ के साथ-साथ वो निजी जिंदगी को लेकर भी काफी चर्चा में रही हैं। ऐसे में अब 72 साल की जीनत अमान पर्दे से दूर हैं मगर वो खुद से जुड़े किस्से और कहानियां शेयर करती रहती हैं। इसी बीच उन्होंने फैंस को प्यार और रिलेशनशिप को लेकर फैंस को एडवाइस दी है। उन्होंने ये भी बताया कि अब वो किसे डेट कर रही हैं। चलिए बताते हैं एक्ट्रेस की निजी जिंदगी के बारे में

दरअसल, जीनत अमान ने वैलेंटाइन्स डे के मौके पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। इसे शेयर करने के साथ ही उन्होंने लिखा, 'मेरे जैसा अकेला पंछी प्यार के बारे में क्या ही जान सकता है। सच कहा जाए तो मैं फैसला ही नहीं कर पा रही हूं कि ये शानदार है या बेवकूफी कि आपने मुझसे ये कैप्शन लिखने के लिए कहा। मैं इसे खुद के लिए शानदार बात समझती हूं। मैं केवल यही कहना चाहती हूं कि विफलता और सफलता से बेहतर शिक्षक होती है। इसलिए मैं केवल एक या दो सलाह ही शेयर करने की स्थिति में हूं।'

इसके साथ ही उन्होंने पोस्ट में आगे लिखा कि अगर फैमिली जाति, वर्ग, धर्म, लिंग या ऐसे किसी अन्य चीजों को लेकर रिश्ते का विरोध करती है तो उन्हें चुनौती दें। साथ ही एक्ट्रेस उनकी बातों को भी सुनने के लिए कहती हैं। वो कहती हैं कि अक्सर परिवार उस चीज को अलग नजरिए से देखती है। जीनत अमान पछतावा जताते हुए लिखती हैं कि उनकी जिंदगी में कई ऐसे मौके आए जब उन्हें लगा कि काश कि एक्ट्रेस ने अपनी मां की बात सुनी होती। वहीं, एक्ट्रेस किसी को डेट करने को लेकर सलाह देते हुए लिखती हैं कि शुरुआती दिनों में रिश्ते थोड़े मुश्किल होते हैं और ये आपकी समझ से दूर रखते हैं। उनका मानना है कि रिश्ते आमतौर पर मोह और वासना के तौर पर होते हैं। इसे उन्होंने प्यार समझने की गलती ना करने की बात कही है।

इसके अलावा जीनत अमान ने अपनी निजी जिंदगी में डेट करने की बात को लेकर कहा कि वो अब खुद को डेट कर रही हैं। वो बताती हैं कि एक्ट्रेस खुद के लिए वो सारी

चीजें करती हैं, जो एक प्यार करने वाला और लॉन्ग टर्म पार्टनर करता है। जीनत ने आगे कहा कि अगर किसी को प्यार करने वाला इंसान ना मिले तो आप खुद से प्यार कर सकते हैं, जिसके आप हकदार हैं। ये किसी के लिए भी काफी होगा। इस पर लोग जमकर कमेंट्स कर रहे हैं और उनकी पोस्ट को खूब लाइक भी कर रहे हैं।

दो शादी के बाद भी झेली तन्हाई आपको बता दें कि जीनत अमान को लेकर कहा जाता है कि उन्होंने दो शादियां की फिर भी हमेशा तन्हा रहीं। उन्हें हमेशा ही सच्चे प्यार की तलाश रही है। एक्ट्रेस 1971 में फिल्म 'हरे रामा हरे कृष्णा' से सेंसेशन बन गई थीं। एक्टिंग ही नहीं बल्कि उनकी खूबसूरती के भी लोग दीवाने हो गए थे। ऐसे में उनके अफेयर के चर्चे भी खूब रहे हैं। उनके और संजय कान के प्यार के चर्चे खूब रहे हैं। कहा जाता है कि दोनों ने 1978 में शादी भी कर ली थी। लेकिन, समय के बाद ही इनके झगड़े शुरू हो गए थे। जबकि, संजय खान पहले से ही शादीशुदा और चार बच्चों के पिता थे। हालांकि, इनका रिश्ता कुछ समय के बाद ही टूट गया था।

संजय खान से अलग होने के बाद बताया जाता है कि एक्ट्रेस ने मजहर खान से शादी की थी। उनसे 1985 में शादी की थी और इनसे उनके दो बच्चे भी हुए। मगर एक समय के बाद रिश्ते में खटास आ गई थी। झगड़े शुरू हो गए। एक बार फिर से उन्होंने पति से अलग होने का फैसला किया मगर किस्मत को कुछ और ही मंजूर था और मजहर खान का निधन हो गया। इस तरह एक्ट्रेस दो शादियों के भी अकेली रहीं।

'भूल भुलैया 3' में नजर आएंगे अक्षय कुमार?

हॉरर कॉमेडी 'भूल भुलैया' का तीसरा पार्ट आने वाला है। इस पार्ट में भी दूसरे पार्ट की तरह कार्तिक आर्यन लीड रोल निभा रहे हैं। कमाल की बात ये है कि इस बार असली मंजोलिका यानी विद्या बालन भी लौटने वाली हैं। कार्तिक आर्यन ने इंस्टाग्राम पर विद्या की वापसी का ऐलान उनके मंजोलिका रूप वाले वीडियो के साथ किया। पहले पार्ट के बाद अक्षय कुमार की जगह कार्तिक आर्यन नजर आ रहे हैं, इसपर पहली बार फिल्म के डायरेक्टर अनीस बज्मी ने चुप्पी तोड़ी है।

दरअसल विद्या बालन की वापसी की खबर के बाद फैंस अक्षय कुमार को भी इस फिल्म में देखने की डिमांड कर रहे हैं। हाल ही में इसके बारे में बात करते हुए 'भूल भुलैया' के डायरेक्टर अनीस बाज्मी ने बात की है। उन्होंने कहा कि वह अक्षय के साथ काम करने के लिए बेताब हैं, लेकिन वह 'भूल भुलैया 3' का हिस्सा नहीं हैं।

जूम के साथ बात करते हुए बाज्मी ने कहा,"नहीं अक्षय 'भूल भुलैया 3' का हिस्सा नहीं हैं। मैं उनके साथ काम करने के लिए बेताब हूं, लेकिन अफसोस मैं ऐसी किसी फिल्म की स्क्रिप्ट नहीं

लिख पाया हूं जहां हम साथ काम कर सकें। भविष्य में, निश्चित रूप से हां।"

विद्या की वापसी को लेकर बाज्मी ने कहा,"देखो, विद्या तीन दिन के लिए फिल्म में काम करने को मान गईं। मुझे याद है मैंने उन्हें कॉल किया था और वो कह रही थीं कि उनके पास टाइम नहीं है। मुझे नहीं पता क्यों लेकिन मैं कभी उनका ये दयालु भाव कभी नहीं भूल सकता। यह सब वहीं से शुरू हुआ और आज मैं यहां हूं, सेट पर जाने के लिए तैयार हूं।" इस दौरान अनीस ने बताया कि फिल्म की शूटिंग मार्च में शुरू हो रही है, लेकिन इसके लिए कोई डेट फाइनल नहीं हो पाई है।

फिल्म का पहला पार्ट 'भूल भुलैया' साल 2007 में आया था, इसमें अक्षय कुमार, विद्या बालन और शाहीनी अहुजा अहम किरदार में नजर आए थे। इसके बाद फिल्म का दूसरा पार्ट साल 2022 में रिलीज किया गया, लेकिन इस बार स्टार कास्ट बदला हुआ था। इस पार्ट में अक्षय कुमार की जगह कार्तिक आर्यन और विद्या बालन की जगह कियारा आडवाणी थीं। इनके अलावा तब्बू का इस फिल्म में अहम किरदार था।

सेंसेक्स 227 अंक बढ़कर 72,050 पर बंद, निफ्टी में भी 70 अंक की तेजी रही

मुंबई, 15 फरवरी (एजेंसियां)। शेयर बाजार में आज यानी गुरुवार (15 फरवरी) को तेजी देखने को मिली है। सेंसेक्स 227 अंक की बढ़ोतरी के साथ 72,050 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 70 अंक की तेजी रही, ये 21,910 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 16 में तेजी और 14 में गिरावट रही। पेटीएम के शेयर में 5% की गिरावट देखने को मिली है। पेटीएम के लोअर सर्किट को 10% से घटाकर 5% कर दिया है। वहीं मजबूत रिजल्ट के बाद महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर में आज 6.81% की तेजी देखने को मिली है।

21 फरवरी से जुनिपर होटल्स के आईपीओ में निवेश का मौका

लग्जरी होटल बनाने वाली जुनिपर होटल्स का आईपीओ 21 फरवरी को खुलेगा। इसमें 23 फरवरी तक पैसा लगाने का मौका मिलेगा। आईपीओ के लिए 342-360 रुपए प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है। आईपीओ के लिए लॉट साइज 40 शेयरों का है यानी कि आईपीओ के अपर प्राइस बैंड के हिसाब से खुदरा निवेशकों को कम से कम 14,400 रुपए निवेश करने होंगे। कंपनी इस आईपीओ के जरिए 1800 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है।

कल बाजार में रही थी तेजी

इससे पहले कल यानी बुधवार 14 फरवरी को शेयर बाजार में बढ़त देखने को मिली थी। सेंसेक्स 267 अंक की गिरावट के साथ 71,822 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी में भी 96 अंक की बढ़त रही, ये 21,840 के स्तर पर बंद हुआ था। पेटीएम के शेयर में कल 10% की गिरावट रही थी।

सोना 80 रुपए फिसला, चांदी 600 रुपये मजबूत

नई दिल्ली, 15 फरवरी (एजेंसियां)।वैश्विक बाजारों में बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में गिरावट के बीच दिल्ली सर्राफा बाजार में गुरुवार को सोने का भाव 80 रुपये की गिरावट के साथ 62,270 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 62,350 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। हालांकि, इस दौरान चांदी 600 रुपये की तेजी के साथ 74,600 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई, जबकि पिछले कारोबारी सत्र में यह 74,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा, "दिल्ली के बाजारों में 24 कैरेट सोने की हाजिर कीमत 80 रुपये की गिरावट के साथ 62,270 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई।₹ अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कॉमेक्स पर सोने का हाजिर भाव दो डॉलर की गिरावट के साथ 1,993 डॉलर प्रति औंस रह गया। हालांकि, चांदी का भाव 22.50 डॉलर प्रति औंस हो गया जबकि पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 21.97 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुई थी।

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (कमोडिटी रिसर्च) नवनीत दमानी ने कहा कि अमेरिकी उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) के आंकड़े उम्मीद से अधिक रहने के कारण निवेशकों को लग रहा है कि फेडरल रिजर्व ब्याज दरों में कटौती में देरी कर सकता है। इस कारण सोना 2,000 डॉलर के स्तर से नीचे बना हुआ है।

केंद्र ने डेयरी क्षेत्र में विकास को बढ़ावा देने को 29,610 करोड़ की योजना शुरू की

नई दिल्ली, 15 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री परषोत्तम रूपाला ने बुधवार को 29,610 करोड़ रुपये की पशुपालन बुनियादी ढांचा विकास निधि (एएचआईडीएफ) योजना शुरू की। मंत्री ने कहा कि कोविड काल के दौरान शुरू की गई योजना को नया स्वरूप दिया गया है। इसे अगले 3 वर्षों के लिए लागू किया जाएगा। उद्योग, किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) और डेयरी सहकारी समितियों को इस योजना से लाभ होगा] क्योंकि परिव्यय पहले के 15,000 करोड़ रुपये से दोगुना होकर 29,610 करोड़ रुपये हो गया है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 1 फरवरी को अपनी बैठक में 29,610 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फंड के तहत एएचआईडीएफ के पुनर्गठन को मंजूरी दे दी, जो डेयरी इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फंड के तहत आवंटित 15,000 करोड़ रुपये से लगभग दोगुना है, जिसे योजना में शामिल किया गया है। डेयरी सहकारी समितियों को अब एएचआईडीएफ के तहत डीआईडीएफ में मिलने वाली 2.5 प्रतिशत की बजाय 3 प्रतिशत की ब्याज छूट का लाभ मिलेगा। डेयरी सहकारी को एएचआईडीएफ के क्रेडिट गारंटी फंड के तहत क्रेडिट गारंटी सहायता भी मिलेगी। मंत्री ने कहा कि यह योजना डेयरी सहकारी समितियों को अद्यतन प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी के साथ अपने प्रसंस्करण बुनियादी ढांचे को अपग्रेड करने में मदद करेगी। इससे देश में बड़ी संख्या में दूध उत्पादकों को फायदा होगा। बुधवार को उद्घाटन समारोह में उद्योग संघ, एनडीडीबी, डेयरी सहकारी समितियां, एफपीओ और पूर्वोत्तर राज्यों के अधिकारी मौजूद थे। बातचीत के दौरान पात्र संस्थाओं में से एक, एबीआईएस एक्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड ने पशुधन क्षेत्र में बुनियादी ढांचा बनाने में योजना की भूमिका की सराहना की और कहा कि वे बुनियादी ढांचे के निर्माण में 2,000 करोड़ रुपये का निवेश करेंगे।

योजना की मुख्य बातें...

1- क्रेडिट गारंटी टर्म लोन के 25 प्रतिशत तक कवर करती है।

2- ऋण राशि की कोई सीमा नहीं है।

3- अनुमानित/वास्तविक परियोजना लागत का 90 प्रतिशत तक ऋण।

4- अन्य मंत्रालयों या राज्य स्तरीय योजनाओं की पूंजीगत सब्सिडी योजनाओं के साथ तालमेल बिठाना।

रिजर्व बैंक ने केवाईसी के अनुपालन पर जताई चिंता, वीजा-मास्टरकार्ड से इन भुगतानों को रोकने के लिए कहा

नई दिल्ली, 15 फरवरी (एजेंसियां)। आरबीआई ने मास्टरकार्ड व वीजा जैसे कार्ड नेटवर्कों को कॉरपोरेट व छोटे उद्यमों की ओर से वाणिज्यिक कार्ड से किए जाने वाले भुगतान को रोकने का निर्देश दिया है। अन्य बिजनेस आउटलेट्स पर हो रहे लेन-देन भी अस्थायी रूप से रोक दिए गए हैं, जिन्हें कार्ड भुगतान स्वीकार करने का अधिकार नहीं है। अपने ग्राहक को जानें यानी केवाईसी अनुपालन न करने वाले व्यापारियों को कार्ड के माध्यम से पैसे का भुगतान सही नहीं है। नोटिस पाने वाले एक फिनटेक स्टार्टअप के संस्थापक ने बताया, आरबीआई के इस निर्देश में वाणिज्यिक कार्डों से किए जाने वाले भुगतान को रोकने के लिए कहा गया है।

बिना मंजूरी काम कर रहे थे कार्ड नेटवर्क

जब तक फिनटेक और कार्ड नेटवर्क ने ऐसी प्रक्रिया तैयार नहीं की जिसके जरिये कारोबारी विक्रेता को कार्ड से भुगतान किया जा सके, तब तक कार्ड भुगतान का उपयोग नहीं किया जाता है। कुछ कार्ड नेटवर्क ऐसी कंपनियों के साथ काम कर रहे थे, जिन्हें आरबीआई से भुगतान एग्रीगेटर लाइसेंस की सैद्धांतिक स्वीकृति भी नहीं मिली है।

किराया व ट्यूशन फीस होंगे प्रभावित

कुछ फिनटेक किराये और ट्यूशन फीस का भुगतान भी रोक सकते हैं। यह फैसला इसलिए भी आया होगा, क्योंकि कई फिनटेक प्लेटफॉर्म ग्राहकों को ट्यूशन फीस, किराये आदि के भुगतान के लिए अपने कार्ड का उपयोग करने की मंजूरी दे रहे हैं। ये उपयोगकर्ता कार्ड के माध्यम से भुगतान स्वीकार करने के लिए अधिकृत नहीं हैं।

ईडी ने पेटीएम के अधिकारियों से की पूछताछ; दस्तावेज लिए, गड़बड़ी मिली तो फेमा के तहत होगी जांच

नई दिल्ली, 15 फरवरी (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पेटीएम पेमेंट बैंक लिमिटेड को किसी भी ग्राहक के खाते में जमा या टॉप-अप स्वीकार करने से रोकने की भारतीय रिजर्व बैंक की हालिया कार्रवाई के बाद पेटीएम के वरिष्ठ अधिकारियों से पूछताछ की और उनसे दस्तावेज जमा करवाए हैं। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, केंद्रीय एजेंसी आरबीआई द्वारा चिह्नित फिनटेक कंपनी में विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत कथित अनियमितताओं की औपचारिक जांच शुरू करने का निर्णय लेने से पहले दस्तावेजों की प्रारंभिक जांच कर रही है।

पेटीएम के अधिकारियों ने हाल ही में कुछ दस्तावेज जमा कराए हैं, जिसके बाद उनसे कुछ सवाल पूछे गए हैं। सूत्रों ने बताया कि कुछ और जानकारी मांगी गई है। सूत्रों के अनुसार अब तक किसी अनियमितता का पता नहीं चला है और उक्त कानून के तहत किसी तरह का उल्लंघन पाए जाने पर ही फेमा के तहत मामला दर्ज किया जाएगा।

सूत्रों ने बताया कि पेटीएम से जुड़े धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत कुछ समय से जांच चल रही है। पेटीएम ब्रांड के तहत वित्तीय सेवाएं देने वाली कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस और उसकी बैंकिंग इकाई पेटीएम पेमेंट्स बैंक को नोटिस जारी कर संबंधित इकाइयों के ग्राहकों के संबंध में जानकारी देने को कहा गया है। पेटीएम ने कहा कि उसकी सहयोगी पेटीएम पेमेंट बैंक विदेश से धन प्रेषण का कारोबार नहीं करती है।

उधर, पेटीएम ने एक नियामक फाइलिंग में कहा है कि वन 97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड (ओसीएल), उसकी सहायक कंपनियां और उसकी सहयोगी पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड को संबंधित संस्थाओं के साथ कारोबार करने वाले ग्राहकों के संबंध में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) सहित अधिकारियों से सूचना, दस्तावेज और स्पष्टीकरण के लिए समय-समय पर नोटिस और डिमांड प्राप्त होती रही है, और अधिकारियों को आवश्यक जानकारी, दस्तावेज और स्पष्टीकरण प्रदान किए गए हैं। पेटीएम ने कहा कि कंपनी और उसकी सहयोगी अधिकारियों को आवश्यकतानुसार जानकारी, दस्तावेज और स्पष्टीकरण प्रदान कर रहे हैं।

इस महीने की शुरुआत में प्रवर्तन निदेशालय और वित्तीय खुफिया इकाई ने आरबीआई से पेटीएम पेमेंट बैंक लिमिटेड को ग्राहक खातों में जमा या टॉप-अप स्वीकार करने से रोकने की हालिया कार्रवाई पर अपनी रिपोर्ट साझा करने को कहा था। केंद्रीय बैंक ने 31 जनवरी को उसे निर्देश दिया था कि वह 29 फरवरी के बाद किसी भी ग्राहक खातों, वॉलेट, फास्टैग और अन्य उपकरणों में जमा या टॉप-अप स्वीकार करना बंद कर दे। ईडी चीनी नियंत्रित मोबाइल फोन ऐप के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग जांच के हिस्से के रूप में पेटीएम और अन्य ऑनलाइन भुगतान वॉलेट की जांच कर रहा है, जिन्होंने कथित तौर पर इन फिनटेक प्लेटफार्मों पर बनाए गए मर्चेंट आईडी का उपयोग करके धन शोधन किया है।

वित्तीय खुफिया इकाई (एफआईयू) ने यह विश्लेषण करने के लिए आरबीआई से रिपोर्ट भी मांगी है कि क्या पेटीएम या पीपीबीएल ने पीएमएलए की धारा 13 के तहत ₹रिपोर्टिंग इकाई₹ के रूप में आवश्यक प्रक्रियाओं का पालन किया था। मनी लांड्रिंग रोधी कानून की इस धारा के तहत किसी वित्तीय संस्थान, बैंक या अन्य बाजार को एफआईयू के समक्ष अपने ग्राहकों और लाभार्थी मालिकों की पहचान को प्रमाणित करने वाले सभी लेनदेन और दस्तावेजों के रिकॉर्ड रखने के बारे में जानकारी देनी होती है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		
सूर्य-	कुंभ	में
चंद्र-	मेष	में
मंगल	मकर	में
बुध-	मकर	में
गुरु-	मेष	में
शुक्र-	मकर	में
शनि-	कुंभ	में
राहु-	मीन	में
केतु-	कन्या	में

लग्नारंभ समय		
कुंभ...	06-37	बजे
मीन...	08-15	बजे
मेष--	09-51	बजे
वृष--	11-36	बजे
मिथुन..	13-36	बजे
कर्क...	15-49	बजे
सिंह...	18-01	बजे
कन्या..	20-07	बजे
तुला.....	22-13	बजे
वृश्चिक..	00-23	बजे
धनु.....	02-37	बजे
मकर...	04-42	बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु- शिशिर
महावीर निर्वाण संवत् -2550, हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
सूर्योदय - 06-46
सूर्यास्त. - 18-14
भोग्य कति वर्ष-426876
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
तिथि- सप्तमी - 08 -54 - तक उपरान्त नवमी
मास - माघ शुक्ल पक्ष , शुक्रवार 16 February
नक्षत्र - भरणी - 08 - 46 - तक उपरान्त कृत्तिका
योग - ब्रह्म - 15 - 17 - तक उ ऐन्द्र
करण- वणिज - 08 - 54 - तक उप- विष्टि
विशेषः- अचला रथ आरोग्य सप्तमी
व्रत -त्योहार - श्री नर्मदा ज.

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 11:04 से 12:30 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चंचल	06:46 - 08:10	शुभ	रोग	18:14 - 19:50	अशुभ
लाभ	08:10 - 09:37	शुभ	काल	19:50 - 21:23	अशुभ
अमृत	09:37 - 11:04	शुभ	लाभ	21:23 - 22:57	शुभ
काल	11:04 - 12:30	अशुभ	उत्पात	22:57 - 24:30	अशुभ
शुभ	12:30 - 13:57	शुभ	शुभ	24:30 - 02:03	शुभ
रोग	13:57 - 15:24	अशुभ	अमृत.	02:03 - 03:37	शुभ
उत्पात	15:24 - 16:50	अशुभ	चंचल.	03:37 - 05:10	शुभ
चंचल.	16:50 - 18:14	शुभ	रोग.	05:10 - 06:46	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,) पुरानी और बेकार चीजों को जीवन से हटा देने का समय है । आप किसी पिछली स्थिति से महज किसी अहसान की भावना या मजबूरी के चलते चिपके हुए हैं जो अब आपको कतई पसंद नही है । आपको इसमें से बाहर आ पाना मुश्किल लग रहा था ,लेकिन आज आप इस स्थिति से बाहर आने के लायक मानसिक शक्ति जुटा पायेंगे । आपको अपने इस काम में किसी घटना से भी मदद मिलेगी ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,) आप एक साधारण आदमी हैं और इसीलिए आप संबंधों में कोई चालाकी नही करते । इससे आपको कई बार नुक्सान भी उठाना पड़ता है लेकिन यह सब अधिक समय तक नही चलेगा ,आखिर में चालाकी के स्थान पर आपकी सरलता की ही जीत होगी । अपनी संवेदनाओं को नियंत्रण में रखें । करीबियों के साथ अच्छा वक़्त बिताने की सम्भावना बनी हुई है ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,) आप अपने विस्तृत होते हुए परिवेश के बारे में बहुत अच्छा अनुभव करेंगे लेकिन आपके परिजन इसी को लेकर निराश होंगे । जो आप करना चाहते हैं ,उसके लिए स्वयम को समर्पित कर दें । पर्दे के पीछे काम न करें,आप जो भी कर रहे हैं,उसके बारे में जानने दें । अपनी जीवन में आये किसी नए दोस्त से आपको काफी लगाव का अनुभव होगा ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,) अगर किसी के साथ इन दिनों आपके सम्बन्ध सही नही हैं तो आज उनसे इस बारे में बात कर सकते हैं । उनकी भी बात ध्यानपूर्वक सुनें । सामने वाले को ना तो इतनी छूट दें की आपको रोंदकर आगे बढ़ जाए,ना ही बहुत रुखा व्यवहार करना ठीक होगा । ऑफिस में आज किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति से मुलाकात सम्भव है,सतर्क और सक्रिय रहें ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,) आज अपने अपने ही भीतर शक्ति का नया-अद्वितीय श्रोत ढूँढ लेंगे और आपको यह अनुभव होने लगेगा कि आप अपने जीवन में जिन समस्याओं से अब जूझ रहे हैं ,उनसे निपटने के लिए आपको किसी भी बाह्य मदद की जरुरत नही है । आप आसानी से खुद ही सब कर सकते हैं,इस बात का अनुभव आपको आज हो जाएगा ।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,) आपके अनिर्णय की स्थिति से बिना बात की परेशानी पैदा हो सकती है । परिवार से जुड़े और रियल एस्टेट से जुड़े हुए मुद्दों को आपको अब गंभीरता से लेने की जरुरत है ।आपको इनसे सम्बंधित कोई पत्र प्राप्त होगा । पुरानी अधूरी -अनसुलझी बातें अब आपको परेशान करेंगी और आप इन्हें सुलझाए बिना आगे नहीं बढ़ सकते ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,) अपने घर से जुडी किसी अच्छी खबर के लिए तैयार रहें । निवास स्थान में बदलाव संभव है या नया घर खरीदने की योजना को अंतिम रूप दे सकते हैं । अपनी सकारात्मक ऊर्जा का लाभ उठायें । अगर आप कुछ समय से अपने घर या इसके किसी हिस्से को को नया रूप देने के बारे में सोच रहे हैं तो यह समय इसके लिए बहुत अच्छा है ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,) आप पिछले कुछ समय से उपेक्षित महसूस कर रहे हैं लेकिन आज आप पर सबका ध्यान आएगा । लाइमलाइट आप पर रहेगी और आप आसानी से इस अवसर का लाभ उठाकर खुद को साबित कर पायेंगे । यह किसी नए दोस्त के मिलने,पुराने के सामने आने या कार्यस्थल की किसी स्थिति से सम्बंधित भी हो सकता है ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे) आज अप्रत्याशित रूप से काफी खर्च हो सकता है ।आप कोई ऐसी चीज खरीद सकते हैं जिसकी आपको जरुरत नही है लेकिन आपको अच्छी लगती है,इससे आपकी वित्तीय स्थिति काफी प्रभावित भी होगी। अपनी इस खर्च करने की प्रवृति पर नियंत्रण रखें तो दिन शांति से गुजर जाएगा । आपको आज कुछ नयी वित्तीय योजनायें भी पता चलेंगी ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी) आपको आज भावनात्मक और वित्तीय ,दोनों तरह का नुकसान हो सकता है । हालाँकि ,आप आसानी से इससे बच भी सकते हैं अगर आप उन लोगों से दूरी बना लें जो अपने फायदे के लिए आपको जबरदस्ती इन चीजों में घसीटना चाहते हैं । आज का दिन आराम से बिताएं और अपने उन घावों को भरने की कोशिश करें जों पिछली बातों से आपको मिले हैं ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,) आज आप पायेंगे कि आप कितने ही अच्छे और सही सुझाव दें,कोई आपकी बात मानने को तैयार नही है । इससे आप काफी निराश अनुभव करेंगे लेकिन आपको यह अनुभव करने की जरुरत है कि आपके सुझाव तो बेशक अच्छे हैं , लेकिन आपका रवैया ऐसा है कि जैसे आप किसी पर कृपा कर रहे हैं । इसीलिए लोग आपकी सलाह का उल्टा कर रहें हैं ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची) आप आज अनजाने तथ्यों के साथ सहज महसूस नही करेंगे । इसलिए आप प्रयोग ना करते हुए जानी –पहचानी राहों पर ही आगे बढने की कोशिश करेंगे । आपके सामने नए अवसर आयेंगे ,लेकिन आप उनमे से भी उसी को चुनेंगे जिससे आप भली-भांति परिचित हैं । इस समय का उपयोग अपना पिछला बचा हुआ काम निपटाने के लिए करें ।

पं ।महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

भारतीय और चाइनीज कंपनियों पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी कर रहा यूरोपीय संघ, रूस की मदद करने का आरोप

नई दिल्ली, 15 फरवरी (एजेंसियां)। यूरोपीय संघ भारतीय-चाइनीज समेत कई अन्य देशों की कंपनियों पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी कर रहा है। यूरोपीय संघ का आरोप है कि ये कंपनियां यूक्रेन के खिलाफ लड़ाई में रूस की मदद कर रही हैं। यूरोपीय संघ ने इन कंपनियों पर प्रतिबंध का प्रस्ताव दिया है और अगर ये प्रस्ताव सभी सदस्य देश पारित कर देते हैं तो ये पहली बार होगा, जब चीन की कंपनी पर यूरोपीय संघ सीधा प्रतिबंध लगाएगा।

यूरोपीय कंपनियों के साथ व्यापार नहीं कर पाएंगी प्रतिबंधित कंपनियां

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यूरोपीय संघ जिन कंपनियों पर प्रतिबंध की तैयारी कर रहा है, उनमें हॉन्ग-कॉन्ग, सर्बिया, भारत, तुर्किए और चीन की कंपनियां शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के हवाले से यह खबर सामने आयी है। हालांकि कानूनी कारणों से कंपनियों के नामों का खुलासा नहीं किया गया है। कंपनियों पर प्रतिबंध का मतलब ये होगा कि जिन कंपनियों पर प्रतिबंध लगेगा, वो भविष्य में यूरोप की कंपनियों के साथ व्यापार नहीं कर पाएंगी। यूरोपीय संघ का आरोप है कि रूस इन्हीं थर्ट पार्टी कंपनियों की मदद से प्रतिबंधित सामान की खरीद कर रहा है, जो प्रतिबंधों की वजह से उसे सीधे नहीं मिल पा रहा है।

चीनी कंपनियों पर प्रतिबंध लगाने से हिचकिचा रहा यूरोपीय संघ

यूरोपीय संघ ने यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में रूस की मदद के आरोप में पहले भी कई चीनी कंपनियों पर प्रतिबंध का प्रस्ताव रखा था, लेकिन वह प्रस्ताव कई सदस्य देशों के विरोध के बाद खारिज कर दिया गया था। साथ ही चीन ने भी वादा किया था कि वह रूस की मदद नहीं करेगा। बता दें कि चीन, यूरोप के कई देशों का अहम व्यापारिक साझेदार है। यूरोपीय संघ के प्रमुख देश जर्मनी की कारों के लिए चीन की सबसे बड़ा बाजार है। यही वजह है कि यूरोपीय संघ के कई देश चीनी कंपनियों पर प्रतिबंध लगाने से हिचकिचा रहे हैं।

जिन कंपनियों पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी है, उनमें अधिकतर कंपनियां तकनीकी और इलेक्ट्रोनिक्स कंपनियां हैं। कंपनियों पर आरोप है कि इन्होंने रूस के सैन्य और तकनीकी तौर पर मजबूत होने में मदद की और रूस के रक्षा और सुरक्षा सेक्टर के विकास में योगदान दिया। बीते साल अप्रैल में यूरोपीय संघ की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लिन ने बीजिंग का दौरा किया था और उस दौरान चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ मुलाकात में रूस यूक्रेन युद्ध को लेकर अपनी चिंताओं से उन्हें अवगत कराया था। यूरोपीय संघ जिन कंपनियों पर प्रतिबंध की तैयारी कर रहा है, उनमें तीन कंपनियां चाइनीज, एक भारतीय, एक श्रीलंकाई, सर्बिया, कजाखस्तान, थाईलैंड, तुर्किए और हॉन्ग कॉन्ग की कंपनियां शामिल हैं।

जनवरी में एक्सपोर्ट 3.12% बढ़कर 3.06 लाख करोड़

नई दिल्ली , 15 फरवरी (एजेंसियां)।जनवरी में देश का एक्सपोर्ट सालाना आधार पर 3.12% बढ़कर 36.92 बिलियन डॉलर यानी 3.06 लाख करोड़ रुपए हो गया है। सरकार ने आज यानी गुरुवार (15 फरवरी) को आंकड़े जारी कर इस बात की जानकारी दी है। वहीं इस साल जनवरी में इंपोर्ट सालाना आधार पर करीब 3% बढ़कर 54.41 बिलियन डॉलर (4.51 लाख करोड़ रुपए) हो गया है। इस हिसाब से जनवरी 2024 में ट्रेड डेफिसिट यानी व्यापार घाटा 17.49 बिलियन डॉलर (1.45 लाख करोड़ रुपए) रहा। इस फाइनेंशियल ईयर में अप्रैल-जनवरी के दौरान एक्सपोर्ट 4.89% घटकर 353.92 बिलियन डॉलर यानी 29.39 लाख करोड़ रुपए रह गया। इंपोर्ट 6.71% घटकर 561.12 बिलियन डॉलर (46.59 लाख करोड़ रुपए) रह गया।

कॉमर्स सेक्रेटरी सुनील बर्थवाल ने कहा कि ग्लोबल अनसर्टेनिटी यानी अनिश्चितताओं के बावजूद भारत ने पॉजिटिव ग्रोथ दर्ज की है।

दिसंबर में व्यापार घाटा 1.64 लाख करोड़ रहा था

देश का मर्चेंडाइज ट्रेड डेफिसिट यानी व्यापार घाटा दिसंबर 2023 में सालाना आधार पर घटकर 1.64 लाख करोड़ रहा था। दिसंबर 2022 में यह 1.91 लाख करोड़ रहा था। नवंबर 2023 में ट्रेड डेफिसिट 1.71 लाख करोड़ रहा था।

पिछले कुछ महीनों में लगातार कम होने के बाद गुड एक्सपोर्ट दिसंबर 2023 में बढ़कर 38.45 बिलियन डॉलर यानी 3.18 लाख करोड़ रुपए रहा। यह पिछले साल इसी महीने में 38.08 बिलियन डॉलर यानी 3.15 लाख करोड़ रुपए रहा था। जबकि, मर्चेंडाइज इंपोर्ट में साल-दर-साल 4.9% की गिरावट आई है। यह नवंबर 2023 में 4.52 लाख करोड़ रहा था।

क्या होता है ट्रेड डेफिसिट?

जब एक निश्चित अवधि के दौरान देश का इंपोर्ट, एक्सपोर्ट से ज्यादा हो जाता है, तो वो ट्रेड डेफिसिट या व्यापार घाटे की कैटेगरी में आता है। इसे निगेटिव बैलेंस ऑफ ट्रेड भी कहते हैं। दूसरे शब्दों में, जब कोई देश बेचने से ज्यादा खरीदता है, तो उसे ट्रेड डेफिसिट कहा जाता है।

मंदी की चपेट में जापान, इकोनॉमी चौथे नंबर पर

नई दिल्ली, 15 फरवरी (एजेंसियां)। जापान की अर्थव्यवस्था लगातार दो तिमाहियों में सिकुड़ने के बाद मंदी की चपेट में आ गई है। इस कारण उसकी इकोनॉमी दुनिया में तीसरे नंबर से चौथे नंबर पर पहुंच गई है। जर्मनी अब दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी इकोनॉमी है।

जापान इस समय कमजोर करंसी, बढ़ती उम्र और घटती आबादी से जूझ रहा है। इससे पहले 2010 में चीन की अर्थव्यवस्था बढ़ने के कारण जापान दूसरे से तीसरे नंबर पर आ गया था। दुनिया में पहले नंबर पर अमेरिका की इकोनॉमी है।

उम्मीद से ज्यादा 0.4% सिकुड़ी जापान की इकोनॉमी

जापान के कैबिनेट ऑफिस की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार देश की GDP 2023 के आखिरी तीन महीनों में एक साल पहले की तुलना में उम्मीद से ज्यादा 0.4% सिकुड़ी है। उससे पहले की तिमाही में इकोनॉमी 3.3% सिकुड़ी थी।

दो तिमाहियों में इकोनॉमी का सिकुड़ना यानी मंदी

लगातार दो तिमाहियों में अगर किसी भी देश की इकोनॉमी सिकुड़ती है तो टेक्निकली उसे मंदी माना जाता है। अक्टूबर में, इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड ने अनुमान लगाया था कि जर्मनी दुनिया की तीसरी बड़ी इकोनॉमी बन सकती है।

जापान की अर्थव्यवस्था लगभग 4.2 ट्रिलियन डॉलर

अर्थशास्त्री नील न्यूमैन के अनुसार नए आंकड़े बताते हैं कि 2023 में जापान की अर्थव्यवस्था लगभग 4.2 ट्रिलियन डॉलर रही, जबकि जर्मनी की अर्थव्यवस्था 4.5 ट्रिलियन डॉलर रही है।

जापान की इकोनॉमी के सिकुड़ने के कारण

डॉलर के मुकाबले जापान की करेंसी येन में लगातार कमजोरी।

कमजोर येन से एक्सपोर्ट पर होने वाले मुनाफे का कम होना।

जापान लेबर की कमी और लो बर्थ डेट से भी जूझ रहा है।

कुछ सबसे बड़ी कंपनियों को येन की कमजोरी का फायदा

हालांकि, येन की कमजोरी ने जापान की कुछ सबसे बड़ी कंपनियों के शेयर की कीमतों को बढ़ाने में मदद की है, क्योंकि इससे देश के एक्सपोर्ट विदेशी बाजारों में सस्ते हो जाते हैं। स्टॉक एक्सचेंज, निक्केई भी 1990 के बाद 38,000 अंक को पार कर गया है।

अबु धाबी के पहले हिंदू मंदिर की कहानी

प्रिंस ने दान की दोगुनी जमीन, 30 हजार मूर्तियां, सभी राजस्थान में उकेरीं

अबु धाबी, 15 फरवरी (एक्सक्लूसिव डेस्क)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त अरब अमीरात यानी यूएई की राजधानी अबु धाबी में बने पहले हिंदू मंदिर का उद्घाटन किया। इसे बीएपीएस ने बनाया है। ये वहीं संस्था है, जिसने अक्षरधाम मंदिर बनाया है। ये मंदिर कई मायनों में खास है। इसके हर पत्थर की नक्काशी राजस्थान में हुई, जमीन अबु धाबी के प्रिंस ने दान की और बनाने में हर धर्म लोग शामिल रहे।

पहला चरण: 1997 में देखा अबु धाबी में मंदिर का सपना

1997 में बहरीन में पहले हिंदू मंदिर के उद्घाटन का मौका था। उसमें भाग लेने के लिए बोचासनवासी श्री अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था यानी बीएपीएस के आचार्य प्रमुख स्वामी महाराज गए थे।

अबु धाबी में बीएपीएस से जुड़े भक्त पहले से ही एक छोटे से भवन में मूर्तियां रखकर भगवान की सेवा करते थे। तब अबु धाबी की रेत पर बैठकर प्रमुख स्वामी महाराज ने संकल्प किया था कि यहां भी एक मंदिर बनाऊंगा।

इसका जिम्मा उन्होंने महंत स्वामी महाराज को दिया। महंत स्वामी ने ये भार यूएई के लोकल चैप्टर के ब्रह्म बिहारी स्वामी को सौंपा था। उनकी टीम में हरि भक्त, रोहित भाई पटेल भी थे। बीएपीएस में लोकल टीम को चैप्टर कहा जाता है।

दूसरा चरण: 2012 में जमीन तलाशनी शुरू की, 2018 में मिली

मंदिर कंस्ट्रक्शन एवं आर्किटेक्ट डिपार्टमेंट के हेड स्वामी अक्षर वत्सल्य दास ने बताया कि महाराज के आदेश पर 2012 मंदिर के लिए जमीन तलाशने का काम शुरू हुआ। फिर हमने यहां के राष्ट्रपति और अबु धाबी के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के सामने दो-तीन जमीन का प्रस्ताव रखा।

इस दौरान 2015 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यूएई दौरे पर पहुंचे। तब मोदी के सामने ही क्राउन प्रिंस ने मंदिर की अनुमति दी और वचन दिया कि वे मंदिर के लिए जमीन देंगे। तीन साल बाद 2018 में आधिकारिक तौर पर बीएपीएस को मंदिर के लिए जमीन आवंटित कर दी गई। अबु धाबी में वहां के क्राउन प्रिंस ने 13.5 एकड़ जमीन दी थी। स्वामी अक्षर वत्सल्य दास बताते हैं कि जब हम उनके पास फाइनल प्रस्ताव के लिए गए तो उन्होंने कहा कि आप 13.5 एकड़ में मंदिर बना रहे हैं। पत्थर भारत से लाएंगे, तो पत्थरों का स्टॉक कहां रखेंगे। हम ऐसा करते हैं कि मंदिर बनने तक आपको अस्थाई तौर पर 13.5 एकड़ जमीन देते हैं। कुछ महीने बाद उन्होंने कहा कि अतिरिक्त 13.5 एकड़ जमीन भी आपको दे रहे हैं। इस तरह बीएपीएस का यह मंदिर 27 एकड़ के परिसर में बना है। मंदिर में 10 अलग-अलग जगह और लेवल पर 300 सेंसर्स लगाए गए हैं। ये मंदिर रियल टाइम डाटा देंगे कि मंदिर में उस समय कितना दबाव, तापमान है। ये सेंसर्स भूकंप और जमीन में होने वाली हलचल की जानकारी भी देंगे।

मंदिर में 10 अलग-अलग जगह और लेवल पर 300 सेंसर्स लगाए गए हैं। ये मंदिर रियल टाइम डाटा देंगे कि मंदिर में उस समय कितना दबाव, तापमान है। ये सेंसर्स भूकंप और जमीन में होने वाली हलचल की जानकारी भी देंगे।

हर दीवार पर संबंधित देवताओं की लीलाएं उकेरी गई हैं। मंदिर में बने हॉल में एक बार में तीन हजार लोग बैठ सकते हैं।

मंदिर में 10 अलग-अलग जगह और लेवल पर 300 सेंसर्स लगाए गए हैं। ये मंदिर रियल टाइम डाटा देंगे कि मंदिर में उस समय कितना दबाव, तापमान है। ये सेंसर्स भूकंप और जमीन में होने वाली हलचल की जानकारी भी देंगे।

तीसरा चरण: 2019 में नक्शा बना, बिना कलश मंदिर बनाने को तैयार थे

प्रमुख स्वामी महाराज चाहते थे कि ये मंदिर नागर शैली में बने। उनके शिष्यों ने इसी के तहत प्रोजेक्ट बनाया। जिसे बीएपीएस के ईश्वरचंद स्वामी और उनकी टीम ने बनाया है। बीएपीएस के दुनियाभर में 1200 मंदिर हैं। बीएपीएस में खुद की आर्किटेक्ट टीम है, जिसमें कई लोग हैं। हर मंदिर का डिजाइन ये ही फाइनल करते हैं। इसका हेडक्वार्टर अहमदाबाद है। बीएपीएस की टीम के सामने बड़ी चुनौती थी कि उन्हें एक मुस्लिम देश में मंदिर बनाना था। यूएई में शरिया कानून चलता है। उसके अनुसार मूर्ति पूजा वगैरा नहीं होती है। स्वामी अक्षर वत्सल्य दास बताते हैं कि हमें नहीं पता था कि यहां भारतीय परंपरा की तरह मंदिर बनाने दिया जाएगा या नहीं। यदि हम कलश के लिए अड़े तो हो सकता था कि मंदिर ही कैंसिल हो जाए।

इस कारण तब हमने दो तरह के डिजाइन बनाए। एक में पारंपरिक शिखर था, दूसरे में नहीं। दूसरे मंदिर में प्रस्ताव था कि हम मूर्तियां रखेंगे और बाहर से सामान्य बिल्डिंग का आर्किटेक्चर रखेंगे। स्वामी अक्षर वत्सल्य दास बताते हैं कि क्राउन प्रिंस को बताया कि आप चाहेंगे तो हम बिना शिखर का मंदिर बना देंगे, बस मंदिर बनना चाहिए। तब सबने कहा कि नहीं आप अपनी भारतीय शैली में ही मंदिर बनाइए हम कोई रोक नहीं लगाएंगे।

चौथा चरण: रेत बड़ी चुनौती थी, जमीन के नीचे मिली प्राकृतिक चट्टान

प्रोजेक्ट हेड परेश शाह ने बताया जब मंदिर बनाने की योजना बनी तो सबसे बड़ी चुनौती मंदिर की नींव बनाना था। अबु धाबी रेतीली जमीन है। यहां पत्थर का इतना बड़ा इन्फ्रास्ट्रक्चर खड़ा करना बेहद मुश्किल था।

अनुमान लगाया गया कि पत्थरों का वजन खूब होगा, ऐसे में मंदिर को खड़ा करने के लिए कई फीट गहराई में खुदाई करनी होगी। नींव की खुदाई में ही कम से छह महीने लग जाएंगे। इस प्लानिंग की शुरुआत मिट्टी की जांच से की गई। पहले दिन काम शुरू किया गया। दूसरे ही दिन एक्सपर्ट ने अलग-अलग जगह खुदाई की तो पता चला कि जिस जमीन पर मंदिर बन रहा है, उसके नीचे कई किलोमीटर लंबी-चौड़ी चट्टान है। यह चट्टान मंदिर ही नहीं उसके आसपास के कई किलोमीटर एरिया को कवर कर रही है।

पांचवां चरण: नक्काशी राजस्थान में हुई, जहाज से मूर्तियां यूएई भेजीं

अबु धाबी में जो मंदिर बन रहा है, वहां कोई नक्काशी कार्य नहीं किया गया है। सारी दस हजार से ज्यादा मूर्तियों और दूसरे इन्फ्रास्ट्रक्चर को भारत में राजस्थान के सिरोही और डूंगरपुर जिले में किया गया है। यहां बीएपीएस की कई साल पुरानी नक्काशी की वर्कशॉप है। इन वर्कशॉप में हजारों कारीगर काम करते हैं। दरअसल, अबु धाबी के साथ 16 देशों में मंदिर का काम समानांतर चल रहा है। इसमें पेरिस, जोहानिसबर्ग, सिडनी, गुजरात, जोधपुर और नासिक आदि में मंदिर बन रहे हैं। इन्हीं कारीगरों ने यहां हजारों मूर्तियां और मंदिर से जुड़े दूसरे इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाए। इसके बाद इन्हें बड़े-बड़े ट्रॉलों में रखकर गुजरात के कच्छ स्थित मुंद्रा पोर्ट से पानी के जहाज से अबु धाबी लाया गया। यहां लाकर इन पिलर्स और दूसरी चीजों को जोड़ा गया है। जोड़ने वाली टीम भी बीएपीएस के पास है, लेकिन यहां एक समस्या ये थी कि वो यूएई का कानून था। दरअसल यूएई के कानून के अनुसार कोई भी कंस्ट्रक्शन संबंधी काम रजिस्टर्ड कंट्रक्शन कंपनी से ही कराना था। जब कंपनी की तलाश की गई तो पता चला कि भारत की शापूरजी पालोनजी यूएई रजिस्टर्ड है। फिर बीएपीएस के कारीगरों को शापूरजी पालोनजी के माध्यम दुबई भेजा गया और पत्थरों को जोड़ने का काम किया गया।

20 अप्रैल 2019 को महंत स्वामी महाराज और पीएम मोदी ने इस मंदिर का शिलान्यास किया था। करीब 5 साल बाद 14 फरवरी 2024 को पीएम मोदी और महंत स्वामी महाराज ने इस मंदिर का उद्घाटन किया।

नये सुरक्षा बल कैंप पर नक्सली हमला

रायपुर, 15 फरवरी (एजेंसियां)। नक्सली अपनी नापाक हरकतों से बाज नहीं आ रहे हैं। एक बार फिर से छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में नक्सलियों और जवानों के बीच मुठभेड़ हुई है। नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के नए कैंप पर यूबीजीएल (अंडर बैरल ग्रेनेड लॉन्चर) से हमला किया है। हमले के बाद जवानों ने मोर्चा संभालते हुए जवाबी कार्रवाई की तो नक्सली जंगल की आड़ लेकर भाग निकले।

जानकारी के मुताबिक, गुंडम में सुरक्षाबलों के नये कैम्प पर नक्सलियों ने हमला कर दिया। मौके से 5-5 किलो के 6 आईईडी जवानों ने बरामद किए हैं। हमले में किसी के हताहत होने की खबर नहीं हैं। गुंडम इलाके में सुरक्षाबलों ने गुरुवार को नया कैंप बनाया है। कैम्प स्थापना के बाद दोपहर 1 से डेढ़ बजे के बीच नक्सलियों ने बीजीएल से कैम्प पर हमला करना शुरू कर दिया। जवाबी कार्रवाई में सुरक्षाबलों ने भी गोलीबारी शुरू कर दी और नक्सलियों को भागने के लिए मजबूर होना पड़ा। गोलीबारी के बाद इलाके में सर्चिंग के दौरान बीडीएस की टीम ने 5-5 किलोग्राम के 6 आईईडी बरामद किये गये हैं। पुलिस सूत्रों की माने, तो यह इलाका घोर नक्सल प्रभावित क्षेत्र है। जहां सुरक्षाबलों द्वारा नक्सलियों का प्रभाव करने के लिए कैंपों का निर्माण किया जा रहा है। ताकि नक्सलियों की उपस्थिति को कम किया जा सके। नक्सलियों ने आज निर्माणाधीन कैम्पों पर हमला कर दिया, ताकि काम रुक जाये, लेकिन जवानों ने बहादुरी से मुकाबला करते हुए उन्हें खदेड़ किया। साथ ही जवानों ने नक्सलियों के आईईडी को निष्क्रिय कर दिया है।

ट्रांसफर के नाम पर उगाही

किसान मोर्चा के नेता ने लिए पैसे, जिलाध्यक्ष बोले- नियमानुसार होगी कार्रवाई

बालोद, 15 फरवरी (एजेंसियां)। तत्कालीन कांग्रेस सरकार में भाजपा द्वारा यह आरोप लगाता जा रहा था कि कांग्रेस सरकार में ट्रांसफर उद्योग फलफूल रहा है। लेकिन भाजपा के सरकार में आते हो ट्रांसफर को लेकर छोटे-छोटे नेता अवैध उगाही करने के मामले सामने आने लग गए हैं। हाल ही में भाजपा मंडल अध्यक्ष कौशल साहू को दिया गया। एक शिकायत पत्र तेजी से वायरल हो रहा है। जहां पर किसान मोर्चा के नेता और अध्यक्ष पन्ना साहू की शिकायत की गई है। जिसमें कहा गया है कि पन्ना साहू द्वारा ट्रांसफर कराने के नाम पर एक गरीब परिवार से पैसे ऐंठे गए हैं। हालांकि इस मामले में संगठन की तरफ से कोई कार्रवाई नहीं की गई है। जिस नेता के नाम का जिक्र हुआ है। उसे एल्डरमैन के पद से

नवाजे जाने की तैयारी भाजपा द्वारा किए जाने की बात सामने आ रही है। पूरे मामले पर भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष पवन साहू ने कहा कि आपके माध्यम से मुझे इस पूरे घटनाक्रम की जानकारी मिली।

उन्होंने कहा कि यदि ट्रांसफर के नाम पर पैसा लिया गया है तो उसे वापस कराया जाएगा और पार्टी फोरम में मुझ तक यदि बात आती है तो जो पार्टी के नियम में होगा उसके अनुसार कार्रवाई की जाएगी। इस तरह पार्टी की छवि धूमिल होते बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आपको बता दें कि जब से पवन साहू ने मोर्चा संभाला है तब से ही जिले में पार्टी में कढ़ाई देखने को मिल रही है। उनके काम करने के तरीके से दलाल नुमा नेता जमीदोज होने लगे हैं।

बाहरू राम ने की शिकायत

आपको बता दें कि गुरुर नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 2 निवासी बाहरु राम ठाकुर ने यह शिकायत की है। उन्होंने पत्र के माध्यम से बताया कि भाजपा किसान मोर्चा के नेता ने उनके पुत्र विजय कुमार ठाकुर का ट्रांसफर कराने के नाम पर पैसे लिए हैं। हालाकि शिकायत पत्र में राशि का उल्लेख नहीं किया गया है। सूत्र बताते हैं कि 25 हजार रुपए की राशि ट्रांसफर के एवज में लिए गए हैं। बालोद जिले के भाजपा में अवैध उगाही का यह मामला पहला नहीं है। इससे पहले शासकीय योजनाओं के पात्र हितग्राहियों से एक हजार रुपए लिए जाने का मामला सामने आया था। पीड़ित की मौखिक शिकायत के बाद मामला सिद्ध भी हुआ। मंडल तक ही यह मामला सिमट कर रह गया। कमीशन ही नहीं कमीशन के ऐवज में जूते तक मांगे गए थे। अब नेताओं का स्तर देखा जा सकता है।

मनी लॉन्ड्रिंग केस में पूर्व सीएम हेमंत सोरेन को राहत नहीं

न्यायिक हिरासत में भेजा गया

रांची, 15 फरवरी (एजेंसियां)। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को गुरुवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। विशेष पीएमएलए कोर्ट ने कथित भूमि घोटाले से जुड़े धन शोधन के एक मामले में यह फैसला सुनाया। सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकारी अध्यक्ष ईडी की हिरासत में थे।

पूर्व मुख्यमंत्री की ओर से पेश हुए महाधिवक्ता राजीव रंजन ने बताया कि हेमंत सोरेन को आज विशेष पीएमएलए अदालत में पेश किया गया और उन्हें 22 फरवरी तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। हम उनके लिए जमानत याचिका दायर करेंगे। सोरेन को अदालत से रांची के होटवार स्थित बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार ले जाया गया। उन्हें 31 जनवरी को ईडी ने गिरफ्तार किया था। इसके बाद 2 फरवरी को कोर्ट ने सोरेन को पांच दिनों की ईडी हिरासत में भेजा था। इसके बाद से हिरासत की अवधि को कुल मिलाकर सात दिनों के लिए दो बार बढ़ाया गया।

कबाड़ियों पर पुलिस की छापेमारी

कोरबा, 15 फरवरी (एजेंसियां)। कोरबा में अवैध कबाड़ के खिलाफ कार्रवाई की गई है। मुखबिर से सूचना पर 2 अलग-अलग मामलों में कार्रवाई की गई है, जहां से 9 टन कबाड़ की 1 लाख 80 हजार रुपए के लोहे के पाइप और कबाड़ जब्त किया गया है। वहीं थाना कुसमुण्डा पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़ा गया आरोपी धनराज अन्ना पिता लल्ला मुत्तु उम्र 33 वर्ष साकिन पाली रोड थाना दीपका का रहने वाला है। वहीं दूसरा अजीत कुमार बरई पिता कन्ना बरई उम्र 24 वर्ष साकिन मोतीसागरपारा थाना कोतवाली इलाके का रहने वाला है। कुसमुण्डा पुलिस ने अपने मातहत कर्मचारियों के साथ कबाड़ियों पर ताबड़तोड़ कार्रवाई की गई। इसी कड़ी में मुखबिर से अवैध रूप से कबाड़ रखने की सूचना मिलने पर दो अलग अलग जगहों पर छापेमारी की कार्रवाई की गई। कबाड़ियों के कब्जे से भारी मात्रा में लोहे का दरवाजा, टीना, लोहे का ड्रम, लोहे का पाइप, एल्यूमिनियम तार, लोहे का राड, टीन सेड, फेंसिग तार, साइकिल और मोटर साइकिल के पार्ट्स और अन्य छोटे-छोटे लोहे के सामानों की जब्ती की गई है। कुसमुंडा थाना प्रभारी मनीष नागर ने बताया कि लक्ष्मण झूला दीपिका रोड पर छापामार कार्रवाई की गई, जहां भारी मात्रा में अवैध रूप से रखे गए कबाड़ को जब्त किया गया है। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया, जहां से कोर्ट ने जेल भेज दिया है।

जो बीजेपी में शामिल होंगे वो आया राम गया राम हैं

कांग्रेस बोली- भाजपा खुद करवाती है धर्मांतरण

रायपुर, 15 फरवरी (एजेंसियां)। आज गुरुवार को कांग्रेस के पूर्व विधायकों के बीजेपी में शामिल होने की चर्चा को छत्तीसगढ़ कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने निराधार बताया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का कोई नेता भाजपा में शामिल नहीं होगा, ये निराधार हैं। जिनके नाम चल रहे हैं, वो 'आया राम, गया राम' हैं। महंत रामसुंदर दास संत प्रवृति के व्यक्ति हैं। वो दल बदल की कार्यवाही नहीं करेंगे। छत्तीसगढ़ में धर्मांतरण के लिए कानून बनाने के सवाल पर शुक्ला ने कहा अविभाजित एमपी के समय से प्रदेश में धर्मांतरण विरोधी कानून लागू हैं। बीजपी सिर्फ बातें करती है, इसके लिए साफ नियत होनी चाहिए। आरोप लगाया कि भाजपा खुद पूरे देश में धर्मांतरण करवाती है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा था कि धर्मांतरण के खिलाफ कानून लाए। जनता में भ्रम फैलाने के लिए भाजपा धर्मांतरण की बात करती है। उन्होंने किसानों के कल भारत बंद का समर्थन करते हुए कहा कि किसानों ने जो भारत बंद का आह्वान किया हैं, उससे कांग्रेस पूरी तरह से सहमत हैं। कांग्रेस ने एमएसपी देने की घोषणा की है। किसान गरीबी और महंगाई के खिलाफ लड़ रहे हैं। कांग्रेस का भी यही मुद्दा हैं। कांग्रेस इस आंदोलन में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेगी। कांग्रेस संचार प्रमुख ने कहा कि भाजपा के दिमाग में भ्रष्टाचार भरा हुआ है। आत्मानंद स्कूल में गरीबों को मुफ्त में शिक्षा मिलती थी। शिक्षा देने से पहले शिक्षकों की भर्ती कर लें। इंफ्रास्ट्रक्चर तो तैयार कर लें। 'सुत ना कपास जुलाहों में लट्ठम-लट्ठा' वाली कहावत की तरह भाजपा बड़ी-बड़ी बातें करती है। बीते दो महीनों में शिक्षा मंत्री ने कोई बड़ा निर्णय नहीं लिया है। गौ तस्करी पर कांग्रेस ने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि ये कंटेनर किसका हैं? इस कंटेनर का मालिक कौन हैं? भाजपा के पूर्व विधायक से इस कंटेनर का क्या रिश्ता हैं? सारी चीजों का खुलासा होना चाहिए। हमारा सीधा सीधा आरोप है। भाजपा जब भी सरकार में आती हैं गौ तस्करी कराती हैं।

सीएम चंपई सोरेन बोले- ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत बनाएंगे

हेमंत की नीतियों पर जारी रहेगा काम

सरायकेला/रांची, 15 फरवरी (एजेंसियां)। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने को लेकर झारखंड के मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने बड़ा बयान दिया है। बुधवार को सीएम ने कहा कि वे पूर्व सीएम हेमंत सोरेन के कार्यकाल में बनीं कल्याणकारी योजनाओं को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सरकार राज्य में बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। सरायकेला-खरसावां जिले में अपने पैतृक गांव झिलिंगोरा पहुंचने के तुरंत बाद सीएम चंपई सोरेन ने कहा, पूर्व सीएम हेमंत के कार्यकाल में बनीं नीतियों और कल्याणकारी योजनाओं को और अधिक प्रभावी ढंग से लागू किया जाएगा। उन्होंने राज्य में आर्थिक, सामाजिक, शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्रों को मजबूत करने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा, झारखंड में प्रचुर मात्रा में खनिज भंडार हैं। दुर्भाग्य से, राज्य के लोग ऐसे लाभों से वंचित हैं। सीएम ने लोगों को सड़क, बिजली और

पानी जैसे बुनियादी ढांचे में सुधार का भरोसा भी दिलाया। उन्होंने कहा कि औद्योगिक मोर्चे पर अधिक प्रोत्साहन दिया जाएगा। सीएम चंपई सोरेन ने कहा, झारखंड में निजी कंपनियों और संस्थानों को स्थानीय लोगों के लिए 75 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करना चाहिए। गौरतलब है कि झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने 31 जनवरी को गिरफ्तार किया था।

अपहरण कर युवक को उतारा मौत के घाट

कोरबा, 15 फरवरी (एजेंसियां)। युवक का अपहरण करने के बाद बेरहमी से मौत के घाट उतारा गया। बदमाशों ने सड़क हादसे में घायल को अस्पताल पहुंचाने के बहाने फोन कर देर रात बुलाया। जिसके बाद घटना को अंजाम दिया गया। युवक को उसी के बोलेरो वाहन से रगड़ा गया। उसके बाद पत्थर से सिर को कुचला गया है। गनियारी के जंगल में भाड़े पर वाहन चलाने वाले युवक की लाश मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची करतला थाना पुलिस जांच में जुट गई। पुलिस ने मौके से बोलेरो वाहन को बरामद किया है। यह पूरा मामला करतला थाना अंतर्गत गनियारी जंगल का है। जहां एक युवक की लाश खून से लथपथ जंगल में पाई गई। सुबह जब स्थानीय लोग जंगल की ओर निकले इस दौरान बोलेरो वाहन और रक्तरंजिश हालत में खून से लथपथ युवक का शव देखा। इसके बाद इलाके में हड़कप मच गया। इसकी सूचना करतला थाना पुलिस को दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और जांच कार्यवाही शुरू की। मृतक की पहचान ग्राम नवाडीह सेंद्रीपाली के रूप में हुई है। मृतक अमित कुमार साहू 35 वर्षीय है। बताया जा रहा है कि किसी युवक के द्वारा मृतक को फोन कर कहा गया कि गांव के पास एक युवक का एक्सीडेंट हो गया है।

वित्तमंत्री बोले- शराब दुकानों में होगी एजुकेटेड युवाओं की भर्ती

रायपुर, 15 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस शासन में बने राजीव युवा मितान क्लब को भंग कर दिया गया है। खेल मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि क्लब के लिए 132 करोड़ का प्रावधान किया गया था। इसमें से दिए गए 126 करोड़ का ऑडिट कराया जाएगा। विधानसभा में बुधवार को भाजपा विधायकों ने क्लब भंग करने की मांग को लेकर नारेबाजी की। इसके बाद मंत्री ने क्लब भंग करने की घोषणा कर दी। प्रश्नकाल में कांग्रेस विधायक सावित्री मंडावी ने क्लब को न भंग करने की मांग की थी। शराब दुकानों के संचालन में गड़बड़ी को लेकर भाजपा विधायक धर्मजीत सिंह ने कहा कि, प्रदेश में देसी-विदेशी शराब की करीब 700 दुकानें है। इन दुकानों से बिक्री के 2856 करोड़ रुपए कोषालय में नहीं जमा किए गए। ये घपलेबाजी 2019 से चल रही है। विधायक धर्मजीत ने कहा कि, उन्होंने ये मुद्दा पहले भी सदन में उठाया था। तब जवाब मिला था कि 2800 करोड़ चिल्हर में खर्च किए गए। जबकि इतनी बड़ी रकम चिल्हर के लिए नहीं रखी जा सकता है।

उन्होंने पूछा कि सरकार क्या नई प्लेसमेंट एजेंसियां नियुक्त करेंगे। इसके जवाब में वित्त मंत्री ने कहा कि, अब ट्रांसपेरेंट तरीके से एजेंसियां कार्य करेंगी।

120 किलोमीटर की रफ्तार से कार ने ट्रांसफॉर्मर को ठोका

भिलाई, 15 फरवरी (एजेंसियां)। भिलाई के नेहरू नगर में बुधवार रात एक रईसजादे ने शराब के नशे में एसयूवी कार से बाइक सवार भाई-बहन को तेज टक्कर मार दी। बाइक सवारों को टक्कर मारने के बाद युवक ने कार को एक बड़े ट्रांसफॉर्मर से ठोक दिया। हादसे में घायल भाई-बहन की हालत गंभीर बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक, बुधवार रात करीब 11 बजे नेहरू नगर स्थित कैलाश पर्वत रेस्टोरेंट के पास दुर्ग का रहने वाला हर्ष जैन अपनी कार सीजी 07 बीवी 5678 से काफी तेज रफ्तार में आया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि उसकी कार की रफ्तार 100 से 120 किलोमीटर प्रति घंटे के करीब रही होगी। हर्ष तेज रफ्तार में नेहरू नगर चौक की तरफ से केपीएस स्कूल की तरफ आया। मोड़ पर उससे गाड़ी नहीं संभली। उसी समय रायपुर नाका सिंधी कॉलोनी दुर्ग का रहने वाला निखिल सिंह (21) अपनी बहन सरनजीत कौर (18) के साथ कैलाश पर्वत रेस्टोरेंट से निकल रहा था। हर्ष ने अपनी तेज रफ्तार कार से बाइक सवार दोनों भाई-बहन को जोरदार टक्कर मार दी।

मालदीव 43 भारतीयों को देश से निकालेगा

यह कई अपराधों में आरोपी, लिस्ट में 12 देशों के 186 नागरिक, चीन का एक भी नहीं

माले, 15 फरवरी (एजेंसियां)। भारत से तनाव के बीच मालदीव ने 43 भारतीयों को देश से निकालने की घोषणा की है। इनके ऊपर मालदीव में अलग-अलग अपराध करने का आरोप है। मालदीव के मीडिया अधाधु के मुताबिक, मालदीव ने 12 देशों के कुल 186 नागरिकों को देश से निकालने का फैसला किया है। हालांकि, इसमें चीन के एक भी नागरिक का नाम नहीं है।

रिपोर्ट के मुताबिक, सबसे ज्यादा 83 बांग्लादेशी नागरिकों को निकाला जा रहा है। इसके बाद दूसरे नंबर पर भारतीय, तीसरे पर श्रीलंकाई और चौथे पर नेपाल के नागरिक हैं। हालांकि, इनके लिए देश छोड़ने की आखिरी तारीख क्या है, इसकी जानकारी नहीं दी गई है।

गैरकानूनी तरह से बिजनेस करने वालों की देश में जगह नहीं

दरअसल, कुछ दिन पहले ही मालदीव के गृह मंत्रालय ने कहा था कि वो देश में गैर-कानूनी तरह से चल रहे बिजनेस को बंद करने करेंगे। इन व्यापारों का पैसा विदेशियों के बैंक अकाउंट्स में डाला जा रहा है। वित्त मंत्रालय ऐसे गैर-कानूनी कारोबार बंद करेगा। इन दौरान उन बिजनेस

को भी टारगेट किया जाएगा, जिनका मालिक कोई और है, लेकिन इन्हें कोई विदेश नागरिक ऑपरेट कर रहा है। मालदीव के होमलैंड सिक्योरिटी मिनिस्टर अली इहुसान ने कहा- किसी दूसरे के नाम से बिजनेस रजिस्टर करवाने के बाद इन्हें विदेश नागिरक ऑपरेट करते हैं। बिजनेस ने होने वाले मुनाफे को वे अपने ही अकाउंट में डलवाते हैं। अब हम ऐसे बिजनेस को बंद करके इनको चलाने वाले विदेशियों को उनके देश वापस भेज रहे हैं। यह फैसला मालदीव में दिसंबर 2021 में लाए गए एक कानून के तहत लिया गया है।

मुइज्जू के राष्ट्रपति बनने के बाद भारत-मालदीव में तनाव बढ़ा

2023 में मोहम्मद मुइज्जू के मालदीव के राष्ट्रपति बनने के बाद से भारत-मालदीव के बीच अलग-अलग मुद्दों को लेकर तनाव बढ़ता जा रहा है। राष्ट्रपति बनते ही मुइज्जू ने भारत के 88 सैनिकों को देश से निकालने की घोषणा की। भारत के साथ मीटिंग के बाद इसके लिए 10 मई की तारीख तय की गई है। इसके अलावा मालदीव भारत के साथ पानी पर रिसर्च करने वाले एग्रीमेंट को भी रिन्यू नहीं करेगा। भारत का नाम लिए बिना मुइज्जू ने कहा था- हम किसी भी देश को हमारी संप्रभुता में हस्तक्षेप करने या उसे कमजोर करने की अनुमति नहीं देंगे। मालदीव के साथ तनाव के बीच भारत से वहां जाने वाले टूरिस्ट की संख्या भी घट गई है। पिछले साल मालदीव जाने वाले पर्यटकों की सूची में भारतीय पहले नंबर थे। हालांकि, जनवरी 2024 में सामने आए आंकड़ों में मालदीव में भारतीय टूरिस्ट की संख्या 5वें स्थान पर पहुंच गई। 2018 की बात है। चीन के करीबी और पीपीएम के नेता राष्ट्रपति अब्दुल्लाह यामीन राष्ट्रपति चुनाव हार जाते हैं। बाद में उन्हें हवालेबाजी और एक अरब डॉलर के सरकारी धन का दुरुपयोग करने का दोषी पाया गया। 2019 में यामीन को पांच साल की सजा हुई। नए राष्ट्रपति बने इब्राहिम मोहम्मद सोलिह, जो 'इंडिया फर्स्ट' की पॉलिसी पर चलते थे। कोरोना के चलते यामीन की जेल की सजा को नजरबंदी में बदल दिया गया। नवंबर 2021 में यामीन के खिलाफ लगे सारे आरोप खारिज कर दिए गए और 30 नवंबर को रिहा कर दिया गया। इसके बाद उनका दोबारा राजनीति में आने का रास्ता भी साफ हो गया। इसके बाद वह चुनाव प्रचार में जुट गए और अक्सर अपने भाषणों में लोगों से अपील करने लगे कि अपने घरों की दीवारों पर 'इंडिया आउट' लिखें। इसके बाद ही मालदीव में विपक्षी दलों ने 'इंडिया आउट' अभियान शुरू कर दिया। उनकी मांग थी कि भारतीय सुरक्षा बल के जवान मालदीव छोड़ें। 'इंडिया आउट' ने मालदीव में भारत के इन सैनिकों की मौजूदगी की भूमिका को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया और उनकी उपस्थिति को देश की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताया।

पुतिन बोले- अमेरिकी राष्ट्रपति के लिए बाइडेन ट्रम्प से बेहतर

मास्को, 15 फरवरी (एजेंसियां)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि वो अमेरिकी राष्ट्रपति पद के लिए ट्रम्प की बजाय बाइडेन को ज्यादा ज्यादा बेहतर मानते हैं। दरअसल, रूसी पत्रकार पवेल जरूबिन पुतिन का इंटरव्यू कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने रूसी राष्ट्रपति से सवाल किया कि डेमोक्रैट बाइडेन या रिपबल्किन ट्रम्प में से किसे रूस के हिसाब से बेहतर मानते हैं। इस पर पुतिन ने हिचकिचाते हुए जवाब दिया- बाइडेन। वो ज्यादा अनुभवी हैं, उनके बार में अनुमान लगाना ज्यादा आसान है। बाइडेन पुराने ख्यालों की राजनीति करने वालों में से हैं। हालांकि, हम किसी भी अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ काम करने के लिए तैयार हैं। यह पहला मौका है जब पुतिन ने सार्वजनिक मंच पर अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव 2024 को लेकर कोई बयान दिया हो। इससे पहले बाइडेन की मेंटल हेल्थ को लेकर पुतिन ने कहा- मैंने उनसे 3 साल पहले स्विट्जरलैंड में मुलाकात की थी। तब भी लोग यही कहते थे कि बाइडेन अपना काम नहीं कर पाएंगे।

हालांकि, मुझे उनसे मिलकर ऐसा कुछ भी नहीं लगा।

इमरान खान की पार्टी को झटका

पंजाब में समर्थक तीन उम्मीदवारों ने थामा विपक्ष का दामन

इस्लामाबाद, 15 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान में आम चुनाव के साथ-साथ पंजाब में सरकार बनाने को लेकर सियासी रस्साकशी जारी है। दरअसल, इमरान के समर्थन से चुनाव लड़ने वाले कई निर्दलीय प्रत्याशियों ने उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन करते हुए चुनाव में जीत हासिल की है। हालांकि, बहुमत से दूर होने की वजह से इमरान समर्थक अभी भी जद्दोजहद कर रहे हैं। वहीं, बाकी विपक्षी दल इमरान को हराने के लिए साथ आने को तैयार हो गए हैं। इस बीच पंजाब में रातोंरात इमरान के तीन समर्थक उम्मीदवारों ने विपक्षी दल का दामन थामने का फैसला किया है।

इसे इमरान के सियासी करियर के लिए बड़ी चुनौती माना जा रहा है। दूसरी तरफ जोड़तोड़ की राजनीति का नवाज शरीफ के नेतृत्व वाली पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज को फायदा मिला है। पीएमएल-एन पंजाब की प्रांतीय विधानसभा में निर्वाचित आठ और निर्दलीय सदस्यों और नेशनल असेंबली में निर्वाचित एक सदस्य को अपने पाले में लाने में कामयाब रही है। इससे नेशनल असेंबली (संसद का निचला सदन) में उसकी सीटों की संख्या 80 और पंजाब असेंबली में सदस्यों की संख्या 150 से अधिक हो गई है।

पंजाब में पीएमएल-एन ने नवाज शरीफ की बेटी मरियम नवाज को मुख्यमंत्री पद के लिए नामित किया है। पंजाब विधानसभा में पीटीआई समर्थित तीन सदस्यों ने अलीम खान की इस्तेकाम-ए-पाकिस्तान पार्टी (आईपीपी) के साथ हाथ मिला लिया।

आईपीपी के प्रमुख संरक्षक जहांगीर खान तारीन के इस्तीफे के बाद अलीम ही पार्टी का कामकाज संभाल रहे हैं। यह पार्टी नौ मई को हुई हिंसा के बाद इमरान खान की पीटीआई से अलग होकर बनी थी। अलीम कथित तौर पर ताकतवर समूहों की मदद से पंजाब में अपनी संख्या बढ़ाने के लिए पीटीआई समर्थित निर्दलीय उम्मीदवारों को अपनी तरफ खींचने की कोशिश कर रहे हैं।

प्रांतीय विधानसभा में निर्वाचित पीटीआई समर्थित तीन सदस्यों - सरदार अवैस द्रशिक, जाहिद इस्माइल भट्टा और हाफिज ताहिर कैसरानी तथा एक अन्य निर्दलीय सदस्य गजनफार अब्बास चीना ने लाहौर में अलीम से मुलाकात की और आईपीपी में शामिल होने की घोषणा की।

अलीम ने दावा किया कि प्रांतीय विधानसभा में पीटीआई समर्थित 10-15 सदस्यों का एक अन्य समूह जल्द ही आईपीपी में शामिल होगा और वह उनके संपर्क में है।

सिंध में पीटीआई समर्थित चौथा सदस्य एजाज स्वाति, बिलावल भुट्टो जरदारी के नेतृत्व वाली पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) में शामिल हो गया।

अमेरिका में एक और भारतीय मूल के परिवार की मौत

वॉशिंगटन, 15 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के कैलिफोर्निया में रहने वाले भारतीय मूल के एक परिवार के 4 सदस्यों की उनके घर में लाश मिली। इस घर कीमत 16 करोड़ रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने बताया- 42 साल के आनंद सुजीत हेनरी, उनकी 40 साल की पत्नी एलिस प्रियंका और उनके जुड़वां बच्चों- नोआ और नीथन की 12 फरवरी को उनके घर में लाश मिली। आनंद और एलिस के शरीर पर गोलियों के निशान मिले हैं। बच्चों की मौत की वजह फिलहाल सामने नहीं आई है।

पुलिस फिलहाल इस मामले को मर्डर-सुसाइड केस के तौर पर देख रही है। पुलिस का मानना है कि कपल ने पहले बच्चों को मारा फिर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने कहा- हमें आनंद-एलिस के परिजनों ने फोन किया था। शिकायत दर्ज करवाई थी कि कोई फोन नहीं उठा रहा है। हम फौरन घर पहुंचे। यहां बेडरूम में दोनों बच्चों के शव मिले। बाथरूम में कपल की लाश मिली। यहां एक पिस्टल भी बरामद की गई। पुलिस ने बताया- आनंद-एलिस केरल के रहने वाले थे। वो 9 साल पहले अमेरिका आ गए थे। आनंद सॉफ्टवेयर इंजिनियर था। एलिस सीनियर एनालिस्ट के तौर पर काम कर रही थी।

कोर्ट से मिले कुछ दस्तावेजों के मुताबिक, आनंद-एलिस 2016 में तलाक लेने वाले थे। लेकिन नहीं लिया था।

मधुमक्खियों के झुंड ने स्कूली बच्चों पर बोला हमला

अंबिकापुर, 15 फरवरी (एजेंसियां)। अंबिकापुर नगर के मणिपुर शासकीय स्कूल में वार्षिक उत्सव कार्यक्रम के दौरान मधुमक्खियों के झुंड ने बच्चों पर हमला बोल दिया। मधुमक्खियों के हमले से कार्यक्रम में भगदड़ मच गई। बच्चे चीखने-पुकारने लगे। वहीं, इस हमले में 14 बच्चे घायल हो गए, जिनका अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इलाज चल रहा है। जानकारी के मुताबिक, गुरुवार की दोपहर मणिपुर स्कूल में प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला के बच्चे वार्षिक उत्सव कार्यक्रम में शामिल होने आए हुए थे। कुछ बच्चे वार्षिक उत्सव प्रोग्राम के दौरान खाना खा रहे थे और कुछ बच्चे कार्यक्रम देख रहे थे, तभी अचानक मधुमक्खियों के झुंड ने हमला बोल दिया।

कैंसर का टीका तैयार करने के करीब पहुंचा रूस

राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने दी अहम जानकारी

मॉस्को, 15 फरवरी (एजेंसियां)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि उनका देश जल्दी ही कैंसर की वैक्सीन तैयार करने जा रहा है। पुतिन का कहना है कि रूसी वैज्ञानिक महत्वपूर्ण प्रगति करते हुए कैंसर का टीका बनाने के करीब हैं और जल्द ही ये मरीजों के लिए उपलब्ध हो जाएगा। पुतिन ने हालांकि यह खुलासा नहीं किया कि प्रस्तावित टीके कब से मिलने लगेंगे और किस प्रकार के कैंसर को होने से रोकेंगे। टीका किस तरह से लोगों तक पहुंचाया जाएगा, इस पर भी उन्होंने स्थिति साफ नहीं की है। पुतिन के टीवी पर प्रसारित बयान में उन्होंने कहा, हम कैंसर के टीके और नई पीढ़ी की इम्यूनोमॉड्यूलेटरी दवाओं के निर्माण के बहुत करीब आ गए हैं। मुझे उम्मीद है कि जल्द ही इन्हें

व्यक्तिगत चिकित्सा के तरीकों के रूप में प्रभावी ढंग से उपयोग किया जाएगा।

बीते कुछ सालों से कई सरकारें और कंपनियां कैंसर के टीके विकसित करने के लिए काम रही हैं। पिछले साल यूके सरकार ने 2030 तक 10,000 रोगियों तक पहुंचने के लिए कैंसर उपचार के लिए नैदानिक परीक्षण करने के लिए जर्मनी स्थित बायोएनटेक के साथ एक समझौते की घोषणा की थी। फार्मास्युटिकल कंपनियां मॉडर्ना और मर्क एंड कंपनी एक प्रायोगिक कैंसर वैक्सीन बना रही हैं, जिसमें एक अध्ययन से पता चला है कि तीन साल के उपचार के बाद त्वचा कैंसर मेलेनोमा की पुनरावृत्ति या मृत्यु की संभावना आधी हो जाएगी। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, वर्तमान में ह्यूमन पैपिलोमावायरस (एचपीवी) के खिलाफ छह लाइसेंस प्राप्त टीके हैं, जो सर्वाइकल कैंसर सहित कई कैंसर का कारण बनते हैं, साथ ही हेपेटाइटिस बी (एचबीवी) के खिलाफ भी टीके हैं, जो लिवर कैंसर का कारण बन सकते हैं।

कैंसर दुनिया के सामने एक बड़ा खतरा है। दुनियाभर में होने वाली मौतों में कैंसर एक बड़ी वजह है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की कैंसर एजेंसी, इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर (आईएआरसी) के आंकड़े बताते हैं कि 2022 में लगभग दो करोड़ कैंसर के नए मामले सामने आए और कैंसर की वजह से 97 लाख लोगों की मौत हुई। अकेले भारत में 1,413,316 नए मामले दर्ज किए गए, जिनमें महिला रोगियों का अनुपात अधिक है। देश में 1,92,000 नए मामलों के साथ स्तन कैंसर का अनुपात सबसे अधिक है। आंकड़े यह भी बताते हैं कि लगभग हर पांच में से एक व्यक्ति को अपने जीवनकाल में कैंसर हो जाता है और लगभग नौ में से एक पुरुष और 12 में से एक महिला की इस बीमारी से मौत हो जाती है।

पुलवामा शहीदों को श्रद्धांजलि

लखनऊ, 14 फरवरी (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में शहीद हुए बीर जवानों की याद में भव्य समारोह सीआरपीएफ की बैंड धुन के साथ हुआ। पुलवामा के शहीदों को याद करते हुए इस दुखद घटना के बारे में जानकारी दी गयी कि 14 फरवरी 2019 को दोपहर लगभग 15.15 बजे केरिपु.बल के जम्मू से श्रीनगर जा रहे काफिले पर पुलवामा जिले के अवंतीपोरा के पास लेथपोरा में आत्मघाती हमला किया गया जिसमें केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के 40 जवान शहीद हो गये।

इस घटना को पाकिस्तान पोषित जैश-ए-मोहम्मद आतंकवादी संगठन से जुड़े 22 वर्षीय आतंकवादी आदिल अहमद डार अंजाम दिया था। जिससे बस में सवार 40 जवान शहीद हो गये तथा कई जवान गंभीर रूप से जख्मी हो गये। इस हमले में आतंकवादियों द्वारा लगभग 300 किलो विस्फोटक का इस्तेमाल किया गया था।

इस हमले में शहीद हुए जवानों में हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश,

झारखण्ड, जम्मू-कश्मीर, केरल, कर्नाटक एवं असम से 01-01, महाराष्ट्र, बिहार, पश्चिम बंगाल, तमिलनाड, उड़ीसा एवं उत्तराखण्ड से 02-02, पंजाब से 04, राजस्थान से 05 तथा उत्तर प्रदेश राज्य से 12 कुल 40 जवान शहीद हुए थे।

समारोह के अगले चरण एक दिया शहीदों के नाम' में उपस्थित अतिथियों ने पुष्पांजलि अर्पित करते हुए वीर शहीदों को श्रद्धांजलि दी एवं दियों को प्रज्जवलित किया तथा दो मिनट का मौन रखकर शहीदों को सम्मान दिया गया। इस अवसर पर बीर शहीदों के वीरता से जुड़े वीडियों का प्रदर्शन किया गया।

समारोह के अंत में पुलवामा शहीदों की याद में सभी ने पैदल मार्च किया। इस समारोह में सीआरपीएफ की ओर से एस.पी.सिंह, पुलिस उप महानिरीक्षक, सुनील कुमार, पुलिस उप महानिरीक्षक एवं डी.एन.यादव, कमाण्डेट तथा अन्य अधिकारियों ने भाग लिया। एस.पी.सिंह पुलिस उप महानिरीक्षक ने बताया कि सीआरपीएफ ने स्वंय को लोकतंत्र का सबसे मजबूत प्रहरी सिद्ध किया है। जब कभी भी देश की अखंडता एवं लोकतंत्र के समक्ष कोई भी चुनौती आई तो इस बल के बहादुर जवानों और अधिकारियों ने पूरी निष्ठा से असीम शौर्य का परिचय देते हुए उसका डटकर सामना किया।

कतर के अमीर शेख तमीम के पास बेशुमार दौलत

महल में लगा है सोना, तीन बार की है शादी

दोहा, 15 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय विदेश मंत्रालय ने इस सोमवार सुबह जानकारी देते हुए बताया कि कतर ने आठ पूर्व भारतीय नौसेना कर्मियों को रिहा कर दिया है। इनको अगस्त 2022 में कथित जासूसी के आरोपों में हिरासत में लेने के बाद मौत की सजा सुनाई गई थी। कतर के अमीर तमीम बिन हमद अल थानी के आदेश पर रिहा कर दिया गया है। इस घटना के बाद अमीर तमीम के बारे में चर्चा है। 'अमीर' कतर का सर्वोच्च शासक होता है।

कतर के देश बनने के बाद से 11 अमीर हुए हैं। सभी अल-थानी परिवार से हैं। शेख तमीम बिन हमद अल थानी को 2013 में यह उपाधि दी गई थी। उनके बड़े भाई शेख जसीम भी अमीर बनने के दावेदार थे लेकिन वह पीछे हट गए। इसके बाद शेख तमीम को ये जिम्मेदारी मिली।

शेख तमीम पूर्व अमीर हमद बिन खलीफा अल थानी के चौथे बेटे हैं। जून 1980 को जन्मे शेख तमीम की पढ़ाई लंदन के प्रतिष्ठित हैरो स्कूल में हुई और इंग्लैंड में रॉयल मिलिट्री अकादमी से 1998 में वह स्नातक हुए।

इंग्लैंड से लौटने के बाद शेख तमीम बिन हमद अल थानी को कतर सेना में सेकेंड लेफ्टिनेंट बनाया गया। 43 साल के शेख तमीम 2013 में अमीर बने। कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी दुनिया के सबसे अमीर शासकों की सूची में नौवें नंबर पर हैं। अल थानी परिवार की कुल संपत्ति लगभग 335 बिलियन अमेरिकी डॉलर है। शेख तमीम बिन हमद अल थानी की तीन बार शादी हो चुकी है और 13 बच्चे हैं। उन्होंने 2005, 2009 और 2014 में शादी की थी।

महल में हैं 100 से ज्यादा कमरें तमीम अपने परिवार के साथ दोहा रॉयल पैलेस में रहते हैं, जिसकी कीमत करीब 1 बिलियन अमेरिकी डॉलर है, इस महल में 100 से ज्यादा कमरे, बॉलरूम और अन्य चीजें हैं। यहां एक साथ करीब 500 कारें पार्क की जा सकती हैं। दोहा रॉयल पैलेस के कुछ हिस्सों में सोने की नक्काशी भी की गई है। शेख तमीम के पास दुनिया का सबसे महंगा और आलीशान याट है। इसकी कीमत 3.3 अरब रुपए है। यह 124 मीटर लंबा है और इसमें एक हेलीपैड भी है। इसमें एक बार में 35 मेहमान और 90 क्रू मेंबर्स ठहर सकते हैं।

शेख तमीम बिन हमद अल थानी की अपनी एयरलाइन भी है। 'कतर अमीरी एयरलाइन' की शुरुआत 1977 में हुई थी, जो केवल शाही परिवार को सेवा देती है। इस एयरलाइन के पास कम से कम 14 विमान हैं, जिनमें तीन बोइंग 747 शामिल हैं। शेख तमीम के पास कई लग्जरी कारें हैं, बुगाटी से लेकर फेरारी, लेम्बोर्गिनी, रोल्स-रॉयस आदि सैकड़ों लग्जरी कारें हैं। कतर अमीर तमीम को पाकिस्तान ने निशाने पाकिस्तान से भी सम्मानित किया है।

अमेरिका में भारतीय मूल के लड़के को 51 महीने की जेल

वॉशिंगटन, 15 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका में एक 24 वर्षीय भारतीय मूल के लड़के को अमेरिकी महिला के साथ धोखाधड़ी करने के आरोप में 51 महीने जेल की सजा सुनाई गई है। दरअसल, लड़के ने महिला को कंप्यूटर हैकिंग के जरिए 150,000 अमेरिकी डॉलर का चूना लगाया था। भारतीय मूल के लड़के की पहचान सुखदेव वैद्य के तौर पर की गई है। उसे पिछले साल दिसंबर में दोषी ठहराया गया था। उसने अंतरराष्ट्रीय कंप्यूटर हैकिंग के जरिए महिला को निशाना बनाया था और उनसे 1.2 मिलियन अमेरिकी डॉलर की धोखाधड़ी की। बुधवार को अदालत ने बताया कि कस्टडी से रिहा होने के बाद आरोपी को निर्वासन के लिए ब्यूरो ऑफ कस्टम और इमीग्रेशन इंफोर्समेंट के पास भेजा जाएगा।

फोर्ट मायर्स में आर्मी चीफ जनरल पांडे को दिया गया ऑनर गार्ड

स्ट्राइकर व्हीकल हथियार को लेकर हुई बातचीत

वॉशिंगटन, 15 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय थलसेना अध्यक्ष जनरल मनोज पांडे अमेरिका दौरे पर हैं। आर्मी चीफ के दौरे का आज तीसरा दिन है। आज आर्मी चीफ फ्लोरिडा में फोर्ट मायर्स स्थित अमेरिकी सेना के बेस कैंप पहुंचे, जहां उन्हें ऑनर गार्ड दिया गया। इसके बाद आर्मी चीफ अर्लिंगटन नेशनल सीमेट्री (कब्रिस्तान) गए, जहां उन्होंने बलिदान हुए सैनिकों के प्रति सम्मान व्यक्त किया।

आर्मी चीफ ने अमेरिकी सेना के चीफ ऑफ स्टाफ समेत कई अन्य शीर्ष अधिकारियों से भी मुलाकात की।

थलसेना अध्यक्ष जनरल मनोज पांडे चार दिवसीय दौरे पर 13 फरवरी को अमेरिका पहुंचे थे। 16 फरवरी तक चलने वाले उनके इस दौरे पर दोनों देशों के बीच ट्रेनिंग, साथ मिलकर हथियारों के विकास और उत्पादन को लेकर बातचीत होगी।

इस दौरे पर अमेरिकी सेना अधिकारी, भारतीय थलसेना के अध्यक्ष जनरल मनोज पांडे को अपनी स्ट्राइकर इंफेंट्री व्हीकल्स का भी प्रदर्शन करेंगे। दोनों देशों के बीच इन स्ट्राइकर इंफेंट्री व्हीकल्स को लेकर बातचीत चल रही है और भारत ने इनमें रुचि दिखाई है। स्ट्राइकर इंफेंट्री व्हीकल एक आठ पहियों वाली बख्तरबंद गाड़ी है, जिसमें एक वक्त मे जवान बैठ सकते हैं और यह गाड़ी कई अत्याधुनिक हथियारों और संचार साधनों से लैस है। अशांत इलाकों में यह स्ट्राइकर इंफेंट्री व्हीकल्स काफी अहम साबित हो सकते हैं।

शीर्ष सैन्य अधिकारियों से की मुलाकात

भारतीय सेना ने एक बयान जारी कर बताया कि जनरल मनोज पांडे के अमेरिका दौरे पर दोनों देशों में सैन्य सहयोग बढ़ाने और रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने पर फोकस किया जाएगा। अमेरिका दौरे पर थलसेना अध्यक्ष जनरल मनोज पांडे ने फोर्ट बेलवोयर स्थित आर्मी जियोस्पेटियल सेंटर और फोर्ट मैकनेयर स्थित नेशनल डिफेंस यूनिवर्सिटी का भी दौरा किया। साथ ही जनरल मनोज पांडे ने अमेरिका के 1 कॉर्प्स के मुख्यालय का भी दौरा किया। जनरल मनोज पांडे ने अमेरिकी सेना की रणनीति और अविष्कार यूनिट के प्रमुखों, मल्टी डोमेन टास्क फोर्स और स्पेशल फोर्सेस ग्रुप के अधिकारियों से भी मुलाकात की।

दूसरी बार प्रेसिडेंट बन सकते हैं जरदारी

6 पार्टियों का अलायंस बना सकता है सरकार, कई मुद्दों पर अब भी सहमति नहीं

इस्लामाबाद/लाहौर, 15 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान में नई सरकार की तस्वीर कुछ साफ होती नजर आ रही है। 'जियो न्यूज लाइव' की रिपोर्ट के मुताबिक- इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) को छोड़कर कुछ पार्टियां मिलकर सरकार बना सकती हैं। इनकी संख्या 6 या इससे ज्यादा हो सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक- सरकार को बाहर से समर्थन का ऐलान करने वाली पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) सरकार में शामिल न होते हुए भी मोलभाव कर रही है। बिलावल की यह पार्टी चाहती है कि उनके पिता आसिफ अली को प्रेसिडेंट बनाया जाए। इसके अलावा वो सीनेट का चेयरमैन और नेशनल असेंबली का स्पीकर पद भी मांग रही है।

पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में कुल 336 सीटें हैं। इनमें से 265 सीटों पर चुनाव हुए। एक सीट पर चुनाव टाल दिया गया, जबकि एक सीट एनए-88 के नतीजों को खारिज कर दिया गया है। यहां 15 फरवरी को फिर से वोटिंग होगी। बाकी 70 सीटें रिजर्व हैं।

अमेरिका में फायरिंग, 21 लोगों को गोलियां लगीं

वॉशिंगटन, 15 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के कैंसास शहर में गुरुवार सुबह एक रैली के दौरान गोलीबारी हुई। एक व्यक्ति की मौत हो गई। 21 लोग घायल हुए। इसमें कई बच्चे हैं। सभी को गोलियां लगी हैं। मौत का आंकड़ा बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने इस मामले में 3 लोगों को हिरासत में लिया है। गोलीबारी की वजह सामने नहीं आई है। हालांकि, पुलिस तीनों संदिग्धों से पूछताछ कर रही है। घटना का एक वीडियो सामने आया है। इसमें दो लोग एक हमलावर को पकड़ते नजर आ रहे हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि गोलीबारी से भगदड़ मच जाती है। इस बीच एक आदमी और महिला तेजी से दौड़ते हुए हमलावर को पकड़ते हैं। उसे धक्का देकर गिरा देते हैं और उसे पकड़ लेते हैं। इस दौरान उसकी गन गिर जाती है। इसके बाद एक महिला हमलावर के पास पड़ी बंदूक को उठा लेती है।

हमलावर को पकड़ने वाले आदमी ने बताया- 'रैली करीब 3 किलोमीटर लंबी थी। हजारों लोग इसमें शामिल थे। मैं हमलावर के पीछे ही था। जैसे ही गोलीबारी हुई लोग यहां-वहां भागने लगे। भीड़ के बीच मुझे हमलावर दिखा। मैंने पीछे से उसे पकड़ने की कोशिश की,लेकिन उस तक नहीं पहुंच पाया। कुछ सेकेंड बाद मैंने उसे धक्का दे दिया। जैसी ही वो गिरा मैंने अपना पूरा बल लगा दिया उसे पकड़ने के लिए। इतने में एक महिला आई और उसने हमलावर के पास पड़ी बंदूक उठा ली।'

अमेरिका के स्वतंत्रता दिवस (4 जुलाई) पर शिकागो में फ्रीडम डे परेड के दौरान गोलीबारी हुई थी। इस मामले में 22 साल के संदिग्ध रॉबर्ट ई क्रीमो III को गिरफ्तार किया गया है। क्रीमो एक रैपर है, वह हमला करने के बाद भागने की फिराक में था। पुलिस ने शिकागो हाईवे पर लंबी दूरी तक पीछाकर रॉबर्ट को गिरफ्तार किया। इसके बाद उसने खुद को म्यूजिशियन बताया। कल इलेनॉय राज्य के हाईलैंड पार्क की घटना में 6 लोगों की मारे गए थे, जबकि 31 घायल हो गए थे। परेड सुबह 10 बजे शुरू हुई थी, लेकिन फायरिंग होने के 10 मिनट बाद ही रोक दी गई। इसे देखने के लिए सैकड़ों लोग इकट्ठा हुए थे।

नागरिकों के बंदूक रखने के मामले में अमेरिका दुनिया में सबसे आगे है। स्विट्जरलैंड के स्मॉल आर्म्स सर्वे यानी एसएएस की रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया में मौजूद कुल 85.7 करोड़ सिविलियन गन्स में से अकेले अमेरिका में ही 39.3 करोड़ सिविलियन गन्स मौजूद हैं।

भजनलाल सरकार रचेगी नया इतिहास

सोने की खानों की नीलामी की तैयारी

जयपुर, 15 फरवरी (एजेंसियां)। राज्य की भजनलाल सरकार एक नया इतिहास रचने जा रही है। बांसवाड़ा के भूकिया जगपुरा में प्रदेश की पहली सोने की खानों की नीलामी की तैयारी शुरू कर दी गई है। यहां सोने की दो खानों की ई-नीलामी की आवश्यक औपचारिकताएं पूरी होने के साथ ही करीब एक माह में ऑक्शन के लिए केन्द्र सरकार के ई-पोर्टल पर निविदा जारी कर दी जाएगी।

बांसवाड़ा के घाटोल तहसील के भूकिया जगपुरा के 14 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में सोने के विपुल भण्डार मिले हैं। भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण विभाग के भू-वैज्ञानिकों की ओर से इस क्षेत्र में तांबा खोज के लिए किए जा रहे एक्सप्लोरेशन के दौरान यहां पहली बार सोने के संकेत देखे गए। इस क्षेत्र में व्यापक एक्सप्लोरेशन के बाद 113.52 मिलियन टन स्वर्ण अयस्क का आकलन किया गया, जिसमें सोने के धातु की मात्रा 222.39 टन आंकी गई है। यहां स्वर्ण अयस्क खनन के दौरान एक लाख 74 हजार टन से अधिक कॉपर, 9700 टन से अधिक निकल और 13 हजार 500 टन से अधिक कोबाल्ट खनिज प्राप्त होगा।

सोने की खान से यह होगा फायदा

भूकिया जगपुरा में इन खानों से सोने के साथ ही प्रचुर मात्रा में कॉपर, निकल और कोबाल्ट खनिज प्राप्त होगा। इससे देश और प्रदेश में इलेक्ट्रोनिक, पेट्रोलियम, पेट्रोकेमिकल, बैटरी, एयर बैग सहित कई उद्योगों में निवेश के साथ ही प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर विकसित होंगे। कॉपर इंडस्ट्रीज के साथ ही इलेक्ट्रोनिक क्षेत्र में कच्चे माल की उपलब्धता बढ़ेगी, वहीं निकल से बैटरी उद्योग, सिक्कों की ढलाई, इलेक्ट्रोनिक उद्योग आदि को बूम मिलेगा। कोबाल्ट एयर बैग, पेट्रोकेमिकल उद्योग में उपयोग आ सकेगा और कच्चे माल की आपूर्ति के लिए विदेशों पर निर्भरता कम होगी। राजस्थान में देश के करीब 25 प्रतिशत स्वर्ण भण्डार माने जा रहे हैं।

नई शिक्षा नीति देश के भविष्य निर्माण में होगी सार्थक

महिला सशक्तिकरण की नई इबारत लिखी जा रही

जयपुर, 15 फरवरी (एजेंसियां)। उप-मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और विजन से तैयार नई शिक्षा नीति देश के उज्ज्वल भविष्य निर्माण में सार्थक साबित होगी। इसी प्रकार राजस्थान सरकार द्वारा भी बालिका शिक्षा और उनके कल्याण के लिए नई योजनाएं लागू की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार योजनाओं के माध्यम से महिला सशक्तिकरण की नई इबारात लिख रही है। उन्होंने बेटियों को आह्वान किया कि वे असंभव शब्द को अपनी डिक्शनरी से हटाकर नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ें और राजस्थान का नाम रोशन करें।

उप-मुख्यमंत्री ने राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित बालिका शिक्षा प्रोत्साहन एवं पाठ्य पुस्तक मण्डल स्वर्ण जयंती समारोह की मुख्य अतिथि के रूप में अपने संबोधन में उक्त विचार व्यक्त किए। उन्होंने बालिकाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि सौ प्रतिशत प्रयास करने से निश्चित ही सफलता मिलती है। उन्होंने कहा कि पहले की तरह अब लोगों को जूझना नहीं पड़ता। आधुनिक तकनीक के युग में कंप्यूटर, मोबाइल और गूगल, इंटरनेट ने जीवन को आसान बना दिया है।

दीया कुमारी ने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से नई शिक्षा नीति, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजनाओं, सुकन्या योजनाओं व बालिका समृद्धि योजना, उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना जैसी कई योजनाएं चल रही हैं। राज्य सरकार द्वारा बालिका शिक्षा व महिला सशक्तिकरण के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। राजस्थान सरकार भी शिक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। इस साल के बजट में अल्प आय वर्ग, किसानों और खेती और श्रमिकों के परिवारों के छात्र-छात्राओं को केजी से पीजी तक निःशुल्क शिक्षा देने का निर्णय लिया गया है। शिक्षण संस्थानों के भवनों की मरम्मत, कक्षा कक्ष, बालिका शौचालय, छात्रावास हेतु 250 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

उप-मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के बजट में कक्षा एक से आठवीं तक के विद्यार्थियों तथा कक्षा नौ से 12वीं तक की छात्र-छात्राओं को स्कूल बैग, किताबों व यूनिफार्म के लिए प्रति विद्यार्थी 1000 रुपये देने की घोषणा भी हमने की है। दीया कुमारी ने कहा कि लाडो प्रोत्साहन योजना के तहत गरीब परिवार की बालिकाओं के जन्म पर एक लाख रुपये का सेविंग बॉन्ड तथा लखपति दीदी योजना में पांच लाख परिवारों की आय को एक लाख रुपये वार्षिक तक ले जाने का कार्य किया जाएगा।

उप-मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा कि प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना की राशि को 5,000 रुपये से बढ़ाकर 6,500 रुपये किया गया है। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों महिला सुरक्षा एक चिंता का विषय रही है। इसको ध्यान में रखते हुए लाड़ली सुरक्षा योजना के तहत सार्वजनिक स्थानों पर बालिका छात्रावास व नारी निकेतनों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने का निर्णय लिया गया है।

जल्द मिलेगा पूरा 332 क्यूसिक पानी

केंद्रीय जल आयोग ने पीएफआर के प्रस्ताव को दी मंजूरी

जयपुर, 15 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के नोहर फीडर, बरूवाली डिस्ट्रिब्युटेरी और फतेहाबाद ब्रांच की बिगड़ी स्थिति के चलते सीपी-4 (हरियाणा-राजस्थान बार्डर) से राजस्थान को आवंटित 332 क्यूसिक के बजाय 160 क्यूसिक पानी ही मिल रहा है।

डीपीआर लागू होने पर सीपी-4 से राजस्थान के हिस्से के 332 क्यूसेक पानी की आपूर्ति सुनिश्चित होगी, जो राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले में 14407 हेक्टेयर की सिंचाई क्षमता बहाल करने में सहायक होगा।

हरियाणा सरकार के परामर्श से तैयार

परियोजना की अनुमानित लागत 139 करोड़ रुपए है और नहरों के पुनर्वास से फसल उत्पादन में वृद्धि के रूप में वार्षिक लाभ 47 करोड़ रुपए का होगा। इस परियोजना को हरियाणा सरकार से सहमति मिल गई है। डीपीआर तैयार करने के लिए पीएफआर राजस्थान सरकार द्वारा हरियाणा सरकार के परामर्श से तैयार किया गया।

फिर बारिश का अलर्ट, पश्चिमी राजस्थान में तापमान गिरा

जयपुर, 15 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में एक बार फिर से बारिश की चेतावनी जारी की गई है। 17 फरवरी से पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है जिसके चलते प्रदेश में बारिश के हालात बनेंगे। मौसम विभाग के अनुसार 19 व 20 फरवरी को अजमेर, जयपुर, भरतपुर, जोधपुर, बीकानेर संभाग में कहीं-कहीं हल्की बारिश की संभावना है।

जयपुर में अधिकतम तापमान 25.2

वहीं अधिकतम और न्यूनतम तापमान की बात करें तो पश्चिमी राजस्थान को छोड़कर न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से ऊपर आ गया है। पिलानी, सीकर, पाली, जैसलमेर, बीकानेर, चूरू, श्रीगंगानगर और फतेहपुर सीकरी में तापमान अभी भी 10 डिग्री से नीचे है। बीते 24 घंटों में राजधानी जयपुर में अधिकतम तापमान 25.2 और न्यूनतम तापमान 15 डिग्री पहुंच गया। फिलहाल यहां मौसम साफ है और धूप खिली हुई है।

सुप्रीम कोर्ट के निर्णय का गहलोत ने किया स्वागत

जयपुर, 15 फरवरी (एजेंसियां)। पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने कहा कि इलेक्टोरल बॉन्ड ने भ्रष्टाचार को बढ़ाने का काम किया। इसने राजनीतिक चंदे की पारदर्शिता को खत्म किया और सत्ताधारी पार्टी भाजपा को सीधे लाभ पहुंचाया। मैंने बार-बार कहा कि इलेक्टोरल बॉन्ड आजाद भारत के सबसे बड़े घोटालों में से एक है। आज सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने यह साबित कर दिया है कि इलेक्टोरल बॉन्ड एनडीए सरकार का एक बड़ा घोटाला है। यह फैसला देर से आया पर देश के लोकतंत्र को बचाने के लिए बेहद ही जरूरी फैसला है। सुप्रीम कोर्ट का धन्यवाद।

कमिश्नर की कार ने बालक को कुचला

मदार गेट पर हुआ हादसा, शव मॉर्च्यूरी में रखवाया, पुलिस जांच में जुटी

अजमेर, 15 फरवरी (एजेंसियां)। अजमेर में निगम कमिश्नर की कार की टक्कर से 13 साल के बालक की मौत हो गई। के मदार गेट पर नगर निगम कमिश्नर की कार की टक्कर से एक बालक की मौत हो गई। सूचना मिलने के बाद पुलिस जवाहर लाल नेहरू अस्पताल पहुंची और शव को मॉर्च्यूरी में रखवाया है। मृतक बालक का नाम लखनऊ निवासी अजमल (13) पुत्र शमसुद्दीन है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

नगर निगम की साधारण सभा में लंच के बाद नगर निगम कमिश्नर देशल दान करीब तीन बजे कार में वापस आ रहे थे तो ड्राइवर ने गांधी भवन के बाहर उतारा और बाद में कार कार चालक मदार गेट से घूमाकर वापस ला रहा था, इसी दौरान मासूम चपेट में आ गया। प्रत्यक्षदर्शी काली ने बताया कि कार चालक अपंग बच्चे को टक्कर मारने के बाद भी गाड़ी लेकर चला गया। कार पर राजस्थान सरकार लिखा हुआ था। बच्चे को टेम्पों में अस्पताल लेकर गए। अस्पताल पहुंचने के बाद डॉक्टर्स ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने के बाद पुलिस पहुंची और मामले की जांच में जुटी है।

कोतवाली थाना प्रभारी वीरेन्द्रसिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद बॉडी मां को सौंप दी है। मां की रिपोर्ट पर पुलिस ने नगर निगम कमिश्नर की कार के चालक खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। कार जब्त कर जांच की जा रही है।

भारत बंद से पहले राजस्थान का यह बॉर्डर हुआ सील

किसान ही नहीं यात्रीगण-दिहाड़ी मजदूरों की भी बढ़ी परेशानी

श्रीगंगानगर, 15 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान-पंजाब सीमा पर साधुवाली के पास बॉर्डर सील करने के कारण राजस्थान-पंजाब सीमा पर बसों की आवाजाही बाधित रही। जिस कारण यात्रियों को लगभग दो किलोमीटर पैदल चलने के बाद श्रीगंगानगर आने के लिए साधुवाली गांव से टैम्पो लेना पड़ा। दूसरी तरफ, दिहाड़ी-मजदूरी के लिए आने वाले लोग भी बॉर्डर सील होने से परेशान हैं। राजस्थान-पंजाब सीमा पर साधुवाली के पास बॉर्डर सील करने के बाद दिल्ली कूच के लिए किसानों का कोई जत्था नहीं पहुंचा। मंगलवार को दिल्ली कूच के लिए 100 के करीब किसान साधुवाली पहुंचे थे, जिन्हें बॉर्डर पार कर पंजाब जाने का प्रयास करते हुए पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। इस जगह अभी भी बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात है। प्रशासन और पुलिस के अधिकारी किसान आंदोलन 2.0 पर लगातार नजर बनाए हुए हैं।

किसान आंदोलन 2.0 से यात्रीगण परेशान

साधुवाली के पास बॉर्डर सील करने से पंजाब से आने वाले यात्रियों को भारी परेशानी हो रही है। पंजाब से आने वाली बसें राजस्थान-पंजाब सीमा तक ही आवागमन कर रही है। उसके बाद यात्रियों को लगभग दो किलोमीटर पैदल चलने के बाद श्रीगंगानगर आने के लिए साधुवाली गांव में टैम्पो मिलती हैं।

जिन किसानों की कृषि भूमि बॉर्डर सील करने के लिए लगाए गए बैरिकेड्स के उस पार है, उन्हें अपने खेत तक जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। राजस्थान सीमा से सटे पंजाब के गांवों से श्रीगंगानगर में दिहाड़ी-मजदूरी के लिए आने वाले लोग भी बॉर्डर सील होने से परेशान हैं। उन्हें श्रीगंगानगर आने के लिए लंबा चक्कर लगाना पड़ रहा है।

कल भारत बंद तक बॉर्डर सील

अतिरिक्त जिला कलक्टर प्रशासन अरविन्द कुमार जाखड़ ने बताया कि किसान संगठनों ने 16 फरवरी भारत बंद की घोषणा की हुई है। इसके दृष्टिगत 16 फरवरी तक तो साधुवाली बॉर्डर को सील रखा जाएगा। उन्होंने बताया कि जिले में कहीं पर भी किसानों के प्रदर्शन आदि की सूचना नहीं है। साधुवाली बॉर्डर पर भी किसान नहीं पहुंचे।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने शिक्षकों को दी चेतावनी, जल्द होंगे ये नए आदेश जारी

जयपुर, 15 फरवरी (एजेंसियां)। सरकारी स्कूलों में गुरुवार को होने जा रहे सूर्य नमस्कार से पहले शुरू हुआ विवाद रुकने का नाम नहीं ले रहा है। राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित बालिका प्रोत्साहन सम्मान और पाठ्य पुस्तक मंडल स्वर्ण जयंती समारोह में शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि आजकल देखने में आ रहा है कि स्कूलों में हनुमान जी, भैरूजी और नमाज पढ़ने के नाम पर शिक्षक स्कूलों से गायब हो जाते हैं। लेकिन अब ऐसा नहीं चलेगा। शिक्षा मंत्री ने कहा कि अगर कोई शिक्षक पूजा-पाठ और नमाज के नाम पर स्कूलों से गायब हुआ तो कार्रवाई होगी। शिक्षा विभाग की ओर से जल्द ही इसके आदेश जारी किए जाएंगे। शिक्षा मंत्री ने कहा कि तुझे पूजा-पाठ और नमाज पढ़ने से कोई आपत्ति नहीं है लेकिन स्कूल समय में यह नहीं चलेगा।

स्कूलों में सूर्य नमस्कार का सामूहिक अभ्यास आज

प्रदेश के समस्त सरकारी और गैर सरकारी विद्यालयों में गुरुवार (15 फरवरी) को सूर्य सप्तमी के उपलक्ष्य में विद्यार्थियों की ओर से सुबह 10.30 बजे से 11 बजे के बीच एक ही समयावधि में सामूहिक रूप से सूर्य नमस्कार का अभ्यास किया जाएगा। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर जयपुर में चौगान स्टेडियम में प्रातः 10 बजे से शुरू होने वाले कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। वे सुबह 10.30 बजे से 11 बजे के बीच होने वाले सामूहिक अभ्यास के दौरान विद्यार्थियों के बीच सूर्य नमस्कार करेंगे।

पूजा-नमाज

शिक्षक चाहे तो अवकाश लेकर पूजा-पाठ करें। दिलावर सूर्य नमस्कार का विरोध करने पर नाराज हुए। उन्होंने मंच से कहा कि कुछ लोग कह रहे हैं कि सूर्य नमस्कार करने से हमारी भावनाएं आहत होती दिलावर ने कहा कि सूर्य नमस्कार करने से दिक्कत है वे काल कोठरी में घुस जाएं, ताकि सूर्य की किरणे उमर पर नहीं पड़े। गौरतलब है कि स्कूलों में सूर्य नमस्कार के आयोजन का मुस्लिम संगठन की ओर से विरोध किया गया है।

पत्नी की गला रेत कर हत्या

पति ने भी ट्रेन के आगे कूद कर आत्महत्या की

कोटा, 15 फरवरी (एजेंसियां)। कोटा के उद्योग नगर थाना क्षेत्र में पति ने अपनी पत्नी की गला रेत कर हत्या कर दी। इसके बाद खुद भी ट्रेन के आगे कूद गया और आत्महत्या कर ली। इस बेहद सनसनी खेज वारदात के बाद पास पड़ोस के लोगों में सनसनी फैल गई। लोगों की भीड़ घर के बाहर जमा हो गई। पुलिस ने पंचनामा करके शव को मोर्चरी के लिए रवाना किया। डीएसपी धर्मवीर सिंह ने बताया कि कैलाश नाम का युवक प्रेम नगर इलाके में रहता था। उसकी पत्नी रिंकू बाई से उसका आए दिन झगड़ा होता था। कहीं न कहीं कैलाश को अपनी पत्नी के चरित्र पर शक था। इसको लेकर आए दिन मारपीट भी किया करता था। मंगलवार रात को कैलाश ने अपनी पत्नी का गला रेत कर उसकी हत्या कर दी और खुद भी अनंतपुरा के पास से गुजर रही रेलवे लाइन पर ट्रेन के आगे कूद कर आत्महत्या कर ली।

बड़े होटल और बजरी कारोबारी के जयपुर, उदयपुर सहित कई ठिकानों पर पहुंची ईडी की छापेमारी

जयपुर, 15 फरवरी (एजेंसियां)। कार्रवाई में विभाग की जयपुर और दिल्ली की टीमें शामिल हैं। इस दौरान कई बड़े खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है। बता दें कि 2020 में सियासी संकट के वक्त मेघराज सिंह के जैसलमेर स्थित सूर्यगढ़ होटल में भी कांग्रेस नेताओं की बाड़ेबंदी की गई थी।

जानकारी के अनुसार मेघराज और गडानी ग्रुप पर आज सुबह 4 बजे से ईडी की टीमें छापेमारी कर रही हैं। जयपुर में 200 फीट बाईपास के पास मुख्य ऑफिस, वैशाली नगर स्थित मेघराज आवास, पानीपेच चौराहे के पास बजरी कार्यालय पर कार्रवाई की जा रही है। वहीं टोंक, भरतपुर, सवाई माधोपुर की साइट पर भी ईडी की टीम पहुंची हैं। उदयपुर में तीन जगहों पर सर्च की जा रही है।

जानकारी के अनुसार आज रात तक गुजरात की ED की टीम भी जयपुर, उदयपुर और अन्य ठिकानों पर पहुंच कर आगे के सर्च कर सकती हैं। इस ग्रुप ने कई व्यापारियों को अपना पार्टनर बना रखा है। जिस में बीजेपी-कांग्रेस के लीडर सहित दिल्ली के बिजनेसमैन भी शामिल हैं। ईडी जांच का दायरा भी बढ़ा सकती हैं।

दरअसल, इनके नाम खान घोटाले में सामने आए थे। जिसके आधार पर ईडी अधिकारियों ने कई कारोबारियों को रडार पर ले रखा था। उसी के आधार पर यह कार्रवाई बताई जा रही हैं। अलसुबह एक साथ कई ठिकानों पर ईडी की टीम पहुंचीं। ईडी की कार्रवाई से कारोबारियों में हड़कंप मच गया। सर्चिंग ऑपरेशन के दौरान शाम तक कई बड़े खुलासे सामने आ सकते हैं।

अब चाइल्ड क्रिमिनल पर लॉरेंस गैंग की नजर

कर दिया पुलिस की नींद उड़ाने वाला काम

जयपुर, 15 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में लॉरेंस बिश्नोई गैंग का चौंकाने वाला कनेक्शन सामने आया है। यहां बीते दिनों बाल अपचारियों के फरार होने की घटना हुई थे। इसमें अब लॉरेंस गैंग का नाम सामने आ रहा है। बताया जा रहा है कि फरार हुए चाइल्ड क्रिमिनल्स को भगाने में लॉरेंस गैंग के लिए एक युवक कनेक्शन था।

जयपुर : राजस्थान में कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने एक बार फिर पुलिस की नींद उड़ाकर रख दी है। लॉरेंस गैंग ने एक बार फिर राजस्थान पुलिस को हैरत में डाल दिया है। दरअसल, बाल अपचारियों (चाइल्ड क्रिमिनल्स) के फरार होने के मामले में लॉरेंस गैंग का कनेक्शन सामने आया है। इसके बाद पुलिस अलर्ट मोड में आ गई है।

पुलिस भी हैरान है कि लॉरेंस गैंग ने बाल अपचारियों के जरिए सिस्टम में सेंध लगाकर अपने नेटवर्क की ताकत दिखाने की कोशिश की है। इस मामले में अब जयपुर पुलिस ने गंभीरता दिखाते हुए कार्रवाई शुरू कर दी है। इसको लेकर जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ मामले पर नजर बनाए हुए हैं।

शिकारी के लगाए ट्रैप में फंसा पैंथर

महिलाएं लकड़ी लेने गई थी, गुर्राया तो मालूम चला; रेस्क्यू वैन में कोटा भेजा

रजवास, 15 फरवरी (एजेंसियां)। आमल्दा पंचायत के रजवास गांव में जंगली जानवर के शिकार के लिए लगाए फंदे में बुधवार रात एक पैंथर फंस गया। गुरुवार को इसकी जानकारी लगते ही ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। जंगल में लकड़ी लेने गई महिलाओं ने पैंथर की गुर्राहट सुनी तो डर गई। आसपास देखा तो फंदे में पैंथर फंसा था। रेस्क्यू टीम ने मौके पर पहुंचकर घायल पैंथर को बेहोशी का इंजेक्शन लगाया। रेस्क्यू वेन में पैंथर को कोटा ले जाया गया है।

इसके बाद ग्रामीणों ने वन विभाग के अधिकारी को सम्पर्क करने की कोशिश की। वन विभाग के रेंजर चौखा राम का फोन ही बंद था। मौके पर घटना के करीब 6 घंटे बाद सुबह 9:30 बजे वन विभाग के वन रक्षक अश्विनी मीणा और हरदीप पहुंचे थे। रेस्क्यू टीम में डॉ. विशाल राव, तेजेंद्र सिंह मुकुंदरा टाइगर, मनोज शर्मा, सुरेंद्र एवं धनराज शामिल रहे।

कोचिंग छात्रा से गैंगरेप

कोटा, 15 फरवरी (एजेंसियां)। कोटा में 16 साल की कोचिंग स्टूडेंट से गैंगरेप का मामला सामने आया है। मामले में पुलिस ने नीट की तैयारी कर रहे चार लड़कों को गिरफ्तार किया है। आरोपी एक लड़के ने धोखे से पीड़िता को अपने फ्लैट पर बुलाया था। इसके बाद अपने तीन दोस्तों के साथ मिलकर गैंगरेप किया। फिलहाल पुलिस ने चारों की पहचान को छुपाकर रखा है।

घटना कुन्हाड़ी थाना इलाके की है। एएसपी उमा शर्मा ने बताया कि पीड़िता यूपी की रहने वाली है और करीब एक साल से कोटा में रहकर नीट की तैयारी कर रही है।

महिलाओं की देखभाल और कर्मचारियों के कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता : तरूण जोशी

हैदराबाद , 15 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा के नए पुलिस आयुक्त तरूण जोशी ने बुधवार को सीपी कार्यालय नेरेडमेट में कार्यभार संभाला लिया। इस मौके पर राचकोंडा में कार्यरत डीसीपी, एसीपी और अन्य अधिकारियों के साथ बैठक की गई।

इस अवसर पर आयुक्त ने कहा कि राचकोंडा में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक उपाय किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि यातायात समस्याओं और मौत का कारण बनने वाली गंभीर सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए विशेष उपाय किए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि जल्द से जल्द अपराध साबित करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जाएंगे कि सिविल, एआर, बटालियन और ट्रैफिक जैसे सभी विभाग समन्वय के साथ काम करें। उन्होंने कहा कि महिलाओं की देखभाल के लिए सख्त कदम उठाए जाएंगे और शी टीमों को मजबूत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हम नशीली दवाओं की आपूर्ति और उपयोग पर रोक लगाएंगे और युवाओं को नशीली दवाओं का शिकार होने से रोकने के लिए जागरूकता कार्यक्रम चलाएंगे। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में साइबर अपराधों की बढ़ती संख्या पर अंकुश लगाने के लिए सख्त कदम उठाए जाएंगे और लोगों को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करने के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। पूर्व में राचकोंडा के अतिरिक्त आयुक्त के रूप में काम करने के अनुभव के साथ, उन्हें रचाकोंडा के अंतर्गत आने वाले सभी क्षेत्रों की पूरी जानकारी है। उन्होंने कहा कि वह तीनों आयुक्तालयों के साथ समन्वय में काम करेंगे। हमेशा लोगों की सेवा करेंगे और सुनिश्चित करेंगे कि जनता की समस्याओं का जल्दी से हो। उन्होंने कहा कि अपराध रोकने के लिए हम सबके साथ मिलकर काम करेंगे और पुलिसकर्मियों के कल्याण पर भी ध्यान देंगे।

उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों से समन्वय बनाकर काम करने और अपराध पर नियंत्रण करने का आह्वान किया ताकि लोगों को अपराधियों से डरना न पड़े। कार्यक्रम में डीसीपी यदाद्री राजेश चंद्रा, डीसीपी मलकाजीगिरी पद्मजा , डीसीपी एलबी नगर प्रवीण कुमार , डीसीपी एसबी करुणाकर, डीसीपी एडमिन इंदिरा, डीसीपी एसओटी मुरलीधर और अन्य अधिकारियों ने भाग लिया।

डबल बेडरूम के नाम पर जनता को लगाया चूना

मदनूर, 14 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। स्थानीय जनता द्वारा आरोप किया गया है कि डबल बेडरूम देने के नाम पर पिछली सरकार के कार्यकाल में ठेकेदार एवं राजकीय नेता ने ग्रामीणों को लाखों रुपये का चूना लगाया गया।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया की 235 डबल बेडरूम को मंजूरी मिलने की बात बता कर राजकीय नेता द्वारा 235 लाभार्थीयों के पास से 7200 से लेकर दस हजार रुपये तक ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन के लिए बताकर हर एक के पास से लाखों रुपये वसूल किये गए। लेकिन आज तक उनके नाम से न रूपये की रसीद दी गई और ना ही डबल बेडरूम। लोगों ने बताया की विधान सभा चुनाव के समय कुछ लाभार्थियों को एक बिल मिला है कुछ गांव में तो राजकीय नेता के कहने पर दस से लेकर बीस लाख रुपए खर्च कर के मकान निर्माण करा लिया गया, लेकिन आज तक उन्हें एक भी मकान का बिल नहीं मिला। बिल के बारे में राजकीय नेता को पूछे जाने पर बताते हैं कि आप को डबल बेडरूम मंजूर नहीं हुआ है।

सड़क सुरक्षा समारोह आयोजित

हैदराबाद, 15 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। 15 जनवरी से 14 फरवरी तक मनाए गए "राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह" के संबंध में, आज सड़क सुरक्षा विंग, राचकोंडा द्वारा आयुक्त की देखरेख में उप्पल एक्स रोड पर एक राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह समापन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में के. मनोहर, डीसीपी, यातायात- I, राचकोंडा, एसएन. जावेद, एसीपी सड़क सुरक्षा, राचकोंडा, अर्जुन रुमल्ला, एमडी टेक्निपएफएमसी (वॉल्यूम संगठन) और उनकी टीम, नरेंद्र, निदेशक, वित्त, अनीश कुमार, सुरक्षा प्रमुख, टेक्निपएफएमसी, सुजाता, समन्वयक, टेक्निपएफएमसी, डॉ. वसुधा, प्रिंसिपल पनामिया महाविद्यालय, आरकेएससी ट्रैफिक मार्शल, सड़क सुरक्षा विंग के अधिकारी और कर्मचारी, ट्रैफिक, एल एंड ओ, महिला पीएस और टीटीआई राचकोंडा ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में, अधिकारियों ने सड़क सुरक्षा नियमों/विनियमों के महत्व और उठाए जाने वाले सुरक्षा उपायों के बारे में सभा को संबोधित किया, जैसे हेलमेट पहनना, सीट बेल्ट पहनना, शराब पीकर गाड़ी न चलाना, ओवर स्पीडिंग से बचना, सेल फोन ड्राइविंग से बचना आदि। जनता को जागरूक करने के लिए प्लेकार्ड दिखाए गए। टीटीआई, राचकोंडा के एलईडी स्क्रीन वाहन के माध्यम से सड़क सुरक्षा वीडियो प्रदर्शित किए गए। सभी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं जनता ने सड़क सुरक्षा शपथ पढ़कर शपथ ली। अंत में, सड़क पर कुछ उल्लंघनकर्ताओं यानी हेलमेट न पहनने और सीट बेल्ट न पहनने वालों को सलाह दी गई और उन्हें ऐसा दोबारा न करने के लिए फूल वितरित किए गए। मनाए गए राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह कार्यक्रमों के दौरान, कुल (81) कार्यक्रम आयोजित किए गए और (10,518) सड़क उपयोगकर्ताओं/छात्रों/जनता/चालकों ने भाग लिया। राचकोंडा पुलिस ने राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के दौरान स्कूलों, कॉलेजों और संस्थानों में सड़क सुरक्षा कार्यक्रम आयोजित किए।

पुलिस ने किशोरी को सुरक्षित मां को सौंपा

हैदराबाद,15 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद सिटी पुलिस ने हैदराबाद-शहर के महाकाली डिवीजन के रामगोपालपेट पुलिस स्टेशन की सीमा में लापता किशोरी को सुरक्षित रूप से ढूंढ लिया। बीती 11 फरवरी को एक महिला ने थाने में शिकायत दर्ज कराई कि उनकी बेटी लापता हो गई है। महिला ने अपने शिकायत में कहा कि उसकी बेटी हरिनाक्षी मानसिक रूप से स्थिर है और चिकित्सा से गुजर रही है। महिला से शिकायत मिलने के बाद पुलिस हरकत में आई। उसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण डीसीपी एनजे रोहिणी प्रियदर्शनी के निर्देश पर पुलिस ने तुरंत एक टीम गठित कर कार्रवाई की। टीम मौके पर पहुंची और अपराध स्थल के पास के सीसीटीवी कैमरों के साथ-साथ रास्ते के कैमरों की जांच की और एल एंड टी कैमरों की जांच की और सीसीटीवी फुटेज, सोशल मीडिया अकाउंट, पूर्व परिचितों के फोन नंबर आदि जैसे तकनीकी सबूतों का विश्लेषण करना शुरू कर दिया। टॉलीचौकी, नरसिंगी, लंगरहाउस, हिमायतनगर तक सीसीटीवी सुराग के साथ उसका पता लगा लिया गया और उसे सुरक्षित रूप से उसकी मां को सौंप दिया गया। किशोरी का पता लगाने वाली पुलिस टीम को पुरस्कृत करने की घोषणा की गई है।

तेलंगाना को और अधिक डायलिसिस मशीनों की आवश्यकता

हैदराबाद, 15 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। विधायक कल्वाकुंतला संजय ने गुरुवार को जोर देकर कहा कि कोरटला विधानसभा क्षेत्र में डायलिसिस केंद्र को अधिक डायलिसिस मशीनों की आवश्यकता है। विधानसभा में शून्यकाल के दौरान अपने निर्वाचन क्षेत्र में डायलिसिस रोगियों की बढ़ती चिंता की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करते हुए उन्होंने कहा कि मरीजों को अक्सर अपनी बारी के लिए लंबे समय तक इंतजार करना पड़ता है। उन्होंने कहा, वे अपने निर्धारित सत्र को छोड़ने का जोखिम नहीं उठा सकते क्योंकि इसका दीर्घकालिक प्रभाव होगा।

अध्ययन बीआरएस विधायक पल्ला राजेश्वर रेड्डी ने सरकार से उनके जनगांव विधानसभा क्षेत्र और राज्य में अन्य जगहों पर दूध उत्पादकों को पिछले दो महीनों से लंबित बकाया जारी करने की अपील की। उन्होंने कहा कि पिछली बीआरएस सरकार द्वारा दुग्ध उत्पादकों को बढ़ाए गए बोनस का भुगतान भी नई सरकार द्वारा नहीं किया जा रहा है। उत्पादकों से दूध इकट्ठा करने वाली कुछ कंपनियों ने गुणवत्ता संबंधी मुद्दों का हवाला देते हुए उन्हें मिलने वाले भुगतान को रोक रखा था। हुजूराबाद विधायक पाडी कौशिक रेड्डी ने सरकार से दलित बंधु की दूसरी किस्त जारी करने की अपील की. उन्होंने कहा कि योजना के दो लाभार्थियों श्रीनिवास और अमला ने दलित बंधु निधि जारी होने से अनिश्चित होने के बाद आत्महत्या का प्रयास किया था। इस योजना को 18,021 दलित लाभार्थियों तक लाभ पहुंचाते हुए संतृप्ति मोड में लागू किया गया था। इनमें से 2800 को दूसरी किस्त बकाया है। उन्होंने कांग्रेस सरकार से पिछली बीआरएस सरकार द्वारा दी गई 2,32,308 नौकरियों के अलावा सरकार द्वारा घोषित दो लाख नौकरियों की भर्ती के लिए अपना जॉब कैलेंडर जारी करने की भी अपील की। चिकित्सा और स्वास्थ्य और अन्य विभागों में नए नियुक्त 15,750 उम्मीदवारों को नौकरी पत्र देने के लिए सरकार को धन्यवाद देते हुए उन्होंने जोर देकर कहा कि ये बीआरएस सरकार द्वारा दी गई नौकरियां थीं और वर्तमान सरकार को इसका श्रेय नहीं लेना चाहिए। निज़ामाबाद शहरी विधायक धनपाल सत्यनारायण ने बताया कि उनके निर्वाचन क्षेत्र के कुछ सरकारी स्कूलों की स्थिति खराब हो रही है। ऐसे स्कूल हैं जिनमें 350 से अधिक छात्रों के लिए केवल दो या तीन शौचालय थे। वह चाहते थे कि सरकार सरकारी स्कूलों के विकास के लिए विशेष धनराशि जारी करे।

अग्रवाल समाज तेलंगाना राणी सती दादी घांसी बाजार महिला शाखा द्वारा बसंत पंचमी के अवसर पर सरस्वती पूजा की गई। जिसमें अध्यक्ष रिंकू गर्ग, उपाध्यक्ष हेमा अग्रवाल, मोनिका अग्रवाल, अंजू अग्रवाल, सुशीला केडिया, कविता अग्रवाल, सीमा अग्रवाल, पूनम तुलशियान आदि महिलाएं शामिल हुई।

दसवीं के छात्रों को परीक्षा सामग्री वितरित

हैदराबाद, 15 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। झुग्गी-झोपडियों में गरीबों के उत्थान के लिए काम करने वाले पुरूषोत्तम मेमोरियल फाउंडेशन ने अगले महीने एसएसी परीक्षा देने कि तैयारी करने वाले छात्रों के लिए नोटबुक और स्टेशनरी वितरित की। गुरुवार को गुडिमल्कापुर की नवोदय कालोनी में सरकारी हाईस्कूल देवल झाम सिंह के छात्रों को नोटबुक, परीक्षा पैड और ज्योमेट्री बॉक्स और पेन जैसे स्टेशनरी वितरित किए। इस अवसर पर सांगला फ्लोरी, प्रिंसिपल श्रीनिवास आदि लोग उपस्थित थे।

सामूहिक यज्ञोपवीत संस्कार संपन्न

हैदराबाद, 15 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण भारत कान्यकुब्ज सभा हैदराबाद के तत्वावधान में सामूहिक उपनयन संस्कार कार्यक्रम कान्यकुब्ज भवन में संपन्न हुआ। बसंत पंचमी के अवसर पर हुए इस कार्यक्रम में पंडित योगेंद्र मिश्रा, पंडित जितेंद्र मिश्रा द्वारा बटुक दिव्यांग शुक्ला, अनिवेश शुक्ला, मोहन तिवारी, बालाजी प्रसाद तिवारी, रितेश प्रसाद तिवारी, गोविंद तिवारी, अभिनव शास्त्री, कुशाग्र दुबे, कृतार्थ दुबे, प्रतीक दुबे एवं वशिष्ठ दुबे को ब्रम्हचर्य की दीक्षा दी गई। कार्यक्रम के आयोजन में अध्यक्ष डा रामकुमार तिवारी, शंकर तिवारी, विजय पाल पांडेय, गोपाल प्रसाद शुक्ला, भवानी प्रसाद तिवारी, बालाप्रसाद तिवारी, राजेंद्र प्रसाद तिवारी, बिनोदप्रसाद तिवारी, शोभा दुबे, रत्नकला मिश्रा, जयशंकर प्रसाद तिवारी, दुर्गाप्रसाद मिश्रा, सूर्खप्रकाश शुक्ला, प्रेमसुंदर शुक्ला, महेश अग्निहोत्री, बी शिवकुमार, मोहन सिंग एवं निर्दोष समूह के कार्यकर्ताओं ने योगदान दिया।

चुनाव के संचालन में विशेष टीमों की भूमिका महत्वपूर्ण है : जिला अधिकारी

आसिफाबाद, 15 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिला अधिकारी बोरकड़े हेमन्त सहदेव राव ने कहा कि आगामी संसदीय चुनाव के तहत गठित की जाने वाली वीडियो, स्थैतिक निगरानी और उड़नदस्ता टीमों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। गुरूवार को अपर जिलाधिकारी दीपक तिवारी के साथ वीडियो सर्विलंस, स्टेटिक सर्विलंस, फ्लाइंग स्काड टीम एवं सहायक व्यय निरीक्षकों के लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला अधिकारी शामिल हुए। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि संसदीय चुनाव की अधिसूचना प्राप्त होते ही विशेष टीमें अपना कर्तव्य प्रभावी ढंग से निभायें, वीडियो निगरानी, स्थैतिक निगरानी एवं उड़न दस्ता टीमों के सदस्य सतर्क रहें और अपना कर्तव्य निभायें। उड़न दस्ता टीम के सदस्यों को शिकायत मिलने पर तुरंत प्रतिक्रिया देनी चाहिए और तुरंत जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करनी चाहिए और यदि पिछले विधानसभा चुनाव में ड्यूटी करने वालों में से किसी का स्थानांतरण हो जाता है, तो उनके स्थान पर अन्य को नियुक्त किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि चेक पोस्टों पर ड्यूटी करने वाले कर्मियों को हथियारों से लैस होकर निरीक्षण करना चाहिए, उचित साक्ष्य के बिना प्राप्त धन, आभूषण और उपहारों को जब्त कर स्थानीय पुलिस स्टेशन में रखा जाना चाहिए और पंचनामा प्रक्रिया पूरी होने के बाद सौंप दिया जाना चाहिए।

श्रद्धालुओं को यातायात व्यवधान का सामना ना करना पडे : गुप्ता

वारंगल, 15 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। बलदिया की प्रभारी आयुक्त राधिका गुप्ता ने अधिकारियों को ऐसी व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं कि मेदाराम जातरा में जाने वाले श्रद्धालुओं को शहर में यातायात की समस्या का सामना न करना पड़े।

गुरुवार को हनुमाकोंडा में एकीकृत जिला कलेक्टर कार्यालय के मिनी कॉन्फ्रेंस हॉल में पुलिस और जीडब्ल्यूएमसी अधिकारियों के साथ आयोजित समन्वय बैठक में मध्य क्षेत्र के डीसीपी अब्दुल बारी और प्रशिक्षु आईपीएस पंडारी चेतन के साथ राधिका गुप्ता ने भाग लिया और प्रभावी प्रबंधन के लिए कई सुझाव दिए। इस मौके पर दोनों ने कहा कि आगामी मेदाराम जातरा में जाने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो इसके लिए व्यापक इंतजाम किए जाएं, मुख्य रूप से अस्थायी बस अड्डों पर पर्याप्त रोशनी व सीसी कैमरे लगाए जाएं, महानगर क्षेत्र की सड़कों की तत्काल मरम्मत कराई जाए, नालों को ढका जाए, स्वच्छता प्रबंधन एवं यातायात नियंत्रण किया जाए, साइन बोर्ड लगाए जाएं। इस बैठक में प्रशिक्षु आईपीएस पंडरी चेतन, आरडीओ रमेश, ट्रैफिक एसीपी भोजराजू, इंस्पेक्टर सुजाता, श्रीधर, सीता रेड्डी, बलदिया डीसीपी प्रकाश रेड्डी, ईई संजय कुमार, एसीपी खलील, श्रीनिवास रेड्डी के साथ डीई रविकुमार, रविकिरण एई हरि कुमार और अन्य ने भाग लिया।

अग्रणी महिला मंच का वसंतोत्सव कार्यक्रम

हैदराबाद, 15 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। अग्रणी महिला मंच द्वारा गुरुवार को वसंतोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस उत्सव में महिलाओं के लिए अलग अलग प्रतियोगितायें रखी गई। जिसमें अलका, तन्वी मोनानी, नीलू, बिना, धर्मिष्ठा, शिल्पा, जयश्री, ममता, कल्पना, पुष्पा, अनिता जगदम्बा, वंदना विजेता रही। सभी को पुरस्कार दिया गया। इस अवसर पर बबिता गर्ग, रितु गर्ग, टीना खंडेलवाल, श्वेता खंडेलवाल, सुनयना नरसरिया, श्रद्धा सुखिया, स्मिता शाह, श्रद्धा गोयल, संगीता जाजोदिया, संगीता बिंदल, सोनिया गोयल, संतोष अग्रवाल, सारिका अग्रवाल, प्रीति गोयल एवं पवन भुवानिया आदि उपस्थित थे।

श्री गोपाल गौशाला ने मनाया 15वां स्थापना दिवस

हैदराबाद, 15 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। इब्राहिमपटनम में स्थित श्री गोपाल गौशाला का 15वां स्थापना दिवस मनाया गया। इस मौके पर आयोजित समारोह में श्री शिवमंदिर गौशाला के नवनिर्वाचित चेयरमैन अमित अग्रवाल ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की। श्री गोपाल गौशाला ट्रस्ट के चेयरमैन तुलसीराम बंसल ने बताया कि कार्यक्रम में गौशाला में सहयोग करने वाले दानदाताओं और सहयोगियों का सम्मान किया गया। 15 एकड़ में फैली गौशाला में इस वक्त 500 से ज्यादा गायों की सेवा की जा रही है।

कार्यक्रम में अमित अग्रवाल ने कहा कि गोपाल गौशाला ने समय के साथ नवाचारों को आत्मसात किया है और गायों को बचाने के दिशा में सकारात्मक काम किया है। इस मौके पर संस्था के ट्रस्टियों ने भी अपने विचार रखे। मौके पर गणेश अग्रवाल, अनिल मित्तल, जयगोपाल अग्रवाल, सतीश अग्रवाल, अर्जुन कुमार गोयल, सतवीर गर्ग, विनोद गर्ग, राजुराम सेपटा, रमेश काबरा, मुकेश सैनी, सुनील सिंघल, सरोज सिंघल, सुरेश गोयल, प्रदीप मिश्रा, एकता सैनी, पूजा मिश्रा, पूजा सिंह, विकास कुमार सैनी, चैताली झाडे और खुशी पांड्यान मौजूद रहे।

कविता ने सरकार से मूंगफली किसानों की समस्याओं का समाधान करने का आग्रह किया

हैदराबाद, 15 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी एमएलसी कल्वाकुंतला कविता ने राज्य सरकार से मूंगफली किसानों की समस्याओं को तुरंत हल करने और उनकी फसल के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य प्रदान करने के लिए तत्काल कदम उठाने की अपील की है। उन्होंने गुरुवार को परिषद में इस मुद्दे का विशेष रूप से उल्लेख किया। इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने कहा कि किसान संयुक्त महबूबनगर जिले में जडचेरला, अचम्पेट, महबूबनगर और नागरकुर्नूल कृषि बाजारों में आंदोलन कर रहे थे, जो मुख्यमंत्री का गृह जिला है।

उन्होंने कहा कि फसल के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य 6377 रुपये है और कहा कि व्यापारियों ने किसानों को लूटने के लिए एक सिंडिकेट बनाया है। सदन के ध्यान में लाया गया कि फसल 5,000 रुपये से कम में खरीदी जा रही है और कहा कि किसानों को धोखा दिया जा रहा है। व्यापारियों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। उन्होंने याद दिलाया कि कांग्रेस पार्टी ने प्रत्येक फसल के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य प्रदान करने का वादा किया था। अगर कीमत सभी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य से कम है, तो सिर्फ मूंगफली की फसल ही नहीं, सभी किसानों को नुकसान होगा। कांग्रेस सरकार ने कहा है कि वह 500 रुपये का बोनस देगी।

समथमूर्ति चिटफंड कंपनी के क्याथम गणेश गिरफ्तार

हैदराबाद, 15 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ईओडब्ल्यू, साइबराबाद कमिश्नरेट के अधिकारियों ने आरोपी नंबर 3 क्याथम गणेश को गिरफ्तार किया है और पूरे तेलंगाना में मुख्य रूप से माधापुर, एलबी नगर और कुकटापल्ली में लगभग 100 से 110 पीड़ितों/जनता को धोखा देने और रुपये वसूलने वाले रैकेट का भंडाफोड़ किया है। तीन महीने की चिट सदस्यता राशि का भुगतान करने के बाद चिट व्यवसाय में बोली नीलामी के साथ उन्हें लुभाया गया। वित्तीय प्रतिष्ठानों के जमाकर्ताओं के तेलंगाना संरक्षण अधिनियम-1999 के 5 को माधापुर पीएस में पंजीकृत किया गया था और बाद में इसे जांच के लिए ईओडब्ल्यू में स्थानांतरित कर दिया गया था।

पुलिस ने फ्लैट नंबर 502, भरणी क्लासिक अपार्टमेंट, मंसूराबाद, एलबी नगर में रहने वाले समथमूर्ति चिट फंड्स प्राइवेट लिमिटेड के अतिरिक्त निदेशक ए 3 क्याथम गणेश, उम्र 44 वर्ष, हनुमाकोंडा, वारंगल जिले के मूल निवासी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने कहा कि मुख्य आरोपी एलुपुला श्रीनिवास और उनके बेटे आरोपी एलुपुला राकेश वर्मा ने जनता को लुभाने की योजना बनाई और निदेशक के रूप में मेसर्स समथमूर्ति चिट फंड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड के नाम और शैली में एक चिट फंड कंपनी खोली और इसे अप्रैल में आरओसी, हैदराबाद में पंजीकृत कराया। सभी आरोपियों ने सहायक कार्यालय में पंजीकरण नहीं कराया। चिट रजिस्ट्रार और जानबूझकर एसीआर के साथ सुरक्षा जमा के रूप में चिट राशि जमा करने में विफल रहे। तीनों आरोपियों ने एचआर और टेली-कॉलर्स और कार्यालय कर्मचारियों की भर्ती की, जिन्होंने लगभग 100 से 110 निर्दोष निवेशकों को प्रेरित किया और फर्जी वादे पर 1.30 करोड़ रुपये एकत्र किए कि वे कंपनी में नामांकन के हर चौथे महीने में प्रत्येक निवेशक के लिए नीलामी प्रदान करेंगे और बाद में ठगे गए। पुलिस ने जनता से ऐसे धोखाधड़ी वाले चिटफंड कारोबार/योजनाओं में निवेश करने से बचने की अपील की है।

एससी, एसटी, बीसी, मुस्लिम फ्रंट ने बीजेपी से की 'संविधान और देश बचाओ' की मांग

हैदराबाद, 15 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एससी, एसटी, बीसी, मुस्लिम फ्रंट के नेताओं ने आज लोगों से अपने लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए धर्मयुद्ध शुरू करने की अपील की।आज यहां न्यूज एंड सर्विसेज सिंडिकेट में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए फ्रंट नेता सलाउल्लाह खान, नईमुल्ला शरीफ और खलील रसूल खान ने कहा कि वे 18 फरवरी को इंदिरा पार्क धरना चौक पर "संविधान की रक्षा करें और देश बचाएं" के नारे के साथ एक महा धरना आयोजित करेंगे। और ईवीएम रद्द करें। मोर्चे के नेताओं ने आशंका व्यक्त की कि यदि आगामी संसदीय चुनाव ईवीएम से कराए गए तो भारतीय लोकतंत्र खतरे में पड़ जाएगा और सांप्रदायिक भारतीय जनता पार्टी के सत्ता बरकरार रखने की संभावना है। इसलिए, चुनाव आयोग को ईवीएम को खत्म कर देना चाहिए और मतपत्र प्रणाली के माध्यम से चुनाव कराना चाहिए, उन्होंने मांग की। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि विकसित देश भी मतपत्र से ही चुनाव करा रहे हैं। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि पहले भाजपा ने ईवीएम का विरोध किया था, लेकिन अब, भगवा पार्टी लोकतांत्रिक भारत को सांप्रदायिक हिंदू राज में बदलने के इरादे से मतदान के लिए ईवीएम को प्राथमिकता दे रही है और परिणामस्वरूप एससी, एसटी, बीसी और अल्पसंख्यकों को अपूरणीय क्षति होगी। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा आरक्षण व्यवस्था को हटाने पर विचार कर रही है। मोर्चे के नेताओं ने "भाजपा हटाओ और भारत को बचाओ" के नारे भी लगाये। प्रेस वार्ता में फ्रंट नेता प्रोफेसर अनवर खान, एम जहीरुद्दीन, अधिवक्ता मसूद अली, एम अफजल, सलीम मल हिंदी, कमल अत्तार, नरसिंग, एमडी ताजुद्दीन, एमए सिद्दीकी, सलीम बाशा, एसएम जाविद और अन्य ने भाग लिया।

पहले दिन भारत ने की रनों की बारिश

रोहित-जडेजा का शतक, डेब्यू टेस्ट में सरफराज खान की यादगार पारी

राजकोट, 15 फरवरी (एजेंसियां)। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच टेस्ट मैचों की सीरीज का तीसरा मुकाबला राजकोट में गुरुवार (15 फरवरी) को शुरू हुआ। मैच का पहला दिन भारत के नाम रहा। कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का निर्णय किया और दिन का खेल समाप्त होने के समय उनका फैसला सही साबित हुआ। टीम इंडिया ने पहले दिन पांच विकेट पर 326 रन बनाए। भारत के लिए कप्तान रोहित शर्मा और रवींद्र जडेजा ने शतकीय पारी खेली। वहीं, डेब्यू टेस्ट की पहली पारी में सरफराज खान छा गए। रोहित शर्मा ने 131 रन बनाए। उन्होंने 196 गेंद की पारी में 14 चौके और तीन छक्के लगाए। वहीं, रवींद्र जडेजा 110 रन बनाकर नाबाद रहे। सरफराज खान ने करियर की पहली पारी में तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी की और 66 गेंद पर 62 रन बनाए। उन्होंने नौ चौके और एक छक्का लगाया। यशस्वी जायसवाल 10 और रजत पाटीदार पांच रन बनाकर पवेलियन लौटे। शुभमन गिल खाता भी नहीं खेल पाए। दिन का खेल खत्म होने के समय जडेजा के साथ कुलदीप यादव (एक रन) नाबाद रहे।

इंग्लैंड के लिए मार्क वुड ने तीन विकेट लिए। टॉम हार्टले को एक सफलता मिली है।

टॉस जीतने के बाद जब टीम इंडिया बल्लेबाजी के लिए उतरी तो उसकी शुरुआत खराब रही। विशाखापत्तनम में दोहरा शतक लगाने वाले यशस्वी जायसवाल का बल्ला इस मुकाबले में नहीं चला। वह चौथे ओवर की पांचवीं गेंद पर आउट हो गए। मार्क वुड ने जो रूट के हाथों उन्हें कैच कराया। वुड ने इसके बाद भारत को एक और झटका दिया। उन्होंने छठे ओवर की चौथी गेंद पर शुभमन गिल को पवेलियन भेज दिया। शुभमन ने नौ गेंदों का सामना किया। वह खाता नहीं खोल पाए। वुड की गेंद पर विकेटकीपर बेन फोक्स ने उनका कैच लिया। नौवें ओवर की पांचवीं गेंद पर रजत पाटीदार आउट हो गए। पाटीदार (पांच रन) को स्पिनर टॉम हार्टले ने बेन डकेट के हाथों कैच कराया।

पाटीदार के आउट होने के बाद भारतीय टीम प्रबंधन ने सबको हैरान करते हुए रवींद्र जडेजा को बल्लेबाजी के लिए भेज दिया। जडेजा आमतौर पर पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी नहीं करते। उन्होंने टीम के फैसले को सही साबित किया और कप्तान के साथ मिलकर टीम को संभाल लिया। रोहित और जडेजा ने चौथे विकेट के लिए 204 रन की साझेदारी की।

तीसरे सत्र की शुरुआत में ही रोहित ने शतक पूरा किया। उनके करियर का 11वां शतक है। वह टेस्ट में भारत के लिए सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में 15वें स्थान पर आ गए हैं। इस प्रारूप में सबसे ज्यादा शतक सचिन तेंदुलकर ने लगाए। उनके नाम 51 शतक हैं। रोहित ने टेस्ट में जुलाई 2023 के बाद पहला शतक जड़ा है। उनका पिछला शतक वेस्टइंडीज के खिलाफ जुलाई में आया था। तब उन्होंने विंडसर पार्क में 103 रन की पारी खेली थी।

रवींद्र जडेजा ने अपने टेस्ट करियर का चौथा शतक लगाया। राजकोट में उनका बल्ला हमेशा चला। उन्होंने इस मैदान पर प्रथम श्रेणी मैचों में अब तक 1564 रन बना लिए हैं। 12 मुकाबलों में इस मैदान उनके नाम छह शतक और चार अर्धशतक है। उनका उच्चतम स्कोर 331 रन है। जडेजा ने अपनी पारी के दौरान टेस्ट मैचों में तीन हजार रन भी पूरे कर लिए। वह टेस्ट में तीन हजार रन बनाने के साथ-साथ कम से कम 200 विकेट लेने वाले तीसरे खिलाड़ी हैं। पूर्व कप्तान कपिल देव ने 5248 रन बनाने के अलावा 434 विकेट लिए हैं। रविचंद्रन अश्विन के नाम 3271 रन और 499 विकेट हैं।

तीसरे सत्र में रोहित शर्मा के आउट होने के सरफराज खान बल्लेबाजी करने आए। शुरू की कुछ गेंदों पर वह नर्वस नजर आए। जब उनके बल्ले से कुछ रन निकल गए तो उन्होंने इंग्लैंड के गेंदबाजों को ताबड़तोड़ आक्रमण शुरू कर दिया। उनकी तेज बल्लेबाजी का अंदाजा आप इसी से लगा सकते हैं कि जब वह क्रीज पर उतरे थे तो जडेजा ने 84 रन बना लिए थे और जब सरफराज पवेलियन लौटे तब जडेजा के नाम 99 रन थे। सरफराज ने अपना अर्धशतक 48 गेंदों पर ही पूरा कर लिया। वह दुर्भाग्यशाली रहे कि शतक नहीं लगा पाए। सरफराज दिन का खेल समाप्त होने से कुछ देर पहले रन आउट हो गए। दरअसल, पारी के 82वें ओवर की पांचवीं गेंद पर रवींद्र जडेजा स्ट्राइक पर थे। जेम्स एंडरसन की गेंद को उन्होंने मिड-ऑन की ओर शॉट खेला। वह 99 रन के स्कोर पर थे। जडेजा एक रन लेकर शतक पूरा करना चाह रहे थे। वह रन लेने के आगे बढ़ें और फिर रुक गए। दूसरे छोर पर खड़े सरफराज काफी आगे बढ़ चुके थे। मिड-ऑन पर खड़े मार्क वुड ने सीधा स्टंप पर थ्रो मारा। सरफराज अपनी पहली पारी में रन आउट हो गए।

अब सबको रणजी ट्रॉफी खेलना ही होगा

कोहली का फुल सपोर्ट, जय शाह ने कर दिए ये बड़े ऐलान

नई दिल्ली, 15 फरवरी (एजेंसियां)। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने राजकोट में कई अहम बातें की. उन्होंने विराट कोहली का सपोर्ट किया, जो अभी इंग्लैंड सीरीज़ से बाहर हैं. साथ ही राजकोट में उन्होंने ऐलान किया कि टी-20 वर्ल्ड कप की कप्तानी रोहित शर्मा ही करेंगे. भारत और इंग्लैंड के बीच सीरीज़ का तीसरा टेस्ट मैच राजकोट में खेला जाना है, इस मैच से एक दिन पहले ग्राउंड में एक बड़ा कार्यक्रम हुआ. चर्चा तो इस बात की थी कि राजकोट में भारत की प्लेइंग-11 क्या होगी, लेकिन जो सुर्खियां बनीं वो बीसीसीआई सचिव जय शाह की अहम बातें थीं. जय शाह ने इस ग्राउंड में हुए कार्यक्रम में कई मुद्दों पर बात की, जो इस वक्त भारतीय क्रिकेट में चर्चा का विषय बना हुआ है.

सबसे पहली बात टी-20 वर्ल्ड कप की करते हैं, यहां जय शाह ने साफ कर दिया कि रोहित शर्मा ही टी-20 वर्ल्ड कप में भारत के कप्तान होंगे. यानी उन्होंने इन अटकलों पर लगाम लगा दी कि हार्दिक पंड्या को अभी प्रमोट नहीं किया जा रहा है, हालांकि टी-20 वर्ल्ड कप में हार्दिक पंड्या ही टीम के उप-कप्तान होंगे. ऐसे में वर्ल्ड कप के बाद या रोहित शर्मा के हटने के बाद हार्दिक पंड्या को ही टीम का कप्तान बनाया जा सकता है. साथ ही एक अहम बात ये भी है कि विराट कोहली का अभी टी-20 वर्ल्ड कप खेलना पक्का नहीं है. जय शाह के मुताबिक, टी-20 वर्ल्ड कप में विराट कोहली का रोल क्या होगा, इस पर अभी फैसला होना बाकी है. शायद विराट कोहली का इस साल का आईपीएल परफॉर्मेंस काफी कुछ निर्भर करेगा कि वो उन्हें टी-20 वर्ल्ड कप में जगह मिलती है या नहीं मिलती है.

भारत ने शतरंज ओलंपियाड की मशाल हंगरी को सौंपी

खेल मंत्री अनुराग और आनंद का दिलचस्प अंदाज

नई दिल्ली, 15 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में शतरंज ओलंपियाड की मशाल इसके 45वें संस्करण के आधिकारिक मेजबान हंगरी को सौंपी। भारत ने चेन्नई में 2022 में चेस ओलंपियाड की मेजबानी की थी और पहली बार इसकी मशाल देश के 75 शहरों में निकाली थी। इसी मशाल को खेल मंत्री ने शतरंज की शीर्ष वैश्विक संस्था फिडे के अध्यक्ष आर्केडी ड्वारकोविच और दुनिया की शीर्ष महिला ग्रैंड मास्टर रहीं जूडिथ पोल्गर को सौंपी। इस मौके पर पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद और भारतीय शतरंज महासंघ के अध्यक्ष संजय कपूर भी मौजूद रहे।

शतरंज खेल नहीं एक बौद्धिक विरासत

खेल मंत्री ने इस मौके पर विश्वनाथन आनंद के साथ मिलकर ड्वारकोविच और जूडिथ पोल्गर के खिलाफ दोस्ताना शतरंज की बाजी भी खेली। खेल मंत्री ने इस मौके पर कहा कि उन्हें खुशी है कि उन्होंने शतरंज ओलंपियाड की मशाल निकालने का जो फैसला लिया था, वह वास्तव में मशाल हैंडऑफ समारोह के साथ संपन्न हुआ। उन्होंने कहा कि शतरंज एक बौद्धिक विरासत है, जो संभवतः भारत ने दुनिया को प्रदान की है। यह खेल मात्र नहीं बल्कि रणनीतिक गहराई और दार्शनिक ज्ञान का प्रतिङ्कषबब है।

बुडापेस्ट में होना शतरंज ओलंपियाड

चेन्नई में हुए 44वें शतरंज ओलंपियाड में ढाई हजार से अधिक खिलाड़िय़ों ने शिरकत की। अगला चेस ओलंपियाड फिडे की ओर से बुडापेस्ट (हंगरी) में कराया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 19 जून, 2022 को प्रथम शतरंज ओलंपियाड मशाल की शुरुआत की थी।

भारतीय शतरंज महासंघ के अध्यक्ष संजय कपूर ने कहा कि शतरंज ओलंपियाड की मेजबानी किसी सपने के सच होने जैसा है। मेजबान टीम के इस ओलंपियाड में प्रदर्शन ने भारतीय शतरंज में एक स्वर्णिम युग की शुरुआत की। इस ओलंपियाड में भारतीय महिला टीम ने कांस्य पदक समेत कुल नौ पदक जीते।

एशिया टीम चैंपियनशिप में पीवी सिंधू की जीत के साथ वापसी

भारत ने चीन को 3-2 से हराया

नई दिल्ली, 15 फरवरी (एजेंसियां)। स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू ने चोट के कारण चार महीने बाद शानदार वापसी की है। भारत ने बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप (बीएटीसी) की महिला स्पर्धा में चीन की मजबूत टीम को 3-2 से हराया। सिंधू ने जीत के साथ शुरुआत की। ग्रुप डब्ल्यू में सिर्फ दो टीम होने के कारण पहले मुकाबले से पूर्व ही भारत की नॉकआउट में जीत सुनिश्चित थी, लेकिन टीम ने शीर्ष वरीय चीन को हराकर शान से नॉकआउट में प्रवेश किया।

पिछले साल फ्रेंच ओपन के दौरान घुटने में लगी चोट के बाद से बाहर सिंधू ने अपने से बेहतर रैंकिंग वाली हेन युई को 40 मिनट में 21-17 21-15 से हराकर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता 28 साल की सिंधू की विश्व रैंकिंग 11 जबकि हेन युई की आठ है।

तनीषा क्रास्टो और अश्विनी पोनप्पा की जोड़ी को इसके बाद ल्यु शेंग शु और टेन निंग की जोड़ी के खिलाफ 19-21 16-21 से शिकस्त झेलनी पड़ी जबकि अस्मिता चालिहा भी दुनिया की नौवें नंबर की खिलाड़ी वैंग झी यी के खिलाफ 13-21 15-21 से हार गई जिससे तीन मैच के बाद भारत 1-2 से पिछड़ गया। त्रीशा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने इसके बाद ली यी जिंग और लुओ शू मिन की जोड़ी को एक घंटे और नौ मिनट में 10-21 21-18 21-17 से हराकर भारत को बराबरी दिलाई।

टेनिस खिलाड़ी के साथ बड़ा हादसा

अभ्यास सत्र के बाद पड़ा दिल का दौड़ा! कमरे में मौत

इस्लामाबाद, 15 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान में एक युवा टेनिस खिलाड़ी के साथ बड़ा हादसा हुआ। इस्लामाबाद में आईटीएफ जूनियर टूर्नामेंट से पहले अभ्यास सत्र के बाद अपने कमरे में गिरने से जैनब अली नकवी की मौत हो गई। 17 वर्षीय किशोर ने सोमवार देर रात अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। अभ्यास के बाद जब जैनब कमरे में लौटी थीं तब उनके साथ उनकी दादी थी। जैनब के बेहोश होने के बाद उनकी दादी ने मदद मांगी थी।

पाकिस्तान टेनिस महासंघ ने इस घटना पर दुख जताया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, "यह बहुत दुखद है क्योंकि जैनब महिला सर्किट पर एक बहुत ही आशाजनक खिलाड़ी थीं। वह आईटीएफ जूनियर प्रतियोगिताओं को जीतने के लिए

उत्साहपूर्वक कड़ी मेहनत कर रही थीं।₹ मामले को संभाल रहे एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि इस्लामाबाद के एक अस्पताल में लाए जाने के बाद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

डॉक्टरों को इस बात का संदेह

पुलिस अधिकारी ने कहा, "डॉक्टरों को दिल का दौरा पड़ने का संदेह है और उन्होंने इसे मौत का स्वाभाविक कारण बताया है। उनके माता-पिता भी पोस्टमार्टम नहीं चाहते थे और उन्हें कराची वापस ले जाने के लिए खिलाड़ी का शव सौंप दिया गया है।" पीटीएफ अधिकारी ने नाम नहीं छापने की शर्त पर कहा कि डॉक्टरों को संदेह है कि यह 'हाइपरट्रॉफिक कार्डियोमायोपैथी' का मामला है जिसमें हृदय की मांसपेशियां मोटी हो जाती हैं।

पीटीएफ ने जारी किया बयान

घटना पर अपने आधिकारिक बयान में पीटीएफ ने युवा खिलाड़ी के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि इस घटना से गहरा दुख हुआ है। इसमें कहा गया, ₹पाकिस्तान टेनिस महासंघ के अध्यक्ष ऐसाम उल हक कुरैशी, सीनेटर सलीम सैफुल्ला खान, पूर्व अध्यक्ष पीटीएफ, पीटीएफ परिषद के सदस्य और बड़े पैमाने पर टेनिस बिरादरी शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त किया।

रो पड़े पिता, टेस्ट कैप को चूमा, फिर बेटे से लिपट गए

सरफराज खान के डेब्यू पर राजकोट के मैदान का बदला दिखा नजारा

राजकोट, 15 फरवरी (एजेंसियां)। राजकोट टेस्ट में सरफराज खान का टेस्ट डेब्यू हुआ है. वो भारत के टेस्ट प्लेयर नंबर 311 बने हैं. सरफराज के टेस्ट डेब्यू के बाद उनके पिता मैदान पर रो पड़े. उनकी आंखों में खुशी के आंसू थे. ये उनका साकार हुआ वो सपना था जो उन्होंने अपने बेटे के साथ मिलकर देखा था.

आखिरकार पिता की मेहनत रंग ले ही आई. सरफराज खान के इंडिया खेलने का इंतजार थम ही गया. राजकोट टेस्ट में भारत के खिलाड़ी नंबर 311 के तौर पर दुनिया ने सरफराज खान को टेस्ट डेब्यू करते देखा. सरफराज खान को उनके पिता की निगाहों के सामने ये सम्मान हासिल हुआ. उन्हें भारतीय क्रिकेट के सबसे बड़े मैच विनर अनिल कुंबले से टेस्ट कैप मिली, जिसके बाद मैदान का पूरा नजारा ही बदला दिखा. सरफराज के पिताा की आंखों में खुशी के आंसू थे.

सरफराज खान को टेस्ट कैप मिलने पर पूरी टीम ने उन्हें बधाई दी. अनिल कुंबले से टेस्ट कैप को लेने के बाद सरफराज खान भागे-भागे पहुंचे मैदान की बाउंड्री पर खड़े अपने पिता के पास. उन्होंने वहां पहुंचकर अपने पिता का आशीर्वाद लिया. उन्हें वो टेस्ट कैप दिखाई, जिसका सपना उन्होंने भी अपने बेटे के साथ-साथ देखा था. टीम इंडिया की कैप को हाथ में लेकर पिता ने उसे चूमा. इसके बाद उन्होंने अपने बेटे सरफराज को गले से लगा लिया. राजकोट के मैदान का ये नजारा वाकई आंखों को नम कर देने वाला था.

फर्स्ट क्लास क्रिकेट में सरफराज का जबरदस्त रिकॉर्ड

सरफराज खान घरेलू क्रिकेट में लगातार परफॉर्म कर रहे थे. एक के बाद एक बड़ी पारियां खेल रहे थे. उन पारियों के दम पर सिर्फ 45 फर्स्ट क्लास मैचों में ही उन्होंने 3912 रन ठोक दिए थे. इस दौरान उनका औसत करीब 70 (69.85) का रहा. वहीं उनके बल्ले से 14 शतक और 11 अर्धशतक देखने को मिले. फर्स्ट क्लास क्रिकेट में सरफराज खान की सबसे बड़ी पारी नाबाद 301 रन की है.

मेहनत के साथ तकदीर का साथ, बन गई बात

सरफराज खान की टीम इंडिया में एंट्री भी तकदीर के सहारे हुई थी. दरअसल, जब इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो टेस्ट के लिए टीम इंडिया का चयन हुआ था तो उसमें उनका नाम नहीं था. उन्हें टीम में जगह पहले टेस्ट में केएल राहुल के चोटिल होने के बाद मिली. हालांकि, टीम इंडिया में आते ही उन्हें दूसरे टेस्ट में खेलने का मौका तो नहीं मिला लेकिन सीरीज के तीसरे टेस्ट में सरफराज की तकदीर का ताला जरूर खुला. अब देखना ये है कि सरफराज खान टीम इंडिया के लिए खेलने के इस मौके को कैसे भुनाते हैं.

शुभमन गिल के दुश्मन हैं उनके हाथ, इलाज तो कराना ही पड़ेगा!

मुंबई, 15 फरवरी (एजेंसियां)। राजकोट टेस्ट की पहली पारी में भारतीय टॉप ऑर्डर ताश के पत्तों की तरह बिखर गया. पिछले मैच में शतक लगाने वाले शुभमन गिल एक बार फिल फ्लॉप रहे. शुभमन गिल खाता तक नहीं खोल पाए और वो 9 गेंदों तक ही क्रीज पर ठहर पाए. आइए आपको बताते हैं कि आखिर क्यों टेस्ट क्रिकेट में शुभमन गिल लगातार रन बनाने में नाकाम रहते हैं. विशाखापट्टनम टेस्ट में जब शुभमन गिल के बल्ले से शतक निकला तो दुनिया ये कहने लगी कि अब इस खिलाड़ी की वापसी हो चुकी है. गिल फॉर्म में आ चुके हैं. लोग इसलिए भी ये बातें कह रहे थे क्योंकि शुभमन का ये शतक दूसरी पारी में आया था और ये काम करना इतना आसान नहीं होता. लेकिन राजकोट आते-आते शुभमन गिल का बल्ला एक बार फिर उनसे रूठ गया. तीसरे टेस्ट की पहली पारी में गिल क्रीज पर आए और वो 9 गेंदों के बाद ही पवेलियन लौट गए. गिल खाता तक नहीं खोल सके. गिल के आउट होने के बाद एक बार फिर लोगों के जेहन में सवाल पैदा हो रहा है कि आखिर क्यों शुभमन गिल टेस्ट क्रिकेट में लगातार बड़ी पारियां नहीं खेल पा रहे, जबकि उनके अंदर टैलेंट कूट-कूटकर भरा है. आइए आपको देते हैं इसका सीधा और सरल जवाब.

शुभमन गिल की सबसे बड़ी कमजोरी उनके हाथ हैं. जी हां चौंकिए नहीं, दरअसल शुभमन गिल अपने बैट को काफी ज्यादा टाइट पकड़ते हैं, जिसकी वजह से उनका बैट काफी तेजी से नीचे की ओर आता है. वनडे और टी20 क्रिकेट में तो इस तरह की हैंडग्रिप चल जाती है लेकिन टेस्ट क्रिकेट में ये बल्लेबाज को नुकसान देती है खासतौर पर अगर वो टॉप ऑर्डर का बैट्समैन हो.

गिल का दांया हाथ बैट पर काफी सख्त रहता है और यही वजह है कि वो कट और पुल शॉट्स तो बेहतरीन खेलते हैं लेकिन जब गेंद शॉर्ट ऑफ गुड लेंग्थ पर होती है तो उनका डिफेंस कमजोर नजर आता है. राजकोट टेस्ट में शुभमन गिल का विकेट तेज गेंदबाज मार्क वुड ने लिया. वुड की बाहर जाती गेंद को गिल ने डिफेंड करने की कोशिश की लेकिन गेंद उनके बल्ले का किनारा लेकर विकेटकीपर बेन फोक्स के ग्ल्वज़ में समा गई. गिल के आउट होने के बाद मैच में कमेंट्री कर रहे दिनेश कार्तिक ने बताया कि आखिर क्यों गिल इस तरह आउट हुए. कार्तिक ने भी यही बात कही कि गिल का बॉटम हैंथ काफी हार्ड रहता है और इसपर उन्हें काम करना होगा.

आइए अब आपको बताते हैं कि सॉफ्ट बॉटम हैंड से फायदा क्या होता है? अगर बल्लेबाज बैट को बॉटम हैंड से हल्का पकड़े तो उसके स्लिप या विकेट के पीछे आउट होने की आशंका कम रहती है. अगर गेंद कुछ हरकत करती है तो बल्लेबाज नीचे वाले हाथ को हटाकर बल्ले पर लगने के बावजूद गेंद की रफ्तार धीमी कर सकता है. आपने देखा होगा कि कई बार गेंद बल्लेबाज के बैट से लगकर स्लिप या विकेटकीपर तक जाने की बजाए पहले ही नीचे गिर जाती है. ये अकसर हल्के या सॉफ्ट बॉटम हैंड की वजह से होता है.

सचिन तेंदुलकर, एबी डिविलियर्स, कुमार संगकारा, महेला जयवर्धने जैसे दिग्गज बल्लेबाजों का बॉटम हैंड हमेशा सॉफ्ट रहता था और यही वजह है कि ये बल्लेबाज टेस्ट क्रिकेट में इतने सफल हो पाए. अब अगर शुभमन गिल को टेस्ट क्रिकेट में सफलता के झंडे गाड़ने हैं तो उन्हें अपने हाथों पर काम करना होगा. शुभमन गिल अबतक 23 टेस्ट मैच खेल चुके हैं, उनके बल्ले से 3 शतक भी निकले हैं लेकिन इसके बावजूद उनका बैटिंग औसत 30.79 है.

ये किसी भी टॉप ऑर्डर बल्लेबाज के लिए बेहद खराब आंकड़ा है. गिल की इतनी खराब बैटिंग एवरेज इसलिए है क्योंकि वो लगातार रन नहीं बना पा रहे हैं. गिल छोटे से टेस्ट करियर में 4 बार 0 पर आउट हो चुके हैं. 9 बार वो दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू पाए. पचास रनों का आंकड़ा उन्होंने चार ही बार हासिल किया. गिल की परफॉर्मेंस अगर ऐसी ही रही तो यकीन मानिए आपको ये बल्लेबाज जल्द टेस्ट टीम से बाहर नजर आएगा.

फूल बेचने वाली के बेटे ने गेंदबाजों के फूलाए हाथ-पांव

10 छक्के और 39 चौके के साथ ठोके 346 रन

खेल डेस्क, 15 फरवरी (एजेंसियां)। जो जितना दुख और दर्द झेले होता है, वो उतना ही सख्त होता है. और, कुछ ऐसा ही मिजाज और अंदाज है अफगानिस्तान के खिलाफ 346 रन ठोकने वाले श्रीलंकाई बल्लेबाज का. वो एक फूल बेचने वाली मां का बेटा है. पिता ग्राउंड्स ब्वॉय थे, जब वो छोटा था. ऐसे में बचपन तंगहाली और संघर्ष में बीतना जायज था क्योंकि आमदनी का अभाव था.

मैदान में डटते वही हैं, जो लड़ने का हुनर जानते हैं. और, ये हुनर अगर बचपन से ही सीखने को मिले, तो फिर मैदान पर उसका असर कुछ वैसा ही होता है, जैसा श्रीलंका और अफगानिस्तान के बीच वनडे सीरीज में देखने को मिला. जहां एक बल्लेबाज ने 10 छक्के और 39 चौके के साथ 346 रन ठोकते हुए अपनी टीम को वनडे की ट्रॉफी जिता दी. हम बात कर रहे हैं पाथुम निसंका की, जिन्होंने अफगानिस्तान के खिलाफ ऐसी हाहाकारी बैटिंग की

नुमाइश की कि श्रीलंका को वनडे ट्रॉफी जीतने में कोई परेशानी नहीं हुई.

श्रीलंका ने अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज में क्लीन स्वीप किया. मतलब उसने 3 वनडे की सीरीज में 3-0 से कब्जा किया. 9 फरवरी से 14 फरवरी के बीच खेले इन तीनों वनडे में जो खिलाड़ी सबसे ज्यादा छाया रहा वो पाथुम निसंका रहे. 25 साल का ये बल्लेबाज वनडे सीरीज के पहले मैच में दोहरा शतक और फिर तीसरे मैच में शतक जड़कर हीरो बन गया. और, इस तरह उन्होंने अपने 346 रनों की स्क्रिप्ट लिखी.

दरअसल, हम 10 छक्के और 39 चौके के साथ जड़े जिन 346 रनों की बात कर रहे हैं, वो एक मैच नहीं बल्कि पूरी वनडे सीरीज में पाथुम निसंका के बल्ले से निकले रन हैं. 14 फरवरी को खेले सीरीज के तीसरे और आखिरी वनडे में पाथुम निसंका ने 101 गेंदों का सामना करते हुए 16 चौके और 2 छक्के के साथ 118 रन बनाए. ये उनके वनडे करियर की 5वीं सेंचुरी रही. सीरीज के दूसरे वनडे में पाथुम सिर्फ 18 रन ही बना सके थे. लेकिन, पहले मैच में उन्होंने नाबाद रहते हुए 210 रन की बेजोड़ पारी खेली थी. ये पाथुम के वनडे करियर का सबसे बड़ा स्कोर रहा.

लोगों की प्रगति के लिए जी-जान से काम कर रही है सरकार : रेवंत

बंजारा भवन में संत श्री सेवालाल की 285वीं जयंती समारोह आयोजित

हैदराबाद,15 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने कहा कि बंजारा बंधुओं से मिलना उतना ही सुखद है जितना कांग्रेस परिवार के सदस्यों से मिलने में खुशी होती है। वर्ष 1976 में, इंदिरा गांधी ने बंजारों को एसटी सूची में शामिल किया था। बंजारा भवन में संत श्री सेवालाल की 285वीं जयंती समारोह में मुख्यमंत्री बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य स्तर की सरकारी नौकरियों में बंजारे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आनुपातिक रूप से धन आवंटित करने का श्रेय सोनिया गांधी को दिया जाता हैं। उन्होंने कहा कि आपके आशीर्वाद से तेलंगाना में जनता की सरकार बनी है। सरकार ने सेवालाल जयंती को ऐच्छिक अवकाश के रूप में तय किया है। सेवालाल जयंती मनाने के लिए एक करोड़ नहीं, हम दो करोड़ रुपये और जोड़कर जारी कर रहे हैं। सीएम ने कहा कि हमारी सरकार सभी तांडा में स्कूल बनाने की जिम्मेदारी लेगी। पढ़ाई को तांडा तक पहुंचाना हमारी जिम्मेदारी है। जितने भी तांडा ग्राम पंचायत बन गए हैं, उन सभी के लिए बीटी सड़क बनाना हमारी सरकार की जिम्मेदारी है, जो तांडे ग्राम पंचायत बन गए हैं, उनके लिए पंचायत भवन बनाए जाएंगे। बिजली, पेयजल कोई भी समस्या हो सरकार के ध्यान में लाई जानी चाहिए। हमारी सरकार आपके विकास के लिए कड़ी मेहनत करेगी। हम सभी निर्वाचन क्षेत्रों में एससी, एसटी, बीसी और अल्पसंख्यक आवासों में सभी सुविधाएं प्रदान करने के लिए कदम उठाएंगे। जब आप शिक्षित होंगे तभी समाज में आपका सम्मान होगा। उन्होंने कहा कि पढ़ाई की राह पकड़ो और संत सेवालाल की राह चलिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने 70 दिनों में एक भी दिन की छुट्टी नहीं ली है। ये किसी से छुपने वाली सरकार नहीं है। ये आपके लिए आपकी प्रगति के लिए जी जान से काम करने वाली सरकार है। अगले संसदीय चुनाव में कांग्रेस की जीत के लिए कड़ी मेहनत करें।

बीआरएस को जल्द ही चार भागों में बांटा जाएगा : वेंकट रेड्डी

हैदराबाद, 15 फरवरी (स्वतंत्रत वार्ता)। सड़क और भवन मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने दिलचस्प टिप्पणी करते हुए कहा है कि बीआरएस पार्टी जल्द ही चार भागों में विभाजित हो जाएगी।

उन्होंने यह भी कहा कि पूर्व मंत्री हरीश राव की टिप्पणियां पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव और उनके बेटे और पूर्व मंत्री केटी रामा राव की पीठ में छुरा घोंपने वाली लगती हैं। गुरुवार को विधानसभा में मीडियाकर्मियों से बातचीत में वेंकट रेड्डी ने कहा कि ऐसा लगता है कि हरीश राव मुख्यमंत्री बनने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा, अगर हरीश राव केसीआर का विरोध करते हैं, तो कांग्रेस पार्टी निश्चित रूप से उनका समर्थन करेगी। मेरा दृढ़ता से मानना है कि बीआरएस पार्टी केटीआर, हरीशराव और कविता के नाम पर विभाजित हो जाएगी और बीआरएस में चार पार्टियां होंगी। मंत्री ने कहा कि हरीश राव बीआरएस पार्टी में विधायक दल के नेता भी नहीं बनेंगे क्योंकि नेता बनने के लिए उन्हें 20 विधायकों के समर्थन की जरूरत है।

सीपी ने कांस्टेबल के परिवार के सदस्यों को प्लॉट का दस्तावेज सौंपा

हैदराबाद, 15 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मगल्ला यादैय्या वर्ष 2007 में (एआर) कांस्टेबल के रूप में चुने गए और साइबराबाद में सेवा दी। बाद में, 2011 में, उन्हें एक (सिविल) कांस्टेबल के रूप में चुना गया और साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय के विभिन्न पुलिस स्टेशनों में सेवा दी। इसी क्रम में माधापुर पुलिस स्टेशन में सिविल कांस्टेबल के पद पर कार्यरत यादैय्या की बीते 8 अक्टूबर वर्ष 23 को दिल का दौरा पड़ने से मृत्यु हो गई। कांस्टेबल की पत्नी पूजा और दो बच्चे हैं। इस घटना से मर्माहत माधापुर पुलिस स्टेशन के कर्मचारियों एक सहकर्मी के परिवार का समर्थन करने का फैसला किया, और 2011 बैच के कर्मचारी, साइबराबाद, राचकोंडा, करीमनगर बैच के साथियों ने मिलकर 15 लाख रुपये चंदा एकत्र किया। कांस्टेबल के परिवार को वित्तीय सुरक्षा प्रदान की गई। शमशाबाद के पास पेद्दा शाहपुर में यादैय्या के बच्चों के नाम पर 200 गज का प्लॉट खरीदा गया। इस भूखंड से संबंधित दस्तावेज आज साइबराबाद सीपी अविनाश महंती के हस्ताक्षर के तहत उनके परिवार के सदस्यों को सौंप दिया गया। इस कार्यक्रम में मधापुर डीसीपी डॉ.जी विनीत, मधापुर इंस्पेक्टर मल्लेश व अन्य मौजूद थे।

सीईआईआर पोर्टल की मदद से चोरी व खोए हुए 150 मोबाइल फोन बरामद

हैदराबाद, 15 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सरकारी रेलवे पुलिस तेलंगाना की विशेष टीमों ने सी.ई.आई.आर. का उपयोग करके 10 लाख रुपये मूल्य के (150) चोरी/खोए हुए मोबाइल फोन बरामद किए हैं। बरामद फोन वास्तविक मालिकों को सौंप दिए गए। 19 अप्रैल 2023 को तेलंगाना राज्य में सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिफाई रजिस्टर पोर्टल शुरू हुआ और सरकारी रेलवे पुलिस तेलंगाना ने अब तक कुल (435) चोरी हुए/खोए हुए मोबाइल बरामद कर लिए हैं। एडीजी रेलवे महेश भागवत के निर्देशों के अनुसार, जो पहले सीईआईआर पोर्टल के राज्य नोडल अधिकारी के रूप में काम करते थे, डीएसआरपी ग्रामीण वाईनरसिम्हा रेड्डी और डीएसआरपी काजीपेट के पर्यवेक्षण अधिकारियों के तहत पूरे रेलवे पुलिस जिले में एक विशेष टीमों का गठन किया गया है। श्रीनिवास राव और हमने सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से रिपोर्ट किए गए मामलों और मीसेवा एप्लिकेशन सहित एक महीने के भीतर 10 लाख रुपये मूल्य के (150) मोबाइल बरामद किए। तेलंगाना राज्य के साथ-साथ विशेष टीमों ने अन्य राज्यों केरल-5, उत्तर प्रदेश-4, महाराष्ट्र-13, कर्नाटक-11, मध्य प्रदेश-8, बिहार-6, तमिलनाडु-7, आंध्र प्रदेश-38 और शेष तेलंगाना 58 से भी मोबाइल बरामद किए हैं। ये मोबाइल फोन या तो यात्रा के दौरान उन यात्रियों से चोरी हो गए हैं, जो फुटबोर्ड पर या खिड़की की तरफ बैठे थे, जहां उनका फोन गुम हो गया था या कुछ अज्ञात अपराधियों ने या तो इसे छीन लिया था या चोरी कर लिया था। श्री भागवत ने कहा कि हम रेल यात्रियों से अनुरोध करते हैं कि वे अपने सामान के प्रति सावधान रहें और यदि रेलवे स्टेशनों पर कोई मोबाइल फोन चोरी होता है, तो तुरंत www.ceir.gov.in पर लॉग इन करके सीईआईआर पोर्टल में आईएमईआई नंबर वाले अपने मोबाइल फोन को ब्लॉक कर दें। एडीजीपी रेलवे पुलिस तेलंगाना महेश भागवत और एसपी एसआरपी सिकंदराबाद शेख सलीमा ने केवल 1 महीने में 150 फोन की बरामदगी के लिए विशेष टीमों की सराहना की है। सभी को उचित रूप से पुरस्कृत करने की घोषणा की है।

केंद्रीय मंत्री ने कोमुरावेल्ली (एच) रेलवे स्टेशन की आधारशिला रखीं

हैदराबाद 15 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जी. किशन रेड्डी, माननीय केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन, उत्तर पूर्व क्षेत्र विकास मंत्री जी. किशन रेड्डी ने आज मुख्यमंत्री मोहन यादव मध्यप्रदेश की गरिमामयी उपस्थिति में कोमुरावेल्ली (एच) रेलवे स्टेशन के निर्माण की आधारशिला रखी।

इस अवसर पर वी. रोजा राधाकृष्ण शर्मा, अध्यक्ष, जिला प्रजा परिषद, सिद्दीपेट, डॉ. लक्ष्मण, संसद सदस्य बूरा नरसैया, पूर्व संसद सदस्य और रघुनंदन राव, पूर्व विधान सभा सदस्य, अरूण कुमार जैन, महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे, लोकेश विश्नोई, मंडल रेल प्रबंधक, हैदराबाद मंडल और अन्य वरिष्ठ रेलवे अधिकारी भी उपस्थित थे। इस अवसर पर बोलते हुए केन्द्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कहा कि कोमुरावेल्ली (एच) स्टेशन से उन हजारों तीर्थयात्रियों को अत्यधिक लाभ होगा जो मल्लिकार्जुन स्वामी का आशीर्वाद लेने के लिए प्रतिदिन कोमुरावेल्ली आते हैं। उन्होंने लोगों के लंबे समय से पोषित सपने को पूरा करने में समर्थन के लिए प्रधान मंत्री, नरेंद्र मोदी और माननीय रेल मंत्री, अश्विनी वैष्णव को धन्यवाद दिया। उन्होंने बताया कि कोमुरावेल्ली स्टेशन मनोहराबाद कोथापल्ली नई रेलवे लाइन पर पड़ता है, इस परियोजना का एक हिस्सा, यानी मनोहराबाद सिद्दीपेट को हाल ही में प्रधानमंत्री द्वारा समर्पित किया गया है। उन्होंने बताया कि आगामी कोमुरावेली स्टेशन पर यात्रियों के लिए हाई लेवल प्लेटफॉर्म, मंदिर वास्तुकला के साथ स्टेशन भवन, टिकट बुकिंग काउंटर, वाईफाई सुविधा वेटिंग हॉल आदि सहित सभी सुविधाएं होंगी।

इसके अलावा, केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पूरे तेलंगाना राज्य में रेल बुनियादी ढांचे के सुधार के लिए विभिन्न उपाय किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, उसी के हिस्से के रूप में, तेलंगाना राज्य में 40 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है, जिनमें सिकंदराबाद, नामपल्ली, काचीगुडा स्टेशन आदि शामिल हैं। उन्होंने कहा कि सभी स्टेशनों पर मुफ्त वाई-फाई की सुविधा भी दी जा रही है। पिछले नौ वर्षों में लगभग रु. उन्होंने कहा कि तेलंगाना राज्य में रेल विकास कार्यों के लिए 30,000 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि जल्द ही हैदराबाद के आसपास एक बाहरी रिंग रेल रोड का निर्माण किया जाएगा जो शहर के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर भीड़ कम करने में मदद करेगा। उन्होंने बताया कि आउट रिंग रेल परियोजना को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है, जिससे रेल यात्रा में क्रांतिकारी बदलाव आएगा और यात्रियों को सुविधा मिलेगी। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि कोम्मुरवेली (एच) रेलवे स्टेशन के निर्माण की आधारशिला रखना एक आशीर्वाद है। उन्होंने कहा कि रेलवे आम लोगों के लिए महत्वपूर्ण है और राष्ट्र के आर्थिक विकास और वृद्धि में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

संत सेवालाल महाराज जयंती समारोह में शामिल हुए केटीआर

हैदराबाद, 15 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। महान समाज सुधारक और आदिवासियों के आदर्श संत सेवालाल महाराज की जयंती समारोह गुरुवार को तेलंगाना भवन में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर शामिल हुए। उन्होंने सेवालाल के चित्र पर पुष्पमाला चढ़ाकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर बोलते हुए केटीआर ने याद दिलाया कि सेवालाल ने लोगों से नशे और हिंसा से दूर रहने का आह्वान किया था। सेवालाल महाराज को सम्पूर्ण भारत का गौरवशाली अध्यात्मवादी बताया गया है। समाज के प्रति उनकी सेवाओं के लिए उनकी प्रशंसा की गई। उन्होंने लोगों से ऐसे महानुभावों के दिखाए रास्ते पर चलकर देश के विकास में शामिल होने का आह्वान किया। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री सत्यवती राठौड़, कोप्पुला ईश्वर, सांसद मलोथु कविता, वद्दिराजू रविचंद्र, बीआरएस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

भाजपा के दस साल के 'अन्यायकाल' में महंगाई और बेरोजगारी बढ़ रही है : दिग्विजय

हैदराबाद, 15 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस पार्टी ने मंगलवार को छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में एक ऐतिहासिक घोषणा की और विभिन्न फसलों के लिए एमएसपी की कानूनी गारंटी देने का वादा किया। यह देशभर के किसानों की लंबे समय से लंबित मांग रही है।

आज यहां गांधी भवन में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, सांसद और सीडब्ल्यूसी सदस्य, दिग्विजय सिंह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने अपने रायपुर सत्र में कृषि पर अपने संकल्प में भी वादा किया था कि वह एमएसपी के लिए कानूनी गारंटी प्रदान करेगी। पार्टी ने कृषक समुदाय को आश्वासन दिया कि 2024 के आम चुनावों के बाद सत्ता संभालते ही यह भारत सरकार का पहला और सबसे महत्वपूर्ण एजेंडा होगा। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी और प्रधान मंत्री मोदी 2014 से पहले बार-बार किए गए वादों से पीछे हट रहे हैं। मोदी ने 2014 के आम चुनावों के दौरान भाजपा के प्रधान मंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में प्रचार करते हुए खुद एमएसपी के आधार पर प्रदान करने का वादा किया था। स्वर्गीय एमएस स्वामीनाथन की सिफ़ारिशें, जिन्हें भाजपा सरकार ने हाल ही में भारत रत्न से सम्मानित किया था। भाजपा को उनकी सिफ़ारिशों को लागू करना चाहिए था क्योंकि यह उनके प्रति उतनी ही बड़ी श्रद्धांजलि होगी। दिग्विजय सिंह ने कहा कि इन सिफारिशों के अनुसार, एमएसपी कुल इनपुट लागत प्लस 50 प्रतिशत पर आधारित होना चाहिए। लेकिन दुख की बात है कि मोदी और भाजपा ने अपने वादों से मुकरने के अपने विशिष्ट तरीके से सुप्रीम कोर्ट में एक हलफनामा दायर किया जिसमें कहा गया कि वास्तविक इनपुट लागत और 50 अतिरिक्त के आधार पर एमएसपी प्रदान करना संभव नहीं है। दो साल पहले जब देश के किसानों ने दिल्ली के बाहरी इलाके में एक साल तक धरना दिया था, तब प्रधानमंत्री ने एमएसपी के लिए कानूनी गारंटी पर विचार करने का वादा किया था। दो साल बीत गए, लेकिन कुछ नहीं हुआ। वहीं किसानों ने पीएम मोदी को उनका वादा याद दिलाने के लिए राष्ट्रीय राजधानी की ओर मार्च करने का फैसला किया। उन्होंने कहा, लेकिन उन्हें राष्ट्रीय राजधानी की ओर जाने से रोका जा रहा है। पूरे देश ने यह भयानक दृश्य देखा है कि कैसे भाजपा शासित हरियाणा राज्य पुलिस किसानों के मार्च को रोकने के लिए क्रूर और अमानवीय तरीकों का सहारा ले रही है। ड्रोन का इस्तेमाल कर आंसू गैस के गोले छोड़े जा रहे हैं।

यह कुछ-कुछ वैसा ही है जैसा इजराइल गाजा में कर रहा है। क्या हम युद्ध क्षेत्र और संघर्ष क्षेत्र में रह रहे हैं या हम एक युद्ध क्षेत्र बनाने की कोशिश कर रहे हैं? उन्होंने आश्चर्य जताया कि यह किसानों के आंदोलन को रोकने के लिए दिल्ली और पंजाब के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग पर सड़कों पर लगाई गई कीलों, बड़े-बड़े पत्थरों, खाइयों और अन्य बाधाओं के अलावा है, जैसे कि अन्नदाता देश के दुश्मन हों।

रेणुका चौधरी व अनिल कुमार यादव ने नामांकन किया

हैदराबाद, 15 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी की ओर से पूर्व केंद्रीय मंत्री रेणुका चौधरी और युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता अनिल कुमार यादव ने विधानसभा सचिव कार्यालय में अपना नामांकन दाखिल किया। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, एआईसीसी प्रभारी दीपादास मुंशी, मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव, पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, श्रीधर बाबू और अन्य उपस्थित थे।

पीड़ितों की सेवा राज्य के अग्रणी दृष्टिकोण का उदाहरण : दामोदर राजनरसिम्हा

मंत्री ने भरोसा केंद्र के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 15 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना ने गुरुवार को मेदक जिले में भरोसा केंद्र के लिए एक नवनिर्मित, अच्छी तरह से सुसज्जित भवन के उद्घाटन के साथ राज्य भर में भरोसा केंद्रों को मजबूत करने और स्थिरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। यह महत्वपूर्ण अवसर सभी जिलों में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराध के पीड़ितों के समर्थन के लिए राज्य के समर्पण में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा के उद्घाटन समारोह में एक अत्याधुनिक सुविधा का अनावरण किया गया, जिसका उद्देश्य महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराध से बचे लोगों को व्यापक सहायता प्रदान करना है। भरोसा केंद्र, तेलंगाना पुलिस की एक प्रमुख पहल, पीड़ित सहायता सेवाओं के लिए राज्य के अग्रणी दृष्टिकोण का उदाहरण है। समर्पित एकल-खिड़की सहायता केंद्रों के रूप में कार्य करते हुए, वे बचे लोगों को एक सुरक्षित आश्रय प्रदान करते हैं जहां वे परामर्श, कानूनी सहायता, चिकित्सा सहायता, पुनर्वास और अन्य आवश्यक सेवाओं तक पहुंच सकते हैं। नई इमारत का तेजी से पूरा होना पीड़ित-केंद्रित सेवाओं को बढ़ाने और सभी नागरिकों के लिए एक सुरक्षित वातावरण को बढ़ावा देने के लिए तेलंगाना राज्य पुलिस की अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। मई 2016 में हैदराबाद में पहले भरोसा केंद्र की स्थापना के बाद से, तेलंगाना पुलिस ने राज्य भर में 20 केंद्रों को शामिल करने के लिए अपने नेटवर्क का विस्तार किया है। मेदक में नई उद्घाटन सुविधा सहित ये केंद्र, वन-स्टॉप-क्राइसिस सेंटर के रूप में कार्य करते हैं, जो एक ही छत के नीचे चिकित्सा, मनोवैज्ञानिक, कानूनी, अभियोजन, मुआवजा और पुनर्वास सहायता जैसी एकीकृत सेवाएं प्रदान करते हैं। हाल ही में 6 फरवरी, 2024 को जगित्याल, भद्राद्रि कोत्तागुडेम, जनगांव, मनचेरियाल, मुलुगु, नागरकुर्नूल, पेड्डपल्ली और वानपर्ती में आठ अतिरिक्त भरोसा केंद्रों का उद्घाटन उल्लेखनीय है। यह विस्तार अधिक समुदायों तक सहायता सेवाओं का विस्तार करने के लिए पुलिस विभाग के सक्रिय प्रयासों को दर्शाता है। एडीजीपी, महिला सुरक्षा विंग, तेलंगाना, सदस्य सचिव के रूप में शिखा गोयल के दूरदर्शी नेतृत्व में प्रत्येक केंद्र परामर्शदाताओं, नैदानिक मनोवैज्ञानिकों, कानूनी सहायता अधिकारियों और चिकित्सा कर्मियों सहित पेशेवरों की एक समर्पित टीम से सुसज्जित है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.